केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan



सामजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

कक्षा/Class: IX

2024-25

विद्यार्थी सहायक सामग्री

Student Support Material

हिंदी माध्यम/Hindi Medium

संदेश

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सर्वोच्च वरीयता है। हमारे विद्यार्थी, शिक्षक एवं शैक्षिक नेतृत्व कर्ता निरंतर उन्नति हेतु प्रयासरत रहते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में योग्यता आधारित अधिगम एवं मूल्यांकन संबन्धित उद्देश्यों को प्राप्त करना तथा सीबीएसई के दिशा निर्देशों का पालन, वर्तमान में इस प्रयास को और भी चुनौतीपूर्ण बनाता है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों **आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान** द्वारा संकलित यह 'विद्यार्थी सहायक सामग्री' इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है । यह सहायक सामग्री कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है । केन्द्रीय विद्यालय संगठन की 'विद्यार्थी सहायक सामग्री' अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामग्री-संकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और अन्य शिक्षण संस्थान भी इसका उपयोग परीक्षा संबंधी पठन सामग्री की तरह करते रहे हैं । शुभ-आशा एवं विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर सतत मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुंचाएगी ।

शुभाकांक्षा सहित ।

निधि पांडे
आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अनुक्रमणिका

विषय	पाठ का नाम	पेज संख्या
इतिहास	फ्रांसीसी क्रांति	2-19
	यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति	19-27
	नात्सीवाद और हिटलर का उदय	28-37
	वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद	
	आधुनिक विश्व में चरवाहे	38-40
भूगोल	भारत –आकार और स्थिति	40-45
	भारत का भौतिक स्वरूप	45-53
	अपवाह	53-59
	जलवायु	59-66
	प्रकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी	
	जनसंख्या	66-72
नागरिक शास्त्र	लोकतन्त्र क्या ?लोकतन्त्र क्यों ?	72-77
	संविधान निर्माण	77-83
	चुनावी राजनीति	83-91
	संस्थाओं का कामकाज	91-97
	लोकतांत्रिक अधिकार	97-101
अर्थशास्त्र	1-पालमपुर गाँव की कहानी	102-110
	2-संसाधन के रूप में लोग	110-119
	3.निर्धनता: एक चुनौती	120-127
	4.भारत में खाद्य सुरक्षा	128-133
	प्रतिदर्श प्रश्न पत्र	133-175

फ़्रांसीसी क्रांति

1. पृष्ठभूमि और कारण

सामाजिक असमानता:

• एस्टेट प्रणाली: फ्रांसीसी समाज को तीन एस्टेट में विभाजित किया गया था:

1. प्रथम एस्टेट: पादरी वर्ग
2. दूसरा एस्टेट: कुलीन न
3. तीसरा एस्टेट: आम लोग (बुर्जुआ वर्ग, शहरी श्रमिक और किसान सहित)

• करों का बोझ: तीसरा एस्टेट सबसे कम विशेषाधिकार रखते हुए भी अधिकांश करों को वहन करता था।

2. आर्थिक संकट:

- वित्तीय संकट: महंगे युद्धों (अमेरिकी क्रांति सहित) में शामिल होने और राजशाही द्वारा अत्यधिक खर्च के कारण।
- खराब फसल: भोजन की कमी हो गई और रोटी की कीमतें बढ़ गईं, जिससे व्यापक भूखमरी पैदा हुई।

4. राजनीतिक कारक:

कमजोर राजशाही: राजा लुई सोलहवें अनिर्णायक थे और वित्तीय संकट का प्रबंधन करने में असमर्थ थे।

- ज्ञानोदय संबंधी विचार: वोल्टेयर, रूसो और मोंटेस्क्यू जैसे दार्शनिकों ने पारंपरिक व्यवस्था को चुनौती देते हुए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को बढ़ावा दिया।

4. एस्टेट-जनरल का आह्वान:

मई 1789: राजा लुई सोलहवें ने वित्तीय संकट को दूर करने के लिए एस्टेट-जनरल को बुलाया, लेकिन इससे राजनीतिक संघर्ष पैदा हो गया क्योंकि तीसरे एस्टेट ने अधिक प्रतिनिधित्व की मांग की।

2. प्रमुख घटनाएँ

1. राष्ट्रीय सभा का गठन:

- जून 1789: तीसरे एस्टेट ने फ्रांस के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का कथन करते हुए खुद को नेशनल असेंबली घोषित कर दिया।
- टेनिस कोर्ट शपथ: नेशनल असेंबली के सदस्यों ने तब तक भंग न करने की कसम खाई जब तक कि वे एक नया संविधान तैयार नहीं कर लेते।

2. बास्तील का तूफान:

- 14 जुलाई, 1789: पेरिसियों ने शाही अत्याचार के प्रतीक बास्तील जेल पर धावा बोल दिया। इस घटना को फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

3. महान भय:

- ग्रीष्म 1789: कुलीन षडयंत्र की अफवाहों के कारण किसान विद्रोह हुए, कुलीन संपत्तियों पर हमला हुआ और नेशनल असेंबली को सामंती विशेषाधिकारों को खत्म करने के लिए प्रेरित किया गया।

4. मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा:

- अगस्त 1789: स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों की घोषणा की, और व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों पर जोर दिया।

5. वर्साय पर महिला मार्च:

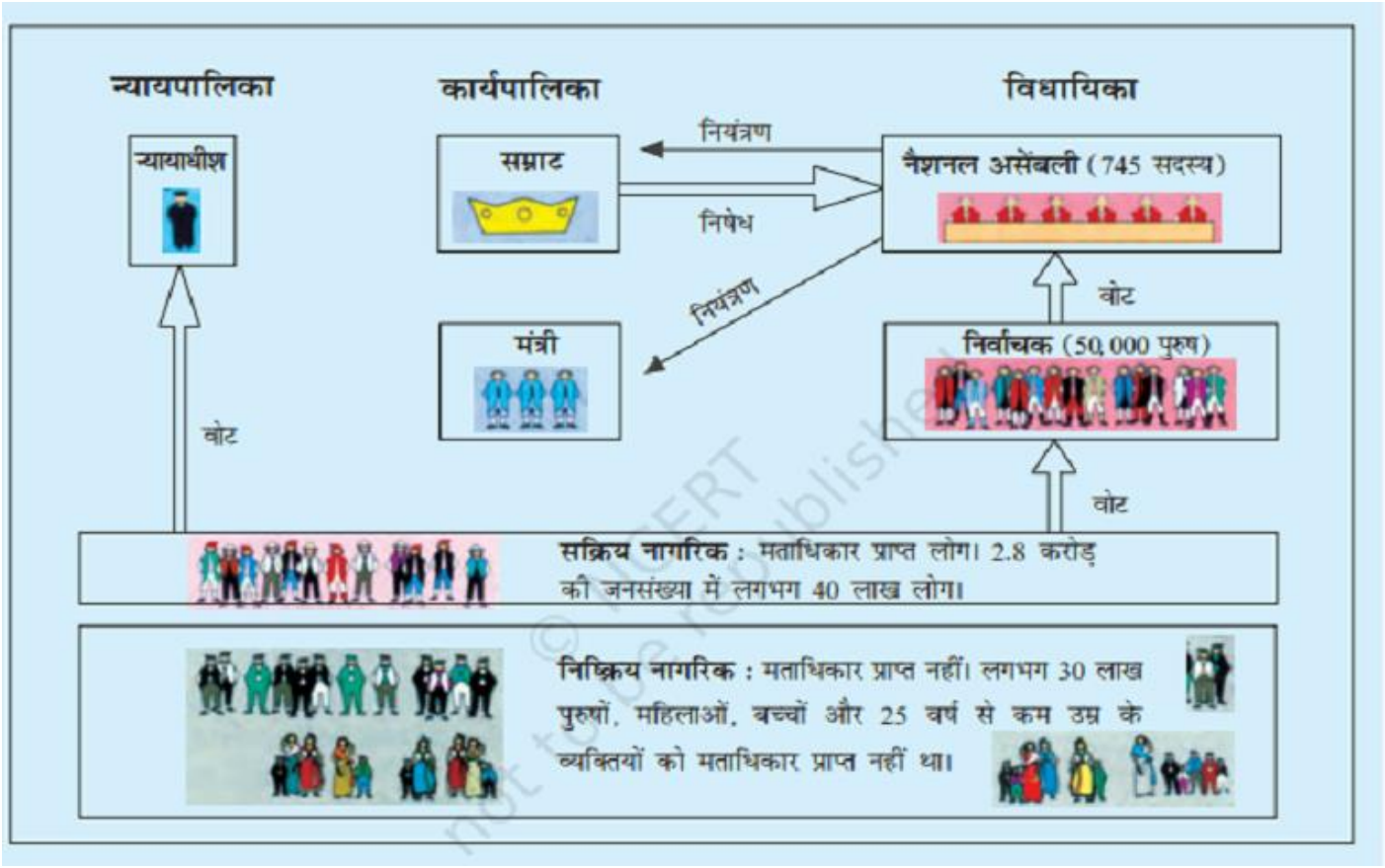
अक्टूबर 1789: महिलाओं ने रोटी की मांग के लिए पेरिस से वर्सेल्स तक मार्च किया और शाही परिवार को पेरिस जाने के लिए मजबूर किया, जिससे उन्हें कड़ी जांच के दायरे में लाया गया।

6. पादरी वर्ग का नागरिक संविधान:

1790: फ्रांस में कैथोलिक चर्च को पुनर्गठित किया गया, इसे राज्य के नियंत्रण में लाया गया और कई धर्मनिष्ठ कैथोलिकों को अलग-थलग कर दिया गया।

7. 1791 का संविधान:

- एक संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना की, राजा की शक्तियों को कम किया और एक विधान सभा का निर्माण किया।



8. कट्टरपंथी समूहों का उदय:

• जैकोबिन्स और सैन्स-कुलोट्स जैसे राजनीतिक क्लब प्रभावशाली हो गए, और अधिक आमूल-चूल परिवर्तन और एक गणतंत्र की स्थापना पर जोर दिया।

3. कट्टरपंथी चरण और आतंक का शासन

1. राजशाही को उखाड़ फेंकना:अगस्त 1792: राजशाही को उखाड़ फेंका गया और फ्रांस को गणतंत्र घोषित किया गया।

2. लुई XVI कोमृत्युदंड:जनवरी 1793: राजा लुई सोलहवें पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया और उन्हें फाँसी दे दी गई।

3. आतंक का शासन:

1793-1794: रोबेस्पियर और सार्वजनिक सुरक्षा समिति के नेतृत्व में, इस अवधि में कई क्रांतिकारियों सहित क्रांति के कथित दुश्मनों को बड़े पैमाने पर फाँसी दी गई।

4 .महिला क्रांति

- शुरुआत से ही, महिलाएं उन घटनाओं में सक्रिय भागीदार थीं, जिन्होंने फ्रांसीसी समाज में बहुत सारे बदलाव लाए।
- तीसरी एस्टेट की अधिकांश महिलाओं को जीविका के लिए काम करना पड़ता था।
- उनकी मज़दूरी पुरुषों की तुलना में कम थी।
- उन्होंने समान काम के लिए समान वेतन की मांग की।
- अपने हितों पर चर्चा करने और आवाज उठाने के लिए, महिलाओं ने अपने स्वयं के राजनीतिक क्लब और समाचार पत्र शुरू किए।
- उनकी मुख्य मांगों में से एक यह थी कि महिलाओं को पुरुषों के समान राजनीतिक अधिकार प्राप्त होने चाहिए।
- महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कुछ कानून लाए गए।
- दुनिया के कई हिस्सों में उनका संघर्ष अब भी जारी है.
- आखिरकार 1946 में फ्रांस में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिल गया।

5 . दास प्रथा का उन्मूलन

- यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के बीच त्रिकोणीय दास व्यापार था।
- 18वीं सदी में फ्रांस में गुलामी की बहुत कम आलोचना होती थी।
- इसके विरुद्ध कोई कानून पारित नहीं किया गया।
- यह 1794 में हुआ था कि सम्मेलन में सभी दासों को स्वतंत्र कर दिया गया था।
- लेकिन 10 साल बाद नेपोलियन द्वारा गुलामी को फिर से शुरू किया गया।
- अंततः 1848 में फ्रांसीसी उपनिवेशों में दास प्रथा को समाप्त कर दिया गया।
- स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों के विचार फ्रांसीसी क्रांति की सबसे महत्वपूर्ण विरासत थे। ये 19वीं शताब्दी के दौरान फ्रांस से यूरोप के बाकी हिस्सों में फैल गए।

6 . परिणाम

- **राजशाही का अंत:**क्रांति के परिणामस्वरूप राजशाही का अंत हुआ और गणतंत्र की स्थापना हुई।
- **सामाजिक सुधार**:सामंती विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया, और मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों और व्यक्तिगत अधिकारों को प्रेरित किया।

1. फ्रांस और विश्व पर प्रभाव:

1) क्रांति ने दुनिया भर में अन्य क्रांतिकारी आंदोलनों को प्रभावित किया, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के विचारों को बढ़ावा दिया।
2) इससे फ्रांसीसी समाज, राजनीति और संस्कृति में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए।

फ्रांसीसी क्रांति का निष्कर्ष

फ्रांसीसी क्रांति, जो 1789 में शुरू हुई, विश्व इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी जिसने फ्रांस के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य को गहराई से बदल दिया। क्रांति ने सदियों से चले आ रहे सामंतवाद और पूर्ण राजशाही को समाप्त कर दिया, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों की स्थापना की जो आधुनिक लोकतांत्रिक समाजों को प्रभावित करते रहे हैं।

मुख्य परिणाम

1. राजशाही और सामंती विशेषाधिकारों का उन्मूलन:क्रांति ने पुरानी सामंती संरचनाओं को नष्ट कर दिया और पादरी और कुलीन वर्ग के विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया, जिससे एक से अधिक समतावादी समाज का निर्माण हुआ।

2. गणतंत्रवाद का उदय:क्रांति के कारण एक गणतंत्र की स्थापना हुई, जिसमें नेशनल असेंबली और बाद में नेशनल कन्वेंशन ने शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजशाही से गणतंत्रवाद की ओर इस बदलाव ने फ्रांसीसी राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया।

3. मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा:इस मूलभूत दस्तावेज़ ने व्यक्तियों के प्राकृतिक अधिकारों पर जोर दिया और आधुनिक मानवाधिकारों के लिए आधार तैयार किया, जिससे दुनिया भर में भविष्य के लोकतांत्रिक आंदोलनों पर प्रभाव पड़ा।

4. सामाजिक एवं आर्थिक सुधार:क्रांति ने महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक सुधार लाए, जिनमें भूमि का पुनर्वितरण, अधिक न्यायसंगत कर प्रणाली की शुरूआत और आम लोगों के जीवन में सुधार के प्रयास शामिल थे।

5. महिलाओं पर प्रभाव:हालाँकि क्रांति ने महिलाओं को समान अधिकार नहीं दिए, लेकिन इसने बहस और आंदोलनों को जन्म दिया जो अंततः भविष्य में अधिक लैंगिक समानता को जन्म देगा।

6. नेपोलियन का उदय:क्रांति द्वारा उत्पन्न राजनीतिक अस्थिरता और सत्ता शून्यता ने नेपोलियन बोनापार्ट के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त किया। नेपोलियन के शासन ने अपनी विजयों और सुधारों के माध्यम से क्रांतिकारी आदर्शों को पूरे यूरोप में फैलाया।

व्यापक प्रभाव

1. वैश्विक क्रांतियों पर प्रभाव:फ्रांसीसी क्रांति ने लैटिन अमेरिका, कैरेबियन और बाद में एशिया और अफ्रीका सहित दुनिया भर में कई क्रांतिकारी आंदोलनों को प्रेरित किया, जिससे स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के विचारों को बढ़ावा मिला।

2. लोकतांत्रिक आदर्शों की विरासत:फ्रांसीसी क्रांति के सिद्धांत समकालीन राजनीतिक विचार और लोकतांत्रिक आंदोलनों को प्रभावित करते रहे हैं। व्यक्तिगत अधिकारों, धर्मनिरपेक्ष शासन और नागरिक भागीदारी के महत्व पर जोर आधुनिक लोकतंत्र की पहचान हैं।

3. सीखे गए सबक:फ्रांसीसी क्रांति ने सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन प्राप्त करने की जटिलताओं, कट्टरवाद के खतरों और व्यावहारिक शासन के साथ आदर्शों को संतुलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

निष्कर्ष,फ्रांसीसी क्रांति एक परिवर्तनकारी घटना थी जिसने फ्रांस को नया आकार दिया और दुनिया पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ा। इसने एक पुरानी व्यवस्था के अंत और लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मानवाधिकारों की विशेषता वाले एक नए युग की शुरुआत को चिह्नित किया। क्रांति की विरासत लगातार गूंजती रहती है, हमें सामूहिक कार्रवाई की शक्ति और न्याय और समानता की स्थायी खोज की याद दिलाती है।

चित्र आधारित प्रश्न -

Q.1.निम्नलिखित प्रतीकों को देखें। वे क्या प्रदर्शित करते है ?



उत्तर - टूटी हुई चेन -टूटी हुई जंजीर का प्रतीक स्वतंत्रता का प्रतिनिधित्व करता है। यह दासता से मुक्ति का प्रतीक है।

Q2. फ़्रांस यूरोपीय संघ का हिस्सा है और इसलिए उसकी मुद्रा यूरोप के समान ही थी। यूरो फ़्रांस की मुद्रा है. फ्रांसीसी क्रांति से पहले फ्रांस की मुद्रा क्या थी और यह कितने समय तक फ्रांसीसी मुद्रा रही?



उत्तर – लिब्रे

कथन एवं कारण प्रश्न -

निर्देश:- निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनें:

• ए: कथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है।

• बी: कथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

• सी: ए सच है, लेकिन आर गलत है।

• डी: ए गलत है, लेकिन आर सच है।

प्रश्न .1 कथन (ए): फ्रांसीसी क्रांति के दौरान आतंक का शासनकाल गंभीर राजनीतिक दमन का काल था। कारण (आर): मैक्सिमिलियन ने सार्वजनिक सुरक्षा समिति का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य क्रांति को उसके दुश्मनों से बचाना था।

उत्तर- (ए): कथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है।

प्रश्न .2 कथन (ए): फ्रांसीसी क्रांति के दौरान जैकोबिन्स एक रूढ़िवादी राजनीतिक क्लब थे।

कारण (आर): जैकोबिन्स ने गणतंत्र के विचार का समर्थन किया और राजशाही के पतन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तर: (सी) ए सत्य है, लेकिन आर गलत है।

प्रश्न .3 कथन (ए): राष्ट्रीय सम्मेलन ने 1792 में फ्रांस को एक गणतंत्र घोषित किया।

कारण (आर): राजशाही को उखाड़ फेंका गया और राजा लुई सोलहवें को मार डाला गया।

उत्तर (बी) कथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है

सही जोड़ी मिलायें

विचारकपुस्तक

ए.) जॉन लॉक 1. "The Spirit of the Laws"

बी) जीन-जैक्स रूसो २. Two Treatises of Government"

सी.)बैरन डी मोंटेस्क्यू 3 "Candide" (Reflective of his views)

डी. वोल्टेयर 4. " The Social Contract

उत्तर o ए. जॉन लॉक - 2. Two Treatises of Government "

o बी. जीन-जैक्स रूसो - 4. The Social Contract""

o सी. बैरन डी मोंटेस्क्यू - 1. The Spirit of the Laws"

o डी. वोल्टेयर - 3. "Candide" (Reflective of his views)

अनुक्रम-आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित घटनाओं को उनके घटित क्रम में रखें और सही विकल्प चुनें:

1. निर्देशक मंडल शक्ति लेती है
2. मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा
3. टेनिस कोर्ट शपथ

4. महान भय

5. राष्ट्रीय सम्मेलन ने फ्रांस को एक गणतंत्र घोषित किया

(ए)2,3,5,1,4 (बी)3,4,2,5,1 (सी) 1,2,3,4,5 (डी) 3,4,1,2,5

उत्तर: बी (टेनिस कोर्ट शपथ ->महान भय ->मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा ->राष्ट्रीय सम्मेलन फ्रांस को एक गणतंत्र घोषित करता है ->निर्देशक मंडल शक्ति लेती है)

प्रश्न 2: फ्रांसीसी क्रांति की निम्नलिखित घटनाओं को सही क्रम में व्यवस्थित करें और सही विकल्प चुनें:

1. लुई XVI का निष्पादन

2. बास्तील का तूफान

3. वर्साय पर महिलाओं का मार्च

4. नेशनल असेंबली का गठन

5. आतंक का राज

(ए)4,2,3,1,5 (बी)4,3,2,5,1 (सी) 1,2,3,4,5 (डी) 3,4,1,2,5

उत्तर: ए (नेशनल असेंबली का गठन ->बास्तील पर हमला ->वर्साय पर महिलाओं का मार्च ->लुई XVI का निष्पादन ->आतंक का शासन)

सही विकल्प (MCQ) पर निशान लगाएं-

Q1. किस समूह के लोग जैकोबिन क्लब में शामिल नहीं हुए?

(ए) कारीगर (बी) दुकानदार (सी) दिहाड़ी मजदूर (डी) संपत्ति वाले पुरुष

उत्तर - (डी) संपत्ति वाले पुरुष

Q2. 'निर्वाह संकट' कैसे उत्पन्न होता है?

(ए) खराब फसल से अनाज की कमी हो जाती है

(बी) खाद्य कीमतें बढ़ जाती हैं और सबसे गरीब लोग रोटी नहीं खरीद सकते

(सी) कमजोर शरीर, बीमारियों, मौतों और यहां तक कि खाद्यसंकट का कारण बनता है

(डी) उपरोक्त सभी

उत्तर-(डी) उपरोक्त सभी

Q.3 एक महान व्यक्ति जिसने 20 जून को वर्साय में तीसरे एस्टेट के प्रतिनिधियों का नेतृत्व किया?

(ए) मिराब्यू (बी) अब्बे सियेस (सी) लुई XVI (डी) रूसो

उत्तर- (ए) मिराब्यू

Q.4 एक पुजारी जिसने "तीसरा एस्टेट क्या है" नामक एक पुस्तिका लिखी?

(ए) मिराब्यू (बी) एब्बे सीयेस (सी) जॉन लॉक (डी) रोजेट डेल आइल

उत्तर- (बी) अब्बे सीयेस

Q.5 'पुरानी व्यवस्था' शब्द का प्रयोग आमतौर पर (अंडर/कोई भी) वर्णन करने के लिए किया जाता है

(ए) 1000 ईसा पूर्व फ्रांस

(बी) 1789 ई. के बाद फ्रांस का समाज

(सी) 1789 ई. से पहले फ्रांस का समाज और संस्थाएँ

(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (सी) 1789 ई. से पूर्व फ्रांस का समाज एवं संस्थाएँ।

Q.6 उस किले की जेल का क्या नाम था जिस पर 14 जुलाई 1789 को फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत को चिह्नित करते हुए हमला किया गया था?

A. लौवर B. वर्सेल्स C. बास्तील D. तुइलरीज

उत्तर: (सी.) बास्तील

Q.7 किस घटना ने राजा लुई सोलहवें और उनके परिवार को वर्साय से पेरिस जाने के लिए मजबूर किया?

ए. टेनिस कोर्ट शपथ

बी. बास्तील का तूफान

सी. वर्साय पर महिला मार्च

D. लुई XVI का निष्पादन

उत्तर: सी. वर्साय पर महिला मार्च

Q.8 फ्रांसीसी क्रांति के संदर्भ में "महान भय" क्या था?

A. विदेशी आक्रमण का भय

बी. किसानों द्वारा दहशत और दंगे

सी. शाही वापसी का डर

D. व्यापक अकाल

उत्तर: बी. किसानों द्वारा दहशत और दंगे

Q.9 किस घटना को फ्रांसीसी क्रांति का अंत माना जाता है?

ए. बास्तील का तूफान

बी. रोबेस्पियर का निष्पादन

सी. निर्देशक मंडल का पतन

D. नेपोलियन बोनापार्ट का तख्तापलट

उत्तर: डी. नेपोलियन बोनापार्ट का तख्तापलट

Q.10 तृतीय एस्टेट के प्रतिनिधियों द्वारा किस निकाय का गठन किया गया था?

ए. एस्टेट-जनरल बी. राष्ट्रीय सम्मेलन सी. नेशनल असेंबली डी. सार्वजनिक सुरक्षा समिति

उत्तर: सी. नेशनल असेंबली

प्रश्न 12 फ्रांसीसी क्रांति के दौरान नेशनल कन्वेंशन के बाद किस विधायी निकाय ने कार्यभार संभाला?

A. एस्टेट्स-जनरल B. नेशनल असेंबली C. डायरेक्टरी D. सार्वजनिक सुरक्षा समिति

उत्तर: C. डायरेक्टरी

प्रश्न 13 फ्रांसीसी क्रांति में योगदान देने वाले आर्थिक संकट का प्राथमिक कारण क्या था?

A. महंगे युद्ध B. सूखा और फसल विफलता C. उच्च कर D. राजशाही का भ्रष्टाचार

उत्तर: A. महंगे युद्ध

लघु उत्तरीय प्रश्न- (2 अंक)

प्रश्न.1 एस्टेट्स-जनरल क्या था?

उत्तर- यह फ्रांसीसी समाज के तीन वर्गों (पादरी, कुलीन वर्ग और आम लोग) का प्रतिनिधित्व करने वाला एक विधायी निकाय था, जिसे 1789 में राजा लुई सोलहवें ने बुलाया था।

प्रश्न.2 टेनिस कोर्ट शपथ का क्या महत्व था?

उत्तर- यह तीसरे वर्ग (आम लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले) द्वारा फ्रांस के लिए एक नया संविधान तैयार करने तक भंग न करने की प्रतिज्ञा थी, जिसमें राजशाही के खिलाफ अपने अधिकार का कथन किया गया था।

प्रश्न.3 टाइथ और टाइल क्या था?

उत्तर- टाइथ किसी धार्मिक संगठन में योगदान के रूप में या सरकार को अनिवार्य कर के रूप में भुगतान की जाने वाली किसी चीज़ का दसवां हिस्सा है।टाइल एक प्रत्यक्ष भूमि कर था। दशमांश की गणना किसी चीज़ के दसवें हिस्से के रूप में की जाती थी।

प्रश्न.4 नेपोलियन कोड क्या था?

उत्तर - "नेपोलियन कोड", जिसे आधिकारिक तौर पर "नेपोलियन कोड" या "फ्रांसीसी नागरिक संहिता" के रूप में जाना जाता है, 1804 में नेपोलियन बोनापार्ट द्वारा अधिनियमित कानूनों का एक व्यापक समूह था।

प्रश्न 5 आतंक का शासन क्या था?

उत्तर - आतंक का शासन या बस आतंक फ्रांसीसी क्रांति के दौरान लगभग 11 महीने की अवधि थी, जिसका नेतृत्व मैक्सिमिलियन डी रोबेस्पियर ने किया था। आतंक के शासन की घोषणा 5 सितंबर, 1793 को की गई थी। फ्रांस की क्रांतिकारी सरकार ने हजारों लोगों की गिरफ्तारी और फांसी का आदेश दिया।

प्रश्न 6 फ्रांसीसी क्रांति के राजनीतिक कारण क्या हैं?

उत्तर - फ्रांसीसी क्रांति के राजनीतिक कारण दोषपूर्ण प्रशासन, राजा की निरंकुशता, अदालत की शक्ति, राजघरानों का अत्यधिक खर्च, दिवालियापन, करों का बोझ आदि हैं।

प्रश्न 7 कन्वेंशन क्या था? फ्रांस में इसकी भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर: 1792 में फ्रांस में गठित निर्वाचित विधानसभा को कन्वेंशन कहा जाता था।

फ्रांस में भूमिका: • इसने राजशाही को समाप्त कर दिया और फ्रांस को एक गणराज्य घोषित कर दिया।

• वंशानुगत सम्राट लुई सोलहवें और उनकी पत्नी को मौत की सजा सुनाई गई। रोबेस्पियर को नेशनल कन्वेंशन का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कठोर नियंत्रण और दंड की नीति का पालन किया।

प्रश्न 8 लुई सोलहवें को फ्रांस में कर बढ़ाने के लिए किसने मजबूर किया?

उत्तर- युद्ध और आर्थिक संकट, ऋण जाल- राज्य को ऋण देने वाले ऋणदाता अब ऋण पर 10 प्रतिशत ब्याज वसूलने लगे।अतिव्ययपूर्ण दरबार,राजघरानों का अत्यधिक खर्च

प्रश्न 9 "गिलोटिन" क्या था?

उत्तर- गिलोटिन एक उपकरण था जिसमें दो डंडे और एक ब्लेड होता था जिससे किसी व्यक्ति का सिर कलम किया जाता था।इस उपकरण का आविष्कार डॉ. गिलोटिन ने किया था।

प्रश्न 10 वर्णन करें कि फ्रांस में दासता का उन्मूलन कैसे संभव हुआ।

उत्तर-फ्रांस में दास प्रथा का उन्मूलन निम्नलिखित तरीकों से संभव हुआ:

- दास व्यापार 18वीं शताब्दी में शुरू हुआ। राष्ट्रीय सभा ने इस बारे में लंबी बहस की कि मानव अधिकारों को उपनिवेशों सहित सभी फ्रांसीसी नागरिकों तक बढ़ाया जाना चाहिए।
- सम्मेलन ने फ्रांसीसी विदेशी संपत्तियों में सभी दासों को मुक्त करने का कानून बनाया। हालाँकि, नेपोलियन ने दासता को फिर से शुरू किया। अंततः 1848 में दासता को समाप्त कर दिया गया।

प्रश्न 11. 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में फ्रांस के सामने आए वित्तीय संकट का विश्लेषण करें और कैसे इसने फ्रांसीसी क्रांति को गति दी।

उत्तर: युद्ध ऋण, राजशाही द्वारा अत्यधिक खर्च और कर प्रणाली की अक्षमताओं सहित वित्तीय संकट के कारणों की रूपरेखा तैयार करें। एस्टेट्स-जनरल की भूमिका और विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों द्वारा कर सुधारों को स्वीकार करने से इनकार करने पर चर्चा करें।

लघु उत्तरीय प्रश्न - (3 अंक)

प्रश्न 1. दार्शनिकों ने फ्रांस के लोगों की सोच को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर: दार्शनिकों ने फ्रांस के लोगों की सोच को इस प्रकार प्रभावित किया:

- क्रांति के बाद रूसी अर्थव्यवस्था और कृषि में बड़े बदलाव किए गए। निजी संपत्ति को समाप्त कर दिया गया और भूमि राज्य की संपत्ति बन गई। किसानों को राज्य द्वारा नियंत्रित भूमि पर खेती करने की स्वतंत्रता थी।
- पंचवर्षीय योजनाओं की मदद से केंद्रीकृत नियोजन की एक उचित प्रणाली शुरू की गई। इसने तकनीकी सुधार, आर्थिक विकास लाने और समाज में असमानताओं को दूर करने में मदद की।
- क्रांति ने काम करने के अधिकार को स्वीकार किया और श्रम की गरिमा को पहचाना। समाजवादी अर्थव्यवस्था ने लोकतंत्र को एक सामाजिक-आर्थिक प्रणाली के रूप में जिम्मेदार ठहराते हुए एक नया आयाम जोड़ा।

प्रश्न 2. 1971 के फ्रांसीसी संविधान की तीन मुख्य विशेषताएँ लिखें।

उत्तर: नेशनल असेंबली की शक्तियाँ: 1791 के संविधान ने नेशनल असेंबली में कानून बनाने की शक्ति निहित की, जिसे अप्रत्यक्ष रूप से चुना गया था। यानी, नागरिक निर्वाचकों के एक समूह के लिए मतदान करते थे, जो बदले में विधानसभा चुनते थे।

- वोट का अधिकार: हालांकि, सभी नागरिकों को वोट देने का अधिकार नहीं था। केवल 25 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष जिन्होंने कम से कम 3 दिन के मज़दूर के बराबर कर का भुगतान किया था, उन्हें सक्रिय नागरिक का दर्जा दिया गया था, यानी उन्हें वोट देने का अधिकार था। शेष पुरुषों और सभी महिलाओं को निष्क्रिय नागरिकों के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- मूल अधिकार: सभी नागरिकों को जीवन का अधिकार, बोलने की स्वतंत्रता, राय की स्वतंत्रता, कानून के समक्ष समानता जैसे कुछ बुनियादी अधिकार दिए गए थे। प्रत्येक नागरिक के प्राकृतिक अधिकारों की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य था।

प्रश्न 3 फ्रांसीसी क्रांति का फ्रांसीसी लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर: फ्रांसीसी क्रांति का फ्रांसीसी लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

- तलाक को कानूनी बना दिया गया और इसे महिला और पुरुष दोनों ही लागू कर सकते थे। महिलाओं को अब नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता था, वे कलाकार बन सकती थीं या छोटे व्यवसाय चला सकती थीं।
- 1791 का संविधान मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा के साथ शुरू हुआ। इसने घोषणा की कि अभिव्यक्ति और राय की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समानता जन्म से प्रत्येक मनुष्य का स्वाभाविक अधिकार है। इन्हें छीना नहीं जा सकता।
- फ्रांसीसी शहरों में समाचार पत्र, पर्चे और मुद्रित चित्र लगातार दिखाई देने लगे। वहाँ से, वे ग्रामीण इलाकों में पहुँच गए। इन प्रकाशनों में देश में हो रही घटनाओं और परिवर्तनों का वर्णन और चर्चा की गई।

प्रश्न 4 "पुराने शासन में फ्रांसीसी समाज में मौजूद असमानता फ्रांसीसी क्रांति का कारण बनी"। तीन उपयुक्त उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि करें।

उत्तर: उदाहरण हैं:

- फ्रांसीसी समाज तीन एस्टेट में विभाजित था। प्रथम एस्टेट में पादरी शामिल थे, द्वितीय एस्टेट में कुलीन वर्ग शामिल था और तृतीय एस्टेट में व्यवसायी, व्यापारी, कारीगर, किसान और नौकर शामिल थे।
- चर्च और कुलीन वर्ग के सदस्यों को जन्म से ही कुछ विशेषाधिकार प्राप्त थे, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण राज्य को कर देने से छूट थी।
- सामंती बकाया किसानों से कुलीन वर्ग द्वारा वसूला जाता था और किसानों की कृषि उपज का दसवां हिस्सा, दशमांश के रूप में पादरी वर्ग के हिस्से में आता था। किसानों सहित तृतीय एस्टेट के सभी सदस्य कर देते थे, इस प्रकार, करों के माध्यम से राज्य की गतिविधियों के वित्तपोषण का भार अकेले तृतीय एस्टेट द्वारा वहन किया जाता था, जिससे भारी असंतोष पैदा होता था।

प्रश्न 5 फ्रांसीसी क्रांति में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण करें।

- महिलाओं ने क्रांतिकारी घटनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें अक्टूबर 1789 में वर्साय पर मार्च भी शामिल है, जहाँ हजारों महिलाओं ने रोटी की माँग करने और उच्च कीमतों का विरोध करने के लिए पेरिस तक मार्च किया था।
- उन्होंने राजनीतिक अधिकारों और सामाजिक सुधारों की वकालत करने वाले सोसाइटी ऑफ रिवोल्यूशनरी रिपब्लिकन वीमेन जैसे राजनीतिक क्लबों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- बास्तील पर हमले में महिलाओं की भागीदारी शाही सत्ता के खिलाफ उनकी अवज्ञा और राजनीतिक परिवर्तन की उनकी इच्छा का प्रतीक थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1'सामाजिक असमानता फ्रांसीसी क्रांति के प्रमुख कारणों में से एक थी।' उदाहरण देकर इसकी पुष्टि कीजिए।

उत्तर- (i) समाज का तीन एस्टेट में विभाजन:

- पहला एस्टेट: इसमें पादरी और चर्च के पादरी शामिल थे।

- दूसरा एस्टेट: इसमें जमींदार, कुलीन लोग और कुलीन लोग शामिल थे।
- तीसरा एस्टेट: इसमें आम जनता, भूमिहीन किसान, नौकर आदि का विशाल बहुमत शामिल था।

(ii) तीसरे एस्टेट पर करों का भारी बोझ: पहले दो एस्टेट के सदस्यों को राज्य को करों का भुगतान करने से छूट दी गई थी। इसलिए सभी कर तीसरे एस्टेट के लोगों द्वारा चुकाए जाते थे।

(iii) विभिन्न एस्टेट के लोगों के बीच व्यापक अंतर: तीसरे एस्टेट के अधिकांश लोग निश्चित मजदूरी के साथ कार्यशालाओं में मजदूर के रूप में कार्यरत थे। मजदूरी कीमतों में वृद्धि के साथ तालमेल रखने में विफल रही। इसलिए गरीब और अमीर के बीच की खाई चौड़ी हो गई।

(iv) कोई राजनीतिक अधिकार नहीं: कुल आबादी में से, पहले और दूसरे एस्टेट के पास 2% हिस्सा था। शेष लोग तीसरे एस्टेट के थे। हालाँकि ऊपरी दो वर्ग कुल आबादी का केवल एक छोटा सा हिस्सा थे, फिर भी वे लोग थे जो राष्ट्र की राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को नियंत्रित करते थे। उन्हें सभी अधिकार और विशेषाधिकार प्राप्त थे। सरकार की पूरी मशीनरी उनके हितों और विशेषाधिकारों की रक्षा के लिए बनाई गई थी।

(v) धन का असमान वितरण: फ्रांसीसी समाज में, किसानों की आबादी लगभग 90% थी। हालाँकि, उनमें से केवल कुछ ही लोगों के पास वह ज़मीन थी जिस पर वे खेती करते थे। लगभग 60% ज़मीन पर रईसों, चर्च और तीसरे एस्टेट के अन्य अमीर सदस्यों का स्वामित्व था।

प्रश्न 2 फ्रांसीसी क्रांति में विचारकों और दार्शनिकों की भूमिका की व्याख्या करें।

उत्तर: दार्शनिकों और लेखकों का प्रभाव: जॉन लॉक, मोंटेस्क्यू, रूसो, वोल्टेयर और मीराब्यू जैसे कई फ्रांसीसी दार्शनिक और विचारक थे, जिन्होंने व्यवस्था में व्याप्त बुराइयों को उजागर किया। उन्होंने लोगों में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचार भर दिए।

(i) चार्ल्स मोंटेस्क्यू (1689-1775): जन्म से कुलीन व्यक्ति, वे वकील और न्यायाधीश बने। अपनी पुस्तक, "द स्पिरिट ऑफ़ लॉज़" में उन्होंने निरंकुशता की आलोचना की और लोकतांत्रिक गणराज्य की प्रशंसा की।

(ii) फ्रांसिस वोल्टेयर (1694-1778): वोल्टेयर क्रांति के एक और उत्कृष्ट दार्शनिक थे। वह चाहते थे कि लोग धरती पर अपने भौतिक जीवन के बारे में सोचें और स्वर्ग के बारे में भूल जाएँ। उन्होंने चर्च की निंदा की, जो विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग का समर्थन करता था और गरीबों की उपेक्षा करता था।

(iii) जीन जैक्स रूसो (1712-1778): रूसो को फ्रांसीसी क्रांति का वास्तुकार माना जाता है। उन्होंने नारा दिया "मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है, फिर भी वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है"। प्रसिद्ध पुस्तक, "द सोशल कॉन्ट्रैक्ट" में उन्होंने साबित किया कि सरकार एक तरफ लोगों और दूसरी तरफ शासक के बीच एक सामाजिक अनुबंध का परिणाम थी। इसलिए यदि शासक अनुबंध को पूरा नहीं करता, तो लोगों को उसके प्रति अपनी वफादारी वापस लेने और विद्रोह करके शासक के अत्याचार को खत्म करने का अधिकार था।

(iv) जॉन लॉक: वे एक महान राजनीतिक विचारक भी थे। उन्होंने 'टू ट्रीटीज ऑफ गवर्नमेंट' लिखी जिसमें उन्होंने दैवीय सिद्धांत और राजा के पूर्ण अधिकार का खंडन करने की कोशिश की।

(v) दार्शनिकों और विचारकों का मानना था कि समाज में किसी भी समूह को जन्म से विशेषाधिकार नहीं मिलना चाहिए। वे स्वतंत्रता और समान कानूनों पर आधारित समाज के पक्षधर थे।

प्रश्न 3 फ्रांसीसी क्रांति का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर-1789 में शुरू हुई फ्रांसीसी क्रांति कई परस्पर जुड़े कारणों से प्रेरित थी। यहाँ प्राथमिक कारणों का बिंदुवार सारांश दिया गया है:

1. आर्थिक कठिनाई: • राष्ट्रीय ऋण: अमेरिकी क्रांति सहित महंगे युद्धों में फ्रांस की भागीदारी ने बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय ऋण को जन्म दिया।

- कराधान के मुद्दे: कर प्रणाली अनुचित थी, जिसमें तीसरे वर्ग (आम लोग) पर अधिकांश कर का बोझ था, जबकि पहले (पादरी) और दूसरे (कुलीन) वर्ग को काफी हद तक छूट दी गई थी।
- खाद्यान्न की कमी: 1780 के दशक में खराब फसल के कारण खाद्यान्न की कमी हो गई और रोटी की कीमतें बढ़ गईं, जिससे व्यापक भूख और असंतोष फैल गया।

2. सामाजिक असमानता: • एस्टेट प्रणाली: फ्रांसीसी समाज तीन सम्पदाओं में विभाजित था, जिसमें तीसरा वर्ग सबसे अधिक आबादी वाला था, लेकिन उसके पास सबसे कम शक्ति और विशेषाधिकार थे। कुलीन वर्ग के विशेषाधिकार: कुलीन वर्ग को कई विशेषाधिकार प्राप्त थे, जिनमें कई करों से छूट और विशेष अधिकार शामिल थे, जिससे आम लोगों में नाराजगी पैदा हुई।

3. राजनीतिक असंतोष:

- निरंकुश राजतंत्र: राजा लुई सोलहवें का निरंकुश शासन और राष्ट्र की समस्याओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में उनकी अक्षमता ने व्यापक असंतोष को जन्म दिया।
- प्रतिनिधित्व की कमी: तीसरे वर्ग के पास बहुत कम राजनीतिक शक्ति थी और उन्होंने सरकारी निर्णयों में अधिक प्रतिनिधित्व और प्रभाव की मांग की।

4. ज्ञानोदय के विचार:

- दार्शनिक प्रभाव: वोल्टेयर, रूसो और मोंटेस्क्यू जैसे ज्ञानोदय के विचारकों ने सत्ता और अधिकार की पारंपरिक संरचनाओं को चुनौती देते हुए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को बढ़ावा दिया।
- निरंकुश सत्ता की आलोचना: ज्ञानोदय के लेखों ने निरंकुश राजतंत्र की आलोचना की और लोकतांत्रिक शासन और व्यक्तिगत अधिकारों की वकालत की।

5. वित्तीय संकट:

- सरकारी ऋण: फ्रांसीसी सरकार की अपने वित्त को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में असमर्थता, राजशाही द्वारा अत्यधिक खर्च के साथ मिलकर वित्तीय संकट को बढ़ा दिया।
- सुधारों की विफलता: कर प्रणाली में सुधार और ऋण को कम करने के प्रयासों को कुलीन वर्ग के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिससे राजनीतिक गतिरोध पैदा हुआ।

6. तात्कालिक कारण:

- एस्टेट्स-जनरल का आह्वान: 1789 में, राजा लुई XVI ने वित्तीय संकट को संबोधित करने के लिए एस्टेट्स-जनरल को बुलाया, जिससे एस्टेट्स के बीच तनाव पैदा हो गया।

- नेशनल असेंबली का गठन: तीसरे एस्टेट ने, अपने प्रभाव की कमी से निराश होकर, नेशनल असेंबली का गठन किया, जिसमें राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने और एक नया संविधान तैयार करने के अपने अधिकार का कथन किया गया।

Q.4 दुनिया पर फ्रांसीसी क्रांति के प्रभाव का मूल्यांकन करें।

1789 में शुरू हुई फ्रांसीसी क्रांति इतिहास में एक बड़ा मोड़ थी। इसने न केवल फ्रांस में बल्कि दुनिया भर में महत्वपूर्ण बदलाव लाए।

1. राजनीतिक प्रभाव:

1. राजशाही का अंत:फ्रांसीसी क्रांति ने फ्रांस में निरंकुश राजशाही को समाप्त कर दिया। राजाओं और रानियों के पास अब पूर्ण नियंत्रण नहीं था, और लोग सरकार के अधिक लोकतांत्रिक रूपों की मांग करने लगे। यह विचार अन्य देशों में भी फैला, जिससे राजतंत्रों का पतन हुआ और गणराज्यों का उदय हुआ।
2. अन्य क्रांतियों के लिए प्रेरणा:स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों ने अन्य देशों को अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। उदाहरण के लिए, हैतीयन क्रांति और लैटिन अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम फ्रांसीसी क्रांति से प्रभावित थे।
3. राष्ट्रवाद का विकास:क्रांति ने लोगों को राष्ट्रीय गौरव और पहचान की भावना विकसित करने में मदद की। राष्ट्रवाद का यह विचार पूरे यूरोप में फैल गया और बाद में दुनिया के अन्य हिस्सों में आंदोलनों को प्रभावित किया।

2. सामाजिक प्रभाव:

1.सामंतवाद का उन्मूलन: - फ्रांसीसी क्रांति ने सामंती व्यवस्था को समाप्त कर दिया, जिसमें किसानों को कुलीनों के स्वामित्व वाली भूमि पर काम करना पड़ता था। इससे आम लोगों के लिए अधिक समानता और स्वतंत्रता आई।

2.मध्यम वर्ग का उदय: क्रांति ने मध्यम वर्ग (पूंजीपति वर्ग) को सशक्त बनाया, जिसने क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस बदलाव ने कुलीन वर्ग की शक्ति को कम करने और आम नागरिकों के प्रभाव को बढ़ाने में मदद की।

3.मानवाधिकार:क्रांति के दौरान अपनाए गए मानव और नागरिक अधिकारों की घोषणा ने कानून के समक्ष समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक सहिष्णुता जैसे विचारों को बढ़ावा दिया। ये सिद्धांत कई देशों में महत्वपूर्ण हो गए।

3. आर्थिक प्रभाव:

1. **भूमि सुधार**:अभिजात वर्ग के स्वामित्व वाली भूमि को किसानों में पुनः वितरित किया गया। इससे कई किसानों के जीवन में सुधार हुआ और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई।
2. **उद्योग को प्रोत्साहन**:क्रांति के दौरान पुरानी आर्थिक प्रणालियों के विघटन ने औद्योगीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। कृषि से उद्योग की ओर इस बदलाव ने अंततः दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया।
3. **व्यापार में परिवर्तन**:क्रांति के बाद हुए नेपोलियन युद्धों ने वैश्विक व्यापार को प्रभावित किया। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन के खिलाफ नेपोलियन की नाकाबंदी ने व्यापार मार्गों और आर्थिक प्रथाओं में बदलाव किए।

4. सांस्कृतिक प्रभाव:

1. ज्ञानोदय के विचारों का प्रसार:क्रांति ज्ञानोदय के विचारों से प्रभावित थी, जिसमें तर्क, व्यक्तिवाद और पारंपरिक सत्ता के संदेह पर जोर दिया गया था।

प्रश्न 5 फ्रांसीसी क्रांति से पहले और बाद में महिलाओं की स्थिति का वर्णन करें।

उत्तर- फ्रांसीसी क्रांति से पहले महिलाओं की स्थिति

1. **सामाजिक स्थिति**: • महिलाएँ मुख्यतः घरेलू भूमिकाओं तक ही सीमित थीं और सार्वजनिक या राजनीतिक जीवन में उनकी भागीदारी बहुत कम या बिलकुल नहीं थी।
   • सामाजिक रूप से, महिलाओं को उनके पिता या पति की आश्रित के रूप में देखा जाता था और उनसे घर चलाने और बच्चे पैदा करने की अपेक्षा की जाती थी
2. **कानूनी अधिकार**: • महिलाओं के पास बहुत सीमित कानूनी अधिकार थे। वे स्वतंत्र रूप से संपत्ति नहींरख सकती थीं, अनुबंध नहीं कर सकती थीं या पुरुष की अनुमति के बिना कानूनी कार्यवाही में भागनहीं ले सकती थीं।
   • उत्तराधिकार कानून महिलाओं के प्रतिकूल थे, अक्सर उन्हें संपत्ति के उत्तराधिकार से बाहर रखा जाता था।

3. **शिक्षा और रोजगार**: • महिलाओं के लिए शिक्षा न्यूनतम थी और बौद्धिक या व्यावसायिक विकास के बजाय मुख्य रूप से घरेलू कौशल पर केंद्रित थी।

• रोजगार के अवसर कम वेतन वाली और नीच नौकरियों तक सीमित थे, जैसे घरेलू सेवा, कपड़ा काम या कृषि।

4**. राजनीतिक अधिकार**: • महिलाओं के पास कोई राजनीतिक अधिकार नहीं था। वे वोट नहीं दे सकती थीं, सार्वजनिक पद नहीं संभाल सकती थीं या किसी भी सार्थक तरीके से राजनीतिक प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकती थीं।

फ्रांसीसी क्रांति के बाद महिलाओं की स्थिति

1. **सामाजिक परिवर्तन:**
   • क्रांति ने स्वतंत्रता और समानता के विचारों को बढ़ावा दिया, जिसने महिलाओं को अधिक सामाजिक मान्यता और अधिकारों की मांग करने के लिए प्रेरित किया।
   • महिलाएँ राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हो गईं, क्लबों और समाजों में भाग लेने लगीं और वर्साय में महिला मार्च जैसी क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेने लगीं।
2. **कानूनी सुधार:**
   • क्रांति ने कुछ कानूनी बदलावों को जन्म दिया, जैसे सामंती विशेषाधिकारों का उन्मूलन, जिसने कुछ सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को हटाकर महिलाओं को अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया।
   • हालाँकि, महिलाओं द्वारा मांगे गए कई कानूनी अधिकार, जैसे संपत्ति का स्वामित्व और तलाक के अधिकार, केवल आंशिक रूप से या अस्थायी रूप से दिए गए थे।

3. शिक्षा और रोजगार:

• क्रांतिकारी आदर्शों ने सभी नागरिकों के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया, जिससे महिलाओं के लिए शैक्षिक अवसरों में थोड़ा सुधार हुआ।

• रोजगार के अवसरों में कुछ हद तक विस्तार हुआ, लेकिन महिलाओं को महत्वपूर्ण भेदभाव का सामना करना पड़ा और उन्हें अक्सर पारंपरिक भूमिकाओं में धकेल दिया गया।

4. राजनीतिक भागीदारी:

• ओलिम्पे डी गॉजेस जैसी महिलाओं ने, जिन्होंने "महिला और महिला नागरिक के अधिकारों की घोषणा" लिखी, समान राजनीतिक अधिकारों और भागीदारी की वकालत की।

• उनकी सक्रियता के बावजूद, क्रांति के दौरान महिलाओं को महत्वपूर्ण राजनीतिक अधिकार नहीं मिले। नेशनल असेंबली और बाद में नेपोलियन के शासन सहित नई सरकारों ने महिलाओं को बड़े पैमाने पर राजनीतिक जीवन से बाहर रखा।

4. **क्रांति के बाद की प्रतिक्रिया:**

• नेपोलियन के तहत, महिलाओं द्वारा किए गए कई लाभ वापस ले लिए गए। नेपोलियन कोड ने पारंपरिक लिंग भूमिकाओं को मजबूत किया और विवाह, तलाक और संपत्ति जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के अधिकारों को प्रतिबंधित किया।

निष्कर्ष

फ्रांसीसी क्रांति ने कुछ शुरुआती बदलाव और महिलाओं के अधिकारों और मुद्दों के बारे में अधिक जागरूकता लाई, लेकिन यह महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण कानूनी और सामाजिक समानता हासिल करने में विफल रही। क्रांतिकारी अवधि में महिलाओं द्वारा सक्रियता और राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि देखी गई, लेकिन उनकी कई मांगें पूरी नहीं हुईं और बाद के शासनों ने अक्सर पारंपरिक पितृसत्तात्मक संरचनाओं को बहाल कर दिया। इन असफलताओं के बावजूद, क्रांति ने महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए भविष्य के आंदोलनों की नींव रखी।

स्रोत आधारित प्रश्न

1. **स्रोत : आतंक का शासन**

पृष्ठभूमि: फ्रांसीसी क्रांति के दौरान, आतंक के शासन के रूप में जाना जाने वाला काल सितंबर 1793 से जुलाई 1794 तक चला। यह क्रांतिकारी सरकार द्वारा आंतरिक और बाहरी दुश्मनों से क्रांति की रक्षा के लिए उठाए गए चरम उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था। मैक्सिमिलियन रोबेस्पिएरे के नेतृत्व में सार्वजनिक सुरक्षा समिति ने ऐसी नीतियों को लागू किया, जिसके कारण बड़े पैमाने पर फांसी और व्यापक भय फैल गया। लगभग 16,000 लोगों को आधिकारिक तौर पर मार दिया गया, और हजारों लोग जेल में या बिना मुकदमे के मर गए।

1. आतंक के शासन के कार्यान्वयन के पीछे मुख्य कारण क्या थे? 1

उत्तर- आतंक के शासन के कार्यान्वयन के पीछे मुख्य कारण क्रांति को आंतरिक और बाहरी खतरों से बचाना, प्रति-क्रांतिकारियों को खत्म करना और क्रांतिकारी सरकार की शक्ति को मजबूत करना था।

2. आतंक के शासन ने फ्रांस की आम आबादी को कैसे प्रभावित किया? 1

उत्तर - आतंक के शासन ने आम जनता में भय पैदा किया, जिससे व्यापक रूप से , मनमाने ढंग से गिरफ़्तारियाँ और फांसी की सज़ा हुई। इसने दैनिक जीवन को बाधित किया और संदेह और असुरक्षा का माहौल बनाया।

3. क्रांतिकारी सरकार ने क्रांति के दुश्मनों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने के लिए किन तरीकों का इस्तेमाल किया? 2

उत्तर- क्रांतिकारी सरकार ने क्रांति के दुश्मनों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने के लिए निगरानी, नागरिकों द्वारा निंदा, क्रांतिकारी न्यायाधिकरण द्वारा परीक्षण और सार्वजनिक निष्पादन जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया।

फ्रांस के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को स्थित करें और लेबल करें:

1. **बोर्डो** (Bordeaux)
2. **नान्टेस** (Nantes)
3. **पेरिस** (Paris)
4. **मार्सिले** (Marseilles)



.

फ्रांसीसी क्रांति:

- फ्रांसीसी क्रांति ने समाज की संरचना में नाटकीय बदलाव की संभावना खोली।
- अठारहवीं सदी से पहले समाज को व्यापक रूप से एस्टेट्स और ऑर्डर्स में विभाजित किया गया था, और आर्थिक और सामाजिक शक्ति पर नियंत्रण अभिजात्य वर्ग और चर्च का था।
- यूरोप और एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में, व्यक्तिगत अधिकारों और सामाजिक शक्ति के नियंत्रण के बारे में नए विचार चर्चा में आने लगे।
- रूस में क्रांति के माध्यम से, समाजवाद बीसवीं सदी में समाज को आकार देने वाले सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली विचारों में से एक बन गया।

यूरोप में हर कोई समाज के पूर्ण परिवर्तन की चाह नहीं रखता था। समाज को निम्नलिखित वर्गों में विभाजित किया गया:

1. उदारवादी,
2. कट्टरपंथी,
3. रूढ़िवादी।

2. रूसी क्रांति:

- 1914 में, निकोलस II ने रूसी साम्राज्य पर निरंकुश शासन किया।
- उन्होंने किसानों पर भारी कर लगाया।
- रूसी साम्राज्य में मॉस्को के चारों ओर का क्षेत्र, वर्तमान दिन फिनलैंड, लातविया, लिथुआनिया, एस्तोनिया, पोलैंड, यूक्रेन, और बेलारूस शामिल थे।
- उन्होंने रूस को प्रथम विश्व युद्ध में शामिल किया, और एक बड़ी संख्या में रूसी सैनिक मारे गए।

अक्टूबर क्रांति

- 16 अक्टूबर 1917 – लेनिन ने पेत्रोग्राद सोवियत और बोल्शेविक पार्टी को समाजवादी शक्ति के कब्जे के लिए राजी किया। सोवियत ने जब्ती के लिए एक सैन्य क्रांतिकारी समिति नियुक्त की।
- विद्रोह 24 अक्टूबर को शुरू हुआ। प्रधानमंत्री केरेंस्की ने सैनिकों को बुलाने के लिए शहर छोड़ दिया।
- सुबह-सुबह, सरकार के प्रति वफादार सैन्य पुरुषों ने दो बोल्शेविक समाचार पत्रों की इमारतों पर कब्जा कर लिया। प्रोट-सरकार सैनिकों को टेलीफोन और टेलीग्राफ कार्यालयों पर कब्जा करने और शीतकालीन महल की रक्षा करने के लिए भेजा गया।
- इसके जवाब में, सैन्य क्रांतिकारी समिति ने सरकारी कार्यालयों पर कब्जा करने और मंत्रियों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया।
- 'औरोरा' जहाज ने शीतकालीन महल पर गोलाबारी की। अन्य जहाजों ने रणनीतिक बिंदुओं पर कब्जा कर लिया।
- रात तक, शहर पर कब्जा कर लिया गया था और मंत्रियों ने आत्मसमर्पण कर दिया था।
- पेत्रोग्राद में ऑल रशियन कांग्रेस ऑफ सोवियत ने बोल्शेविक कार्रवाई को मंजूरी दी।
- मास्को में भारी लड़ाई हुई और दिसंबर तक बोल्शेविकों ने मॉस्को-पेत्रोग्राद क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया।

- इस घटना में शामिल थे लेनिन, बोल्शेविक, सैनिक (प्रोट-सरकार)।

प्रभाव

- बोल्शेविक निजी संपत्ति के पूरी तरह से खिलाफ थे।
- नवंबर 1917 में अधिकांश उद्योग और बैंक राष्ट्रीयकृत किए गए।
- भूमि को सामाजिक संपत्ति घोषित किया गया और किसानों को कुलीनता की भूमि पर कब्जा करने की अनुमति दी गई।
- पुरानी उपाधियों के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया।
- सेना और अधिकारियों के लिए नई वर्दी डिज़ाइन की गई।
- नवंबर 1917 में, बोल्शेविकों ने चुनाव किया लेकिन बहुमत समर्थन प्राप्त करने में असफल रहे।
- रूस एक पार्टी राज्य बन गया।
- ट्रेड यूनियनों को पार्टी नियंत्रण में रखा गया।
- केंद्रीकृत योजना की एक प्रक्रिया शुरू की गई। इससे आर्थिक विकास हुआ।
- औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई।
- एक विस्तारित स्कूलिंग प्रणाली विकसित हुई।
- खेतों का सामूहीकरण शुरू हुआ।

अक्टूबर के बाद क्या बदला?

- नवंबर 1917 में अधिकांश उद्योग और बैंक राष्ट्रीयकृत किए गए।
- भूमि को सामाजिक संपत्ति घोषित किया गया और किसानों को कुलीनता की भूमि पर कब्जा करने की अनुमति दी गई।
- सेना और अधिकारियों के लिए नई वर्दी डिज़ाइन की गई। परिवर्तन को स्थापित करने के लिए, 1918 में एक पोशाक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसके बाद सोवियत टोपी (बुडेनोव्का) को चुना गया।
- बोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर रूसी कम्युनिस्ट पार्टी (बोल्शेविक) रखा गया।
- रूस एक पार्टी राज्य बन गया, और रूसी कम्युनिस्ट पार्टी ही एकमात्र पार्टी थी।
- 1918 में, बोल्शेविकों ने जर्मनी के साथ ब्रेस्ट-लिटोव्स्क में शांति बनाई और जर्मनी के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

वैश्विक प्रभाव:

- कई देशों में, कम्युनिस्ट पार्टियों का गठन हुआ, जैसे कि ग्रेट ब्रिटेन की कम्युनिस्ट पार्टी।
- द्वितीय विश्व युद्ध के प्रकोप तक, वैश्विक स्तर पर यूएसएसआर ने समाजवाद को एक वैश्विक चेहरा दिया था। एक पिछड़ा देश एक महान शक्ति बन गया था। इसकी उद्योग और कृषि विकसित हुईं। लेकिन इसने अपने नागरिकों को आवश्यक स्वतंत्रता से वंचित कर दिया और अपनी विकास परियोजनाओं को दमनकारी नीतियों के माध्यम से अंजाम दिया। बीसवीं सदी के अंत तक, यूएसएसआर की समाजवादी देश के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में गिरावट आई थी।

रूसी क्रांति और यूएसएसआर का वैश्विक प्रभाव:

श्रमिकों के राज्य की अवधारणा ने कई लोगों को प्रेरित किया। द्वितीय विश्व युद्ध के प्रकोप तक, यूएसएसआर ने समाजवाद को एक वैश्विक चेहरा और विश्व स्तर दिया था। कई गैर-रूसी लोग पूर्वी जनों के सम्मेलन (1920) में शामिल हुए और बोल्शेविकों ने कोमिनटर्न की स्थापना की (प्रो-बोल्शेविक समाजवादी पार्टियों का एक अंतर्राष्ट्रीय संघ)।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों के लिए, सही विकल्प चुनें:

- **A:**दोनों कथन (A) और कारण (R) सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- **B:**दोनों कथन (A) और कारण (R) सही हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- **C:** A सही है, लेकिन R गलत है।
- **D:** A गलत है, लेकिन R सही है।

Q.1कथन: अक्टूबर क्रांति को बोल्शेविक क्रांति भी कहा जाता है।
कारण: यह ग्रेगोरीयन कैलेंडर के अनुसार अक्टूबर में हुई थी।
उत्तर: C: A सही है, लेकिन R गलत है।

Q.2कथन: ब्रेस्ट-लिटोव्स्क संधि ने प्रथम विश्व युद्ध में रूस की भागीदारी को समाप्त कर दिया।
कारण: बोल्शेविक सरकार आंतरिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना और सत्ता को मजबूत करना चाहती थी।
उत्तर: A: दोनों कथन (A) और कारण (R) सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

Q.3विचारक की पहचान करें:

1. "द कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो" में मार्क्स के साथ सहयोग किया।
2. समाजवादी सिद्धांत में योगदान दिया और श्रमिक आंदोलनों का समर्थन किया।
   (a) कार्ल मार्क्स (b) रॉबर्ट ओवेन (c) लुई ब्लांक (d) फ्रेडरिक एंगेल्स
   उत्तर: (d) फ्रेडरिक एंगेल्स

Q.4अक्टूबर क्रांति में बोल्शेविकों का मुख्य लक्ष्य क्या था?

a) एक संवैधानिक राजतंत्र स्थापित करना
b) लोकतांत्रिक चुनाव लागू करना
c) एक समाजवादी राज्य स्थापित करना
d) अंतरिम सरकार को बनाए रखना

उत्तर: c) एक समाजवादी राज्य स्थापित करना

Q.5 रूसी गृह युद्ध की शुरुआत किस घटना से हुई?

a) फरवरी क्रांति
b) ब्रेस्ट-लिटोव्स्क संधि पर हस्ताक्षर
c) अक्टूबर क्रांति
d) अंतरिम सरकार की स्थापना

उत्तर: c) अक्टूबर क्रांति

Q.6 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान केंद्रीय शक्तियों में जर्मनी, तुर्की और कौन से देश शामिल थे?
(a) फ्रांस b) ऑस्ट्रिया (c) ब्रिटेन (d) रूस

उत्तर: (d) रूस

Q.7 बोल्शेविक और मेंशेविक के बीच मुख्य वैचारिक अंतर क्या था?

a) सरकार में ज़ार की भूमिका

b) समाजवाद प्राप्त करने के समय और तरीके

c) प्रथम विश्व युद्ध के लिए समर्थन

d) पश्चिमी यूरोप के प्रति रुख

उत्तर: b) समाजवाद प्राप्त करने के समय और तरीके

लघु उत्तर प्रश्न (2 अंक)

Q.8 'ग्रीन' और 'व्हाइट्स' कौन थे?

उत्तर: वे लोग थे जो बोल्शेविक क्रांति के खिलाफ थे। उन्होंने एक गृह युद्ध शुरू किया। उन्हें फ्रांसीसी, अमेरिकी, ब्रिटिश और जापानी सैनिकों का समर्थन प्राप्त था क्योंकि ये देश रूस में समाजवाद के विकास के बारे में चिंतित थे।

Q.9 समाजवाद का मूल विचार क्या था?

उत्तर: समाजवादी निजी संपत्ति के खिलाफ थे, और इसे उस समय की सभी सामाजिक बीमारियों की जड़ मानते थे।

Q.10 रूस के संदर्भ में 'कोलखोज' क्या था?

उत्तर: कोलखोज सामूहिक खेत थे, जहां 1929 से सभी किसानों को खेती करने के लिए मजबूर किया गया था।

Q.11रूसी क्रांति के दौरान "शांति, भूमि और रोटी" के नारे का क्या महत्व था?

उत्तर: नारा "शांति, भूमि, और रोटी" बोल्शेविकों के वादों को संक्षेप में प्रस्तुत करता है: प्रथम विश्व युद्ध से हटना (शांति), किसानों को भूमि का पुनर्वितरण (भूमि), और खाद्य संकट का समाधान (रोटी), जिससे उन्हें जन समर्थन मिला।

लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

Q.12 उन आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर चर्चा करें जिन्होंने 1917 की रूसी क्रांति का कारण बनीं।

उत्तर:20वीं सदी के प्रारंभिक रूस में गंभीर आर्थिक और सामाजिक असमानता थी।

अधिकांश जनसंख्या गरीबी में जीवन यापन कर रही थी, जबकि एक छोटा वर्ग अधिकांश भूमि और धन को नियंत्रित करता था।

1. औद्योगिक श्रमिकों को खराब कार्य परिस्थितियों, कम मजदूरी और लंबे घंटों का सामना करना पड़ा, जिससे व्यापक असंतोष उत्पन्न हुआ। तेजी से औद्योगीकरण ने शहरों में भीड़भाड़ और खराब रहने की स्थितियों को जन्म दिया। इसके अलावा, प्रथम विश्व युद्ध में रूस की भागीदारी ने इन समस्याओं को बढ़ा दिया, खाद्य संकट, मुद्रास्फीति और बड़े पैमाने पर सैन्य हताहतों के कारण जन समर्थन में कमी आई।

Q.13 बोल्शेविक क्रांति की सफलता पर लेनिन के नेतृत्व का प्रभाव आकलन करें।

उत्तर:

1. लेनिन का नेतृत्व बोल्शेविक क्रांति की सफलता में महत्वपूर्ण था। उनका करिश्माई नेतृत्व, रणनीतिक दृष्टि और जनता को प्रेरित और संगठित करने की क्षमता महत्वपूर्ण थे। लेनिन की अप्रैल थेसिस ने शांति, भूमि पुनर्वितरण और उत्पादन के श्रमिक नियंत्रण के पक्ष में स्पष्ट और कट्टरपंथी कार्यक्रम प्रदान किया।
2. उन्होंने "शांति, भूमि और रोटी" जैसे नारों का इस्तेमाल करके जन समर्थन प्राप्त किया। लेनिन ने आंतरिक पार्टी बहसों को भी कुशलतापूर्वक संभाला और एक अनुशासित, केंद्रीकृत पार्टी बनाई जो सत्ता को अपने हाथ में लेने में सक्षम थी।
3. उनकी अंतरिम सरकार की कमजोरियों का फायदा उठाने का निर्णय और 1917 के अक्टूबर में क्रांति की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में उनकी भूमिका इसकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण थी।

Q.14 रूसी गृह युद्ध (1917-1922) के कारण और परिणामों की व्याख्या करें।
उत्तर:

1. रूसी गृह युद्ध कई कारणों से हुआ, जिनमें बोल्शेविक नीतियों का विरोध, विभिन्न समूहों की सत्ता हथियाने की इच्छा और विदेशी शक्तियों का हस्तक्षेप शामिल थे। मुख्य गुटों में रेड आर्मी (बोल्शेविक), व्हाइट आर्मी (एंटी-बोल्शेविक बलों का ढीला गठबंधन), और विभिन्न राष्ट्रवादी, अराजकतावादी और अलगाववादी आंदोलन शामिल थे।
2. गृह युद्ध के परिणामस्वरूप व्यापक तबाही, आर्थिक पतन और जीवन की हानि हुई। बोल्शेविकों की जीत ने सोवियत सत्ता के समेकन, एक एकदलीय राज्य की स्थापना और 1922 में सोवियत संघ के निर्माण की ओर अग्रसर किया।
3. युद्ध ने राजनीतिक विरोध के कठोर दमन का भी परिणाम दिया और सोवियत शासन की अधिनायकवादी प्रकृति के लिए मंच तैयार किया।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

Q.15 स्टालिन के सत्ता में आने से रूसी क्रांति की विरासत पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:

- **शक्ति का केंद्रीकरण:**एक केंद्रीकृत नियंत्रण के साथ अधिनायकवादी शासन की स्थापना।
- **शुद्धिकरण और दमन:**व्यापक शुद्धिकरण, दिखावटी मुकदमे और राजनीतिक दमन।
- **औद्योगीकरण:**बलपूर्वक तीव्र औद्योगीकरण और सामूहिकता नीतियाँ।
- **ऐतिहासिक पुनर्लेखन:**स्टालिन और बोल्शेविक पार्टी का महिमा मंडन करने के लिए क्रांतिकारी इतिहास का पुनर्लेखन।
- **विरासत:**महत्वपूर्ण मानव पीड़ा और मूल क्रांतिकारी आदर्शों की हानि की कीमत पर एक साम्यवादी राज्य का समेकन।

Q.16 सोवियत समाज में महिलाओं के लिए रूसी क्रांति के परिणामों का विश्लेषण करें।
उत्तर:

- **कानूनी सुधार:**लैंगिक समानता, तलाक के अधिकार और मातृत्व अवकाश सुनिश्चित करने वाले कानूनों की शुरुआत।

- **रोजगार के अवसर:**विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा और रोजगार तक बढ़ी हुई पहुँच।
- **राजनीतिक भागीदारी:**महिलाओं की राजनीतिक गतिविधियों और सोवियत संस्थाओं में भागीदारी।
- **सामाजिक परिवर्तन:**बाल देखभाल, स्वास्थ्य देखभाल और कामकाजी माताओं के समर्थन में सुधार के प्रयास।
- **चुनौतियाँ:**पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं के साथ निरंतर संघर्ष और उच्च नेतृत्व में अल्प प्रतिनिधित्व।

Q.17 अक्टूबर क्रांति के बाद बोल्शेविकों ने कैसे सत्ता को मजबूत किया?

उत्तर:

- **फरमान और सुधार:**भूमि पुनर्वितरण, कारखानों पर श्रमिकों का नियंत्रण।
- **विपक्ष का दमन:**प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी।
- **चेका की स्थापना:**गुप्त पुलिस का उपयोग करके प्रति-क्रांतिकारियों का सफाया।
- **सोवियतों का नियंत्रण:**श्रमिकों और सैनिकों की परिषदों पर प्रभाव को मजबूत करना।
- **प्रचार:**बोल्शेविक विचारधारा और नीतियों को बढ़ावा देने के लिए मीडिया का उपयोग।

Q.18 सोवियत संघ के लिए रूसी क्रांति के दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक परिणामों का विश्लेषण करें।

आर्थिक परिणाम:

1. **उद्योग का राष्ट्रीयकरण:**
   - राज्य द्वारा प्रमुख उद्योगों का तत्काल अधिग्रहण।
   - सोवियत सरकार के तहत केंद्रीकृत आर्थिक योजना।
2. **कृषि का सामूहीकरण:**
   - व्यक्तिगत किसान फार्मों का बड़े, राज्य-नियंत्रित सामूहिक फार्मों में बलपूर्वक समेकन।
   - कृषि उत्पादकता में व्यवधान, जिससे अकाल, विशेष रूप से यूक्रेन में होलोडोमोर हुआ।
3. **औद्योगीकरण:**
   - पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से तीव्र औद्योगीकरण।
   - स्टील, कोयला और मशीनरी जैसे भारी उद्योगों में महत्वपूर्ण वृद्धि।
   - उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन की उपेक्षा, जिसके परिणामस्वरूप रोजमर्रा की वस्तुओं की कमी हुई।
4. **आर्थिक अक्षमताएँ:**
   - नौकरशाही केंद्रीकृत योजना अक्सर बर्बादी और अक्षमता की ओर ले जाती थी।
   - बाजार संकेतों की कमी के परिणामस्वरूप उत्पादन असंतुलन और खराब संसाधन आवंटन हुआ।
5. **आर्थिक ठहराव:**
   - प्रारंभिक औद्योगिक वृद्धि के बाद के दशकों में ठहराव। नवाचार और उत्पादकता में पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थता।

Q.19 सोवियत संघ के लिए रूसी क्रांति के दीर्घकालिक सामाजिक परिणामों का विश्लेषण करें।

सामाजिक परिणाम:

1. **वर्ग पुनर्गठन:**
   - प्रमुख वर्गों के रूप में अभिजात वर्ग और बुर्जुआ वर्ग का उन्मूलन।
   - शीर्ष पर कम्युनिस्ट पार्टी अभिजात वर्ग के साथ एक नई वर्ग पदानुक्रम का निर्माण।

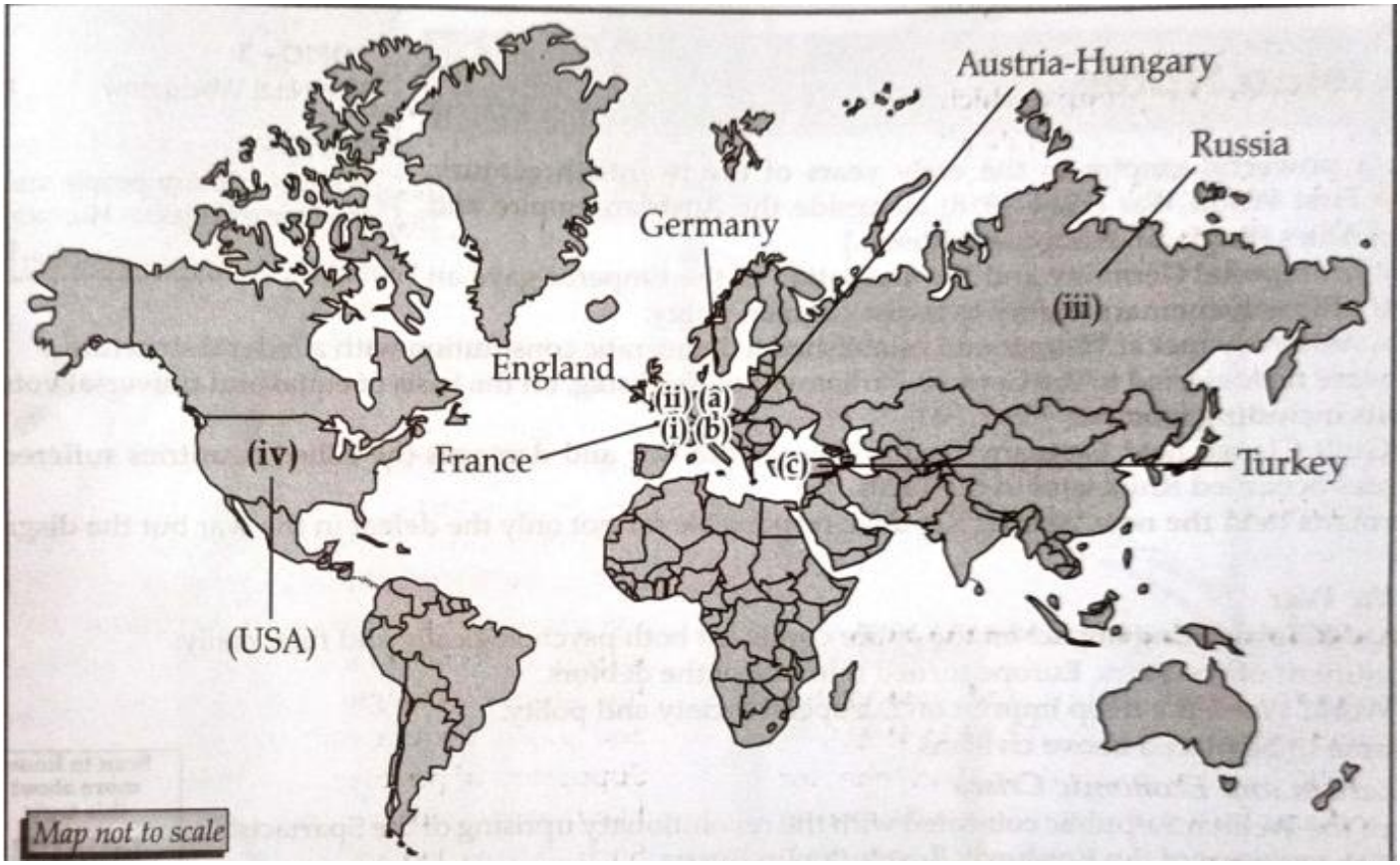
2. **शिक्षा और साक्षरता:**
   - शिक्षा प्रणाली का विशाल विस्तार।
   - साक्षरता दर और उच्च शिक्षा तक पहुँच में उल्लेखनीय वृद्धि।
3. **स्वास्थ्य देखभाल:**
   - एक सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की स्थापना।
   - समय के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा में सुधार।
4. **लैंगिक समानता:**
   - कार्य और मतदान के अधिकार सहित महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने वाले कानूनी सुधार।
   - कार्यबल और राजनीतिक जीवन में महिलाओं की बढ़ी हुई भागीदारी, हालांकि नेतृत्व की भूमिकाओं में सीमित रही।
5. **राजनीतिक दमन:**
   - राजनीतिक स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंधों के साथ एक एकदलीय राज्य की स्थापना।
   - गुप्त पुलिस (एनकेवीडी/केजीबी), शुद्धिकरण और श्रम शिविरों (गुलाग) का व्यापक उपयोग।
6. **सांस्कृतिक परिवर्तन:**
   - कला और साहित्य में समाजवादी यथार्थवाद को बढ़ावा देना।
   - असंतुष्ट सांस्कृतिक और बौद्धिक अभिव्यक्तियों का दमन।
7. **शहरीकरण:**
   - औद्योगीकरण के कारण तेजी से शहरीकरण, जिससे शहरों का विकास हुआ।
   - शहरी बुनियादी ढांचे और आवास पर दबाव, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों के लिए खराब रहने की स्थिति।
8. **सामूहिक स्मृति और प्रचार:**
   - क्रांति और सोवियत इतिहास का राज्य-नियंत्रित आख्यान निर्माण।
   - शासन की वैधता बनाए रखने और सार्वजनिक धारणा को नियंत्रित करने के लिए प्रचार का उपयोग।

विश्व के दिए गए रेखाचित्र मानचित्र पर निम्नलिखित वस्तुओं को चिन्हित करें:

केंद्रीय **शक्तियाँ:**

A. जर्मनी B. ऑस्ट्रिया-हंगरी C. तुर्की

मित्र राष्ट्र: (i) फ्रांस (ii) रूस (iii) इंग्लैंड (iv) अमेरिका



अध्याय – 3

3.नाज़ीवाद और हिटलर का उदय

नाज़ीवाद को राष्ट्रीय समाजवाद (National Socialism) भी कहा जाता है, जो जर्मनी में नाज़ी पार्टी द्वारा प्रचारित एक राजनीतिक विचारधारा है। इसकी शुरुआत एडोल्फ हिटलर ने 1920 के दशक में की थी और यह द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक 1945 तक चली।

वाइमर गणराज्य का जन्म:

- जर्मनी ने प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) ऑस्ट्रिया के साथ और मित्र राष्ट्रों (इंग्लैंड, फ्रांस और रूस) के खिलाफ लड़ा।
- जर्मनी ने फ्रांस और बेल्जियम पर कब्जा कर प्रारंभिक लाभ प्राप्त किए। हालांकि, मित्र राष्ट्र, जिनकी ताकत 1917 में अमेरिका के प्रवेश से बढ़ गई थी, ने जर्मनी को हराया।
- इस हार ने सम्राट को सिंहासन छोड़ने के लिए मजबूर किया और जर्मनी की राजनीति को फिर से संगठित करने के लिए संसदीय पार्टियों के सामने एक अवसर प्रस्तुत किया।
- वाइमर में एक राष्ट्रीय सभा बुलाई गई, जिसने एक संघीय संरचना के साथ एक लोकतांत्रिक संविधान स्थापित किया।

- अब प्रतिनिधियों का चुनाव जर्मन संसद या रीचस्टाग में सभी वयस्कों द्वारा डाले गए समान और सार्वभौमिक मतों के आधार पर किया गया, जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं।

वर्साय की संधि:

- यह एक शांति समझौता है जो जर्मनी और विजयी मित्र राष्ट्रों के बीच 1919 में पेरिस के वर्साय पैलेस में हस्ताक्षरित किया गया था।
- इस संधि ने जर्मनी और मित्र राष्ट्रों के बीच 1914 से चली आ रही युद्ध की स्थिति को समाप्त किया और प्रथम विश्व युद्ध को समाप्त कर दिया।

वर्साय की संधि का जर्मनी पर प्रभाव:

- जर्मनी ने अपनी विदेशी कॉलोनियों, अपनी जनसंख्या के दसवें हिस्से, 13 प्रतिशत क्षेत्र, 75 प्रतिशत लोहा और 26 प्रतिशत कोयला फ्रांस, पोलैंड, डेनमार्क और लिथुआनिया को खो दिया।
- मित्र राष्ट्रों द्वारा जर्मनी को कमजोर करने के लिए इसे निरस्त्र कर दिया गया।
- युद्ध अपराध धारा ने जर्मनी को युद्ध और मित्र देशों को हुए नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया।
- जर्मनी को6 बिलियन पाउंड का मुआवजा देने के लिए मजबूर किया गया।

आर्थिक संकट (हाइपरइंफ्लेशन):

- जर्मनी ने मुख्य रूप से ऋणों पर युद्ध लड़ा था और उसे सोने में युद्ध पुनर्भरण का भुगतान करना था। इससे सोने के भंडार कम हो गए।
- 1923 में जर्मनी ने भुगतान से इनकार कर दिया, इसलिए फ्रांस ने इसके प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र रुर पर कब्जा कर लिया।
- जर्मनी ने बिना रोक-टोक के कागजी मुद्रा छापी। जब बहुत अधिक मुद्रित पैसा प्रचलन में था, तो जर्मन मार्क का मूल्य गिर गया। अप्रैल में एक अमेरिकी डॉलर 24,000 मार्क के बराबर था, अगस्त में 4,621,000 मार्क और दिसंबर में 98,860,000 मार्क हो गया।
- इस संकट को हाइपरइंफ्लेशन के रूप में जाना जाने लगा, एक ऐसी स्थिति जब कीमतें अत्यधिक बढ़ जाती हैं।

मंदी के वर्ष:

- जर्मन निवेश और औद्योगिक पुनर्प्राप्ति पूरी तरह से अल्पकालिक ऋणों पर निर्भर थी, जो मुख्य रूप से यूएसए से थी।
- यह समर्थन तब वापस ले लिया गया जब 1929 में वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज क्रैश हो गया।
- यह महान आर्थिक अवसाद की शुरुआत थी। अगले तीन वर्षों के दौरान, 1929 और 1932 के बीच, यूएसए की राष्ट्रीय आय आधी हो गई।

महान मंदी का जर्मनी पर प्रभाव:

- आर्थिक संकट से जर्मन अर्थव्यवस्था सबसे बुरी तरह प्रभावित हुई।
- 1932 तक, औद्योगिक उत्पादन 1929 के स्तर का 40 प्रतिशत रह गया। श्रमिकों ने अपनी नौकरियां खो दीं या उन्हें कम वेतन दिया गया। बेरोजगारों की संख्या अभूतपूर्व 6 मिलियन तक पहुंच गई।

- जैसे-जैसे नौकरियां गायब हो गईं, बेरोजगार युवाओं ने आपराधिक गतिविधियों की ओर रुख किया और पूर्ण निराशा सामान्य हो गई।
- बड़े और छोटे व्यवसाय, स्व-नियोजित और खुदरा विक्रेता पीड़ित हुए क्योंकि उनके व्यवसाय बर्बाद हो गए।
- गरीब बनने का डर: अमीर, छोटे व्यवसायी, मध्यम वर्ग और स्व-नियोजित व्यक्ति इस बात का डर महसूस करने लगे कि किसी भी समय वे गरीब हो सकते हैं और गरीबी में सड़क पर आ सकते हैं। इस समूह ने हिटलर और उसके विचारों का समर्थन करना शुरू कर दिया

महान मंदी के दौरान जर्मनी में राजनीतिक स्थिति:

- महान मंदी के वर्षों में, वाइमर गणराज्य राजनीतिक रूप से कमजोर हो रहा था।
- आनुपातिक प्रतिनिधित्व के कारण, संसद में बहुमत प्राप्त करना लगभग असंभव कार्य हो गया जिससे गठबंधन द्वारा शासन किया जाने लगा। अपने छोटे जीवनकाल में, वाइमर गणराज्य ने बीस विभिन्न कैबिनेट देखे जो औसतन 239 दिनों तक चले।
- अनुच्छेद 48 का उदार उपयोग: अनुच्छेद 48 के तहत राष्ट्रपति को आपातकाल लगाने की शक्ति प्राप्त थी।
- लोगों का लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली में विश्वास खो गया, जो कोई समाधान प्रदान करने में विफल रही।

हिटलर के वादे:

- हिटलर ने जर्मनी को एक मजबूत राष्ट्र बनाने का वादा किया।
- हिटलर ने वर्साय संधि के अन्याय को समाप्त करने और जर्मन लोगों की गरिमा को बहाल करने का वादा किया।
- उन्होंने काम की तलाश करने वालों को रोजगार देने का वादा किया।
- उन्होंने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का वादा किया।
- उन्होंने सभी विदेशी प्रभावों को खत्म करने और जर्मनी के खिलाफ सभी विदेशी साजिशों का विरोध करने का वादा किया।

हिटलर का सत्ता में उदय:

- हिटलर का जन्म 1889 में ऑस्ट्रिया में हुआ था। उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध में बहादुरी के लिए कई पदक जीते।
- जर्मनी की हार ने उन्हें भयभीत कर दिया। वर्साय की संधि ने उन्हें क्रोधित कर दिया।
- उन्होंने जर्मन वर्कर्स पार्टी में शामिल होकर इसका नाम बदलकर नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी रख दिया। बाद में इसे नाज़ी पार्टी के नाम से जाना गया।
- नाज़ीवाद एक जन आंदोलन बन गया केवल महान अवसाद के दौरान। नाजी प्रचार ने बेहतर भविष्य की उम्मीदें जगाईं। हिटलर एक शक्तिशाली और प्रभावी वक्ता थे। उन्होंने लोगों से एक मजबूत राष्ट्र का वादा किया जहाँ सभी को रोजगार मिलेगा।

हिटलर द्वारा लोकतंत्र का विनाश:

- 30 जनवरी 1933 को राष्ट्रपति हिंडनबर्ग ने हिटलर को चांसलर का पदभार सौंपा। सत्ता प्राप्त करने के बाद, हिटलर ने लोकतांत्रिक शासन की संरचनाओं को समाप्त करने का काम शुरू किया।
- जर्मन संसद भवन में एक रहस्यमय आग लग गई और 28 फरवरी 1933 को अग्नि डिक्री पारित की गई जिसने स्वतंत्र रूप से बोलने, प्रेस और सभा की स्वतंत्रता जैसे नागरिक अधिकारों को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया।
- फिर उन्होंने अपने प्रमुख दुश्मनों, कम्युनिस्टों पर हमला किया, जिनमें से अधिकांश को जल्दबाजी में नव स्थापित एकाग्रता शिविरों में भेज दिया गया। कम्युनिस्टों का दमन गंभीर था। समाजवादियों, लोकतंत्रवादियों और कैथोलिकों को भी गिरफ्तार कर मार दिया गया।
- 3 मार्च 1933 को प्रसिद्ध सक्षम अधिनियम पारित किया गया। इस अधिनियम ने जर्मनी में तानाशाही स्थापित की। इसने हिटलर को अर्थव्यवस्था, मीडिया, सेना और न्यायपालिका को नियंत्रित करने की सभी शक्तियाँ दीं।
- समाज को नाज़ियों द्वारा वांछित तरीकों से नियंत्रित करने और आदेश देने के लिए विशेष निगरानी और सुरक्षा बल बनाए गए। पहले से मौजूद नियमित हरे वर्दी वाले पुलिस के अलावा गेस्टापो (गुप्त राज्य पुलिस), एसएस (रक्षा दस्ते), आपराधिक पुलिस और सुरक्षा सेवा (एसडी) थी। पुलिस बलों ने अवांछित लोगों को गिरफ्तार किया, प्रताड़ित किया और मार डाला।

हिटलर द्वारा जर्मनी का पुनर्निर्माण:

- हिटलर ने 1933 में राष्ट्र संघ से बाहर निकल लिया, 1936 में राइनलैंड पर फिर से कब्जा कर लिया और 1938 में ऑस्ट्रिया और जर्मनी को एकजुट कर दिया।
- हिटलर ने आर्थिक पुनर्प्राप्ति की जिम्मेदारी अर्थशास्त्री हजालमार शाच्ट को सौंपी जिन्होंने राज्य वित्तपोषित कार्य निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार प्रदान किया। इस परियोजना ने प्रसिद्ध जर्मन सुपरहाइवे और लोगों की कार, वोक्सवैगन का निर्माण किया।
- विदेश नीति में भी, हिटलर ने त्वरित सफलताएँ प्राप्त कीं। उन्होंने 1936 में राइनलैंड पर फिर से कब्जा कर लिया और 1938 में एक लोग, एक साम्राज्य और एक नेता के नारे के तहत ऑस्ट्रिया और जर्मनी को एकीकृत कर दिया।
- उन्होंने जर्मन भाषी सूडेटेनलैंड को चेकोस्लोवाकिया से छीन लिया और पूरे देश को निगल लिया। इसमें उन्हें इंग्लैंड और फ्रांस का मौन समर्थन प्राप्त था।
- घरेलू और विदेश दोनों में इन त्वरित सफलताओं ने देश की नियति को उलटने का काम किया। हिटलर ने पुन: शस्त्रीकरण में भारी निवेश किया क्योंकि राज्य अभी भी घाटे के वित्तपोषण पर चल रहा था।
- हिटलर ने आर्थिक संकट के समाधान के रूप में युद्ध को चुना जिससे द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ।

नाज़ी विश्वदृष्टि:

- नाजी विचारधारा के अनुसार लोगों के बीच समानता नहीं थी, बल्कि केवल नस्लीय पदानुक्रम था। नाज़ियों ने शुद्ध जर्मनों के विशिष्ट नस्लीय समुदाय का निर्माण करने के अपने सपने को जल्दी से लागू करना शुरू कर दिया।
- वे शुद्ध और स्वस्थ नॉर्डिक आर्यों का समाज चाहते थे। यहूदी, जिप्सी, अश्वेत, रूसी, पोल, यहां तक कि कुछ जर्मन और असामान्य लोग अवांछनीय माने जाते थे।
- हिटलर की विचारधारा का दूसरा पहलू लेबेन्सरौम या रहने की जगह की भू-राजनीतिक अवधारणा से संबंधित था। नाजी जर्मनी में यहूदियों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा।
- हिटलर ने नस्ल की छद्म वैज्ञानिक सिद्धांतों में विश्वास किया, जिसमें कहा गया कि धर्मांतरण यहूदी समस्या का कोई समाधान नहीं है। इसे उनके पूर्ण उन्मूलन के माध्यम से हल किया जाना था।
- 1933-1938 तक - नाजियों ने यहूदियों को आतंकित किया, गरीब बनाया और अलग-थलग कर दिया, उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया। अगला चरण, 1939-1945, उन्हें कुछ क्षेत्रों में केंद्रित करने और फिर उन्हें पोलैंड के गैस चैंबरों में मारने का था।

नाजी जर्मनी में युवा/नाज़ीवाद के तहत स्कूलों में क्या हुआ?

- सभी स्कूलों को शुद्ध और स्वच्छ किया गया। इसका मतलब था कि यहूदी शिक्षक या जिन्हें राजनीतिक रूप से अविश्वसनीय माना जाता था, उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।
- बच्चों को पहले अलग किया गया, जर्मन और यहूदी एक साथ नहीं बैठ सकते थे या एक साथ खेल नहीं सकते थे। बाद में, अवांछनीय बच्चों - यहूदी, शारीरिक रूप से विकलांग और जिप्सी को स्कूलों से निकाल दिया गया।
- अच्छे जर्मन बच्चों को नाजी शिक्षा की एक लंबी अवधि के तहत रखा गया। स्कूल की पाठ्यपुस्तकें फिर से लिखी गईं। नाजी नस्लीय विचारों को सही ठहराने के लिए नस्लीय विज्ञान को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। कक्षाओं में यहूदियों के बारे में रूढ़ियाँ लोकप्रिय हो गईं।
- बच्चों को वफादार और अधीनस्थ होना, यहूदियों से नफरत करना और हिटलर की पूजा करना सिखाया गया। यहां तक कि खेल का उद्देश्य भी बच्चों में हिंसा और आक्रामकता की भावना पैदा करना था। हिटलर का मानना था कि बॉक्सिंग बच्चों को लोहे का दिल, मजबूत और मर्दाना बना सकती है।
- युवा संगठनों को राष्ट्रीय समाजवाद की भावना में जर्मन युवाओं को शिक्षित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। 10 साल के बच्चों को जंगफोल्क में शामिल होना पड़ता था। 14 साल की उम्र में, सभी लड़कों को हिटलर यूथ नामक नाजी युवा संगठन में शामिल होना पड़ता था, जहां वे युद्ध की पूजा करना, आक्रामकता और हिंसा को महिमा देना, लोकतंत्र की निंदा करना और यहूदियों, कम्युनिस्टों, जिप्सियों और सभी अवांछनीय लोगों से नफरत करना सीखते थे।

मातृत्व का नात्सी सोच-महिलाओं से अच्छी माताएं बनने और शुद्ध रक्त वाले आर्य बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए कहा जाता था। उन्हें अधिक से अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया

जाता था। महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, सम्मान क्रॉस प्रदान किए गए। चार बच्चों के लिए कांस्य क्रॉस, छह के लिए चांदी और आठ या अधिक के लिए सोने काक्रॉस दिया जाता था।

प्रचार की कला:

- नाज़ी शासन ने भाषा और मीडिया का सावधानीपूर्वक और अक्सर प्रभावी ढंग से उपयोग किया। उन्होंने यहूदियों के प्रति घृणा फैलाने के लिए फिल्मों, चित्रों, रेडियो, पोस्टरों आदि का उपयोग किया। नाज़ियों ने कभी भी अपने आधिकारिक संवादों में मारना या हत्या जैसे शब्दों का उपयोग नहीं किया। **सामूहिक हत्याओं को विशेष उपचार, अंतिम समाधान (यहूदियों के सन्दर्भ में) ,(युथनेजिया विकलांगों के लिए) ,इच्छामृत्यु, चयन** और **कीटाणुशोधन** कहा जाता था। **इवैक्युएशन** (खाली कराना)- **गैस चैम्बर** (संक्रमण मुक्ति क्षेत्र) में ले जाना
- मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग कर शासन के लिए समर्थन प्राप्त किया गया और इसकी विश्वदृष्टि को लोकप्रिय बनाया गया। नाजी विचारों का प्रसार दृश्य छवियों, फिल्मों, रेडियो, पोस्टरों, आकर्षक नारों और पत्रक के माध्यम से किया गया।
- पोस्टरों में, जर्मनों के शत्रु माने गए समूहों को रूढ़िबद्ध, उपहास, अपमानित और बुरा बताया गया। समाजवादियों और उदारवादियों को कमजोर और पतित के रूप में चित्रित किया गया। उन्हें दुर्भावनापूर्ण विदेशी एजेंटों के रूप में हमला किया गया।
- रूढ़िवादी यहूदी को दाढ़ी बढ़ाए और काफ्तान (चोगा) पहने दिखाया गया था।

बहु विकल्पीय प्रश्न

Q.1 हिटलर की प्रवृत्ति विस्तारवादी नीतियों की शुरुआत किस घटना से हुई?

A. ऑस्ट्रिया का विलय B. पोलैंड का आक्रमण C. राइनलैंड का कब्जा D. म्यूनिख समझौत

उत्तर: A. ऑस्ट्रिया का विलय

Q.2 नाज़ी प्रॉपेगैंडा का मुख्य उद्देश्य क्या था?

A. शांति और सद्भावना को बढ़ावा देना

B. जर्मन इतिहास और हिटलर की महिमा को महान बनाना

C. लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन करना

D. अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना

उत्तर: B. जर्मन इतिहास और हिटलर की महिमा को महान बनाना

Q.3 1935 के न्यूरेंबर्ग कानूनों का उद्देश्य क्या था?

A. सभी जर्मनों को रोजगार प्रदान करना

B. यहूदियों को जर्मन नागरिकता से बाहर करना और उनके अधिकारों को सीमित करना

C. जर्मनी में औद्योगिकरण को बढ़ावा देना

D. एक कल्याणकारी राज्य स्थापित करना

उत्तर: B. यहूदियों को जर्मन नागरिकता से बाहर करना और उनके अधिकारों को सीमित करना

Q.4 1933 में पारित इनेबलिंग एक्ट का मुख्य लक्ष्य क्या था?

A. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना

B. हिटलर को तानाशाही शक्ति प्रदान करना

C. मुक्त प्रेस स्थापित करना

D. नई नौकरियां प्रदान करना

उत्तर: B. हिटलर को तानाशाही शक्ति प्रदान करना

Q.5 नाज़ी प्रशासन के कंसन्ट्रेशन कैम्प का मुख्य उद्देश्य क्या था?

A. शरण देना वालों के लिए आवास प्रदान करना

B. राजनीतिक विरोधियों और अल्पसंख्यक समूहों को निरोधित और समाप्त करना

C. पर्यटन के रूप में सेवा करना

D. बच्चों को शिक्षा देना

उत्तर: B. राजनीतिक विरोधियों और अल्पसंख्यक समूहों को निरोधित और समाप्त करना

अति लघु उत्तरीयप्रश्न

Q.9 हिटलर की विदेश नीति की तीन मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए। उत्तर:

- 30 जनवरी 1933 को, हिटलर जर्मनी के चांसलर बने और तानाशाही स्थापित की।
- प्रारंभ से ही, उन्होंने अन्य देशों के प्रति आक्रामकता और युद्ध की नीति अपनाई।
- उन्होंने 1933 में लीग ऑफ़ नेशंस से अपनी वापसी की, 1936 में राइनलैंड को पुनः कब्जा किया, और 1938 में ऑस्ट्रिया को जर्मनी में विलिन किया उस नारे के तहत 'एक लोग, एक साम्राज्य, एक नेता'।

Q.10 हिटलर ने संधि वर्साय का उल्लंघन कब और इसके लिए क्या कारण दिया?

उत्तर:• हिटलर ने मार्च 1935 में संधि वर्साय का उल्लंघन सार्वजनिक रूप से किया।

- हिटलर ने दावा किया कि वे जर्मनी को अन्य यूरोपीय शक्तियों के स्तर पर समान बनाने की कोशिश कर रहे थे।
- क्योंकि यूरोपीय राष्ट्रों ने शस्त्रसंग्रह की नीति का पालन नहीं किया था, इसलिए जर्मनी के पुनर्सजीवन की आवश्यकता थी।

Q.11 'नाज़ी स्कूलिंग' के बारे में आपको क्या पता है?

उत्तर: सभी 'अच्छे जर्मन' बच्चों को एक दीर्घकालिक धार्मिक अभियान के तहत नाज़ी स्कूलिंग के अधीन रखा गया। विद्यालय पाठ्यपुस्तकों को फिर से लिखा गया। रासायनिक विज्ञान को प्रस्तुत किया गया था ताकि नाज़ी रास्ते के विचारों को विचारशीलता से ज्यादा रहने दें। बच्चों को वफादार और अधीन होने, यहूदियों से घृणा करने, और हिटलर की पूजा करने की शिक्षा दी गई। यहां तक कि खेल भी बच्चों के बीच

हिंसा और आक्रामकता की भावना को पोषित करने के लिए उपयोग किया गया। हिटलर को माना गया कि बॉक्सिंग बच्चों को कठोर, मजबूत बनाता है।

Q.12 किसे 'नवंबर अपराधियों' के रूप में ठहराया गया था?

उत्तर: समाजवादी, कैथोलिक्स और डेमोक्रेट्स को 'नवंबर अपराधियों' के रूप में ठहराया गया था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q.13 नाज़ी प्रचार ने हिटलर की सत्ता में आने में कैसे भूमिका निभाई?

उत्तर: • प्रचार मंत्री: जोसेफ गोएब्बल्स ने एक विशाल प्रचार अभियान का नेतृत्व किया। • मीडिया नियंत्रण: अखबारों, रेडियो, फिल्मों और रैलियों को नियंत्रित किया गया ताकि नाज़ी विचारधारा को फैलाया जा सके। • व्यक्तित्व की पूजा: हिटलर को जर्मनी के उद्धारकर्ता के रूप में महिमा मंडित किया गया। • यहूदी विरोधी संदेश: यहूदियों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दिया गया। • राष्ट्रीय एकता: जर्मनों में राष्ट्रीय गर्व और एकता की भावना को बढ़ावा दिया।

Q.14 नाज़ियों की यहूदियों के प्रति विचारधारा क्या थी?

उत्तर: • नाज़ीवाद के तहत सभी स्कूलों को शुद्ध किया गया। उन शिक्षकों को निकाल दिया गया जो यहूदी पाए गए या राजनीतिक रूप से अविश्वसनीय माने गए। • जर्मन और यहूदी बच्चों को एक साथ बैठने या खेलने की अनुमति नहीं थी। • सभी अवांछनीय बच्चों—यहूदी, जिप्सी और शारीरिक रूप से विकलांग—को स्कूलों से निकाल दिया गया और अंततः 1940 के दशक में उन्हें गैस चेम्बर में भेज दिया गया।

Q.15 नाज़ियों की मातृत्व के प्रति विचारधारा क्या थी?

उत्तर:

1. नाज़ी जर्मनी में बच्चों को बार-बार बताया जाता था कि महिलाएं पुरुषों से पूरी तरह से अलग होती हैं।
2. यह उपदेश दिया गया था कि पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकारों की लड़ाई गलत है और यह समाज को नष्ट कर देगी। लड़कों को आक्रामक, पुरुषाधारी और कठोर दिल वाला बनने के लिए सिखाया जाता था। लड़कियों को अच्छी माताओं के रूप में बनना सिखाया जाता था।
3. उन्हें शुद्ध-रक्त आर्यन बच्चों को पालना था और जाति की शुद्धता बनाए रखनी थी। उन्हें यहूदियों से दूर रहना था, घर की देखभाल करनी थी, और अपने बच्चों को नाज़ी मूल्यों की शिक्षा देनी थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Q.16 नाज़ी जातीय विचारधारा को पूरा करने के लिए वे 'अनचाहे' व्यक्तियों को हत्या करके कैसे आगे बढ़े? विवरण दीजिए।

उत्तर: नाज़ी जातीय विचारधारा को पूरा करने के लिए वे अनचाहे व्यक्तियों को निम्नलिखित तरीके से हत्या करने के रास्ते चले:

(a) यहूदी नाज़ी जर्मनी में सबसे बड़े पीड़ित रहे। 1933 से 1938 तक यहूदी व्यापार को बहिष्कृत किया गया, उन्हें सरकारी सेवाओं से निकाल दिया गया और उनकी संपत्ति जब्त की गई। 1939 से 1945

तक यहूदी घेट्टों में रखे गए, अत्यधिक गरीबी और दुख में, और अंततः उन्हें गैस चेम्बर में मार दिया गया।

(b) जर्मनी उत्तर-पश्चिमी पोलैंड को कब्जा कर लिया। पोल्स को अपने घरों और संपत्ति छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, जिसे जनजातीय जर्मनों द्वारा कब्जा किया जाना था। फिर पोल्स को 'अनचाहे' के अंतिम स्थान पर भेज दिया गया।

(c) पोलैंड के बुद्धिजीवियों के सदस्यों को बड़े संख्या में हत्या कर दिया गया था ताकि पूरी जनता को बुद्धिमान रूप से गुलाम बनाए रखा जा सके।

(d) जो पोलिश बच्चे आर्यन दिखते थे, उन्हें बलात्कारी रूप से छीना गया और रेस विशेषज्ञों द्वारा जांच किए गए। अगर वे परीक्षण पास करते थे, तो उन्हें जर्मन परिवारों में पाला गया और अगर नहीं तो उन्हें अनाथालयों में भेज दिया गया, जिसमें से अधिकांश मर गए।

(e) पोलैंड में कुछ सबसे बड़े घेट्टो और गैस चेम्बर थे जहां यहूदी लोगों को मार दिया गया।

Q.17 वर्साय की संधि क्या थी, और इससे जर्मनी में नाराजगी क्यों हुई?

उत्तर: वर्साय की संधि: 28 जून, 1919 को साइन की गई, प्रथम विश्व युद्ध के अधिकारियों द्वारा वर्साइया शासक. मुख्यत: फ्रांस, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य राष्ट्र.

संधि की शर्तें:

- संपत्ति की हानि: जर्मनी ने महत्वपूर्ण संपत्तियों को खो दिया, जैसे कि फ्रांस को आल्सेस-लोरेन और पोलैंड को पूर्व में क्षेत्रों में.
- सैन्य प्रतिबंध: जर्मन सेना को 100,000 सैनिकों तक सीमित किया गया था, और नौसेना को सीमित किया गया था। कोई हवाई बल अनुमति नहीं थी।
- मुआवजे: जर्मनी को युद्ध के दौरान हुए नुकसान के लिए विशाल मुआवजा देने की आवश्यकता थी।
- युद्ध दोष क्लॉज: संधि के अनुच्छेद 231 ने युद्ध को पूरी तरह से जर्मनी और उसके सहयोगी पर जिम्मेदारी रखी।
- कब्जा और सैन्यीकरण: राइनलैंड को सैन्यीकरण और संयुक्त राष्ट्रों द्वारा कब्जा किया जाना था।

जर्मनी में नाराजगी के कारण:

- अपमान: युद्ध दोषअनुच्छेद ने जर्मनी को अपमानित किया, क्योंकि उन्हें युद्ध की वजह से पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करनी पड़ी।
- आर्थिक बोझ: मुआवजे ने जर्मनी पर भारी आर्थिक दबाव डाला, जिससे आर्थिक कठिनाइयाँ और अत्यधिक मुद्रास्फीति हुई।
- संपत्ति की हानि: संपत्तियों को खोने से जर्मनी को आर्थिक और रणनीतिक रूप से कमजोर किया गया, जो राष्ट्रीय गर्व को प्रभावित करता है।
- सैन्य प्रतिबंध: सैन्य परिमाणों पर प्रतिबंध ने जर्मनी की संप्रभुता और अपने आप को बचाने की क्षमता को एक धक्के के रूप में देखा गया।

- राजनीतिक अस्थिरता: संधि की कठोर शर्तें राजनीतिक अस्थिरता को भड़काने में मदद की, जो व्यापक असंतुष्टि को उत्तेजित करती थी और नाज़ी पार्टी जैसे अत्याचारी आंदोलनों के उदय में सहायक थी।
- राष्ट्रवादी क्रोध: अन्य जर्मन लोग अपने नेताओं से धोखा खाने के लिए अपने नेताओं से धोखा खाने के लिए अपने नेताओं से धोखा खाने के लिए धोखा खाने के लिए दोषी महसूस करते थे, जो न्याय की भावना और प्रतिशोध की इच्छा को प्रेरित करता था।

Q.18 नाज़ी विचारधारा की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर:• जातीय उत्कृष्टता: आर्यन जाति के उत्कृष्टता में विश्वास।

• यहूदी विरोध: यहूदियों के विरुद्ध नफ़रत और प्रताड़ना।

• राष्ट्रवाद: जर्मन पहचान और संस्कृति में अत्यधिक गर्व।

• सैन्यवाद: सैन्य शक्ति और विस्तार पर जोर।

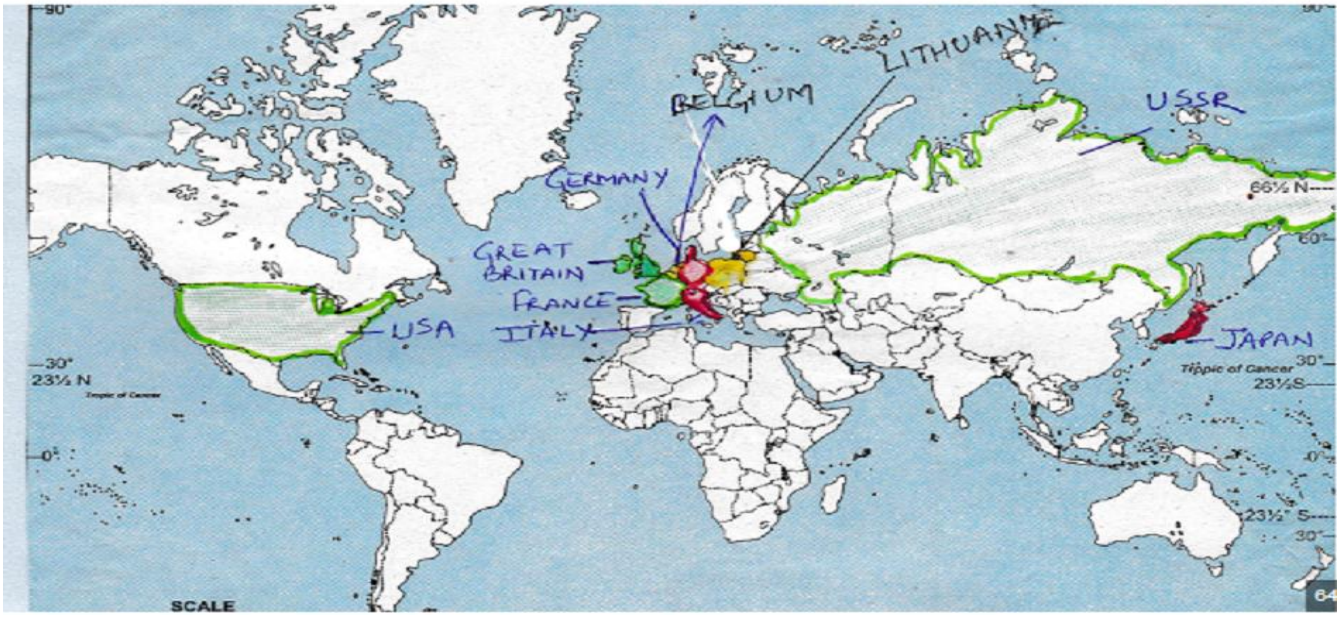
• प्राधिकारवाद: एकल नेता के तहत एक पूर्णतांत्रिक राज्य का समर्थन।

• सामाजिक डार्विनिज्म: मानव समाज में उत्तरदायित्व की धारणा।

निम्नलिखित वस्तुओं को दिए गए विश्व के रेखा-मानचित्र पर स्थित करें और लेबल करें:

A. जर्मनी B. जापान C. इटली D. लिथुआनिया E. बेल्जियम

i) फ्रांस ii) रूस-यूएसएसआर iii) इंग्लैंड iv) यूएसए



4.वन्य,समाज और उपनिवेशवाद

Interdisciplinary project as part of multiple assessments only

(Internally assessed for 5 marks)

पाठ-5

आधुनिक विश्व में चरवाहे

(To be assessed as part of Periodic Assessment only)

• नोमैड-(घुमंतु) वे लोग हैं जो एक जगह पर नहीं रहते हैं बल्कि अपनी जीविका कमाने के लिए एक जगह से दूसरे जगह घूमते रहते हैं। भारत के कई हिस्सों में हम नोमैड पशुपालकों को देख सकते हैं जो अपनी बकरियों और भेड़ों या ऊंटों और गायों के साथ घूमते हैं।

1 पशुपालकों और उनकी चाल

1.1 पहाड़ों में गुज्जर बकरवाल

• जम्मू-कश्मीर के गुज्जर बकरवाल बकरियों और भेड़ों के महान पशुपालक हैं।

• उनमें से कई लोग अपने पशुओं के लिए चारों ओर चराघर की खोज में इस क्षेत्र में उत्तरार्द्ध शताब्दी में चले गए। समय के साथ, वे क्षेत्र में स्थायी रूप से स्थापित हो गए, और वे अपनी गर्मी और सर्दी की चराघरों के बीच वार्षिक रूप से हिलते रहते थे।

• इस यात्रा के लिए कई घरानों ने मिलकर एक साथ आने का नाम भी है, जिसे काफिला कहते हैं।

- **हिमाचल प्रदेश के गद्दी चरवाहे**

  • हिमाचल प्रदेश के गद्दी चरवाहे के पास भी मौसमी चाल का एक समान चक्र था।

  • वे भी अपने सर्दी को शिवालिक पर्वत श्रृंखला की निचली पहाड़ियों में बिताते थे, झाड़ी वनों में उनकी भेड़ों का चराया करते हुए।

  • रास्ते में वे फिर से लाहौल और स्पीती के गांवों में रुकते हैं, अपनी गर्मी की फसल काटते हैं और अपनी सर्दी की फसल का बुआई करते हैं।

  • फिर वे अपनी भेड़ों के साथ अपनी सर्दी चरागाह के लिए सिवालिक पर्वतों में अवतरण करते हैं। अगले अप्रैल, फिर से, वे अपनी बकरियों और भेड़ों के साथ अपनी यात्रा शुरू करते हैं, गर्मी के गढ़ों में।

1.2 पठारों, मैदानों और रेगिस्तानों पर

- पशुपालकों को भारत के पठारों, मैदानों और रेगिस्तानों में भी पाया गया।
- महाराष्ट्र में, घंगर एक महत्वपूर्ण पशुपालक समुदाय थे जो अधिकांशत: भेड़ पालक, रजाई बनानेवाले और भैंस पालक थे।
- मानसून के दौरान, वे महाराष्ट्र की केंद्रीय पठार में रहते थे। अक्टूबर में घंगर अपना बाजरा काटते हैं और पश्चिम की ओर बढ़ते हैं।
- कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्य में, सूखी केंद्रीय पठार पर पत्थर और घास से ढकी जमीनों पर गाय, बकरी और भेड़ पालकों को रहते हैं, जिन्हें गोल्ला कहते हैं।
- कुरुमास और कुरुबास भेड़ और बकरियां पालते थे और बुने हुए रजाई बेचते थे। सूखे मौसम में, वे समुद्री ट्रैक्ट्स में जाते थे और बारिश आने पर छोड़ देते थे।
- बंजारा एक और प्रसिद्ध चरवाहे समुदाय थे, जिन्हें उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के गांवों में पाया गया।

- राजस्थान के रेगिस्तानों में राइका रहते थे। मानसून के दौरान, बाडमेर, जैसलमेर, जोधपुर और बीकानेर के राइका अपने गांवों में रुकते थे, जहां चारागाह उपलब्ध था। अक्टूबर तक, वे दूसरे चारागाह और पानी की खोज में निकल गए और अगले मानसून के दौरान फिर से लौट आए।

Q.1 कुछ वनों को "संरक्षित" क्यों वर्गीकृत किया गया था?

उत्तर: (a) इनमें चारवाहों को अनुसारी चराई के अधिकार प्रदान किए गए थे, लेकिन उनकी गतिविधियों को गहरी रूप से प्रतिबंधित किया गया था।

(b) औपनिवेशिक अधिकारी मानते थे कि चाराई वनीय निर्माण के पौधों के अंकुरों और नौजवान पत्तियों को नष्ट करती है।

Q.2 नोमैडिक-(घुमंतु) पशुपालक कौन हैं?

उत्तर:• नोमैड्स-(घुमंतु) वे लोग होते हैं जो एक स्थान पर नहीं रहते हैं बल्कि अपनी आजीविका कमाने के लिए एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में घूमते रहते हैं।

• भारत के कई हिस्सों में हम उन नोमैडिक-(घुमंतु) पशुपालकों को देख सकते हैं जो उनके बकरियों और भेड़ों या ऊंटों और गायों के झुंडों के साथ आगे बढ़ते हैं।

• वे अपने बकरियों और भेड़ों के लिए नई चारागाह की खोज में स्थान स्थानांतरण करते हैं।

Q.3 गढ़वाल और कुमाऊं के गुज्जरों के जीवनशैली के बारे में आपको क्या पता है?

उत्तर:• गढ़वाल और कुमाऊं में, गुज्जर पशुपालक सूखे वनों में आते थे, और गर्मियों में उच्च घासमण्डल, बुग्याल, में जाते थे।

• उनमें से कई शुरू में जम्मू से थे और 19वीं शताब्दी में उत्तर प्रदेश की पहाड़ियों में अच्छी चारागाह की खोज में आए थे।

• इस समयानुवर्ती संवेदनशीलता का पैटर्न था जो शिशु समुदायों की तहिया हिमालय के बहुतायत वनों की बनावट में था।

Q.4 अफ्रीका की पशुपालन समुदायों का नाम बताएं। वे कहाँ पाए जाते हैं? उनका व्यापार क्या होता है?

उत्तर:• बेउदीन, बरबर, मासाई, सोमाली, बोरान और टुर्काना अफ्रीका के कुछ पशुपालन समुदाय हैं।

• उनमें से अधिकांश अर्ध-शुष्क घासमेंदों या रेगिस्तानी रेगिस्तानों में पाए जाते हैं जहां वर्षावन्य कृषि कठिन होती है।

• वे गाय, ऊंट, बकरी आदि बढ़ाते हैं और अपने उत्पाद जैसे दूध और मांस की बिक्री करते हैं। अन्य व्यापार और परिवहन से अपनी आजीविका कमाते हैं। कुछ उन्हें पशुपालन गतिविधि को खेती के साथ जोड़ते हैं जबकि कुछ वे अपनी अनिश्चित अर्थिक आय को समृद्ध करने के लिए विभिन्न अनगिनत नौकरियां करते हैं।

Q.5 वन अधिनियमों ने पशुपालकों के जीवन को कैसे बदल दिया?

उत्तर: वन अधिनियमों ने पशुपालकों के जीवन को निम्नलिखित तरीके से बदल दिया:

(a) वन अधिनियमों का उद्देश्य वनों की रक्षा और संरक्षण करना था जो वाणिज्यिक महत्व रखते थे।

(b) अब उन्हें उन बहुमूल्य चारागाहों से प्रवेश करने से रोक दिया गया था जो पहले उनके पशुओं के लिए मूल्यवान चारा प्रदान करते थे। उन क्षेत्रों में जहां उन्हें प्रवेश दिया गया था, उनकी गतिविधियों को नियंत्रित किया गया था।

(c) उन्हें अनुमतियाँ जारी की गई जिसमें उनके वनों में प्रवेश और निकासी की निगरानी की गई। वे वनों में इतनी देर तक नहीं रह सकते थे क्योंकि अनुमति ने निर्दिष्ट किया था कि वे वनों में कितनी देर तक कानूनी रूप से हो सकते हैं। अगर वे अधिक समय रहते, तो उन्हें जुर्माने का सामना करना पड़ता था।

भूगोल

अध्याय 1

भारत: आकार और स्थिति

***आकार -**

1.भारत का भू-क्षेत्रफल 3.28 मिलियन वर्ग किमी है तथा यह विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 2.4 प्रतिशत है।

2.इसकी स्थलीय सीमा लगभग 15,200 किलोमीटर है। अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप सहित मुख्य भारत की कुल तटरेखा की लंबाई 7,516.6 किलोमीटर है।

***स्थिति**

1. भारत पूरी तरह से उत्तरी गोलार्ध में स्थित है,
2. यह भूमि अक्षांश 8° 4'उत्तर और 37° 6'उत्तर तथा देशांतर 68° 7'पूर्व और 97° 25'पूर्व के बीच फैली हुई है।
3. कर्क रेखा (23° 30' उ.) भारत को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करती है।

***भारत की विशेषताएं:**

भारत उत्तर-पश्चिम, उत्तर और उत्तर-पूर्व में नवीनतम वलित पर्वतों से घिरा हुआ है।

यह लगभग 22° उत्तरी अक्षांश के दक्षिण से शुरू होकर हिंद महासागर की ओर फैलती है तथा इसे दो सागरों में विभाजित करती है, पश्चिम में अरब सागर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी।

मुख्य भूमि का अक्षांशीय और देशांतरीय विस्तार लगभग 30° है।

गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक पहुंचने में दो घंटे का समय अंतराल है।

भारत की मानक मध्याह्न रेखा (82° 30'पूर्व) मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) से होकर गुजरती है।

भारत की राजनीतिक स्थिति हिंद महासागर पार मार्ग पश्चिम में यूरोप के देशों और पूर्वी एशिया के देशों को जोड़ता है।

भारत का निकट संपर्क: दक्कन प्रायद्वीप हिंद महासागर में फैला हुआ है, जो भारत को पश्चिमी तट से पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप के साथ तथा पूर्वी तट से दक्षिण-पूर्व और पूर्वी एशिया के साथ निकट संपर्क स्थापित करने में मदद करता है।

हिंद महासागर में भारत की उत्कृष्ट स्थिति:हिंद महासागर पर किसी अन्य देश की तटरेखा भारत जितनी लंबी नहीं है। इसलिए इस महासागर का नाम भारत के नाम पर रखा गया है।

***भारत के पड़ोसी:**

दक्षिण एशिया में भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान है। भारत की स्थलीय सीमाएँ निम्नलिखित देशों से मिलती हैं:

उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान।

उत्तर में चीन (तिब्बत), नेपाल और भूटान।

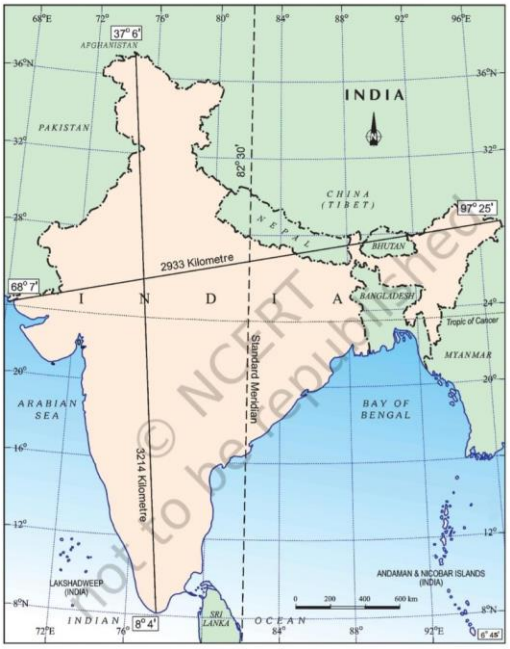
पूर्व में म्यांमार और बांग्लादेश।

समुद्र के पार भारत के दक्षिणी पड़ोसी देशों में दो द्वीप देश, श्रीलंका और मालदीव शामिल हैं।

श्रीलंका भारत से पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी द्वारा निर्मित एक संकीर्ण समुद्री मार्ग द्वारा अलग होता है।

मालदीव द्वीप समूह लक्षद्वीप के दक्षिण में स्थित है।

मानचित्र कौशल



भारत आकार और स्थिति

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. भारत किस महाद्वीप में स्थित है?

(ए) एशिया

(बी) यूरोप

(सी)अफ्रीका

(डी) उत्तरी अमेरिका

उत्तर: (ए) एशिया

2. भारतीय मुख्य भूमि का सबसे उत्तरी अक्षांश कौन सा है?

(ए) 36° 6'उत्तर

(बी) 37° 6'उत्तर

(सी) 35° 6'उत्तर

(डी) 38° 6'उत्तर

उत्तर: (बी)37° 6'उत्तर

3. भारत की मुख्य भूमि ____ और ____ अक्षांशों के बीच फैली हुई है।

(ए) 3° 7' उत्तरऔर 10° 1' उत्तर

(बी)। 6° 8'उत्तर और 17° 1'उत्तर

(सी.) 6° 4'उत्तर और 28° 6'उत्तर

(डी)। 8° 4'उत्तर और 37° 6'उत्तर

उत्तर:(डी). 8° 4'उत्तर और 37° 6'उत्तर

4. भारत किन देशांतरों पर स्थित है?

(ए)। 108° 8'पूर्व और 139° 9'पूर्व

(बी) 108° 8' पश्चिमऔर 108° 8'पश्चिम

(सी) 68° 7'पूर्व और 97° 25'पूर्व

(डी) 68° 7' पश्चिम और 97° 25' पश्चिम

उत्तर: (सी)68° 7' पूर्वऔर 97° 25' पूर्व

5. वह कौन सा अक्षांश है जो देश को दो बराबर भागों में विभाजित करता है?

(ए) कर्क रेखा, 23° 30' उत्तर

(बी) कर्क रेखा, 18° 30'उत्तर

(सी) मकर रेखा, 23° 30'उत्तर

(डी) भूमध्य रेखा

उत्तर: (ए)कर्क रेखा, 23° 30'उत्तर

6. भारत का मानक मध्याह्न रेखा 82° 30'E है। यह किस शहर से होकर गुजरती है?

(ए)इलाहाबाद

(बी)मिर्जापुर

(सी) वाराणसी

(डी लखनऊ

उत्तर:(बी)मिर्जापुर

7. इनमें से कौन सा देश भारत के साथ भूमि सीमा साझा नहीं करता है?

(ए) नेपाल

(बी) भूटान

(सी) बांग्लादेश

(डी) श्रीलंका

उत्तर:(डी)श्रीलंका

8.भारत की स्थलीय सीमा की कुल लंबाई कितनी है?

(ए) लगभग 15,200 कि.मी

(बी) लगभग 14,500 कि.मी

(सी) लगभग 16,000 कि.मी

(डी) लगभग 15,000 कि.मी

उत्तर: ए) लगभग 15,200 कि.मी

9. कथन (ए): भारत उत्तर-पश्चिम, उत्तर और उत्तर-पूर्व में युवा वलित पहाड़ों से घिरा है।

कारण (आर): हिमालय भारत के उत्तरी भाग में स्थित है।

उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है

10. कथन (ए): मुख्य भूमि की अक्षांशीय और अनुदैर्ध्य सीमा लगभग 30° है लेकिन पूर्व-पश्चिम सीमा उत्तर-दक्षिण सीमा से छोटी प्रतीत होती है।

कारण (R): भारत की उत्तर-दक्षिण दूरी 3214 किमी है।

उत्तर बी. ए और आर दोनों सत्य हैं लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

<u>लघुउत्तर प्रश्नोत्तर</u>

1. भारत की देशांतरीय सीमा के महत्व का वर्णन करें।

उत्तर:

(i).भारत की भौगोलिक स्थिति अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए अनुकूल रूप से महत्वपूर्ण है।

(ii).पूर्वी गोलार्ध में अपने केंद्रीय स्थान के कारण, भारत प्रमुख व्यापार मार्गों पर स्थित है।

(iii).इससे इन देशों के साथ घनिष्ठ सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संपर्क स्थापित करने में मदद मिली है।

2. भारतीय मानक समय से क्या तात्पर्य है? इसका महत्व क्या है?

उत्तर:

भारतीय मानक समय (1ST)-वह है जो पूरे भारत में मान्य है। हमने 82° 30' पूर्व देशांतर को भारत के मानक मध्याह्न रेखा के रूप में स्वीकार किया है। इसे स्वीकार किया गया क्योंकि यह लगभग मध्य में स्थित है।

भारतीय मानक समय का है बड़ा महत्व:

(i)इसने बहुत सारे समय की दुविधा को रोका है और पूरे देश में समय की समानता को लाया है।

(ii)प्रत्येक देशांतर पर स्थानीय समय अलग-अलग होता है। इसलिए एक समय का पालन करने के लिए, भारत ने 82° 30'पूर्व देशांतरको भारत के मानक मध्याह्न रेखा के रूप में स्वीकार किया है।

<u>दीर्घ प्रश्नोत्तर</u>

1. हिंद महासागर में भारत की महत्वपूर्ण स्थिति का महत्व स्पष्ट करें।

उत्तर:

(i).इससे भारत को पश्चिमी तट से पश्चिम एशिया, अफ्रीका, यूरोप के साथ और पूर्वी तट से दक्षिण-पूर्व और पूर्वी एशिया के साथ निकट संपर्क स्थापित करने में मदद मिलती है।

(ii)समुद्री मार्गों ने विचारों और वस्तुओं के आदान-प्रदान में योगदान दिया है।

(iii)उपनिषदों और रामायण, भारतीय अंकों और दशमलव प्रणाली के विचार दुनिया के कई हिस्सों तक पहुंच सकते हैं।

(iv)मसाले, मलमल और अन्य माल दूसरे देशों में ले जाया जाता था।

(v)ग्रीक मूर्तिकला और गुंबद और मीनारों की शैलियों का प्रभाव हमारे देश में देखा जा सकता है।

2. भारत की भौगोलिक स्थिति अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए किस प्रकार अनुकूल है?

उत्तर:

(i)हिंद महासागर के शीर्ष पर इसके केंद्रीय स्थान के कारण, समुद्री मार्गों के माध्यम से पूर्वी अफ्रीका, पश्चिम एशिया, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के देशों तक पहुंचा जा सकता है।

(ii)चारों ओर से भूमि से घिरे देशों के विपरीत, इसकी बाहरी दुनिया तक आसान पहुंच है। पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया से अफ्रीका और यूरोप तक के समुद्री मार्ग हिंद महासागर से होकर गुजरते हैं।

(iii)भारत यूरोप, उत्तरी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका से केप ऑफ गुड होप और स्वेज नहर दोनों मार्गों से जुड़ा हुआ है।

(iv)प्रशांत महासागर को पार करने के बाद भारत मलक्का जलडमरूमध्य के माध्यम से कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका तक भी पहुंच सकता है।

(v)भारत दुनिया के व्यापार और वाणिज्य के राजमार्ग पर पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ अनुकूल स्थिति में है।

अध्याय दो

भारत का भौतिक स्वरुप

*भारत में पृथ्वी की सभी प्रमुख भौतिक स्वरुप मौजूद हैं, जैसे पहाड़, मैदान, रेगिस्तान, पठार और द्वीप।

भारत की भूमि में बहुत अधिक भौतिक विविधता है।

- **भारत की प्रमुख भौतिक विशेषताएँ-**
- हिमालय पर्वत.
- उत्तरी मैदान.
- प्रायद्वीपीय पठार.
- भारतीय रेगिस्तान.
- तटीय मैदान.
- द्वीप।

*हिमालय पर्वत:

ये भूगर्भीय दृष्टि से युवा तथा संरचनात्मक दृष्टि से वलित पर्वत हैं जो भारत की उत्तरी

सीमाओं तक फैले हैं।
ये पर्वत श्रृंखलाएं सिंधु से ब्रह्मपुत्र तक पश्चिम-पूर्व दिशा में फैली हुई हैं।
वे एक चाप बनाते हैं जो लगभग 2,400 किलोमीटर तक फैला हुआ है।
इनकी चौड़ाई कश्मीर में 400 किलोमीटर से लेकर अरुणाचल प्रदेश में 150 किलोमीटर तक है।
पश्चिमी भाग की अपेक्षा पूर्वी भाग में ऊंचाई संबंधी भिन्नताएं अधिक हैं।

***हिमालय का देशान्तर विभाजन:**

हिमालय अपने अनुदैर्ध्य विस्तार में तीन समानांतर पर्वतमालाओं से बना है। इन पर्वतमालाओं बीच कई घाटियाँ स्थित हैं।

महान या आंतरिक हिमालय या हिमाद्रि

>हिमाचल या लघु हिमालय

>सबसे बाहरी पर्वत श्रेणी शिवालिक:

***पश्चिम से पूर्व तक के क्षेत्रों के आधार पर हिमालय का विभाजन:**

हिमालय दक्षिण की ओर तेजी से मुड़ता है और दिहांग घाटी से आगे भारत की पूर्वी सीमा तक फैल जाता है।

ये पहाड़ियाँ ज़्यादातर मजबूत बलुआ पत्थरों से बनी हैं, जो तलछटी चट्टानें हैं। ये ज़्यादातर समानांतर पर्वतमालाओं और घाटियों के रूप में फैली हुई हैं और घने जंगलों से ढकी हुई हैं।
पूर्वाचल में पटकोईबूम पहाड़ियाँ, नागा पहाड़ियाँ, मणिपुर पहाड़ियाँ और मिज़ो पहाड़ियाँ शामिल हैं।

***उत्तरी मैदान-**

· उत्तरी मैदान का निर्माण तीन प्रमुख नदी प्रणालियों - सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र तथा उनकी सहायक नदियों के परस्पर क्रिया से हुआ है।
· यह जलोढ़ मिट्टी से बना है जो इसे उपजाऊ बनाती है और यह घनी आबादी वाला भौगोलिक प्रभाग है।
· यह 7 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
· यह लगभग 2400 किमी लंबा और 240 से 320 किमी चौड़ा है।
· यह समृद्ध मृदा आवरण, पर्याप्त जल आपूर्ति और अनुकूल जलवायु के कारण कृषि की दृष्टि से उत्पादक क्षेत्र है।
· हल्की ढलान के कारण निचले मार्ग में नदी का वेग कम होने से विभिन्न नदी द्वीप बनते हैं।
· नदियाँ निचले हिस्से में विभिन्न वितरिकाएँ बनाती हैं,क्योंकि गाद के जमाव के कारण वे अनेक चैनलों में विभाजित हो जाती हैं।

<u>नदियों के आधार पर उत्तरी मैदान के विभाजन:</u>

भाबर:इसका निर्माण शिवालिक की ढलानों के समानांतर लगभग 8 से 16 किमी. चौड़ाई की संकरी पट्टी में नदियों द्वारा कंकड़ों के जमाव से हुआ है।
इस भाबर बेल्ट से सभी नदियां लुप्त हो रही हैं।

तराई :- यह एक आर्द्र, दलदली और दलदली क्षेत्र है जो भाबर क्षेत्र के दक्षिण में बना है जहाँ नदियाँ और जलधाराएँ पुनः प्रवाहित होती हैं।

यह वन्य जीवन से भरा एक घना वन क्षेत्र है। उदाहरण के लिए, दुधवा राष्ट्रीय उद्यान।

भांगर:- यह उत्तरी मैदान का सबसे बड़ा हिस्सा है और नदियों के बाढ़ के मैदानों के ऊपर स्थित है और एक सीढ़ीनुमा आकृति प्रस्तुत करता है।

इस क्षेत्र की मिट्टी में चूनायुक्त पदार्थ पाया जाता है, जिसे स्थानीय रूप से कंकर कहा जाता है।

खादर:- यह बाढ़ के मैदानों का नया और युवा जमाव है।

इन्हें लगभग हर साल नवीनीकृत किया जाता है और ये गहन कृषि के लिए आदर्श हैं।

*** प्रायद्वीपीय पठार:**

यह पठारी भूमि है जो पुरानी क्रिस्टलीय, आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों से बनी है।

इसका निर्माण गोंडवाना लैंड के टूटने और बह जाने के कारण हुआ था।

इस पठार में चौड़ी और उथली घाटियाँ और गोलाकार पहाड़ियाँ हैं।

इसकी विशिष्ट विशेषताओं में से एक काली मिट्टी वाला क्षेत्र है जिसे डेक्कन ट्रैप के नाम से जाना जाता है जो ज्वालामुखी मूल (आग्नेय चट्टानें) का है।

अरावली पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी छोर पर स्थित हैं।

ये अत्यधिक अपरदन वाली पहाड़ियाँ हैं और टूटी हुई पहाड़ियों के रूप में पाई जाती हैं।

वे दक्षिण-पश्चिम-उत्तर-पूर्व दिशा में गुजरात से दिल्ली तक फैले हुए हैं।

- इसकी दो व्यापक श्रेणियां हैं-
  - (i) मध्य उच्च भूमि
  - (ii) दक्कन का पठार

(i) **मध्य उच्च भूमि** -मध्य उच्चभूमि वह भाग है जो नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है, जो मालवा पठार के एक बड़े क्षेत्र को कवर करता है।

.विंध्य पर्वतमाला

- यह दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला और उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वतमाला से घिरा है।

-पश्चिम की ओर विस्तार धीरे-धीरे राजस्थान के रेतीले और चट्टानी रेगिस्तान में विलीन हो जाता है।

इस क्षेत्र में बहने वाली नदियाँ चम्बल, सिंध, बेतवा और केन हैं जो दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहती हैं जो ढलान को दर्शाती है।

ये पश्चिम में अधिक चौड़े हैं, लेकिन पूर्व में संकरे हैं।

.इसके पूर्व की ओर विस्तार को स्थानीय रूप से बुंदेलखंड और बघेलखंड के नाम से जाना जाता है। छोटानागपुर पठार इसके आगे के पूर्व की ओर विस्तार को दर्शाता है, जो दामोदर नदी द्वारा अपवाहित है।

दक्कन का पठार:

दक्कन का पठार एक त्रिकोणीय भूभाग है जो नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है।
उत्तर में सतपुड़ा पर्वतमाला इसके विस्तृत आधार पर स्थित है, जबकि महादेव, कैमूर पहाड़ियाँ और मैकाल पर्वतमाला इसके पूर्वी विस्तार का निर्माण करती हैं।
यह पश्चिम में अधिक ऊँचा है तथा पूर्व की ओर धीरे-धीरे ढलान वाला है।
इसका विस्तार उत्तर-पूर्व में भी दिखाई देता है, जिसे स्थानीय रूप से मेघालय, कार्बी-आंगलोंग पठार और उत्तरी कछार पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।

पश्चिमी घाट	पूर्वी घाट
1. वे प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी किनारे या भुजा पर बने हैं।	1. वे प्रायद्वीपीय पठार के पूर्वी किनारे या भुजा पर बने हैं।
2. वे नियमित और निरंतर हैं और केवल दर्रे से ही पार किए जा सकते	2. वे असंतत और अनियमित हैं तथा बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों द्वारा विच्छेदित हैं।
हैं। 3. वे मालाबार तट के समानांतर स्थित हैं।	3 वे कोरोमंडल तट के समानांतर स्थित हैं।
4. वे तुलनात्मक रूप से ऊंचाई में अधिक हैं। उनकी औसत ऊंचाई है 900-1600 मीटर.	4. इनकी ऊंचाई तुलनात्मक रूप से कम है। इनकी औसत ऊंचाई है 600 मीटर.
5. पश्चिमी घाट की सबसे ऊंची चोटियां, अनाइमुडी एवं डोड्डा बेट्टा हैं	5. पूर्वी घाट की सबसे ऊंची चोटी महेंद्रगिरि है

***भारतीय रेगिस्तान:**

(i) भारतीय रेगिस्तान अरावली पहाड़ियों के पश्चिमी छोर पर स्थित है।

(ii) यह रेत के टीलों से ढका एक लहरदार रेतीला मैदान है तथा यहां प्रतिवर्ष 150 मिमी से भी कम वर्षा होती है।

(iii) इसकी जलवायु शुष्क है और वर्षा ऋतु में नदियाँ बहती हैं।

(iv) लूनी इस क्षेत्र की एकमात्र बड़ी नदी है।

***तटीय मैदानों:**

प्रायद्वीपीय पठार के दोनों ओर संकरी तटीय पट्टियाँ हैं, जो पश्चिम में अरब सागर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ फैली हुई हैं।

>पश्चिमी तट:

यह पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच स्थित एक संकीर्ण मैदान है।
इसमें तीन खंड हैं:

o कोंकण (मुंबई-गोवा): यह तट का उत्तरी भाग है।

o कन्नड़ मैदान: यह मध्य भाग है।

o मालाबार तट: यह दक्षिणी तट है

>**पूर्वी तट:**

o उनके मैदान चौड़े और समतल हैं। इसके उत्तरी भाग को उत्तरी सरकार और दक्षिणी भाग को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है।

महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी ने इस तट पर विस्तृत डेल्टा का निर्माण किया है।

o चिल्का झील पूर्वी तट पर एक महत्वपूर्ण स्थल है।

***द्वीप:**

भारत में दो द्वीप समूह हैं:

लक्षद्वीप द्वीप समूह:

(i) यह केरल के मालाबार तट के करीब स्थित है और छोटे प्रवाल द्वीपों से बना है।

(ii) पहले इन्हें लक्षद्वीप, मिनिकॉय और अमीनदीव के नाम से जाना जाता था और 1973 में इन्हें लक्षद्वीप नाम दिया गया। यह 32 वर्ग किलोमीटर के छोटे क्षेत्र में फैला हुआ है।

(iii) कावरत्ती द्वीप लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय है।

(iv) इसमें वनस्पतियों और जीवों की बहुत विविधता है

(v) पिट्टी द्वीप, जो निर्जन है, में एक पक्षी अभयारण्य है।

अंडमान व निकोबार द्वीप समूह:

(i) ये बंगाल की खाड़ी में स्थित द्वीपों की लम्बी श्रृंखला है जो उत्तर से दक्षिण तक फैली हुई है। ये आकार में बड़े हैं और अधिक संख्या में तथा बिखरे हुए हैं।

(ii) इन्हें दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है – उत्तर में अंडमान और दक्षिण में निकोबार

(iii) ऐसा माना जाता है कि ये द्वीप पनडुब्बी पहाड़ों का एक ऊंचा हिस्सा हैं।

(iv) इन द्वीपों में वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की बहुत विविधता है और ये भूमध्य रेखा के करीब स्थित हैं तथा इनकी जलवायु भूमध्यरेखीय है।

दिलचस्प बातें

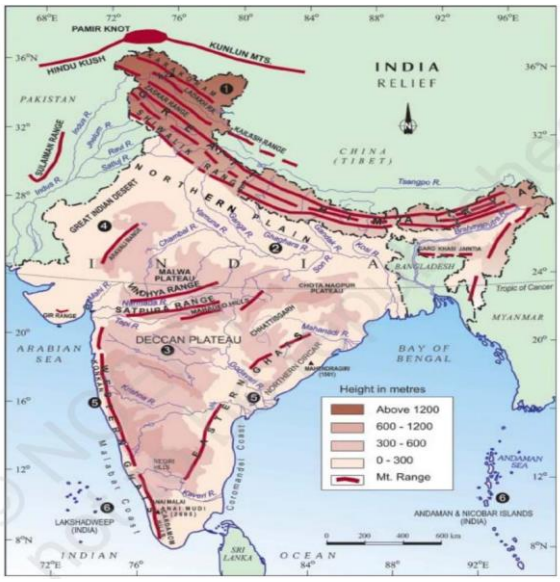
(i) **दोआब'**: यह दो शब्दों से बना है - 'दो' यानी दो और 'अब' यानी पानी। इसी तरह, 'पंजाब' भी दो शब्दों से बना है - 'पुंज' यानी पाँच और 'अब' यानी पानी।

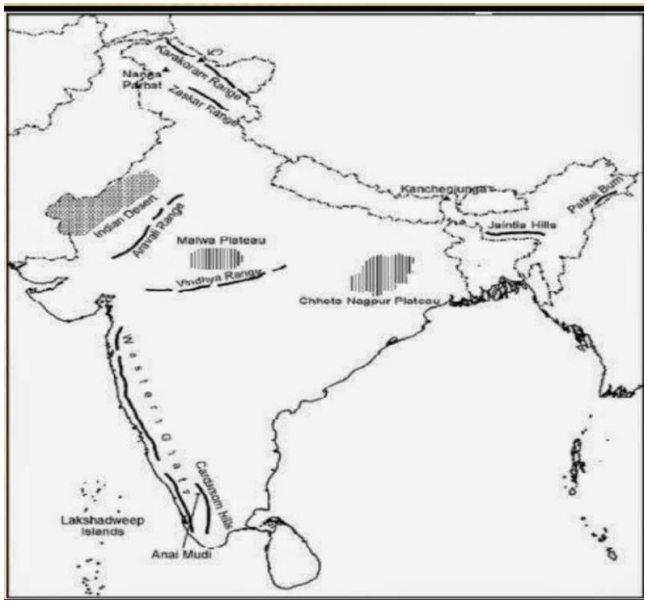
(ii) **माजुली,**ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित यह द्वीप दुनिया का सबसे बड़ा बसा हुआ नदी द्वीप है।

(iii) **चिल्का झील**यह भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील है और ओडिशा में महानदी डेल्टा के दक्षिण में स्थित है।

(iv) **भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी**अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बैरन द्वीप पर पाया जाता है।

मानचित्र कौशल-





भारत का भौतिक स्वरुप

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1.कौन सी पर्वत श्रृंखला भारत की उत्तरी सीमा बनाती है?

(ए) हिमालय

(बी) पश्चिमी घाट

(सी) अरावली पर्वतमाला

(डी) पूर्वी घाट

उत्तर☹ए) हिमालय

2. महान भारतीय मरुस्थल किस राज्य में स्थित है?

(ए) राजस्थान

(बी) गुजरात

(सी) पंजाब

(डी) हरियाणा

उत्तर (ए)राजस्थान

3. भारत का सबसे बड़ा डेल्टा किस नदी द्वारा निर्मित है?

(ए) नर्मदा

(बी) गंगा-ब्रह्मपुत्र

(सी) यमुना

(डी) गोदावरी

उत्तर (बी)गंगा-ब्रह्मपुत्र

4. निम्नलिखित में से कौन सी भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है?

(ए) अरावली रेंज

(बी) पश्चिमी घाट

(सी) पूर्वी घाट

9डी) हिमालय

उत्तर (ए)अरावली पर्वतमाला

5. भारत में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है:

(ए) डल झील

(बी) चिल्का झील

(सी) वेम्बनाड झील

(डी) वुलर झील

उत्तर (डी)वुलर झील

6. _____ को भारत में "पांच नदियों की भूमि" के रूप में जाना जाता है।

(ए) पंजाब

(बी) हरियाणा

(सी) उत्तर प्रदेश

(डी) बिहार

उत्तर (ए)पंजाब

7. पाक जलडमरूमध्य भारत और के बीच स्थित है:

(ए) श्रीलंका

(बी) मालदीव

(सी) बांग्लादेश

(डी) म्यांमार

उत्तर (ए)श्रीलंका

8. कौन सी नदी "लद्दाख" नामक घाटी से होकर बहती है?

(ए) सिंधु

(बी) ब्रह्मपुत्र

(सी)यमुना

(डी) गंगा

उत्तर (ए)सिंधु

9. कथन (ए): प्रायद्वीपीय पठार पृथ्वी के सबसे पुराने भूभागों में से एक है।

कारण (आर): यह पूर्वी और पश्चिमी घाट द्वारा तटीय मैदानों से अलग होता है।

उत्तर (बी) ए और आर दोनों सही हैं लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है

10. कथन (ए): भारतीय रेगिस्तान रेत के टीलों से ढका एक लहरदार रेतीला मैदान है।

कारण (आर): इस क्षेत्र को प्रवाहित करने वाली नदियाँ चंबल, सिंध, बेतवा और केन हैं।

उत्तर (सी) ए सही है लेकिन आर गलत है।

लघु उत्तरात्मक प्रश्न

1.हिमालय की तीन समानांतर श्रेणियों के नाम बताइए और उनके अन्य नाम बताइए।

उत्तर:

(i).हिमाद्रि (वृहत हिमालय),

(ii).हिमाचल (लघु हिमालय),

(iii).शिवालिक (बाहरी हिमालय)।

2. उत्तरी मैदान मुख्यतः कृषि क्षेत्र क्यों है?

उत्तर:(i).उत्तरी मैदानों में गहन मिट्टी का आवरण है जो हिमालय की नदियों द्वारा लाई गई महीन गाद या जलोढ़ से बना है।

(ii).यह जलोढ़ मिट्टी बहुत उपजाऊ है। अत: यह मुख्यतः कृषि क्षेत्र है

3. हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी का नाम बताइये। इस श्रेणी की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख करें।

उत्तर:

हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी को शिवालिक कहा जाता है।

विशेषताएँ:

(i).हिमालय की सबसे बाहरी श्रृंखला को बाहरी हिमालय या शिवालिक कहा जाता है।

(ii).ये 10-15 किमी की चौड़ाई तक फैले हुए हैं।

(iii).इनकी ऊंचाई 900-1100 मीटर के बीच होती है।

<u>दीर्घ प्रश्नोत्तर</u>

1.भारत के उत्तरी मैदानों की किन्हीं पाँच विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर:

भारत के उत्तरी मैदानों की विशेषताएं हैं:

(i)उत्तरी मैदान का निर्माण पर्वतीय नदियों द्वारा निक्षेपित जलोढ़ से हुआ है।

(ii)वे उत्तर में हिमालयी नदियों और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार के बीच स्थित हैं।

(iii)उन्होंने विभिन्न प्रकार की फसलों की समृद्ध फसल उगाने के लिए सतह की भूमि पर मिट्टी को उपजाऊ बना दिया। इससे सिंधु नदी घाटी सभ्यता का विकास हुआ।

(iv)वे जलोढ़ के निक्षेपों से बने हैं और 7 लाख वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करते हैं।

(v)वे भारत के घनी आबादी वाले भौगोलिक प्रभाग हैं और कृषि के मामले में अत्यधिक उत्पादक माने जाते हैं।

2. पूर्वांचल की पहाड़ियाँ क्या हैं? इन पहाड़ियों की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

उत्तर:

भारत की पूर्वी सीमा के पर्वतों को पूर्वांचल कहा जाता है।

विशेषताएँ:

(i)इनमें बलुआ पत्थर और तलछट शामिल हैं।

(ii)वे घने जंगलों से आच्छादित हैं।

(iii) इनमें पाटकोई पहाड़ियाँ, मणिपुर पहाड़ियाँ आदि शामिल हैं ।

अध्याय 3

अपवाह

अपवाह -विभिन्न दिशाओं से बहने वाली छोटी-छोटी धाराएं मिलकर मुख्य नदी का निर्माण करती हैं, जो अंततः किसी झील, समुद्र या महासागर जैसे बड़े जल निकाय में मिल जाती है।

भारत में प्रणालियाँ:

यह भारतीय उपमहाद्वीप की विस्तृत स्थलाकृतिक विशेषताओं द्वारा नियंत्रित है। तदनुसार, भारतीय नदियों को दो प्रमुख समूहों में विभाजित किया जाता है - हिमालयी नदियाँ और प्रायद्वीपीय नदियाँ।

- **हिमालयी नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों के बीच अंतर**

हिमालयी नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
• हिमालय पर्वत **श्रृंखलाओं से उत्पन्न**	• प्रायद्वीपीय पठार में पर्वत श्रृंखलाओं से उत्पन्न।
. **विस्तृत जलग्रहन क्षेत्र**	• तुलनात्मक रूप से छोटा जलग्रहण क्षेत्र
• गहन कटाव	• कटाव की तीव्रता कम है
• पर्वतीय क्षेत्र में घाटियाँ **बनाना और** मैदानों में **बहना**	• **गहरी घाटियाँ नहीं बनाती हैं क्यूँकि ये कठोर** प्रतिरोधी चट्टानों से होकर बहती हैं
• उच्च सिंचाई क्षमता	• कम सिंचाई क्षमता
• मैदानी इलाकों में नौवहन योग्य	• अंतर्देशीय नौवहन की संभावना कम है

हिमालय नदी प्रणाली

सिंधु नदी:

यमुना नदी

ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली

प्रायद्वीपीय नदियाँ:

नर्मदा बेसिन:

यह नदी मध्य प्रदेश में अमरकंटक पहाड़ियों से निकलती है और भ्रंश के कारण बनी दरार घाटी में पश्चिम की ओर बहती है।

तापी बेसिन

गोदावरी बेसिन

महानदी बेसिन (नदी द्रोणी)

कावेरी बेसिन:

<u>अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका:</u>

नदियों का जल एक बुनियादी प्राकृतिक संसाधन है जो विभिन्न मानवीय गतिविधियों के लिए आवश्यक है। इनका उपयोग सिंचाई, नौवहन, जल विद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है, जिससे भारत जैसे देश को मदद मिलती है, जहां कृषि इसकी अधिकांश आबादी की आजीविका का प्रमुख स्रोत है।

<u>नदी प्रदूषण:</u>

नदी के पानी की गुणवत्ता स्वाभाविक रूप से बढ़ती घरेलू, नगरपालिका, औद्योगिक और कृषि मांग से प्रभावित होती है।

नदियों का जलस्तर घट रहा है क्योंकि उनमें से अधिकाधिक पानी निकाला जा रहा है।

अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट न केवल पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, बल्कि नदी की स्व-सफाई क्षमता को भी प्रभावित करते हैं।

मानचित्र कौशल-



Figure 3.4 : Major Rivers and Lakes



अपवाह

<u>बहुविकल्पीयप्रश्नोत्तर</u>

1. सिंधु और गंगा नदी प्रणाली के बीच जल विभाजक पर स्थित शहर है

(ए) जबलपुर

(बी) अम्बाला

(सी)मेरठ

(डी) चंडीगढ़

उत्तर: (बी) अंबाला

2. भारत में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने पर कौन सी नदी दिहांग कहलाती है

(ए) गंगा

(बी) ब्रह्मपुत्र

(सी) सिंधु

(डी) कावेरी

उत्तर: (बी) ब्रह्मपुत्र

3. भारत की निम्नलिखित में से कौन सी प्रायद्वीपीय नदी पश्चिम की ओर बहती है और मुहाना बनाती है?

(ए) कृष्ण

(बी) महानदी

(सी) गोदावरी

(डी) तापी

उत्तर: (डी) तापी

4. निम्नलिखित में से कौन सी झील कृत्रिम है?

(ए) सांभर

(बी) चिल्का

(सी) पुलिकट

(डी) राणा प्रताप सागर

उत्तर: (डी) राणा प्रताप सागर

5. किस प्रायद्वीपीय नदी को 'दक्षिण गंगा' कहा जाता है?

(ए) महानदी

(बी) कृष्ण

(सी) गोदावरी

(डी)था तापी

उत्तर: (सी) गोदावरी

6. महानदी का जल निकासी बेसिन किसके द्वारा साझा नहीं किया जाता है?

(ए) मध्य प्रदेश

(बी)महाराष्ट्र

(सी) छत्तीसगढ़

(डी) झारखंड

उत्तर: (ए) मध्य प्रदेश

7. निम्नलिखित में से कौन सी झील खारे पानी की झील है?

(ए) सांभर

(बी) दाल

(सी) वुलर

(डी) गोबिंद सागर

उत्तर: (ए) सांभर

8. वेम्बनाड झील स्थित है

(ए)केरल

(बी)आंध्र प्रदेश

(सी) तमिलनाडु

(डी) ओडिशा

उत्तर: (ए) केरल

9. कथन (ए): गंगा हिमालय से कई सहायक नदियों से जुड़ती है, उनमें से कुछ प्रमुख नदियाँ हैं जैसे कि यमुना, घाघरा, गंडक और कोसी।

कारण (आर): यमुना नदी हिमालय में गंगोत्री ग्लेशियर से निकलती है। यह गंगा के समानांतर बहती है और दाहिने किनारे की सहायक नदी के रूप में, इलाहाबाद में गंगा से मिलती है।

उत्तर :(ए) सही है लेकिन (आर) गलत है।

10. कथन (ए): भारत के दो प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों से निकलने के अलावा, हिमालय और प्रायद्वीपीय नदियाँ कई मायनों में एक दूसरे से भिन्न हैं।

कारण (आर): भारत की जल निकासी प्रणालियाँ मुख्य रूप से उनके हिमालयी समकक्षों की तुलना में उथले पाठ्यक्रमों की व्यापक राहत सुविधाओं द्वारा नियंत्रित होती हैं।

उत्तर: (बी) दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं लेकिन (आर) (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

लघु उत्तरात्मकप्रश्न

1. गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा की मुख्य विशेषताएं हैं:

(i).यह बंगाल की खाड़ी के मुहाने पर विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा है।

(ii) इसका गठन गंगा और ब्रह्मपुत्र के कई नालों यानी सहायक नदियों में विभाजित होने के कारण हुआ है।

(iii)समुद्र और मीठे पानी के एक साथ मिलने के कारण इसका निचला भाग दलदली है।

(iv).यह सबसे उपजाऊ और घनी आबादी वाला डेल्टा है।

2. नदी प्रदूषण के प्रमुख स्रोत क्या हैं?

उत्तर: नदी प्रदूषकों के प्रमुख स्रोत हैं:

(i).अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों का भारी भार नदी में बहा दिया जाता है।

(ii).जहाजों से तेल का रिसाव.

(iii).कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग।

3. कौन सी नदी 'दक्षिण गंगा' के नाम से जानी जाती है? इसकी मुख्य विशेषताएँ बताइये।

उत्तर: गोदावरी नदी को 'दक्षिण गंगा' के नाम से जाना जाता है।

गोदावरी नदी की मुख्य विशेषताएं हैं:

(i).यह सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी है, जो महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिमी घाट की ढलानों से निकलती है।

(ii).इसकी लंबाई लगभग 1500 किमी है जो बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

(iii.) गोदावरी नदी में कई सहायक नदियाँ मिलती हैं जैसे पूर्णा, वर्धा, पेंगंगा, मंजरा, वैनगंगा और प्राणहिता।

4. नर्मदा बेसिन की तीन प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर: नर्मदा नदी मध्य प्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है।

नर्मदा बेसिन की मुख्य विशेषताएं हैं:

(i).यह भ्रंश के कारण बनी भ्रंश घाटी में पश्चिम की ओर बहती है।

(ii).यह जबलपुर के पास संगमरमर की चट्टानों और धुआंधार झरने जैसे कई सुरम्य स्थान बनाता है।

(iii).नर्मदा की सभी सहायक नदियाँ बहुत छोटी हैं और उनमें से अधिकांश समकोण पर मुख्य धारा में मिलती हैं।

नर्मदा बेसिन मध्य प्रदेश और गुजरात के कुछ हिस्सों को कवर करता है।

5. झीलों की कुछ विशेषताओं का उल्लेख करें।

उत्तर:(i).भारत में कई झीलें हैं।

(ii).ये आकार और अन्य विशेषताओं में एक दूसरे से भिन्न होते हैं।

(iii).अधिकांश झीलें स्थायी हैं; कुछ में केवल बरसात के मौसम के दौरान पानी होता है, जैसे अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के अंतर्देशीय जल निकासी के घाटियों में झीलें।

(iv).कुछ झीलें ऐसी हैं जो ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों की क्रिया का परिणाम हैं, जबकि अन्य हवा, नदी की क्रिया और मानवीय गतिविधियों के कारण बनी हैं।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. नदियों को मानव सभ्यता की जीवन रेखा क्यों माना जाता है?

उत्तर:निम्नलिखित कारणों से नदियों को मानव सभ्यता की जीवन रेखा माना जाता है।

(i).पेयजल की प्रचुर आपूर्ति: नदियाँ और झीलें मनुष्य सहित सभी जीवित प्राणियों की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करती हैं।

(ii).सिंचाई के लिए पानी: नदियाँ सिंचाई का मुख्य स्रोत हैं। :

(iii).नेविगेशन: नदियाँ माल और लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जल परिवहन का लागत-मुक्त साधन हैं।

(iv).जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र: अधिकांश ज्वारनदमुख समुद्र के मीठे पानी और खारे पानी के मिलन बिंदु पर बनते हैं। ये मछली प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त स्थानों पर पाए जाते हैं।

(v) जल-विद्युत उत्पादन का स्रोत: नदियाँ बिजली पैदा करने का एक प्रचुर स्रोत हैं। इस उद्देश्य के लिए बड़े-बड़े बाँध बनाये गये हैं।

2. नदियाँ किन विभिन्न तरीकों से प्रदूषित होती हैं?

उत्तर: नदियाँ निम्नलिखित तरीकों से प्रदूषित होती हैं:

(i).नदियों से पानी की बढ़ती घरेलू, नगरपालिका, औद्योगिक और कृषि मांग स्वाभाविक रूप से पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

(ii).नदी का आयतन भी कम हो गया है क्योंकि नदियों से अधिक से अधिक पानी बाहर निकाला जा रहा है।

(iii) अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों का भारी भार नदियों में बहा दिया जाता है। इससे न केवल पानी की गुणवत्ता बल्कि नदी की स्वयं-सफाई क्षमता भी प्रभावित होती है।

(iv).बढ़ता शहरीकरण और औद्योगीकरण भी नदी प्रदूषण में योगदान देता है।

(v)नालों में कूड़ा-कचरा डालना नदी प्रदूषण का एक अन्य कारण है। वे जीवनदायिनी नदियों को अनुपयोगी धाराओं में बदल रहे हैं।

3.हिमालय की नदियों में हर साल बाढ़ क्यों आती है? इसके क्या फायदे हैं?

उत्तर:(i).हिमालय की नदियों को ऊंचे पहाड़ों से पिघली बर्फ के साथ-साथ बारिश से भी पानी मिलता है।

(ii).मानसून के दौरान, भारी वर्षा के कारण, इन नदियों में हर साल बाढ़ आ जाती है।

लाभ:

(i).हिमालय की नदियाँ उत्तरी मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में बाढ़ लाती हैं, जिससे व्यापक कृषि भूमि के लिए मिट्टी समृद्ध होती है।

(ii).इन उपजाऊ भूमि में विभिन्न खाद्य फसलें और नकदी फसलें उगाई जाती हैं।

4. अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ बंगाल की खाड़ी में क्यों गिर रही हैं? कारण दे। अरब सागर में गिरने वाली दो नदियों के नाम बताइए।

उत्तर:(i) (ए) प्रायद्वीपीय भारत में मुख्य जल विभाजक पश्चिमी घाट द्वारा निर्मित है, जो पश्चिमी घाट में उत्तर से दक्षिण तक विस्तारित है. .

(बी) दक्कन का पठार पश्चिम में ऊंचा है और ढलान धीरे-धीरे पूर्व की ओर है।

इस प्रकार, महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ पूर्व की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

(ii) नर्मदा नदी और तापी नदी अरब सागर में गिरती हैं।

अध्याय 4

जलवायु

*जलवायु से तात्पर्य एक बड़े क्षेत्र में लम्बी अवधि (तीस वर्ष से अधिक) में मौसम की स्थितियों और विविधताओं के कुल योग से है।

*मौसम किसी भी समय किसी क्षेत्र में वायुमंडल की स्थिति को संदर्भित करता है। इसके तत्व तापमान, वायुमंडलीय दबाव, हवा, आर्द्रता और वर्षा हैं।

जलवायु नियंत्रण:

जलवायु के छह प्रमुख नियंत्रक हैं - अक्षांश, ऊँचाई, दाब और वायु प्रणाली, समुद्र से दूरी में हैं तो वे वर्षा का कारण भी बन सकते हैं।

भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक:

अक्षांश:कर्क रेखा देश के मध्य से होकर पश्चिम में कच्छ के रण से लेकर पूर्व में मिजोरम तक गुजरती है।भारत की जलवायु में उष्णकटिबंधीय के साथ-साथ उपोष्णकटिबंधीय जलवायु की विशेषताएं भी हैं।

ऊंचाई:भारत के उत्तर में ऊंची हिमालय पर्वतमालाएं (औसत ऊंचाई लगभग 6,000 मीटर) हैं, जो भारत को मध्य एशिया की ठंडी हवाओं से बचाती हैं।

दबाव और हवाएँ:

भारत में जलवायु और संबंधित मौसम की स्थितियाँ निम्नलिखित वायुमंडलीय स्थितियों द्वारा नियंत्रित होती हैं:

Ø दबाव और सतही हवाएँ।

Ø ऊपरी वायु परिसंचरण.

Ø पश्चिमी चक्रवाती विक्षोभ और उष्णकटिबंधीय चक्रवात।

भारत उत्तर-पूर्वी हवाओं वाले क्षेत्र में स्थित है।

उत्तर पूर्वी हवाएँ:ये हवाएँ उत्तरी गोलार्ध के उपोष्णकटिबंधीय उच्च दाब क्षेत्र से उत्पन्न होती हैं।वे भूमि के ऊपर से उत्पन्न होकर दक्षिण की ओर बहती हैं, कोरिओलिस बल के कारण दाईं ओर विक्षेपित हो जाती हैं, तथा भूमध्यरेखीय निम्न दाब क्षेत्र की ओर बढ़ जाती हैं।

मौसम-

भारत में चार मुख्य ऋतुएँ पहचानी जा सकती हैं-

(ए) ठंड का मौसम (शीत ऋतु)

बी) गर्म मौसम का मौसम (ग्रीष्म(सी) बढ़ता मानसून (वर्षा ऋतु):

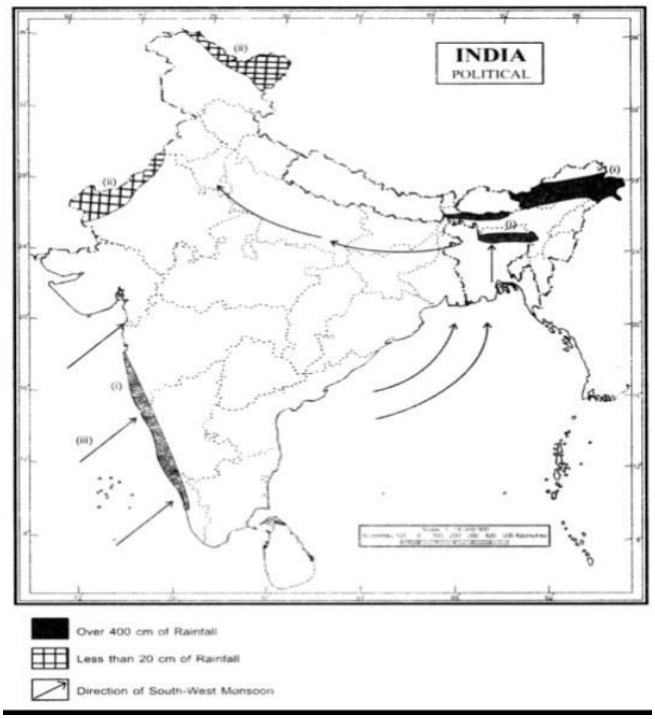
वर्षा का वितरण:

पश्चिमी तट और उत्तर-पूर्वी भारत में प्रतिवर्ष लगभग 400 सेमी वर्षा होती है, जबकि राजस्थान और गुजरात के कुछ भागों में 60 सेमी से भी कम वर्षा होती है।

दक्कन के पठार के अंदरूनी भाग तथा सह्याद्रि के पूर्व में भी वर्षा समान रूप से कम होती है।

राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी घाट के पवनविमुख भागों जैसे कम वर्षा वाले क्षेत्रों में वर्षा की परिवर्तनशीलता अधिक है।

मानचित्र कौशल-



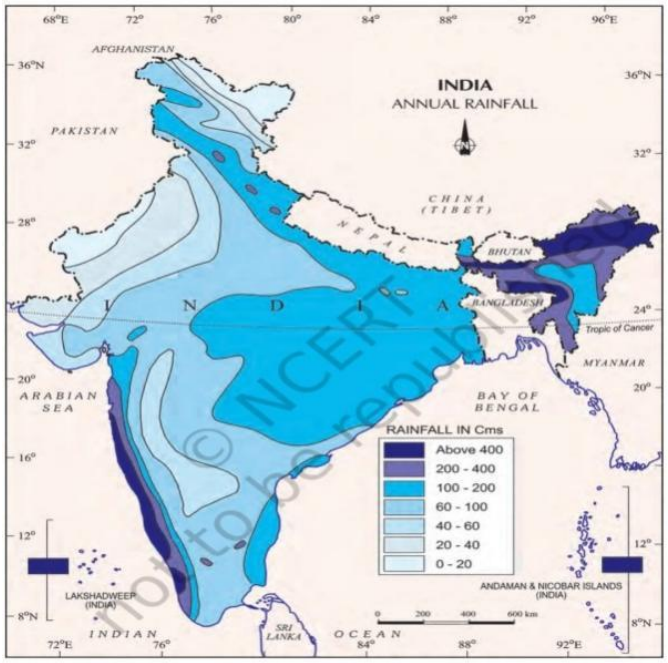


Figure 4.3 : Annual Rainfall

जलवायु

बहुविकल्पीयप्रश्नोत्तर

1. भारत में प्रमुख वर्षा किसके कारण होती है?

(ए) दक्षिण पश्चिम मानसूनी हवाएँ

(बी) उत्तर पश्चिमी मानसूनी हवाएँ

(सी) पूर्वोत्तर मानसूनी हवाएँ

(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (ए) दक्षिण पश्चिम मानसूनी हवाएँ

2. पश्चिमी विक्षोभ का कारण है ?

(ए) पश्चिमी जेट स्ट्रीम

(बी) पूर्वी जेट स्ट्रीम

(सी) उपरोक्त दोनों

(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (ए) पश्चिमी जेट स्ट्रीम

3. जब भारत में सर्दी होती है तो सूर्य लंबवत चमकता है?

(ए) मकर रेखा

(बी) कर्क रेखा

(सी) भूमध्य रेखा

(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (ए) मकर रेखा

4. केरल में प्री-मानसून वर्षा को कहा जाता है?

(ए) काल बैसाखी

(बी) बारडोली छीहा

(सी) आम की बारिश

(डी) लू

उत्तर: (सी) आम की वर्षा

5. निम्नलिखित में से किस स्थान पर विश्व में सबसे अधिक वर्षा होती है?

(ए) सिलचर

(बी) मासिनराम

(सी) चेरापूंजी

(डी) गुवाहाटी

उत्तर: (बी) मासिनराम

6. उष्णकटिबंधीय अवसाद होते हैं

ए)। बंगाल की खाड़ी

बी)। बंगाल की खाड़ी और भारत का उत्तरपश्चिम

सी) भारत का NW.

डी) अरब सागर

उत्तर: (ए). बंगाल की खाड़ी

7. मार्च-अप्रैल माह में निम्न वायुदाब स्थानांतरित हो जाता है

(ए)। दक्कन से उत्तर-पूर्व तक

(बी) कर्क रेखा से भूमध्य रेखा तक

(सी) दक्कन से उत्तर-पश्चिम तक

(डी)। पूर्व से पश्चिम।
उत्तर: (सी) दक्कन से उत्तर-पश्चिम तक

8. SW मानसून की शाखा बंगाल की खाड़ी की ओर निर्देशित होती है
(ए)। ब्रह्मपुत्र घाटी और कोरोमंडल तट
(बी)। गंगा का मैदान और पूर्वी तटीय मैदान
(सी) गंगा के मैदान और ब्रह्मपुत्र घाटी
(डी) थार और कच्छ
उत्तर: c) गंगा का मैदान और ब्रह्मपुत्र घाटी
9. कथन (ए): हम गर्म और आर्द्र जलवायु में आरामदायक महसूस करते हैं।
कारण (आर): आर्द्र जलवायु में पसीना तेजी से वाष्पित हो जाता है।
उत्तर: A और R दोनों गलत हैं।
10. कथन (ए): भले ही भारत का केवल दक्षिणी भाग उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, लगभग पूरे भारत में उष्णकटिबंधीय जलवायु का अनुभव होता है।
कारण (आर): हिमालय पर्वत एक अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं और उत्तरी ठंडी हवाओं को भारत में प्रवेश करने से रोकते हैं।
उत्तर: A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है

लघु उत्तरात्मकप्रश्न

1."भारत में विविध जलवायु परिस्थितियाँ हैं", तापमान और वर्षा प्रत्येक का उदाहरण देकर इस कथन का समर्थन करें।
उत्तर:
(i) पश्चिमी रेगिस्तान में पारा कभी-कभी 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, और लेह के आसपास सर्दियों में यह -45 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है।
(ii)उत्तर-पश्चिम हिमालय और पश्चिमी रेगिस्तान में वार्षिक वर्षा 10 सेमी से कम है। मेघालय में यह 400 सेमी से अधिक है।
(iii) देश के अधिकांश हिस्सों में जून से सितंबर तक वर्षा होती है, लेकिन तमिलनाडु तट जैसे कुछ हिस्सों में अक्टूबर और नवंबर के दौरान अधिकांश वर्षा होती है।
2. मानसून ट्रफ के विकास और वर्षा वितरण पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें।
उत्तर:
(i) यह निम्न वायुमंडलीय दबाव का क्षेत्र है जो अत्यधिक गर्मी के कारण विकसित होता है।
(ii) यह वर्षा पैटर्न में उल्लेखनीय परिवर्तन लाता है।
(iii) यह मानसून के शुष्क और आद्रबदलाव के लिए जिम्मेदार है।

3. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

किसी क्षेत्र की जलवायु विभिन्न कारकों जैसे अक्षांश, ऊंचाई, समुद्र से दूरी और पर्वत श्रृंखलाओं की उपस्थिति से निर्धारित होती है। अपने विशाल भौगोलिक विस्तार और इन प्रभावशाली कारकों के कारण भारत की जलवायु विविध है। भारत के प्रमुख जलवायु क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय मानसून, उष्णकटिबंधीय सवाना, आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय, गर्म रेगिस्तान और अल्पाइन जलवायु शामिल हैं। उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु भारत के अधिकांश हिस्से पर हावी है, जिसमें अलग-अलग आद्र और शुष्क मौसम होते हैं। दक्षिण पश्चिम मानसून, जो देश में वर्षा लाता है, इस जलवायु की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। हिमालय क्षेत्र में ठंडी सर्दियाँ और ठंडी गर्मियों के साथ अल्पाइन जलवायु का अनुभव होता है। राजस्थान में थार रेगिस्तान अत्यधिक उच्च तापमान और कम वर्षा के साथ गर्म रेगिस्तानी जलवायु का प्रतिनिधित्व करता है। कृषि, योजना और स्थानीय पर्यावरण को अपनाने के लिए विभिन्न जलवायु क्षेत्रों को समझना महत्वपूर्ण है।

निम्नलिखित सवालों का जवाब दें

1.कौन सा मानसून देश में वर्षा लाता है?

उत्तर: दक्षिण पश्चिम मानसून

2. गर्म मरुस्थल कहाँ है?

उत्तर: राजस्थान में थार रेगिस्तान।

3.मानसून कृषि और योजना के लिए किस प्रकार लाभदायक है?

उत्तर: (i) यह सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराता है।

(ii) यह भंडारण विकास के लिए नदियों और तालाबों में पानी उपलब्ध कराता है।

4. अक्षांश भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करता है?

उत्तर: (i) कर्क रेखा देश के लगभग मध्य से गुजरती है।

(ii) कर्क रेखा के दक्षिण में स्थित देश का लगभग आधा भाग उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

(iii) उष्णकटिबंधीय के उत्तर में शेष सभी क्षेत्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित हैं। इसलिए, भारत की जलवायु में उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय प्रकार की जलवायु की विशेषताएं हैं।

5. "मानसून को एक सूत्र में बांधने वाला क्यों समझा जाता है।" व्याख्या करना।

उत्तर: (i) पवन की गतिशील व्यवस्था मौसमी परिवर्तन और संबंधित मौसम की स्थिति ऋतुओं को एक व्यवस्थित चक्र प्रदान करती है। यहां तक की बारिश की अनिश्चितताएं और असमान वितरण भी मानसून की बहुत खासियत हैं।

(ii) भारतीय परिदृश्य, इसके पशु और पौधे का जीवन, इसका संपूर्ण कृषि चक्र और लोगों का जीवन, जिसमें उनके उत्सव भी शामिल हैं, इस घटना के इर्द-गिर्द घूमते हैं। साल दर साल उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारत के लोग मानसून के आगमन का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

(iii) ये मानसूनी हवाएँ कृषि गतिविधियों को गति देने के लिए पानी उपलब्ध कराकर पूरे देश को बांध देती हैं। इस पानी को ले जाने वाली नदी घाटियाँ भी एक नदी घाटी इकाई के रूप में एकजुट होती हैं।

<u>दीर्घ प्रश्नोत्तर</u>

1. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करें।

उत्तर:(i)**अक्षांश:** कर्क रेखा देश के मध्य से पश्चिम में कच्छ के रण से पूर्व में मिजोरम तक गुजरती है। कर्क रेखा के दक्षिण में स्थित देश का लगभग आधा भाग उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उष्णकटिबंधीय के उत्तर का शेष सारा क्षेत्र उपोष्णकटिबंधीय में स्थित है। इसलिए, भारत की जलवायु में उष्णकटिबंधीय के साथ-साथ उपोष्णकटिबंधीय जलवायु की विशेषताएं हैं।

(ii)**ऊंचाई:** भारत के उत्तर में पहाड़ हैं जिनकी औसत ऊंचाई लगभग 6,000 मीटर है। भारत में एक विशाल तटीय क्षेत्र भी है जहां अधिकतम ऊंचाई लगभग 30 मीटर है। हिमालय मध्य एशिया से आने वाली ठंडी हवाओं को उपमहाद्वीप में प्रवेश करने से रोकता है। इन पहाड़ों के कारण ही इस उपमहाद्वीप में मध्य एशिया की तुलना में अपेक्षाकृत हल्की सर्दियाँ पड़ती हैं।

(iii)**दबाव और हवाएँ**: भारत पर दबाव और हवा की स्थितियाँ अनोखी हैं। सर्दियों के दौरान, हिमालय के उत्तर में एक उच्च दबाव वाला क्षेत्र होता है। इस क्षेत्र से दक्षिण में महासागरों के ऊपर कम दबाव वाले क्षेत्रों की ओर ठंडी शुष्क हवाएँ चलती हैं। गर्मियों में, आंतरिक एशिया के साथ-साथ उत्तर-पश्चिमी भारत पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित होता है। इससे गर्मियों के दौरान हवाओं की दिशा पूरी तरह उलट जाती है। हवा दक्षिणी हिंद महासागर के ऊपर उच्च दबाव वाले क्षेत्र से दक्षिण-पूर्व दिशा में चलती है, भूमध्य रेखा को पार करती है, और भारतीय उपमहाद्वीप पर कम दबाव वाले क्षेत्रों की ओर दाहिनी ओर मुड़ जाती है। इन्हें दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाएँ कहा जाता है। ये हवाएँ गर्म महासागरों के ऊपर से बहती हैं, नमी इकट्ठा करती हैं और भारत की मुख्य भूमि पर व्यापक वर्षा लाती हैं

2. निम्नलिखित का कारण बताइए:

(i)तिरुवनंतपुरम में वर्ष भर समान जलवायु है।

(ii)दिल्ली में विषम जलवायु है।

(iii)तमिलनाडु तट पर शीतकालीन वर्षा होती है।

(iv)लेह में लगभग पूरे वर्ष मध्यम वर्षा होती है।

(v)पूर्वी तट का डेल्टा क्षेत्र अक्सर चक्रवातों से प्रभावित होता है।

उत्तर:(i) समुद्र के निकट होने के कारण यहाँ की जलवायु समान है। इसकी जलवायु पर समुद्र का प्रभाव मध्यम है।

(ii)क्योंकि दिल्ली समुद्र से बहुत दूर है। जैसे-जैसे समुद्र से दूरी बढ़ती है,इसका प्रभाव कम होता जाता है।

(iii)तमिलनाडु में उत्तर-पूर्वी व्यापारिक हवाओं से वर्षा होती है।

(iv) लेह बहुत ऊंचाई पर है। ठंड के मौसम के दौरान,'पश्चिमी विक्षोभ' इस क्षेत्र में भारी बर्फबारी में योगदान देता है। दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व दोनों मानसून भी इस भाग में वर्षा का कारण बनते हैं।

(v) उत्तर की निम्न दबाव की स्थिति गोदावरी, कृष्णा और कावेरी की खाड़ी में स्थानांतरित हो जाती है।अतः उच्च दाब की पवनें उधर आकर्षित होती हैं.

अध्याय 5

प्राकृतिक वनस्पति और वन्य प्राणी

इस अध्याय से केवल मानचित्र कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा-

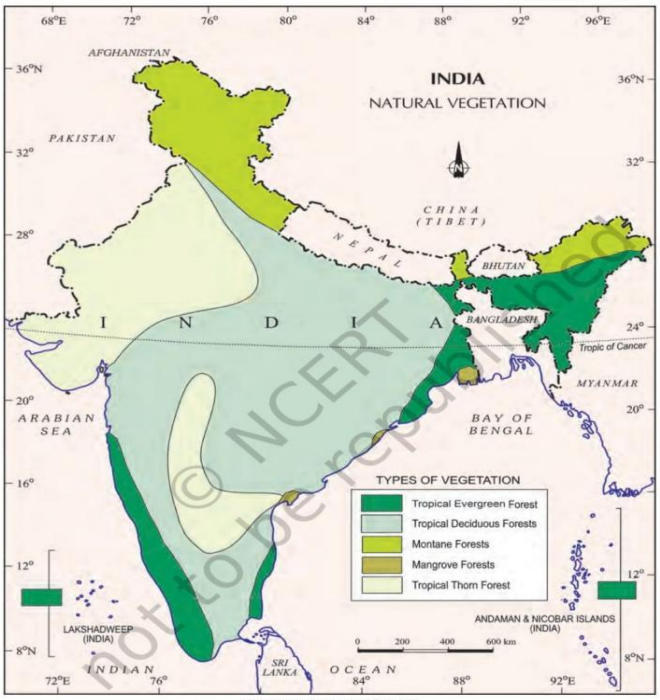


Figure 5.4 : Natural Vegetation



Figure 5.7 : Wildlife Reserves

अध्याय 6

जनसंख्या

जनसंख्या की विशेषताएँ या गुण:

जनसंख्या का आकार और वितरण

भारत की जनसंख्या का आकार और संख्या के अनुसार वितरण

मार्च 2011 तक भारत की जनसंख्या 1,210.6 मिलियन थी जो विश्व की जनसंख्या का 17.5% है।

उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है क्योंकि देश की लगभग 16% जनसंख्या यहीं रहती है।

भारत की लगभग आधी आबादी सिर्फ पांच राज्यों में रहती है जो उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश हैं

.जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रियाएँ

जनसंख्या की संख्या, वितरण और संरचना लगातार बदल रही है। यह तीन प्रक्रियाओं की परस्पर क्रिया का प्रभाव

है:जन्ममृत्यु प्रवास

जनसंख्या परिवर्तन/वृद्धि की प्रक्रियाएँ

जनसंख्या परिवर्तन की तीन मुख्य प्रक्रियाएँ हैं:

जन्म दर , म्रत्यु दर , प्रवास

आयु संरचना

जनसंख्या की आयु संरचना से तात्पर्य किसी देश में विभिन्न आयु समूहों के लोगों की संख्या से है। किसी देश की जनसंख्या को 3 व्यापक श्रेणियों में बांटा गया है:

बच्चे (आमतौर पर 15 वर्ष से कम)

कार्यशील आयु (15-59 वर्ष)

आयु (59 वर्ष से

अधिक)

लिंग अनुपात

इसे जनसंख्या में प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। लिंग अनुपात एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेतक है जो किसी निश्चित समय में समाज में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता की सीमा को मापता है।

साक्षरता दर

2011 की जनगणना के अनुसार, 7 वर्ष या उससे अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो किसी भी भाषा को समझकर पढ़ और लिख सकता है, उसे साक्षर माना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसाभारत की साक्षरता दर 73% है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य जनसंख्या संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो विकास की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमारे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य में पर्याप्त सुधार कई कारकों का परिणाम है जैसे:

(i) संक्रामक रोगों की रोकथाम

(ii) रोगों के निदान और उपचार में आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों का अनुप्रयोग

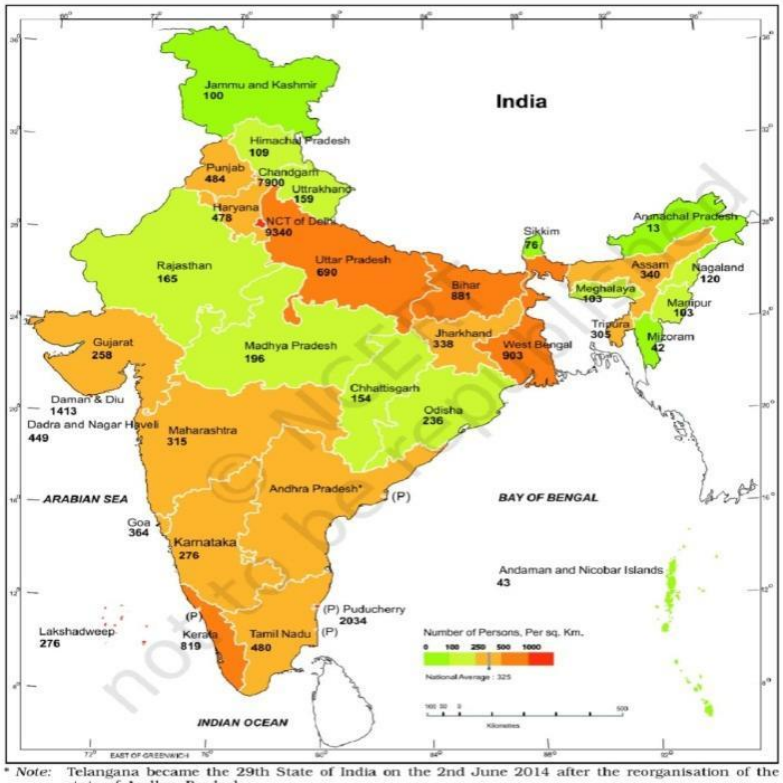
(iii) किशोर जनसंख्या

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (एनपीपी) 2000 निम्नलिखित के लिए नीतिगत ढांचा प्रदान करती है-

14 वर्ष की आयु तक निःशुल्क एवं अनिवार्य स्कूली शिक्षा प्रदान करना।यह शिशु मृत्यु दर को प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 30 से नीचे लाने में भी मदद करता है।सभी टीका-निवारणीय रोगों के विरुद्ध बच्चों का सर्वव्यापी टीकाकरण प्राप्त करना। लड़कियों के लिए देर से विवाह को बढ़ावा देना, तथा परिवार कल्याण को एक जन-केन्द्रित कार्यक्रम बनाना।

मानचित्र कार्य-



* *Note:* Telangana became the 29th State of India on the 2nd June 2014 after the reorganisation of the state of Andhra Pradesh

Fig. 6.3: Density of Population 2011

जनसँख्या

बहुविकल्पीयप्रश्नोत्तर

1.प्रति वर्ग किलोमीटर व्यक्तियों की औसत संख्या को ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित में से किस शब्द का उपयोग किया जाता है?

(ए) साक्षरता दर

(बी) जनसंख्या घनत्व

(सी) जन्म दर

(डी मृत्यु दर

उत्तर: (बी) जनसंख्या घनत्व

2. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व विश्व में सबसे अधिक है?

(ए) उत्तरी अमेरिका

(बी) एशिया

(सी)अफ्रीका

(डी) दक्षिण अमेरिका

उत्तर: (बी) एशिया

3. भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कारक जिम्मेदार नहीं है?

(ए) भौतिक विशेषताएं

(बी) जलवायु

(सी) सांस्कृतिक कारक

(डी) सरकारी नीतियां

उत्तर (डी)सरकारी नीतियां

4. भारत में नदी घाटियों और मैदानी इलाकों में उच्च जनसंख्या घनत्व का मुख्य कारण क्या है?

(ए) जल संसाधनों की उपलब्धता

(बी) कृषि के लिए उपजाऊ मिट्टी

(सी) बेहतर परिवहन सुविधाएं

(डी) उपरोक्त सभी

उत्तर (डी) उपरोक्त सभी

5. निम्नलिखित में से कौन भारत में घनी आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र का उदाहरण है?

(ए) थार रेगिस्तान

(बी) पश्चिमी घाट

(सी) गंगा का मैदान

(डी)पूर्वी हिमालय

उत्तर (सी)गंगा का मैदान

6. एक देश से दूसरे देश में लोगों की आवाजाही का वर्णन करने के लिए किस शब्द का प्रयोग किया जाता है?

(ए) उत्प्रवास

(बी) आप्रवास

(सी) शहरीकरण

(डी) प्रवास

उत्तर (डी) प्रवास

7. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में निम्नलिखित में से किस राज्य की साक्षरता दर सबसे कम है?

(ए)केरल

(बी) बिहार

(सी)महाराष्ट्र

(डी) तमिलनाडु

उत्तर (बी) बिहार

8. निम्नलिखित में से कौन जनसंख्या की गुणवत्ता का माप है?

(ए) जन्म दर

(बी) मृत्यु दर

(सी) जीवन प्रत्याशा

(डी) शिशु मृत्यु दर

उत्तर (सी) जीवन प्रत्याशा

<u>लघुउत्तर प्रश्नोत्तर</u>

1. भारत की जनसंख्या को प्रभावित करने वाले मूल कारकों का वर्णन करें।

उत्तर:भारत की जनसंख्या को प्रभावित करने वाले मूल कारक इस प्रकार हैं:

(i)**जन्म दर:** यह प्रति वर्ष जनसंख्या के प्रति 1,000 व्यक्तियों पर जीवित जन्मों की संख्या है। इससे जनसंख्या का आकार और जनसंख्या घनत्व दोनों बढ़ता है।

(ii)**मृत्यु या मृत्यु दर:** इसे प्रति वर्ष जनसंख्या के प्रति 1,000 व्यक्तियों पर होने वाली मौतों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है। इससे जनसंख्या का आकार और जनसंख्या घनत्व दोनों घट जाते हैं।

(iii)**प्रवास:** प्रवास विभिन्न क्षेत्रों और क्षेत्रों में लोगों का आंदोलन है। प्रवास आंतरिक या अंतर्राष्ट्रीय हो सकता है।

2. आप व्यवसायों को कैसे वर्गीकृत करते हैं?

उत्तर:व्यवसायों को आम तौर पर प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक गतिविधियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(i)प्राथमिक गतिविधियों में कृषि, पशुपालन, वानिकी, मछली पकड़ना, खनन आदि शामिल हैं।

(ii)द्वितीयक गतिविधियों में विनिर्माण उद्योग, भवन और निर्माण कार्य आदि शामिल हैं।

(iii)तृतीयक गतिविधियों में परिवहन, संचार, वाणिज्य, प्रशासन और अन्य सेवाएँ शामिल हैं।

3. आयु संरचना के आधार पर किसी राष्ट्र की जनसंख्या को तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित करें।

उत्तर:किसी राष्ट्र की जनसंख्या को आम तौर पर तीन व्यापक श्रेणियों में बांटा जाता है:

(i) बच्चे (15 वर्ष से कम): यह समूह आर्थिक रूप से अनुत्पादक है। उन्हें भोजन, कपड़े, शिक्षा और चिकित्सा प्रदान की जानी चाहिए।

(ii)कार्यशील आयु (15 से 59 वर्ष): वे आर्थिक रूप से उत्पादक और जैविक रूप से क्रियाशील हैं। यह समूह बच्चों और वृद्ध जनोंकी जिम्मेदारी उठाता है।

(iii) वृद्ध (59 वर्ष से अधिक): वे सेवानिवृत्त होने के कारण आर्थिक रूप से उत्पादक हो सकते हैं।

4. जनसंख्या के बारे में अध्ययन करते समय किन कारकों पर विचार किया जाना चाहिए?

उत्तर:जनसंख्या के बारे में अध्ययन करते समय निम्नलिखित कारकों पर विचार किया जाना चाहिए:

(i)**जनसंख्या का आकार और वितरण:** कितने लोग हैं और वे कहाँ स्थित हैं?

(ii)**जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रियाएँ:** समय के साथ जनसंख्या कैसे बढ़ी और बदली है?

(iii)**जनसंख्या की विशेषताएं या गुण:** उनकी आयु, लिंग संरचना, साक्षरता स्तर, व्यावसायिक संरचना और स्वास्थ्य स्थितियां क्या हैं?

<u>दीर्घ प्रश्नोत्तर</u>

1. व्यावसायिक संरचना और विकास के बीच क्या संबंध है?

उत्तर: (i)विकसित और विकासशील देशों में विभिन्न गतिविधियों में काम करने वाले लोगों का अनुपात भिन्न-भिन्न है।

(ii)विकसित देशों में माध्यमिक और तृतीयक गतिविधियों में लगे लोगों का अनुपात अधिक है।

(iii)विकासशील देशों में अपने कार्यशील लोगों का बड़ा हिस्सा प्राथमिक गतिविधियों में लगा रहता है।

(iv)भारत में लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या केवल कृषि कार्य में लगी हुई है।

(v)भारत में द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों पर निर्भर जनसंख्या का अनुपात भी कम है।

(vi)हालाँकि, हाल के दिनों में बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के साथ द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के पक्ष में व्यावसायिक बदलाव आया है।

2. भारत में कौन से क्षेत्र विरल आबादी वाले हैं और क्यों?

उत्तर: भारत के विरल आबादी वाले क्षेत्र जम्मू-कश्मीर और अरुणाचल प्रदेश के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र और राजस्थान के रेगिस्तानी हिस्से हैं।

कारण:(i)अत्यधिक ठंडी जलवायु परिस्थिति, जो जीवन को कठिन बना देती है।

(ii)ऊँचे और बर्फ से ढके क्षेत्र किसी भी प्रकार की बस्ती के अनुकूल नहीं होते हैं।

(iii)कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो उपजाऊ हैं लेकिन वे भी छोटे और बिखरे हुए हैं। इसके अलावा, इन क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल है क्योंकि वहां परिवहन और संचार के अच्छे साधन उपलब्ध नहीं हैं।

(iv)राजस्थान का मरुस्थलीय क्षेत्र शुष्क, गर्म एवं शुष्क क्षेत्र है। इसकी मिट्टी रेतीली है, जो खेती के लिए उपयुक्त नहीं है।

3. किशोरों के जीवन में एनपीपी 2000 की क्या भूमिका है? अथवा राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 की महत्वपूर्ण विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर:(i)एनपीपी 2000 ने किशोरों को जनसंख्या के प्रमुख वर्गों में से एक के रूप में पहचाना, जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

(ii)पोषण संबंधी आवश्यकताओं के अलावा, नीति किशोरों की अन्य महत्वपूर्ण जरूरतों जैसे अवांछित गर्भधारण और यौन संचारित रोगों से सुरक्षा पर अधिक जोर देती है।

(iii)इसमें ऐसे कार्यक्रमों का आह्वान किया गया जिनका उद्देश्य देरी से विवाह करने को प्रोत्साहित करना है।

(iv)इसका उद्देश्य खाद्यपदार्थों और पोषण संबंधी सेवाएं प्रदान करना है।

(v) इसका उद्देश्य बाल विवाह को रोकने के लिए कानूनी उपायों को मजबूत करना भी था।

4. भारत में जनसंख्या के असमान वितरण का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर: निम्नलिखित उदाहरण दर्शाते हैं कि भारत में जनसंख्या का वितरण असमान क्यों है

(i)उत्तरी मैदानी इलाकों और केरल में मिट्टी की उर्वरता और पानी की उपलब्धता के कारण बड़ी संख्या में लोग कृषि में कार्यरत हैं।

(ii)अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर के उतार-चढ़ाव वाले इलाके और पहाड़ी इलाके आजीविका की अधिक गुंजाइश नहीं देते हैं और इसलिए उनका जनसंख्या घनत्व कम है।

(iii)अधिकांश तटीय राज्यों में एक समान जलवायु और उचित मात्रा में वर्षा ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के पक्ष में है। इस प्रकार उनका जनसंख्या घनत्व मध्यम है।

(iv)पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तान जैसी कठोर जलवायु लोगों को ऐसे स्थानों पर रहने से रोकती है, जिससे वहां आबादी कम हो जाती है।

(v)शहरी क्षेत्रों में परिवहन, औद्योगीकरण और शहरीकरण के विकास से ऐसे क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व बढ़ जाता है

लोकतान्त्रिक राजनीति

अध्याय 1

लोकतंत्र क्या है? क्यों लोकतंत्र?

अवलोकन:

लोकतंत्र आज की दुनिया में सबसे प्रचलित शासन प्रणाली है और यह अधिक देशों में विस्तार कर रहा है।

1.1 लोकतंत्र क्या है?

लोकतंत्र एक प्रकार की शासन प्रणाली है जिसमें शासकों का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है।

हमने एक सरल परिभाषा से शुरुआत की है कि लोकतंत्र एक प्रकार की शासन प्रणाली है जिसमें शासकों का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है।

म्यांमार जहाँ सेना शासन करती है, चिली में तानाशाह पिनोशे का शासन लोकतांत्रिक नहीं था। उन्हें जनता द्वारा नहीं चुना गया था।

वंशानुगत राजा, जैसे नेपाल या सऊदी अरब के राजा भी लोकतांत्रिक शासक नहीं हैं। वे शासन करते हैं क्योंकि वे रईस परिवारों में जन्मे थे।

अंत में, कौन सी शासन प्रणाली लोकतंत्र है?

1.2 लोकतंत्र की विशेषताएँ

१. निर्वाचित नेताओं द्वारा प्रमुख निर्णय:

- लोकतंत्र में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति उन लोगों के पास होनी चाहिए जिनका चुनाव जनता ने किया है।
- पाकिस्तान में, राष्ट्रपति मुशर्रफ के पास राष्ट्रीय और राज्य विधानसभा को भंग करने की शक्ति है; इसलिए अंतिम शक्तियाँ सेना और स्वयं जनरल के पास हैं। हम इसे लोकतंत्र नहीं कह सकते।

2. मुक्त और निष्पक्ष चुनावी प्रतिस्पर्धा:

किसी भी प्रकार के चुनाव कराना पर्याप्त नहीं है। चुनावों में राजनीतिक विकल्पों के बीच वास्तविक विकल्प होना चाहिए। और यह संभव होना चाहिए कि लोग इस विकल्प का उपयोग करके मौजूदा शासकों को हटा सकें, यदि वे ऐसा चाहें। इसलिए, एक लोकतंत्र मुक्त और निष्पक्ष चुनाव पर आधारित होना चाहिए जहाँ वर्तमान में सत्ता में रहने वालों के हारने की भी संभावना हो।

- उदाहरण के लिए, मेक्सिको में 1980 के बाद से हर छह साल में चुनाव हुए हैं। लेकिन हर बार एक ही पार्टी, PRI, ने चुनाव जीते हैं। स्पष्ट रूप से इसमें धांधली और कदाचार हुआ है, विपक्ष को स्वतंत्रता नहीं दी गई। यह लोकतंत्र नहीं है।

3. एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य:

पहले, हमने पढ़ा कि लोकतंत्र के लिए संघर्ष सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मांग से जुड़ा हुआ था। यह सिद्धांत अब लगभग पूरी दुनिया में स्वीकार किया गया है। फिर भी समान मताधिकार के अधिकार से इंकार के कई उदाहरण हैं।

लोकतंत्र एक मौलिक सिद्धांत राजनीतिक समानता पर आधारित है। इससे हमें लोकतंत्र की तीसरी विशेषता मिलती है: एक लोकतंत्र में, प्रत्येक वयस्क नागरिक का एक वोट होना चाहिए और प्रत्येक वोट का एक मूल्य होना चाहिए।

4. कानून का शासन और अधिकारों का सम्मान:

- लोकप्रिय सरकारें अलोकतांत्रिक हो सकती हैं। लोकप्रिय नेता निरंकुश हो सकते हैं। यदि हम लोकतंत्र का आकलन करना चाहते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि चुनावों को देखें। लेकिन चुनाव से पहले और बाद में भी देखना उतना ही महत्वपूर्ण है। चुनाव से पहले सामान्य राजनीतिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए, जिसमें राजनीतिक विपक्ष भी शामिल है।
- इसके लिए आवश्यक है कि राज्य कुछ मौलिक नागरिक अधिकारों का सम्मान करे। उन्हें सोचने, राय रखने, सार्वजनिक रूप से इन्हें व्यक्त करने, संघ बनाने, विरोध करने और अन्य राजनीतिक कार्य करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कानून के सामने सभी समान होने चाहिए।
- इन अधिकारों की रक्षा एक स्वतंत्र न्यायपालिका द्वारा की जानी चाहिए जिसके आदेशों का पालन सभी करें। एक लोकतांत्रिक सरकार संवैधानिक कानून और नागरिक अधिकारों द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर शासन करती है।

संक्षिप्त परिभाषा

लोकतंत्र एक प्रकार की शासन प्रणाली है जिसमें शासकों का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है।

तदनुसार, लोकतंत्र एक प्रकार की शासन प्रणाली है जिसमें: जनता द्वारा चुने गए शासक सभी प्रमुख निर्णय लेते हैं। चुनाव जनता को वर्तमान शासकों को बदलने का विकल्प और उचित अवसर प्रदान करते हैं।

यह विकल्प और अवसर सभी लोगों के लिए समान आधार पर उपलब्ध होते हैं।

इस विकल्प का उपयोग सरकार को संविधान और नागरिकों के अधिकारों के बुनियादी नियमों द्वारा सीमित करता है।

लोकतंत्र के खिलाफ तर्क:

1. लोकतंत्र में नेता बदलते रहते हैं जिससे अस्थिरता होती है।
2. लोकतंत्र केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सत्ता के खेल के बारे में है, जिसमें नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं है। धन और शक्ति चुनावों और निर्णय लेने को प्रभावित कर सकते हैं।
3. लोकतंत्र में बहुत से लोगों से परामर्श करना पड़ता है जिससे देरी होती है।
4. निर्वाचित नेता जनता के सर्वोत्तम हित को नहीं जानते, जिससे खराब निर्णय होते हैं।
5. लोकतंत्र में चुनावी प्रतिस्पर्धा के कारण भ्रष्टाचार होता है।
6. साधारण लोग नहीं जानते कि उनके लिए क्या अच्छा है; उन्हें कुछ भी निर्णय नहीं करना चाहिए।

लोकतंत्र के पक्ष में तर्क:

1. लोकतांत्रिक सरकार बेहतर सरकार है क्योंकि यह अधिक जवाबदेह होती है।

2. निर्वाचित प्रतिनिधि नागरिकों की आवश्यकताओं और रायों के प्रति अधिक उत्तरदायी होते हैं।
3. लोकतंत्र निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है।
4. लोकतंत्र मतभेदों और संघर्षों से निपटने का एक तरीका प्रदान करता है।
5. लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को बढ़ाता है।
6. अंततः, लोकतंत्र अन्य शासन प्रणालियों से बेहतर है क्योंकि यह अपनी गलतियों को सुधारने की अनुमति देता है।

लोकतंत्र के व्यापक अर्थ

लोकतंत्र का सामान्य रूप प्रतिनिधि लोकतंत्र है।

लोकतांत्रिक देशों में सभी लोग शासन नहीं करते हैं।

एक बहुमत को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से सभी लोगों की ओर से निर्णय लेने की अनुमति दी जाती है। यह नीचे दिए गए कारणों से आवश्यक हो गया है:

आधुनिक लोकतंत्रों में इतनी बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं कि उनके लिए एक साथ बैठकर सामूहिक निर्णय लेना शारीरिक रूप से असंभव है।

भले ही वे ऐसा कर सकें, नागरिक के पास समय, इच्छा या सभी निर्णयों में भाग लेने का कौशल नहीं होता है।

लोकतंत्र को एक सिद्धांत के रूप में सरकार से परे भी लागू किया जा सकता है।

लोग लोकतंत्र शब्द का उपयोग किसी भी मौजूदा सरकार का वर्णन करने के लिए नहीं बल्कि एक आदर्श मानक स्थापित करने के लिए करते हैं जिसे सभी लोकतंत्रों को प्राप्त करने का लक्ष्य होना चाहिए।

हालांकि, अगर लोकतंत्र के आदर्शों को माना जाए तो दुनिया में कोई भी देश सही ढंग से लोकतांत्रिक नहीं है। फिर भी, लोकतंत्र को एक आदर्श के रूप में समझना यह स्पष्ट करेगा कि लोकतंत्र को क्यों महत्व देना चाहिए। यह लोगों को मौजूदा लोकतंत्र का मूल्यांकन करने और उनकी कमजोरियों की पहचान करने में मदद करता है। यह न्यूनतम लोकतंत्र और अच्छे लोकतंत्र के बीच अंतर करने में भी मदद करता है। आज की दुनिया में सबसे आम रूप लोकतंत्र लोगों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन है। हालांकि, एक छोटे समुदाय के लिए, लोकतांत्रिक निर्णय लेने के अन्य तरीके हो सकते हैं। सभी लोग एक साथ बैठकर सीधे निर्णय ले सकते हैं। यह ग्राम सभा में गांव में कैसे काम करना चाहिए।

निष्कर्ष:

लोकतंत्र, इसकी खामियों के बावजूद, सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली माना जाता है क्योंकि यह समानता को बढ़ावा देता है, अधिकारों की रक्षा करता है, और बेहतर शासन सुनिश्चित करता है। चुनौतियों को दूर करने और लोकतंत्र को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसके पास होती है?

a) राष्ट्रपति b) प्रधानमंत्री c) न्यायपालिका d) नागरिक

उत्तर: d) नागरिक

प्रश्न 2 'लोकतंत्र' शब्द किस ग्रीक शब्द से आया है?

a) डेमोक्रासिया b) डेमोक्राटिया c) डेमोस d) क्राटिया

उत्तर: b) डेमोक्राटिया

प्रश्न 3 'एक व्यक्ति, एक वोट' का मतलब है:

a) एक व्यक्ति को सभी द्वारा वोट दिया जाता है

b) एक व्यक्ति का एक वोट होता है और प्रत्येक वोट का एक मूल्य होता है

c) एक व्यक्ति अपने जीवन में केवल एक बार वोट दे सकता है

d) (a) और (c) दोनों

उत्तर: b) एक व्यक्ति का एक वोट होता है और प्रत्येक वोट का एक मूल्य होता है

प्रश्न 4 लोकतांत्रिक सरकार में विपक्षी दलों की भूमिका क्या है?

a) शासक दल का बिना शर्त समर्थन करना

b) रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियां प्रदान करना

c) सरकार के काम में बाधा डालना

d) यह सुनिश्चित करना कि शासक दल सत्ता में बना रहे

उत्तर: b) रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियां प्रदान करना

निर्देश:नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में दो कथन हैं जिन्हें अंकित किया गया हैअभिकथन (A) और कारण (R)। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर अंकित करें:

a. A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है ।

b. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है ।

c. A सही है लेकिन R गलत है।

d. A गलत है लेकिन R सही है।

अभिकथन (A):भारत में वे राजनीतिक दल जिन्होंने सरकार बनाई है, वे केंद्र में लोकसभा और राज्यों में विधानसभाओं में चुनाव में प्राप्त सीटों की बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन मतों की बहुमत का नहीं।
कारण (R):बहुमत मत प्रणाली पर आधारित चुनाव परिणाम सापेक्ष बहुमत के मतों पर आधारित होते हैं।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

अभिकथन (A):लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को बढ़ाता है।
कारण (R):लोग शासक के अधीन नहीं होते, बल्कि वे स्वयं शासक होते हैं।
उत्तर: b) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

अति लघु उत्तर प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 9वह सिद्धांत पहचानिए जो सभी वयस्क नागरिकों को लिंग, नस्ल या आर्थिक स्थिति के बावजूद मतदान का अधिकार सुनिश्चित करता है।

उत्तर: सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

प्रश्न 10निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर देश की पहचान करें:

1. नियमित मुफ्त और निष्पक्ष चुनाव सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के साथ।

2. एक अरब से अधिक लोगों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र।

उत्तर: भारत

प्रश्न 11लोकतंत्र की परिभाषा दीजिए।

उत्तर: लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसमें शासक जनता द्वारा चुने जाते हैं। तदनुसार, लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसमें:

1. जनता द्वारा चुने गए शासक सभी प्रमुख निर्णय लेते हैं;
2. चुनाव जनता को वर्तमान शासकों को बदलने का विकल्प और उचित अवसर प्रदान करते हैं;
3. यह विकल्प और अवसर सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होता है; और
4. इस विकल्प के प्रयोग से एक ऐसी सरकार बनती है जो संविधान और नागरिकों के अधिकारों के मूल नियमों द्वारा सीमित होती है।

लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 8लोकतंत्र नागरिक की गरिमा को कैसे बढ़ाता है?

उत्तर: लोकतंत्र निम्नलिखित तरीकों से नागरिकों की गरिमा को बढ़ाता है:
(a) लोकतंत्र राजनीतिक समानता के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें सबसे गरीब और कम शिक्षित व्यक्ति का वही दर्जा होता है जो अमीर और शिक्षित व्यक्ति का होता है।
(b) लोग शासक के अधीन नहीं होते, वे स्वयं शासक होते हैं।
(c) भले ही वे गलतियाँ करें, वे अपनी गलतियों के लिए खुद जिम्मेदार होते हैं।

प्रश्न 9चीन भारत का उत्तरी पड़ोसी है। चीन भी कहता है कि उसकी सरकार जनता की सरकार है। वे नियमित रूप से चुनाव भी कराते हैं। चीन को लोकतंत्र क्यों नहीं माना जाता?

उत्तर:
(i) चीन लोकतंत्र नहीं है। चीन में एक दल का शासन है।
(ii) चीन की स्वतंत्रता के समय से ही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी चीन में सत्ता में है।
(iii) इसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता क्योंकि केवल उन्हीं लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति है जिन्हें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अनुमोदित किया गया है। इसके अलावा, चुनाव चीन में किसी अन्य घटना की तरह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मार्गदर्शन में होते हैं।

दीर्घ उत्तर प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 10लोकतंत्र की आवश्यक विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: लोकतंत्र की विभिन्न विशेषताएँ हैं:
शासक नियमित चुनावों के माध्यम से चुने जाते हैं।

1. चुने हुए शासकों के पास निर्णय लेने का अंतिम अधिकार होता है।
2. चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होते हैं। सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार होता है। चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए संस्थाएँ होती हैं।

3. हर वोट का समान मूल्य होता है। एक अमीर व्यक्ति का वोट का मूल्य एक गरीब के बराबर होता है। हर किसी के वोट का मूल्य उनके सामाजिक और आर्थिक स्थिति के बावजूद समान होता है।
4. यहां तक कि चुने हुए प्रतिनिधियों को भी कुछ बुनियादी नियमों और विनियमों के तहत काम करना होता है।
5. कानून का शासन होता है और लोगों के अधिकारों का सम्मान किया जाता है। ये सभी निष्कर्ष हमारे भारत के अनुभव द्वारा भी पुष्टि की जाती हैं।

2.संविधान निर्माण

संविधान क्या है?

किसी देश का संविधान लिखित नियमों का एक सेट है जिसे उस देश में रहने वाले सभी लोग स्वीकार करते हैं। संविधान सर्वोच्च कानून है जो किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों (जिन्हें नागरिक कहा जाता है) के बीच संबंधों और लोगों और सरकार के बीच संबंधों को निर्धारित करता है।

संविधान की आवश्यकता - एक संविधान कई चीजें करता है:

1. यह विभिन्न प्रकार के लोगों को एक साथ रहने के लिए आवश्यक विश्वास और समन्वय की डिग्री उत्पन्न करता है।
2. यह निर्दिष्ट करता है कि सरकार का गठन कैसे किया जाएगा, किसके पास कौन से निर्णय लेने की शक्ति होगी।
3. यह सरकार की शक्तियों पर सीमाएं लगाता है और हमें बताता है कि नागरिकों के अधिकार क्या हैं और यह एक अच्छे समाज के निर्माण के बारे में लोगों की आकांक्षाओं को व्यक्त करता है।
4. लोकतांत्रिक सरकार बनाने और इसके कार्यों को तय करने के लिए।
5. सरकार के विभिन्न अंगों के अधिकार-क्षेत्र को तय करना।
6. शासन के लिए एक ढांचा प्रदान करना।
7. सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करना।

भारतीय संविधान का निर्माण

भारत का संविधान बहुत कठिन परिस्थितियों में बनाया गया था। देश का जन्म धार्मिक मतभेदों के आधार पर विभाजन के माध्यम से हुआ था और यह भारत और पाकिस्तान के लोगों के लिए एक त्रासदीपूर्ण अनुभव था। ब्रिटिश ने राजाओं को यह निर्णय करने के लिए छोड़ दिया था कि वे भारत या पाकिस्तान के साथ विलय करना चाहते हैं या स्वतंत्र रहना चाहते हैं। इन रियासतों का विलय एक कठिन और अनिश्चित कार्य था।

जब संविधान लिखा जा रहा था, तब देश का भविष्य उतना सुरक्षित नहीं दिख रहा था जितना आज है। संविधान की ओर मार्ग स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत को कैसा लोकतांत्रिक होना चाहिए इस बारे में पहले से ही सहमति बन चुकी थी।

1928 में, मोतीलाल नेहरू और अन्य आठ कांग्रेस नेताओं ने भारत के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया और 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची सत्र में स्वतंत्र भारत के संविधान के बारे में प्रस्ताव रखा गया।

इन दोनों दस्तावेजों में निम्नलिखित विशेषताएं शामिल थीं:

सार्वभौम वयस्क मताधिकार,

स्वतंत्रता और समानता का अधिकार और

स्वतंत्र भारत के संविधान में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना।

ये मूल्य संविधान सभा के बैठक से पहले ही सभी नेताओं द्वारा स्वीकार कर लिए गए थे। इसलिए, भारतीय संविधान ने औपनिवेशिक कानूनों जैसे भारत सरकार अधिनियम, 1935 से कई संस्थागत विवरण और प्रक्रियाएं अपनाईं। हमारे कई नेता फ्रांसीसी क्रांति के आदर्शों, ब्रिटेन में संसदीय लोकतंत्र के अभ्यास और अमेरिका के अधिकार विधेयक से प्रेरित थे।

संविधान सभा:

संविधान का मसौदा निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक सभा द्वारा तैयार किया गया था जिसे संविधान सभा कहा जाता है।

संविधान सभा के चुनाव जुलाई 1946 में हुए और इसकी पहली बैठक दिसंबर 1946 में हुई।

जल्द ही, देश को भारत और पाकिस्तान में विभाजित कर दिया गया और संविधान सभा को भी भारतीय संविधान सभा और पाकिस्तानी संविधान सभा में विभाजित कर दिया गया।

भारतीय संविधान लिखने वाली संविधान सभा में 299 सदस्य थे।

सभा ने संविधान को 26 नवंबर 1949 को अपनाया लेकिन यह 26 जनवरी 1950 को प्रभावी हुआ।

इस दिन को चिह्नित करने के लिए हम हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं।

भारतीय संविधान की वैधता:

हमने 50 से अधिक साल पहले संविधान सभा द्वारा बनाए गए संविधान को स्वीकार किया।

संविधान केवल अपने सदस्यों के विचारों को ही प्रतिबिंबित नहीं करता। यह अपने समय की एक व्यापक सहमति को व्यक्त करता है।

संविधान को स्वीकार करने का दूसरा कारण यह है कि संविधान सभा ने भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व किया।

अंततः, जिस प्रकार से संविधान सभा ने काम किया, उसने संविधान को पवित्रता दी। संविधान सभा ने एक व्यवस्थित, खुली और सहमति पर आधारित तरीके से काम किया।

पहले, कुछ बुनियादी सिद्धांतों को तय किया गया और उन पर सहमति व्यक्त की गई। फिर डॉ. बी. आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में एक मसौदा समिति ने चर्चा के लिए एक मसौदा संविधान तैयार किया। मसौदा संविधान पर कई दौर की विस्तृत चर्चा हुई, क्लॉज दर क्लॉज। दो हजार से अधिक संशोधनों पर विचार किया गया। संविधान सभा में प्रस्तुत किए गए प्रत्येक दस्तावेज और बोले गए प्रत्येक शब्द को रिकॉर्ड और संरक्षित किया गया है। इन्हें 'संविधान सभा बहस' कहा जाता है।

भारतीय संविधान के मार्गदर्शक मूल्य:

पहले, समझें कि हमारे संविधान की समग्र दर्शन क्या है। हमारे प्रमुख नेताओं के संविधान पर विचार पढ़ें और पढ़ें कि संविधान अपने दर्शन के बारे में क्या कहता है।

यही काम संविधान की प्रस्तावना करती है। सपना और वादा: कई सदस्य महात्मा गांधी के दृष्टिकोण का पालन करते थे।एक ऐसे भारत का सपना जो असमानता को समाप्त कर चुका है, डॉ. अंबेडकर द्वारा भी साझा किया गया था, जिन्होंने संविधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन भारत से असमानताओं को दूर करने का उनका दृष्टिकोण गांधीजी से अलग था।

स्वतंत्रता संग्राम से प्रेरित और इसे पोषित करने वाले मूल्य भारत के लोकतंत्र की नींव बने। नीचे भारतीय संविधान की प्रस्तावना में अंतर्निहित मूल्य दिए गए हैं।

भारतीय संविधान का दर्शन:

हम भारत के लोग: संविधान को लोगों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से तैयार किया है और लागू किया है, और इसे किसी राजा या बाहरी शक्ति ने नहीं दिया है।

संप्रभु: लोगों को आंतरिक और बाह्य मामलों पर निर्णय लेने का सर्वोच्च अधिकार है। कोई बाहरी शक्ति भारत सरकार को निर्देश नहीं दे सकती।

समाजवादी: समाज में उत्पन्न होने वाला धन समाज द्वारा समान रूप से साझा किया जाना चाहिए। सरकार को सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए भूमि और उद्योग के स्वामित्व को विनियमित करना चाहिए।

धर्मनिरपेक्ष: नागरिकों को किसी भी धर्म का पालन करने की पूरी स्वतंत्रता है। लेकिन कोई आधिकारिक धर्म नहीं है। सरकार सभी धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं को समान सम्मान देती है।

लोकतांत्रिक: एक ऐसी सरकार का रूप जहां लोग समान राजनीतिक अधिकारों का आनंद लेते हैं, अपने शासकों को चुनते हैं और उन्हें जिम्मेदार ठहराते हैं। सरकार कुछ बुनियादी नियमों के अनुसार चलाई जाती है।

गणराज्य: राज्य का प्रमुख एक निर्वाचित व्यक्ति है और न कि वंशानुगत पद।

न्याय: नागरिकों के साथ जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। सामाजिक असमानताओं को कम करना होगा। सरकार को सभी के कल्याण के लिए काम करना चाहिए, विशेषकर वंचित समूहों के लिए।

स्वतंत्रता: नागरिकों पर कोई अनुचित प्रतिबंध नहीं है कि वे क्या सोचते हैं, वे अपने विचारों को कैसे व्यक्त करना चाहते हैं और वे अपने विचारों को कार्रवाई में कैसे फॉलो करना चाहते हैं।

समानता: सभी कानून के समक्ष समान हैं। पारंपरिक सामाजिक असमानताओं को समाप्त करना होगा। हमें सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना चाहिए।

बंधुता: हम सभी को ऐसा व्यवहार करना चाहिए जैसे हम एक ही परिवार के सदस्य हों। किसी को भी एक साथी नागरिक को नीच नहीं समझना चाहिए।

बहुविकल्पीयप्रश्न

प्रश्न 1भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
b) डॉ. बी. आर. अंबेडकर
c) महात्मा गांधी
d) मोतीलाल नेहरू

उत्तर: b) डॉ. बी. आर. अंबेडकर

प्रश्न 2भारतीय संविधान की आत्मा किसे कहा जाता है?

A. विधायिका
B. न्यायपालिका
C. कार्यपालिका
D. प्रस्तावना

उत्तर: D. प्रस्तावना

प्रश्न 3संवैधानिक संदर्भ में 'शक्तियों का पृथक्करण' का क्या अर्थ है?

A. विभिन्न राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन

B. विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच शक्तियों का विभाजन

C. कार्यपालिका, विधायिका, और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का विभाजन

D. सरकार और निजी क्षेत्र के बीच शक्तियों का विभाजन

उत्तर: C. कार्यपालिका, विधायिका, और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का विभाजन

प्रश्न 4 इन मार्गदर्शक मूल्यों को उनके अर्थ के साथ मिलाएं।

(A) संप्रभु (Sovereign) (i) सरकार किसी विशेष धर्म का पक्ष नहीं लेगी

(B) गणराज्य (Republic) (ii) लोग बाहरी हस्तक्षेप के बिना निर्णय लेने का सर्वोच्च अधिकार रखेंगे

(C) बंधुत्व (Fraternity) (iii) राज्य का मुखिया एक निर्वाचित व्यक्ति है

(D) धर्मनिरपेक्ष (Secular) (iv) सभी लोगों के बीच भाईचारे की भावना होनी चाहिए

(A)	A-(iii),	B-(i),	C-(ii),	D-(iv)
(B)	A-(ii),	B-(iii),	C-(iv),	D-(i)
(C)	A-(i),	B-(iv),	C-(iii),	D-(ii)
(D)	A-(iv),	B-(iii),	C-(i),	D-(ii)

उत्तर: (B) A-(ii), B-(iii), C-(iv), D-(i)

प्रश्न 5अभिकथन:एक संविधान देश का सर्वोच्च कानून है।

कारण:संविधान क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच और लोगों और सरकार के बीच संबंध निर्धारित करता है।

A. A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सही है लेकिन R गलत है।

D. A गलत है लेकिन R सही है।

उत्तर: A. A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

प्रश्न 6 इन नेताओं को संविधान निर्माण में उनकी भूमिकाओं के साथ मिलाएं:

(a) मोतीलाल नेहरू (i) संविधान सभा के अध्यक्ष

(b) बी. आर. अंबेडकर (ii) संविधान सभा के सदस्य

(c) राजेंद्र प्रसाद (iii) प्रारूप समिति के अध्यक्ष

(d) सरोजिनी नायडू (iv) 1928 में भारत के लिए एक संविधान तैयार किया

उत्तर:

(a) मोतीलाल नेहरू (iv) 1928 में भारत के लिए एक संविधान तैयार किया

(b) बी. आर. अंबेडकर (iii) प्रारूप समिति के अध्यक्ष

(c) राजेंद्र प्रसाद (i) संविधान सभा के अध्यक्ष

(d) सरोजिनी नायडू (ii) संविधान सभा के सदस्य

अतिलघुउत्तरप्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7धर्मनिरपेक्ष का क्या अर्थ है?

उत्तर: नागरिकों को किसी भी धर्म का पालन करने की पूरी स्वतंत्रता है। लेकिन कोई आधिकारिक धर्म नहीं है। सरकार सभी धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं के साथ समान सम्मान से पेश आती है।

प्रश्न 8गणराज्य का क्या अर्थ है?

उत्तर: गणराज्य में राज्य का मुखिया एक निर्वाचित व्यक्ति होता है और यह पद वंशानुगत नहीं होता।

प्रश्न 9 अपार्थेड (रंगभेद) का क्या अर्थ है?

उत्तर: अपार्थेड दक्षिण अफ्रीका में गोरे यूरोपियों द्वारा लागू एक प्रणाली थी, जिसमें नस्लीय भेदभाव किया जाता था।

लघुउत्तरप्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 10 अपार्थेड प्रणाली "काले" लोगों के लिए दमनकारी थी। अपार्थेड प्रणाली में "काले" लोगों को किन महत्वपूर्ण भेदभावों का सामना करना पड़ा?

उत्तर: (i) यह सच है कि अपार्थेड प्रणाली "काले" लोगों के लिए वास्तव में दमनकारी थी। यह एक कठोर नस्लीय भेदभाव और अलगाव प्रणाली थी जो त्वचा के रंग पर आधारित थी।

(ii) "काले" लोगों को श्वेत क्षेत्रों में रहने की अनुमति नहीं थी। श्वेत क्षेत्रों में काम करने के लिए उन्हें परमिट की आवश्यकता होती थी।

(iii) सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे सार्वजनिक शौचालय, स्विमिंग पूल, समुद्र तट, थिएटर, सिनेमा हॉल, पुस्तकालय, स्कूल और कॉलेज, अस्पताल, होटल, ट्रेन, बस और टैक्सी सब अलग-अलग थे।

(iv) श्वेत लोगों के पूजा स्थलों में "काले" लोगों का प्रवेश वर्जित था।

(v) प्रणाली को बनाए रखने और संरक्षित करने के लिए, "काले" लोगों को संगठन बनाने और इस भेदभाव के खिलाफ विरोध करने से रोका गया था।

प्रश्न 11 दक्षिण अफ्रीका में संविधान बनाने के दौरान "काले" लोगों ने किन शर्तों पर सहमति व्यक्त की? उत्तर:

(i) दो साल की चर्चा और बहस के बाद, उन्होंने दुनिया के सबसे अच्छे संविधानों में से एक को तैयार किया।

(ii) इस संविधान ने अपने नागरिकों को किसी भी देश में उपलब्ध सबसे व्यापक अधिकार दिए।

(iii) उन्होंने फैसला किया कि समस्या के समाधान की खोज में किसी को भी बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

(iv) किसी को भी दानव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

(v) उन्होंने सहमति व्यक्त की कि अतीत में जो कुछ भी हुआ हो या उन्होंने जो कुछ भी किया हो, वे सभी समाधान का हिस्सा बनें।

दीर्घउत्तरप्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 12 दक्षिण अफ्रीका में अपार्थैड से लोकतंत्र और बहु-नस्लीय सरकार में परिवर्तन के पांच तथ्यों के साथ व्याख्या करें।

उत्तर:(i) नए लोकतांत्रिक दक्षिण अफ्रीका के उदय के बाद, काले नेताओं ने साथी काले लोगों से अपील की कि वे सत्ता में रहते हुए श्वेत लोगों द्वारा किए गए अत्याचारों को माफ कर दें।
(ii) उन्होंने सभी नस्लों और महिलाओं और पुरुषों की समानता, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों पर आधारित एक नया दक्षिण अफ्रीका बनाया।
(iii) जो पार्टी उत्पीड़न और क्रूर हत्याओं के माध्यम से शासन कर रही थी और जिसने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था, उन्होंने एक साझा संविधान तैयार करने के लिए एक साथ बैठ गए।
(iv) दो साल की चर्चा और बहस के बाद, उन्होंने दुनिया के सबसे अच्छे संविधानों में से एक को तैयार किया।
(v) इस संविधान ने अपने नागरिकों को किसी भी देश में उपलब्ध सबसे व्यापक अधिकार दिए। उन्होंने मिलकर निर्णय लिया कि समस्या के समाधान की खोज में किसी को भी बाहर नहीं रखा जाना चाहिए, किसी को भी दानव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

प्रश्न 13 भारतीय संविधान का निर्माण आसान कार्य क्यों नहीं था?

उत्तर:(i) दक्षिण अफ्रीका की तरह ही, भारत का संविधान भी बहुत कठिन परिस्थितियों में तैयार किया गया था।
(ii) एक बड़े और विविध देश जैसे भारत के लिए संविधान बनाना आसान काम नहीं था। उस समय भारत के लोग प्रजा से नागरिक बन रहे थे।
(iii) देश धार्मिक विभाजन के आधार पर विभाजन के माध्यम से पैदा हुआ था।
(iv) यह अनुभव भारत और पाकिस्तान के लोगों के लिए बहुत कष्टदायक था। विभाजन से संबंधित हिंसा में सीमा के दोनों ओर कम से कम दस लाख लोग मारे गए थे।
(v) ब्रिटिशों ने रियासतों के शासकों पर यह छोड़ दिया था कि वे भारत या पाकिस्तान में शामिल होना चाहते हैं या स्वतंत्र रहना चाहते हैं।
(vi) इन रियासतों का विलय कठिन और अनिश्चित कार्य था। जब संविधान लिखा जा रहा था, उस समय देश का भविष्य आज की तरह सुरक्षित नहीं दिखता था।
(vii) संविधान के निर्माताओं को देश के वर्तमान और भविष्य के बारे में चिंताएं थीं।

****

3. चुनावी राजनीति

चुनावों की आवश्यकता:

1. लोकतंत्र लोगों का शासन है।
2. देश के लाखों लोगों के लिए एक साथ बैठकर शासन के बारे में निर्णय लेना संभव नहीं है।

3. इसलिए, सभी नागरिक मिलकर कुछ लोगों को चुनते हैं जो उनकी ओर से सरकार चलाएंगे। सरकार चलाने के लिए इन कुछ लोगों को चुनने के लिए हमें चुनावों की आवश्यकता होती है।

क्या चुनाव को लोकतांत्रिक बनाता है?

1. देश के हर व्यक्ति को एक प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होना चाहिए। इसका मतलब है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास एक वोट होना चाहिए और हर वोट का समान मूल्य होना चाहिए।
2. पार्टियों और उम्मीदवारों को स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने और मतदाताओं को वास्तविक विकल्प देने में सक्षम होना चाहिए।
3. विकल्प नियमित अंतराल पर पेश किया जाना चाहिए। चुनाव हर कुछ सालों के बाद नियमित रूप से होने चाहिए।
4. जिस उम्मीदवार को लोग पसंद करते हैं उसे चुना जाना चाहिए।
5. चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाने चाहिए जहां लोग अपनी इच्छा के अनुसार चुनाव कर सकें।

क्या राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अच्छी है? - हाँ

1. यह हर इलाके में असहमति और गुटबाजी की भावना पैदा करता है।
2. विभिन्न राजनीतिक दल और उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिए अक्सर गंदे तरीके जैसे बूथ कैप्चरिंग का उपयोग करते हैं।
3. चुनावी लड़ाई जीतने का दबाव दीर्घकालिक नीतियों को तैयार करने की अनुमति नहीं देता।
4. कुछ अच्छे लोग जो देश की सेवा करना चाहते हैं, इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं करते। उन्हें अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में खींचे जाने का विचार पसंद नहीं है।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के नुकसान:

1. यह असहमति और गुटबाजी की भावना पैदा करता है।
2. राजनीतिक दल और उनके नेता एक-दूसरे के खिलाफ आरोप लगाते हैं।
3. पार्टियां और उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिए अक्सर गंदे तरीके अपनाते हैं।

हमारे चुनावी प्रणाली:

सामान्य चुनाव: सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही समय पर चुनाव होते हैं, चाहे एक ही दिन या कुछ दिनों के भीतर।

उपचुनाव:कभी-कभी किसी एक या दो निर्वाचन क्षेत्रों में ही चुनाव होते हैं ताकि सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे के कारण खाली हुई सीट को भरा जा सके।

निर्वाचन क्षेत्र:

1. देश को जनसंख्या के आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिन्हें निर्वाचन क्षेत्र कहा जाता है।
2. लोकसभा चुनाव के लिए, देश को 543 निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इसी तरह, प्रत्येक राज्य को एक विशिष्ट संख्या में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।

आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र:

1. कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लोगों के लिए आरक्षित किया गया है।
2. एक एससी आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में केवल वही व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है जो अनुसूचित जाति से संबंधित हो।

मतदाता सूची:

1. भारत के चुनाव आयोग द्वारा चुनाव से पहले मतदान के लिए योग्य लोगों की सूची तैयार की जाती है।
2. भारत में, 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को मतदान करने का अधिकार है, चाहे उनकी जाति, पंथ, रंग, धर्म या लिंग कुछ भी हो।

भारत में चुनाव की प्रक्रिया:चुनाव में शामिल महत्वपूर्ण कदम निम्नलिखित हैं: (क्रम में)

1. निर्वाचन क्षेत्रों का गठन
2. मतदाता सूची की तैयारी
3. मतदान की तारीख की घोषणा
4. नामांकन भरना
5. नामांकनों की जांच
6. नामांकनों की अस्वीकृति/वापसी
7. चुनाव अभियान
8. मतदान (चुनाव का दिन)
9. वोटों की गिनती और परिणामों की घोषणा

आचार संहिता:

1. सभी उम्मीदवार और उनकी पार्टियां चुनाव अभियानों के लिए आचार संहिता का पालन करती हैं।
2. इसके अनुसार, एक बार चुनाव की घोषणा हो जाने के बाद कोई भी पार्टी या उम्मीदवार: किसी भी धार्मिक स्थान का चुनाव प्रचार के लिए उपयोग नहीं कर सकता, सरकारी वाहनों, विमानों और अधिकारियों का चुनाव के लिए उपयोग नहीं कर सकता, मंत्री कोई नई परियोजना की आधारशिला नहीं रख सकते, कोई बड़ा नीति निर्णय नहीं ले सकते या सार्वजनिक सुविधाओं के वादे नहीं कर सकते।

उम्मीदवारों का नामांकन:

1. जो कोई भी मतदाता हो सकता है वह चुनावों में उम्मीदवार भी बन सकता है।
2. हालांकि, उम्मीदवार बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष है।

चुनाव अभियान:

1. अंतिम उम्मीदवारों की सूची की घोषणा और मतदान की तारीख के बीच दो सप्ताह की अवधि के लिए चुनाव अभियान चलते हैं।

चुनाव में अनुचित प्रथाएं:हम अक्सर मीडिया के माध्यम से चुनाव में अनुचित प्रथाओं के बारे में सुनते/पढ़ते हैं। इनमें शामिल हैं:

1. मतदाता सूची में गलत नामों को शामिल करना और असली नामों को हटाना।

2. सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा सरकारी सुविधाओं और अधिकारियों का दुरुपयोग।
3. धनी उम्मीदवारों और बड़ी पार्टियों द्वारा पैसे का अत्यधिक उपयोग।
4. मतदाताओं को डराना और मतदान के दिन धांधली करना।

विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए नारे:

1. 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने 'गरीबी हटाओ' (गरीबी हटाओ) का नारा दिया।
2. 1977 के अगले लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी ने 'लोकतंत्र बचाओ' का नारा दिया।
3. 1977 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चे ने 'भूमि किसान को' का नारा दिया।
4. 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी के नेता एन.टी. रामाराव ने 'तेलुगुओं की आत्म-सम्मान की रक्षा करें' का नारा दिया।

मतदान और वोटों की गिनती:चुनाव का अंतिम चरण वह दिन होता है जब मतदाता अपना वोट डालते हैं।

भारत में चुनावों को लोकतांत्रिक क्या बनाता है?

स्वतंत्र चुनाव आयोग:

1. भारत में चुनाव एक स्वतंत्र और बहुत शक्तिशाली चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा संचालित किए जाते हैं जो न्यायपालिका के समान स्वतंत्रता का आनंद लेता है।
2. मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
3. लेकिन एक बार नियुक्त होने के बाद, सीईसी राष्ट्रपति या सरकार के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है।

भारत के चुनाव आयोग की शक्ति और कार्य:

1. चुनाव आयोग चुनावों के संचालन और नियंत्रण के हर पहलू पर निर्णय लेता है, चुनाव की घोषणा से लेकर परिणामों की घोषणा तक।
2. यह आचार संहिता को लागू करता है और इसे उल्लंघन करने वाले किसी भी उम्मीदवार या पार्टी को दंडित करता है।
3. चुनाव अवधि के दौरान, चुनाव आयोग सरकार को कुछ दिशानिर्देशों का पालन करने का आदेश दे सकता है, ताकि चुनाव जीतने की संभावना बढ़ाने के लिए सरकारी शक्ति का उपयोग और दुरुपयोग रोका जा सके, या कुछ सरकारी अधिकारियों का स्थानांतरण किया जा सके।
4. चुनावी ड्यूटी पर रहते समय, सरकारी अधिकारी चुनाव आयोग के अधीन कार्य करता है, न कि सरकार के अधीन।

जनता की भागीदारी:

1. चुनाव में लोगों की भागीदारी और उत्साह चुनाव की गुणवत्ता की जांच के लिए एक और मानदंड है।
2. यदि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं है, तो लोग इस अभ्यास में भाग लेना जारी नहीं रखेंगे।
3. चुनाव में लोगों की भागीदारी आमतौर पर मतदाता मतदान के आंकड़ों द्वारा मापी जाती है।
4. मतदान उन योग्य मतदाताओं का प्रतिशत दर्शाता है जिन्होंने वास्तव में अपना वोट डाला।
5. भारत में, पश्चिमी लोकतंत्रों की तुलना में गरीब अशिक्षित लोगों का मतदान प्रतिशत अधिक है।

चुनाव परिणाम की स्वीकृति

1. भारत में सत्ता धारी पार्टी बारंबार राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर चुनाव हारती हैं।
2. संयुक्त राज्य अमेरिका में एक वर्तमान निर्वाचित प्रतिनिधि बहुत कम हारता है। भारत में लगभग आधे बैठे हुए सांसद या विधायक हार जाते हैं।
3. उम्मीदवार जिन्होंने मत खरीदने में काफी पैसा खर्च किया है और जिनके पास जाने-माने अपराधिक संबंध हैं, वे अक्सर चुनाव हार जाते हैं।
4. कुछ विवादित चुनावों को छोड़कर, चुनावी परिणामों को अक्सर पराजित पक्ष के रूप में 'लोक का फैसला' स्वीकार किया जाता है।

भारत में नि: शुल्क और निष्पक्ष चुनावों के लिए चुनौतियां

1. बहुत धन वाले उम्मीदवार और पार्टियों को उनकी विजय की निश्चितता नहीं हो सकती है, लेकिन उन्हें छोटे पार्टियों और स्वतंत्र उम्मीदवारों के मुकाबले अनुचित लाभ होता है।
2. देश के कुछ हिस्सों में, अपराधिक संबंध वाले उम्मीदवार ने अन्यों को चुनावी दौड़ से बाहर धकेल दिया है और प्रमुख पार्टियों से टिकट प्राप्त किया है।
3. कुछ परिवारों को राजनीतिक पार्टियों पर डोमिनेट करने की प्रवृत्ति होती है; इन परिवारों से रिश्तेदारों को टिकट वितरित किए जाते हैं।
4. चुनाव आम नागरिकों के लिए कम विकल्प प्रदान करते हैं, क्योंकि दो मुख्य पार्टियां नीतियों और प्रथाओं में बहुत ही समान होती हैं।
5. बड़े पार्टियों की तुलना में छोटे पार्टियों और स्वतंत्र उम्मीदवारों को धन शक्ति और संगठनात्मक समर्थन के मामले में बड़ी हानि होती है।

क्या हमारे देश के लिए चुनाव बहुत महंगे हैं?

1. भारत में चुनावों का आयोजन करने में बहुत बड़ी राशि की खर्च की जाती है। उदाहरण के लिए, 2014 में लोकसभा चुनावों का आयोजन करने में सरकार ने लगभग 3500 करोड़ रुपये खर्च किए थे।
2. कुछ लोग कहते हैं कि चुनाव हमारे लोगों पर एक बोझ हैं और हमारे गरीब देश को पाँच वर्ष में एक बार चुनाव करने की स्थिति में नहीं हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1:लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होती है?

A. चुनावों से बचने के लिए B. नागरिकों को शिक्षित करना और उनके हितों का प्रतिनिधित्व करना

C. नागरिक भागीदारी को सीमित करना D. न्यायपालिका को नियंत्रित करना

उत्तर: B. नागरिकों को शिक्षित करना और उनके हितों का प्रतिनिधित्व करना

प्रश्न 2:चुनाव के दौरान आचार संहिता का उद्देश्य क्या है?

A. मतदान प्रक्रिया को नियंत्रित करना B. चुनाव आयोग को मार्गदर्शन देना

C. राजनीतिक दलों द्वारा नैतिक प्रचार सुनिश्चित करना D. वोटों की गिनती करना

उत्तर: C. राजनीतिक दलों द्वारा नैतिक प्रचार सुनिश्चित करना

प्रश्न 3:लोकतंत्र में नियमित चुनाव क्यों महत्वपूर्ण हैं?

A. यथास्थिति बनाए रखने के लिए B. सरकारी नीतियों में बार-बार बदलाव करने के लिए

C. शासन में निरंतरता और सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए

D. राजनीतिक हिंसा बढ़ाने के लिए

उत्तर: C. शासन में निरंतरता और सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए

प्रश्न 4:कथन (A): भारत में लोकसभा चुनावों के लिए पहले-पहले-पार प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

कारण (R): इस प्रणाली में, जो उम्मीदवार एक निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक वोट प्राप्त करता है, वह चुनाव जीतता है।

A. A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

B. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

C. A सही है, लेकिन R गलत है।

D. A गलत है, लेकिन R सही है।

उत्तर: A. A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

अतिलघुउत्तरप्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 1:टर्नआउट और उपचुनाव को परिभाषित करें।

उत्तर: मतदाता टर्नआउट वह प्रतिशत है जो चुनाव में मतदान करने वाले योग्य मतदाताओं का है। उपचुनाव: कभी-कभी चुनाव केवल एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए आयोजित किए जाते हैं ताकि किसी सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे के कारण खाली हुए स्थान को भरा जा सके। इसे उपचुनाव कहते हैं।

प्रश्न 2: NOTA, EVM, M.L.A., EPIC के पूर्ण रूप क्या हैं?

उत्तर:

NOTA: उपरोक्त में से कोई नहीं

EVM: इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

M.L.A.: विधान सभा का सदस्य

EPIC: मतदाता फोटो पहचान पत्र

प्रश्न 3:भारत में चुनाव लड़ने की शर्तें क्या हैं?

उत्तर: जो कोई भी मतदाता हो सकता है, वह भी चुनाव लड़ सकता है। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति जो चुनाव लड़ना चाहता है, उसे 'नामांकन पत्र' भरना होगा और 'सुरक्षा जमा' के रूप में कुछ धनराशि जमा करनी होगी।

लघुउत्तरप्रश्न(3 अंक)

प्रश्न 4: मतदाता और उम्मीदवार में क्या अंतर है?
उत्तर: मतदाता वह व्यक्ति है जो संसद के किसी भी हिस्से के चुनाव में भाग लेता है और किसी विशेष उम्मीदवार या जिसे उम्मीदवार के रूप में जाना जाता है, के लिए मतदान करता है। यह उसकी पसंद है कि वह अपने मतदान के अधिकार से इनकार कर सकता है।
उम्मीदवार वह व्यक्ति है जो संविधान के किसी भी हिस्से के चुनाव में भाग लेता है, यदि वह उस विशेष स्थान या देश के लोगों की सेवा करने में रुचि रखता है। वह या वह वह है जिसे मतदाताओं द्वारा मतदान किया जाता है।

प्रश्न 5: चुनाव आयोग के तीन कार्यों का उल्लेख करें।
उत्तर:

1. चुनाव आयोग चुनावों की घोषणा से लेकर परिणामों की घोषणा तक चुनाव के संचालन और नियंत्रण के हर पहलू पर निर्णय लेता है।
2. यह आचार संहिता को लागू करता है और किसी भी उम्मीदवार या पार्टी को दंडित करता है जो इसका उल्लंघन करती है।
3. चुनाव की अवधि के दौरान, चुनाव आयोग सरकार को कुछ दिशा-निर्देशों का पालन करने का आदेश दे सकता है, ताकि चुनाव जीतने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए सरकारी शक्ति के उपयोग और दुरुपयोग को रोका जा सके, या कुछ सरकारी अधिकारियों को स्थानांतरित कर सके।

प्रश्न 6: "प्रतिनिधि लोकतंत्र के लिए चुनाव आवश्यक क्यों माने जाते हैं?"
उत्तर: लोकतंत्र में नागरिक उन लोगों/राजनीतिज्ञों को चुनते हैं जो देश को संचालित करने में उनका प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रत्येक देश के संविधान के अनुसार नियमित अंतराल पर चुनाव होते हैं ताकि नागरिकों को यह तय करने का मौका मिल सके कि उनका प्रतिनिधित्व कौन करेगा। अधिकांश लोकतंत्रों में जिन राजनीतिज्ञों को बहुमत के वोट मिलते हैं, वे सरकार में चुने जाते हैं।

दीर्घउत्तरप्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 7: भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए क्या चुनौतियाँ हैं?
उत्तर: भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं:
(i) पैसे वाले उम्मीदवार और पार्टियाँ अपनी जीत सुनिश्चित नहीं कर सकते हैं, लेकिन उन्हें छोटे दलों और स्वतंत्र उम्मीदवारों की तुलना में बड़ा और अनुचित लाभ मिलता है।
(ii) देश के कुछ हिस्सों में, आपराधिक संबंध वाले उम्मीदवार प्रमुख दलों से 'टिकट' प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं।
(iii) कुछ परिवार राजनीतिक दलों पर हावी होते हैं और टिकट इन्हीं परिवारों के रिश्तेदारों को वितरित किए जाते हैं।
(iv) अक्सर, चुनाव साधारण नागरिकों को बहुत कम विकल्प प्रदान करते हैं क्योंकि दोनों प्रमुख पार्टियाँ अपनी नीतियों और प्रथाओं में एक जैसी होती हैं।
(v) छोटे दलों और स्वतंत्र उम्मीदवारों को बड़े दलों की तुलना में बहुत बड़ा नुकसान होता है।

प्रश्न 8: स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में चुनाव आयोग की भूमिका की व्याख्या करें। उत्तर: चुनाव आयोग स्वतंत्र और बहुत शक्तिशाली होता है। यह उसी प्रकार की स्वतंत्रता का आनंद लेता है जो न्यायपालिका का आनंद लेती है। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। वह चुनाव आयोग का प्रमुख होता है। अपने चुनाव के बाद सीईसी राष्ट्रपति या सरकार को जवाबदेह नहीं होता है। यहां तक कि अगर सरकार उससे असंतुष्ट है, तो भी सीईसी को हटाना असंभव है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में चुनाव आयोग की भूमिका निम्नलिखित है:

(i) चुनाव आयोग चुनावों की घोषणा से लेकर परिणामों की घोषणा तक चुनाव के संचालन और नियंत्रण के हर पहलू पर निर्णय लेता है।

(ii) यह आचार संहिता को लागू करता है और किसी भी उम्मीदवार या पार्टी को दंडित करता है जो इसका उल्लंघन करती है।

(iii) यह पार्टियों और स्वतंत्र उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित करता है।

(iv) चुनाव की अवधि के दौरान, चुनाव आयोग सरकार को कुछ दिशा-निर्देशों का पालन करने का आदेश दे सकता है, ताकि चुनाव जीतने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए सरकारी शक्ति के उपयोग और दुरुपयोग को रोका जा सके, या कुछ सरकारी अधिकारियों को स्थानांतरित कर सके।

(v) चुनाव ड्यूटी पर सरकारी अधिकारी चुनाव आयोग के नियंत्रण में काम करते हैं, न कि सरकार के।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

प्रश्न 9: "मतदाता टर्नआउट लोकतंत्र के स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। उच्च मतदाता टर्नआउट अक्सर एक जीवंत और जागरूक नागरिकता को दर्शाता है। हालांकि, कम मतदाता टर्नआउट उदासीनता, राजनीतिक प्रक्रिया से निराशा, या मतदान के लिए बाधाओं को दर्शा सकता है। चुनाव आयोग जागरूकता अभियानों और मतदान को अधिक सुलभ बनाकर मतदाता टर्नआउट बढ़ाने के लिए काम करता है।"प्रश्न:

1. मतदाता टर्नआउट लोकतंत्र के स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण संकेतक क्यों माना जाता है?
   उत्तर: उच्च मतदाता टर्नआउट अक्सर एक जीवंत और जागरूक नागरिकता को दर्शाता है, जो दर्शाता है कि लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।
2. कम मतदाता टर्नआउट क्या दर्शा सकता है?
   उत्तर: कम मतदाता टर्नआउट उदासीनता, राजनीतिक प्रक्रिया से निराशा, या मतदान के लिए बाधाओं को दर्शा सकता है।
3. चुनाव आयोग मतदाता टर्नआउट बढ़ाने के लिए कैसे काम करता है?
   उत्तर: चुनाव आयोग जागरूकता अभियानों और मतदान को अधिक सुलभ बनाकर मतदाता टर्नआउट बढ़ाने के लिए काम करता है।

प्रश्न 10: "आचार संहिता (MCC- **Model Code of Conduct**) चुनाव आयोग द्वारा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को विनियमित करने के लिए जारी किए गए दिशा-निर्देशों का एक सेट है। MCC का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से, बिना किसी कदाचार या अनैतिक व्यवहार के

आयोजित किए जाएं। इसमें राजनीतिक दलों के आचरण, प्रचार गतिविधियों और सरकारी संसाधनों के उपयोग के बारे में नियम शामिल हैं।

1. आचार संहिता (MCC) क्या है?
   उत्तर: आचार संहिता (MCC) चुनाव आयोग द्वारा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को विनियमित करने के लिए जारी किए गए दिशा-निर्देशों का एक सेट है।
2. MCC का उद्देश्य क्या है?
   उत्तर: MCC का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से, बिना किसी कदाचार या अनैतिक व्यवहार के आयोजित किए जाएं।
3. MCC के तहत कवर किए गए कुछ पहलू क्या हैं?
   उत्तर: MCC में राजनीतिक दलों के आचरण, प्रचार गतिविधियों और सरकारी संसाधनों के उपयोग के बारे में नियम शामिल हैं।

4.संस्थाओं का काम

अवलोकन:प्रजातंत्र बस लोगों के शासकों को चुनने के बारे में नहीं है।एक प्रजातंत्र में शासकों को कुछ नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता है।वे संस्थाओं के साथ और संचालन करना होता है।इस प्रक्रिया में हमें तीन संस्थाएं होती हैं जो प्रमुख निर्णयों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं -

1. विधायिका,
2. कार्यपालिका और
3. न्यायिका।

राष्ट्रपति राज्य के मुख होता है और देश में सबसे उच्च स्वार्थ प्राधिकरण है।प्रधानमंत्री सरकार के मुख होते हैं और वास्तव में सरकारी शक्तियों का प्रयोग करते हैं। उन्होंने कैबिनेट बैठकों में अधिकांश निर्णय लेते हैं।संसद राष्ट्रपति और दो सदनों, लोकसभा और राज्यसभा, से मिलकर बनी होती है।

एक महत्वपूर्ण नीति निर्णय कैसे लिया जाता है?

सरकार का आदेश: 1990 ई. के 13 अगस्त को भारत सरकार द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण कार्यालय स्मरणपत्र संख्या 36012/31/90-ईस्ट (एससीटी)।ऐसा बड़ा निर्णय वह व्यक्ति नहीं ले सकता था जिसने दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए थे। निर्देश मन्त्री के द्वारा दिए गए थे, जिनका विभाग इसका हिस्सा था।

मंडल आयोग:

1. 1979 में भारत सरकार ने द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग नियुक्त किया था। इसका अध्यक्ष श्री बी.पी. मंडल थे।
2. इसे निर्धारित करने के लिए कहा गया था कि भारत में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को इडेंटिफाई करने के मापदंड और उनके विकास के लिए उपाय सिफारिश करें।
3. आयोग की मुख्य सिफारिशों में से एक यह था कि सरकारी नौकरियों का 27 प्रतिशत सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित हो।

निर्णयकर्ता:

1. राष्ट्रपति राज्य के मुख होते हैं और देश में सबसे उच्च स्वार्थ प्राधिकरण हैं।
2. प्रधानमंत्री सरकार के मुख होते हैं और वास्तव में सरकारी शक्तियों का प्रयोग करते हैं। उन्होंने कैबिनेट बैठकों में अधिकांश निर्णय लेते हैं।
3. प्रधानमंत्री को लोकसभा के अधिकांश सदस्यों का समर्थन होना चाहिए।
4. संसद राष्ट्रपति और दो सदनों, लोकसभा और राज्यसभा, से मिलकर बनी होती है।

संसद: विधायिकासभी प्रजातंत्रों में, निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक सभा जो लोगों की ओर से सबसे उच्च राजनीतिक प्राधिकरण का प्रयोग करती है। भारत में इस तरह की राष्ट्रीय निर्वाचन प्रतिनिधियों की सभा को संसद कहा जाता है।राज्य स्तर पर इसे विधायिका या विधान सभा कहा जाता है।

संसद - राष्ट्रपति और दो सदनों, लोकसभा और राज्यसभा, से मिलकर बनी होती है।

कार्यपालिका: सरकार के विभिन्न स्तर पर, उन्होंने कुछ कार्यकर्ताओं को दैनिकनिर्णय लेने होते हैं। उन सभी कार्यकर्ताओं को कार्यपालिका कहा जाता है।वे कार्यपालिका कहे जाते हैं क्योंकि वे सरकारी नीतियों के 'निष्पादन' का प्रभार लेते हैं। इस तरह, जब हम 'सरकार' के बारे में बात करते हैं, हम आमतौर पर कार्यपालिका का मतलब करते हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यपालिका को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

1) राजनीतिक कार्यपालिका:राजनीतिक कार्यपालिका निर्वाचित होती हैं जनता द्वारा निश्चित अवधि के लिए (जैसे - 5 साल)। मंत्रियों में इसमें पड़ता है।

(2) स्थायी कार्यपालिका: -

1. कुछ लोग हैं जो दिन-प्रतिदिन प्रशासन में राजनीतिक कार्यपालिका को सहायता देने के लिए नियुक्त किए गए हैं।
2. वे दीर्घकालिक अवधि के लिए नियुक्त किए गए हैं।
3. इसे स्थायी कार्यपालिका या सिविल सेवाएँ कहा जाता है।

प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद

1. राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रधानमंत्री, देश में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संस्था होती है।
2. प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा अन्य मंत्री नियुक्त किए जाते हैं।
3. मंत्री संसद के सदस्य होने चाहिए। व्यक्ति जो संसद का सदस्य नहीं है, वह मंत्री बन सकता है, लेकिन उसे एक हफ्ते के अंदर एक हाउस में चुनावी प्राप्त करना होगा

मंत्रिपरिषद: मंत्रिपरिषद वह आधिकारिक नाम है जो सभी मंत्रियों को सम्मिलित करने वाले निकाय के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें निम्नलिखित तीन प्रकार के मंत्री शामिल हैं

1). कैबिनेट मंत्रियों: लगभग 20 शीर्ष स्तर के मंत्रियों जो मुख्य मंत्रालयों के प्रभारी हैं।

2). स्वतंत्र चार्ज के रूप में राज्य मंत्रियों: वे सामान्यत: छोटे मंत्रालयों के प्रभारी होते हैं।

3). राज्य मंत्रियों: वे कैबिनेट मंत्रियों के साथ जुड़े होते हैं और उनकी सहायता करने के लिए आवश्यक होते हैं।

राष्ट्रपति

1.राष्ट्रपति राष्ट्र के मुख होते हैं और औपचारिक समारोहात्मक शक्तियों का प्रयोग करते हैं।

2.सरकारी गतिविधियों, कानून, प्रमुख नीतियों और सरकार की नियुक्तियाँ, अंतरराष्ट्रीय समझौते और समझौतों को राष्ट्रपति के नाम पर जारी किए जाते हैं।

3.कुछ नियुक्तियाँ में मुख्य न्यायाधीश भारत, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, चुनाव आयोगियों और अन्य देशों के दूतों की परामर्शित विशेषता के साथ होती है।

4.राष्ट्रपति भारतीय सैन्य बलों के सर्वोच्च सम्मेलन हैं।

राष्ट्रपति के चुनाव:राष्ट्रपति लोगों द्वारा सीधे नहीं चुना जाता है।निर्वाचित सदस्यों के सदस्य (एमपी) और विधान सभाओं (एमएलए) के चुनावी सदस्य राष्ट्रपति चुनते हैं।

राष्ट्रपति के शक्तियां और कार्य:

1. सभी प्रमुख नियुक्तियाँ राष्ट्रपति के नाम पर की जाती हैं।
2. सभी अंतरराष्ट्रीय समझौते और समझौते राष्ट्रपति के नाम पर की जाती हैं।
3. राष्ट्रपति भारतीय सैन्य बलों के सर्वोच्च सम्मेलन हैं।
4. सभी कानून और सरकार की नियुक्तियाँ राष्ट्रपति के नाम पर की जाती हैं।
5. संसद द्वारा पारित एक विधेयक को कानून मान्यता प्राप्त करने के लिए उसे राष्ट्रपति की स्वीकृति देने के बाद ही होता है।
6. राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सलाह पर होती है।

प्रधानमंत्री की शक्तियां और कार्य:

1. सरकार का प्रमुख होता है।
2. मंत्रियों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सलाह पर होती है।
3. मंत्रियों को कार्य का वितरण और पुनर्वितरण करता है।
4. वह कैबिनेट बैठकों का अध्यक्षता करता है। वह मंत्रियों को हटा सकता है।
5. वह विभिन्न विभागों के कार्य को समन्वयित करता है। उसके निर्णय विभागों के बीच विवाद के मामले में अंतिम होते हैं।
6. सदन के नेता।
7. वह विदेश यात्राओं में देश का प्रतिनिधित्व करता है।
8. प्रधानमंत्रीवादी राजनीतिक संस्था: यदि कैबिनेट सबसे प्रभावशाली संस्था है,कैबिनेट के भीतर वह प्रधानमंत्री होता है जो संसदीय लोकतंत्र में इतनी शक्ति प्राप्त करता है कि संसदीय लोकतंत्र को कभी-कभी प्रधानमंत्रीवादी राजनीतिक संस्था के रूप में देखा जाता है।

भारतीय न्यायपालिका:

1. देश भर में सर्वोच्च न्यायालय,
2. राज्यों में उच्च न्यायालय,
3. जिला न्यायालय और स्थानीय स्तर पर न्यायालय।

एकीकृत न्यायपालिका:

1. भारत में एकीकृत न्यायपालिका है। इसका अर्थ है कि सर्वोच्च न्यायालय देश में न्यायिक प्रशासन को नियंत्रित करता है।

2. इसके निर्णय देश के सभी अन्य न्यायालयों पर बाध्यकारी होते हैं।

न्यायिक समीक्षा:भारतीय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय देश में किसी भी विधानकीय प्राधिकरण या कार्य की संवैधानिक वैधता को निर्धारित कर सकते हैं, चाहे वह केंद्र स्तर पर हो या राज्य स्तर पर, जब उस पर उनके समक्ष चुनौती दी जाती है। इसे न्यायिक समीक्षा कहते हैं।

जनहित याचिका (पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन - PIL): अदालतें जनहित की रक्षा करने के लिए फैसले और निर्देश दे सकती हैं। सरकार के कार्यों से जनहित को चोट पहुँचने पर कोई भी अदालत के पास जा सकता है। इसे जनहित याचिका कहा जाता है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता:न्यायपालिका की स्वतंत्र और प्रबल मानी जाती है लोकतंत्रों के लिए आवश्यक माना जाता है।न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अर्थ है कि यह विधायिका या कार्यपालिका के नियंत्रण में नहीं है।

भारतीय न्यायपालिका को निम्न कारणों के कारण स्वतंत्र माना जाता है:-

1. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को प्रधानमंत्री की सलाह पर और सर्वोच्च न्यायाधीश के मुख्य न्यायाधीश के सलाह से राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
2. अमल में इसका अर्थ है कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ न्यायाधीश नए न्यायाधीशों का चयन करते हैं और राजनीतिक कार्यपालिका द्वारा हस्तक्षेप के लिए बहुत ही कम भूमिका होती है।
3. न्यायाधीश को केवल दो सदनों के दो-तिहाई सदस्यों द्वारा अलग-अलग निलंबन प्रस्ताव पारित करने से हटाया जा सकता है।
4. न्यायाधीशों की वेतन और भत्ते को आपातकाल के दौरान के अलावा कम नहीं किया जा सकता है।
5. भारत में न्यायिका को न्यायिक समीक्षा की शक्ति होती है। भारतीय न्यायपालिका की शक्ति और स्वतंत्रता उसे मूलभूत अधिकारों के रक्षक के रूप में कार्य करने की अनुमति देती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न-

प्रश्न 1:चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा पालन की जाने वाली नियमों और दिशानिर्देशों का एक सेट को क्या कहा जाता है:

(a) निर्वाचन क्षेत्र (b) धांधली

(c) आचार संहिता (d) मतदान

उत्तर: (c) आचार संहिता

प्रश्न 2:निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) 21 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक चुनाव में मतदान कर सकते हैं

(b) हर नागरिक को चुनाव में मतदान का अधिकार है चाहे उनकी जाति, धर्म या लिंग कुछ भी हो

(c) कुछ अपराधी और मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्तियों को विशेष परिस्थितियों में मतदान का अधिकार नहीं हो सकता

(d) सरकार की जिम्मेदारी है कि वे सभी योग्य मतदाताओं के नाम वोटर्स सूची में डालवाए

उत्तर: (a) 21 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक चुनाव में मतदान कर सकते हैं

प्रश्न 3:कथन (के) (A): भारत के राष्ट्रपति एक चुनावी कॉलेज द्वारा चुने जाते हैं।
कारण (के) (R): राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख होते हैं और सम्पूर्ण देश का प्रतिनिधित्व करना होता है।
उत्तर: B. दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
प्रश्न 4: कथन (के) (A): लोक सभा में बहुमती पार्टी के नेता प्रधानमंत्री होते हैं।
कारण (के) (R): प्रधानमंत्री को भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
उत्तर: B. दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
प्रश्न 5: कथन (के) (A): लोक सभा राज्य सभा से अधिक शक्तिशाली है।
कारण (के) (R): मनी बिल्स को केवल लोक सभा में प्रस्तुत किया जा सकता है।
उत्तर: A. दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।
प्रश्न 6: धन विधेयक केवल कहाँ प्रस्तुत किए जा सकते हैं:
(a) राज्य सभा (b) लोक सभा (c) विधान सभा (d) राष्ट्रपति कार्यालय
उत्तर: (b) लोक सभा
प्रश्न 7: लोक सभा के स्पीकर को किसके द्वारा चुना जाता है:
(a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमंत्री (c) लोक सभा के सदस्यों द्वारा (d) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
उत्तर: (c) लोक सभा के सदस्यों द्वारा

अतिलघुउत्तरीयप्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 8: भारत में संसद का कौन सा सदन अधिक शक्तिशाली है? कारण बताएं।
उत्तर:भारतीय पार्लियामेंटीय प्रणाली में लोक सभा राज्य सभा से अधिक शक्तिशाली है। इसके पीछे कुछ कारण हैं: लोक सभा 'लोगों द्वारा सीधे चुनी जाती है' देश के नागरिकों द्वारा उनकी वोटिंग पावर का उपयोग करके। लोक सभा के पास मनी मामलों से संबंधित अधिक शक्ति है।
प्रश्न 9:न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया क्या है?
उत्तर:न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया को महाभियोग प्रस्ताव ('इम्पीचमेंट')कहा जाता है। इम्पीचमेंट मोशन को संसद के दो सदनों के दो-तिहाई सदस्यों द्वारा अलग-अलग पारित किया जाता है। इसलिए राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त न्यायाधीशों को केवल राष्ट्रपति अकेले हटा नहीं सकता।

लघुउत्तरप्रश्न(3 अंक)

प्रश्न 10:राजनीतिक संस्थाओं की आवश्यकता क्यों होती है?
उत्तर:लोकतंत्र उस समय अच्छी तरह से काम करता है जब राजनीतिक संस्थाएं, जैसे: प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल, सिविल सेवक, सुप्रीम कोर्ट आदि, उनको सौंपी गई फंक्शन का पालन करते हैं। इन राजनीतिक संस्थाओं की आवश्यकता है:
(i) निर्णय लेने के लिए: देशों को जनहित के बारे में निर्णय लेने के लिए राजनीतिक संस्थाएं की आवश्यकता होती है। संस्थाएं विभिन्न नीतियों और कल्याण योजनाओं का निर्माण करती हैं।
(ii) निर्णय को कार्यान्वित करने के लिए: जो निर्णय लिया गया है, उसे कार्यान्वित किया जाना चाहिए।

(iii) विवादों को सुलझाने के लिए: संस्थाएं विभिन्न संस्थाओं के बीच विवादों को हल करने के लिए आवश्यक होती हैं।

प्रश्न 11:लोकतंत्रिक संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत देरी और जटिलताओं का क्या महत्व है?

उत्तर:संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत देरी और जटिलताएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे एक निर्णय में एक विशाल लोगों के सेट के संवाद के लिए एक अवसर प्राप्त होता है। संस्थाएं एक अच्छे निर्णय को जल्दी से लिया जाने की दिक्कत देती हैं। लेकिन वे इसी तरह से एक बुरे निर्णय को जल्दी से नहीं ले सकते हैं। इसीलिए, लोकतंत्रिक सरकारें संस्थाओं पर जोर देती हैं।

प्रश्न 12: 'न्यायपालिका की स्वतंत्रता' का क्या मतलब है?

उत्तर: (i) न्यायपालिका विधायिका या कार्यपालिका के नियंत्रण में नहीं है।

(ii) न्यायाधीशों का सरकार द्वारा दिशानिर्देश पर कार्रवाई नहीं किया जाता है या सत्ताधारी पार्टी की इच्छाओं के अनुसार काम नहीं किया जाता है।

(iii) इसीलिए, सभी आधुनिक लोकतंत्रों में विधायिका और कार्यपालिका के अलग इकाइयों होते हैं।

प्रश्न 13: राजनीतिक कार्यपालिका न्यायपालिका से अधिक शक्तिशाली क्यों होती हैं?

उत्तर: राजनीतिक कार्यपालिका न्यायपालिका से अधिक शक्तिशाली है क्योंकि:

(a) मंत्रियों को लोग सीधे चुनते हैं।

(b) वे जनता के समक्ष जवाबदेहीपूर्ण और जवाबदेहीपूर्ण होते हैं।

(c) लोकतंत्र जनता की इच्छा पर आधारित है, इसलिए चुने गए मंत्री वह इच्छा प्रतिनिधित्व करते हैं और अंतिम निर्णय लेते हैं।

दीर्घउत्तरप्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 14:भारत के राष्ट्रपति के शक्तियों और कार्यों का क्या है?

उत्तर:राष्ट्रपति देश का प्रमुखहोता है और भारतीय गणराज्य का प्रतिनिधित्व करते है। उन्हें निम्नलिखित कार्य करने होते हैं:

(i) वे प्रधानमंत्री को नियुक्त करते हैं हालांकि उन्हें बहुमत प्राप्त पार्टी के नेता को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त करना होता है।

(ii) सभी सरकारी गतिविधियां राष्ट्रपति के नाम से होती हैं।

(iii) सरकार के सभी कानून और प्रमुख नीतियों को उनके नाम से जारी किया जाता है।

(iv) सभी प्रमुख नियुक्तियां उनके नाम से की जाती हैं। इसमें मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति, सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति, चुनाव आयुक्तों और अंतरराष्ट्रीय दूतों की नियुक्ति शामिल है।

(v) सभी अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों को उनके नाम से किया जाता है।

(vi) संसद द्वारा पारित एक विधेयक को कानून केवल तब तक नहीं बनता है जब तक राष्ट्रपति इसे स्वीकृति नहीं देते हैं।

प्रश्न 15:लोक सभा और राज्य सभा के बीच अंतर करें।

उत्तर:हम लोक सभा और राज्य सभा के बीच निम्नलिखित अंतर बताते हैं:

1. लोक सभा, उसके नाम के अनुसार, यह सभा है जिसमें लोग अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। राज्य सभा में प्रतिनिधियों का चयन राज्य विधान सभाओं के चुने गए सदस्यों द्वारा किया जाता है।
2. राज्य सभा को स्थाई सदन माना जाता है जबकि लोक सभा हर पांच वर्षों में विघटन हो जाती है।
3. लोक सभा में अधिकतम सदस्य 552 हैं जबकि राज्य सभा में केवल 250 सदस्य हैं।आजकल, लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या 545 है।
4. लोक सभा के सदस्य बनने के लिए, किसी भी भारतीय नागरिक को कम से कम 25 वर्ष की आयु होनी चाहिए। दूसरी ओर राज्य सभा के मामले में न्यूनतम आयु 30 वर्ष है।
5. मनी बिल्स को लोक सभा में प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन इसके अनुमोदन के बाद लोक सभा से राज्य सभा में भेजा जाता है।
6. स्पीकर लोक सभा का प्रतिनिधि होता है। और राज्य सभा का प्रतिनिधि भारत के उपराष्ट्रपति होता है।

****

5.लोकतांत्रिक अधिकार

लोकतंत्र में अधिकार - अधिकार नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। लोकतंत्र एक ऐसी प्रणाली है जिसमें नागरिकों को अधिकतम अधिकार प्रदान किए जाते हैं।अधिकार व्यक्तियों के तर्कसंगत दावे हैं जिन्हें समाज और कानून द्वारा मान्यता दी जाती है।

लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता क्यों हैएक लोकतंत्र में,हर नागरिक को मतदान करने और सरकार में चुने जाने का अधिकार होता है। अधिकार एक लोकतंत्र में एक विशेष भूमिका निभाते हैं।

लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता:

(i) अधिकार एक लोकतंत्र को बनाए रखते हैं।

(ii) वे नागरिकों को स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करने, पार्टियाँ बनाने और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देते हैं।

(iii) अधिकार यह सुनिश्चित करते हैं कि जब चीजें गलत हों तो वे गारंटी प्रदान करें। वे बहुमत को अल्पसंख्यक पर हावी नहीं होने देते।

(iv) कुछ अधिकार सरकार से ऊपर रखे गए हैं, ताकि सरकार उनका उल्लंघन न कर सके।

भारतीय संविधान में अधिकार:आप पहले से ही जानते हैं कि हमारा संविधान 6 मौलिक अधिकार प्रदान करता है। आइए उन्हें एक-एक करके चर्चा करें।

1. **समानता का अधिकार**-संविधान कहता है कि सरकार भारत में किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगी। इसका मतलब है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होते हैं, चाहे व्यक्ति की स्थिति कुछ भी हो। इसे कानून का शासन कहते हैं, जो किसी भी लोकतंत्र की नींव है। इसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। किसी भी राजनीतिक नेता, सरकारी अधिकारी और साधारण नागरिक के बीच कोई अंतर नहीं हो सकता।

1. सरकार किसी भी नागरिक के साथ धर्म, जाति, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगी।
2. प्रत्येक नागरिक को दुकानों, रेस्तरां, होटलों और सिनेमा हॉल जैसी सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच होगी।
3. सरकार द्वारा बनाए गए या आम जनता के उपयोग के लिए समर्पित कुएं, तालाब, स्नान घाट, सड़कें, खेल के मैदान और सार्वजनिक स्थलों के उपयोग के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं होगा।
4. सभी नागरिकों को सरकार में किसी भी पद के लिए रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में समान अवसर प्राप्त होंगे।

2. **स्वतंत्रता का अधिकार** - भारतीय संविधान के तहत, सभी नागरिकों को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त हैं:
   1. भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
   2. शांतिपूर्ण तरीके से सभा करने की स्वतंत्रता
   3. संघ और यूनियनों का गठन करने की स्वतंत्रता
   4. देश भर में स्वतंत्र रूप से घूमने की स्वतंत्रता
   5. देश के किसी भी हिस्से में निवास करने की स्वतंत्रता
   6. किसी भी पेशे का अभ्यास करने या किसी भी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय को चलाने की स्वतंत्रता।
3. **शोषण के विरुद्ध अधिकार**- प्रत्येक नागरिक को शोषित नहीं होने का अधिकार है। संविधान में समाज के कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने के लिए स्पष्ट प्रावधान हैं। संविधान निम्नलिखित तीन विशिष्ट बुराइयों का उल्लेख करता है और उन्हें अवैध घोषित करता है:

   1. संविधान 'मानव व्यापार' को प्रतिबंधित करता है। व्यापार का अर्थ है आमतौर पर महिलाओं को अनैतिक उद्देश्यों के लिए बेचना और खरीदना।
   2. हमारा संविधान किसी भी रूप में जबरन श्रम या बेगार को प्रतिबंधित करता है। **बेगार** एक प्रथा है जहां कार्यकर्ता को 'मालिक' को मुफ्त में या मामूली पारिश्रमिक पर सेवा प्रदान करने के लिए मजबूर किया जाता है। जब यह प्रथा आजीवन आधार पर होती है, तो इसे **बंधुआ मजदूरी** की प्रथा कहा जाता है।
   3. संविधान बाल श्रम को प्रतिबंधित करता है। इसके तहत, कोई भी किसी भी कारखाने, खदान या अन्य खतरनाक कार्य जैसे रेलवे और बंदरगाहों में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को काम पर नहीं रख सकता।
4. **धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार** - प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को मानने, अभ्यास करने और प्रचार करने का अधिकार है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, जिसका अर्थ है कि भारत किसी भी एक धर्म को आधिकारिक धर्म के रूप में स्थापित नहीं करता है। धर्म का अभ्यास करने की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति धर्म के नाम पर जो चाहे कर सकता है। उदाहरण के लिए, कोई भी अलौकिक शक्तियों या देवताओं के लिए बलि के रूप में जानवरों या मनुष्यों का बलिदान नहीं कर सकता है।
5. **सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार**- भारतीय संविधान अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों को निर्दिष्ट करता है:
   1. विशिष्ट भाषा या संस्कृति वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को इसे संरक्षित करने का अधिकार है।

2. किसी भी सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षिक संस्थान में प्रवेश को धर्म या भाषा के आधार पर किसी भी नागरिक को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।
3. सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षिक संस्थान स्थापित करने और उनका संचालन करने का अधिकार है।

6. **संवैधानिक उपचारों का अधिकार**-नागरिकों को मौलिक अधिकारों के किसी भी इनकार के मामले में अदालत का सहारा लेने का अधिकार देता है।

भारतीय संविधान के अंतर्गत 5 रिट हैं - बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, उत्प्रेषण, प्रतिषेध और अधिकार-पृच्छा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1: गुंतानामो बे पर लोगों को रोकने के लिए अमेरिका का कारण क्या था?

(a) उन्होंने जासूसी की थी।

(b) उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति को हत्या करने की योजना बनाई थी।

(c) उन्होंने संयुक्त राष्ट्र कोम्युनिस्ट शासन स्थापित करने की योजना बनाई थी।

(d) अमेरिका ने उन्हें शत्रु माना और उन्हें 11 सितंबर के हमलों से जोड़ा।

उत्तर: (b) उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति को हत्या करने की योजना बनाई थी।

प्रश्न 2: निम्नलिखित कथनों को विचार करें:

(1) भारतीय संविधान में राज्य संचालित सेवाओं में पदोन्नति के मामले में आरक्षण के लिएकोई प्रावधाननहीं है जिसका फायदा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को हो।

(2) संविधान के नियमों के अनुसार, एक वर्ग को पीछे रख और सेवाओं में अप्रत्याशित होना चाहिएताकि उसे पदोन्नति और पदों के लिए आरक्षण प्राप्त हो सके।निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) केवल (1) (b) केवल (2)

(c) दोनों (1) और (2) सही हैं।(d) न तो (1) और न ही (2) लागू होते हैं।

उत्तर: (b) केवल (2)

प्रश्न 3: यदि एक भारतीय नागरिक के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है, तो वह उसका सहायता कहां प्राप्त कर सकता है?

(a) सर्वोच्च न्यायालय (b) भारतीय संसद(c) चुनाव आयोग (d) मंत्रिपरिषद

उत्तर: (a) सर्वोच्च न्यायालय

प्रश्न 4: कथन (A): भारतीय संविधान कहता है कि सरकार किसी भी भारतीय नागरिक को कानून के सामने समानताया कानूनों की समान संरक्षा से इंकार कर सकती है।

कारण (R): कानून की शासन के मूल है कोई लोकतंत्र।

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R) (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है। (d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

उत्तर: (d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

प्रश्न 5: कथन (A): भारतीय संविधान कहता है कि हर व्यक्ति को उस धर्म का प्रचार, अभ्यास और प्रसार करने का अधिकार है जिसे वह मानता है।

कारण (R): धर्मनिरपेक्ष राज्य किसी भी एक धर्म को आधिकारिक धर्म नहीं स्थापित करता।

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R) (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

उत्तर: (b) दोनों (A) और (R) सही हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न(2 अंक)

प्रश्न 6: PIL क्या है?

उत्तर: सार्वजनिक हित याचिका (PIL) एक ऐसी याचिका होती है जो किसी नाराजगीत पक्ष द्वारा नहीं परंतु एक निजी पक्ष या अदालत द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत की जाती है। PIL निष्पादन के लिए महत्वपूर्ण उपकरण बन गई हैं जो कार्यपालिका और विधायिका की कानूनी दायित्व को प्रवर्तित करने में मदद करती हैं।

लघुउत्तरीयप्रश्न(3 अंक)

प्रश्न 7: 'समानता का अधिकार' से क्या मतलब होता है? दो उदाहरण दें जिनसे स्पष्ट हो कि यह अधिकार समानता और न्याय को समर्थन करता है।

उत्तर:

1. समानता का अधिकार: इसका अर्थ है कि यह कानून के अधीन समान व्यवहार सुनिश्चित करता है और धार्मिकता, जाति, लिंग, या जन्म स्थान जैसे विभिन्न कारणों पर भेदभाव को नकारता है।

   उदाहरण: 1.समान काम के लिए समान वेतन: इसे सुनिश्चित किया जाता है कि सभी व्यक्तियों को उनके काम के लिए अन्य कारकों के बिना न्यायपूर्वक मुआवजा प्राप्त हो।

   2.आरक्षण नीतियाँ: शिक्षा और रोजगार में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े वर्गों को अवसर प्रदान करती हैं, सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देती हैं।

प्रश्न 8: भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का महत्व समझाइए।

उत्तर:

1. व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी: मौलिक अधिकार सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक नागरिक को राज्य द्वारा अन्यायपूर्ण क्रियाओं से बचाव और कुछ मौलिक स्वतंत्रता और सुरक्षा का अनुभव करते हैं।
2. समानता को प्रोत्साहित करना: वे धर्म, जाति, लिंग, या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को नकारते हैं, कानून के अधीन समान व्यवहार सुनिश्चित करते हैं।
3. न्याय सुनिश्चित करना: मौलिक अधिकार जीवन, स्वतंत्रता, कानून के समक्ष समानता, और अभिव्यक्ति की अधिकारिता शामिल हैं, जो एक न्यायपूर्ण समाज के लिए आवश्यक हैं।

दीर्घउत्तरीयप्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 9: लोकतंत्र में हमें अधिकार क्यों चाहिए ?

उत्तर: लोकतंत्र में, अधिकार महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे व्यक्तियों को संरक्षण और गारंटी प्रदान करते हैं जो समाज में न्याय, समानता, और न्याय सुनिश्चित करते हैं। यहाँ कुछ कारण दिए गए हैं जिनके कारण लोकतंत्र में अधिकार महत्वपूर्ण हैं:

1. व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा: अधिकार सुनिश्चित करते हैं कि व्यक्तियों को अपने विचारों, धारणाओं, और राय को व्यक्त करने का अधिकार हो बिना किसी दबाव या सेंसरशिप के।
2. कानून के समक्ष समानता: अधिकार भेदभाव को रोकते हैं और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करते हैं।
3. सरकारी शक्ति की जांच: अधिकार सरकारी शक्ति पर जांच और संतुलन के रूप में काम करते हैं। वे राज्य के अधिकार की सीमा को सीमित करते हैं ताकि राजनीतिक कार्यवाही न्यायसंगत, निष्पक्ष, और पारदर्शी हो।
4. लोकतंत्रिक भागीदारी: अधिकार नागरिकों को लोकतंत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने की शक्ति प्रदान करते हैं।
5. सत्ता के दुरुपयोग से संरक्षण: अधिकार सरकार या अन्य व्यक्तियों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग से बचाव प्रदान करते हैं।
6. मानव मर्यादा और सम्मान: अधिकार हर व्यक्ति की प्राकृतिक गरिमा और मूल्य की रक्षा करते हैं। वे व्यक्तिगत अवैध और स्वतंत्रता, गोपनीयता, और स्वायत्तता जैसे मानव जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं की रक्षा करते हैं।

सारांश में, लोकतंत्र में अधिकार केवल कानूनी संरक्षण ही नहीं होते बल्कि न्याय, समानता, और मानव गरिमा के मूल सिद्धांत भी होते हैं। वे व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से जीने, समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, और अपनी सरकार को जवाबदेहीपूर्वक सेवा प्रदान करने की सुनिश्चित करते हैं, इस तरह वे एक लोकतंत्रिक प्रणाली को सम्मान और सेवा करते हैं उसके नागरिकों को।

अर्थशास्त्र

कक्षा IX (2024-25)

अध्याय - :1

पालमपुर गाँव की कहानी

(केवल आवधिक मूल्यांकन के भाग के रूप में मूल्यांकन किया जाना है

सारांश-:

- परिचय
- उत्पादन के कारक
- पालमपुर में खेती
- पालमपुर में गैरकृषि गतिविधियाँ-

परिचय-: पालमपुर एक काल्पनिक गाँव है। पालमपुर पड़ोसी गाँवों और कस्बों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। पालमपुर से 3 किलोमीटर दूर रायगंज एक बड़ा गाँव है। एक बारहमासी सड़क गाँव को रायगंज से जोड़ती है और आगे शाहपुर के निकटतम छोटे शहर से जोड़ती है। इस गाँव में कई अलगअलग जा-तियों के लगभग 450 परिवार हैं। खेतों में लगे सभी ट्यूबवेल बिजली से चलते हैं और इसका इस्तेमाल कई तरह के छोटेमोटे कामों में होता है। पालमपुर में दो - प्राथमिक विद्यालय और एक हाई स्कूल है। सरकार द्वारा संचालित एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक निजी डिस्पेंसरीहै जहाँ बीमारों का इलाज किया जाता है ।

केंद्र और एक निजी डिस्पेंसरी है जहाँ बीमारों का इलाज किया जाता है।

2. श्रम की व्यवस्था कौन करेगा?

• ज़मीन के बाद मज़दूरी उत्पादन के लिए ज़रूरी दूसरा कारक है। खेती में बहुत ज़्यादा मेहनत लगती है। छोटे किसान अपने परिवार के साथ मिलकर अपने खेतों में खेती करते हैं। इस तरह वे खेती के लिए ज़रूरी मज़दूरी खुद ही मुहैया कराते हैं। मध्यम और बड़े किसान अपने खेतों में काम करने के लिए खेत मज़दूरों को काम पर रखते हैं।

• खेत मज़दूर या तो भूमिहीन परिवारों से आते हैं या फिर छोटेछोटे भूखंडों पर ख-ेती करने वाले परिवारों से। किसानों से अलग खेत मज़दूरों का ज़मीन पर उगाई जाने वाली फ़सलों पर कोई अधिकार नहीं होता। इसके बजाय उन्हें वह किसान मज़दूरी देता है जिसके लिए वे काम करते हैं।

• मज़दूरी नकद या वस्तु के रूप में हो सकती है जैसे फ़सल। कभीकभी मज़दूरों- को भोजन भी मिलता है। मज़दूरी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र, एक फ़सल से दूसरे फ़सल और एक कृषि गतिविधि (जैसे बुवाई और कटाई) से दूसरे में काफ़ी अलग-अलग होती है।

• रोज़गार की अवधि में भी काफ़ी अंतर होता है। एक खेत मज़दूर को रोज़ाना या एक ख़ास कृषि गतिविधि जैसे कटाई या पूरे साल के लिए काम पर रखा जा सकता है।

3. खेती में आवश्यक पूंजी-:

आधुनिक खेती के तरीकों में बहुत अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है, जिससे किसान को अब पहले से अधिक धन की आवश्यकता होती है।

• अधिकांश छोटे किसानों को पूंजी जुटाने के लिए उधार लेना पड़ता है। वे बड़े किसानों या गांव के साहूकारों या व्यापारियों से उधार लेते हैं जो खेती के लिए विभिन्न इनपुट मुहैया कराते हैं। ऐसे ऋणों पर ब्याज दर बहुत अधिक होती है। उन्हें ऋण चुकाने में बहुत परेशानी होती है।

• छोटे किसानों के विपरीत, मध्यम और बड़े किसानों के पास खेती से अपनी बचत होती है। इस प्रकार वे आवश्यक पूंजी जुटाने में सक्षम होते हैं।

उदाहरण सविता ए क छोटी किसान है। वह अपनी -:1 हेक्टेयर ज़मीन पर गेहूँ की खेती करने की योजना बना रही है। बीज, खाद और कीटनाशकों के अलावा, उसे पानी खरीदने और अपने कृषि उपकरणों की मरम्मत के लिए नकदी की ज़रूरत है। उसका अनुमान है कि कार्यशील पूंजी पर ही कम से कम 3,000 रुपये खर्च होंगे। उसके पास पैसे नहीं हैं, इसलिए वह एक बड़े किसान तेजपाल सिंह से उधार लेने का फैसला करती है। तेजपाल सिंह सविता को चार महीने के लिए 24 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण देने के लिए सहमत हो जाता है, जो बहुत अधिक ब्याज दर है। सविता को फसल के मौसम में 100 रुपये प्रतिदिन पर खेत मजदूर के रूप में उनके खेत पर काम करने का भी वादा करना पड़ता

है। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह मजदूरी काफी कम है। सविता जानती है कि उसे अपने खेत पर कटाई पूरी करने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी, और फिर तेजपाल सिंह के लिए खेत मजदूर के रूप में काम करना होगा। कटाई का समय बहुत व्यस्त समय होता है। तीन बच्चों की माँ होने के नाते उसके पास घर की बहुत सारी ज़िम्मेदारियाँ हैं। सविता इन कठिन शर्तों से सहमत है क्योंकि वह जानती है कि एक छोटे किसान के लिए ऋण प्राप्त करना मुश्किल है।

4. मानव संसाधन - (पूंजी) उत्पादन के लिए उपरोक्त सभी कारक आवश्यक हैं, लेकिन साथ ही इन सभी कारकों का इष्टतम उपयोग मानव के ज्ञान और कौशल के माध्यम से ही संभव है। इसीलिए जब मनुष्य अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करके उन्हें संयोजित करता है, तो हम इसे **मानव संसाधन (पूंजी)** कहते हैं।

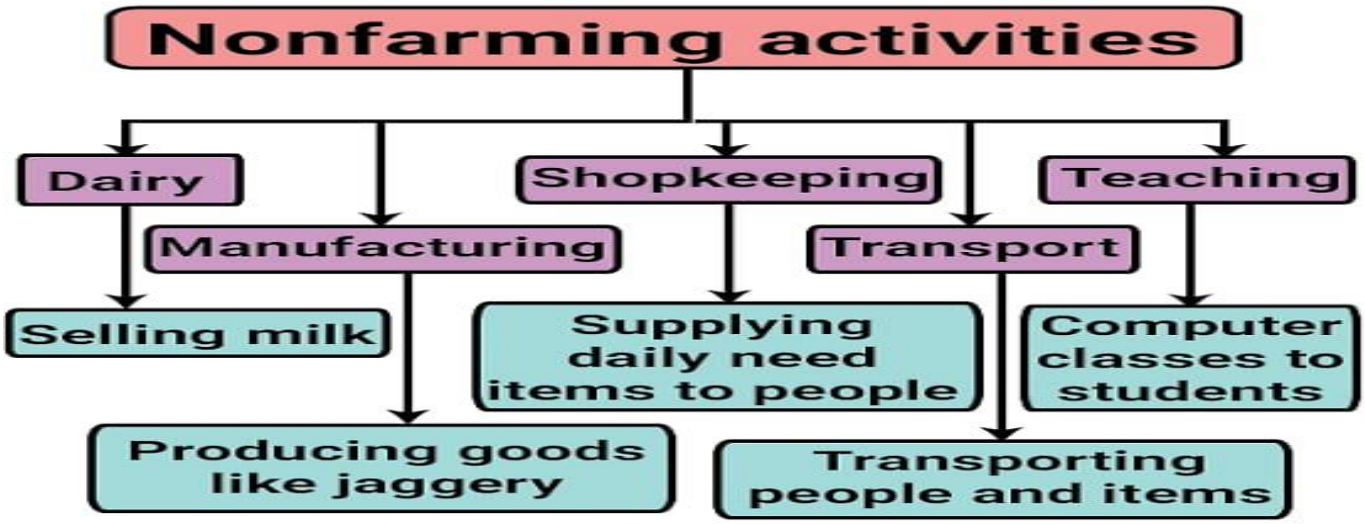
पालमपुर में गैर-:कृषि गतिविधियाँ-

पालमपुर में कार्यरत लोगों में से केवल 25 प्रतिशत लोग कृषि के अलावा अन्य गतिविधियों में लगे हुए हैं।

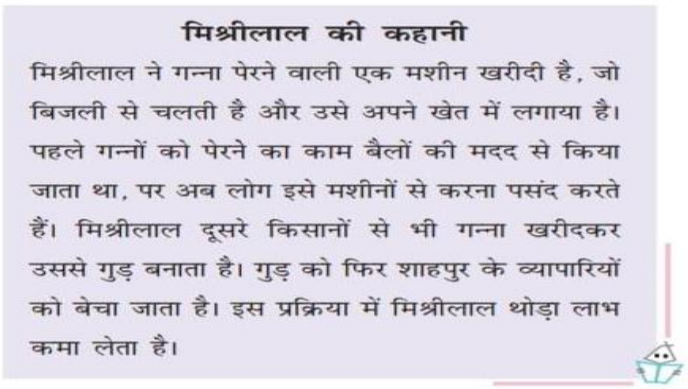
1.**डेयरी -** अन्य सामान्य गतिविधिपालमपुर के कई परिवारों में डेयरी एक सामान्य गतिविधि है। लोग - : अपनी भैंसों को विभिन्न प्रकार की घास और बरसात के मौसम में उगने वाले ज्वार और बाजरा खिलाते हैं।

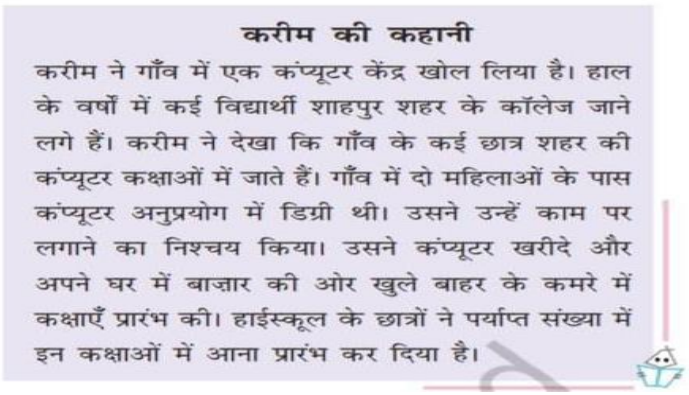
2.दूध पास के बड़े गाँव रायगंज में बेचा जाता है। शाहपुर शहर के दो व्यापारियों ने रायगंज में संग्रह सह शीतलन केंद्र स्थापित किए हैं जहाँ से दूध को दूर के शहरों और कस्बों में ले जाया जाता है।

2. पालमपुर में छोटे पैमाने पर विनिर्माण का एक उदाहरण-: वर्तमान में, पालमपुर में पचास से भी कम लोग विनिर्माण में लगे हुए हैं। कस्बों और शहरों में बड़े कारखानों में होने वाले विनिर्माण के विपरीत, पालमपुर में विनिर्माण में बहुत ही सरल उत्पादन विधियों का उपयोग होता है और यह छोटे पैमाने पर किया जाता है। इन्हें ज्यादातर घर पर या खेतों में परिवार के श्रम की मदद से किया जाता है। शायद ही कभी मजदूरों को काम पर रखा जाता है।



कुछ उदाहरण- :





3. पालमपुर के दुकानदार :पालमपुर में व्यापार (वस्तुओं का आदान-प्रदान) से जुड़े लोग बहुत ज़्यादा नहीं हैं। पालमपुर के व्यापारी दुकानदार हैं जो शहरों के थोक बाज़ारों से कई तरह की चीज़ें खरीदते हैं और उन्हें गाँव में बेचते है◌ं। आपको गाँव में छोटीछोटी जनरल स्टोर्स दिखेंगी जहाँ चावल-, गेहूँ, चीनी, चाय, तेल, बिस्किट, साबुन, टूथपेस्ट, बैटरी, मोमबत्ती, नोटबुक, पेन, पेंसिल, यहाँ तक कि कुछ कपड़े भी मिलते हैं। बस स्टैंड के नज़दीक रहने वाले कुछ परिवारों ने जगह के एक हिस्से पर छोटीछोटी- दुकानें खोल ली हैं। वे खानेपीने का सामान बेचते हैं।-

4. परिवहन:तेज़ी से विकसित हो रहा क्षेत्रपालमपुर को रायगंज से जोड़ने वाली सड़क पर कई तरह के वाहन हैं। : रिक्शावाला, तांगावाला, जीप, ट्रैक्टर, ट्रक ड्राइवर और पारंपरिक बैलगाड़ी और बोगी चलाने वाले लोग परिवहन सेवाओं से जुड़े लोग हैं। वे लोगों और सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाते हैं और बदले में उन्हें इसके लिए पैसे मिलते हैं। पिछले कई सालों में परिवहन से जुड़े लोगों की संख्या में काफ़ी वृद्धि हुई है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न / बहुविकल्पीय प्रश्न

1. पालमपुर गाँव में मुख्य उत्पादन गतिविधि है:
2. पालमपुर में कितने परिवार छोटे घर में रहते हैं?
3. वर्ष के दौरान एक ही भूमि पर एक से अधिक फसल उगाने को कहा जाता है:
4. पालमपुर गाँव में उत्पादन का कौन सा कारक सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में है?
5. पालमपुर गाँव में खरीफ मौसम की अवधि कौन सी है?
6. हरित क्रांति किससे संबंधित है:
7. पालमपुर में सिंचाई की व्यवस्था को किसने बदल दिया?
8. पालमपुर में पूंजी की व्यवस्था करने के लिए अधिकांश छोटे किसान कहाँ से पैसा उधार लेते हैं?
9. पालमपुर गाँव में कितनी आबादी में अनुसूचित जाति है?
10. पालमपुर गाँव में अनुसूचित जाति के लोग घरों में कौन सी चीजें बनाते थे?
11. अभिकथन)A): पालमपुर के लोग एक ही भूमि पर फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुफसल का अभ्यास करते हैं। कारण)R): खेती के तहत भूमि क्षेत्र निश्चित है और 1960 के बाद से खेती के तहत भूमि क्षेत्र में कोई विस्तार नहीं हुआ है।

कोड:

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

B) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D) A असत्य है, लेकिन A सत्य है

12 'बीघा' है -

A) पालमपुर का एक स्थानीय व्यंजन

B) एक स्थानीय भूमि मापन इकाई

C) एक मौसमी फसल

D) एक सांस्कृतिक उत्सव 1

13 भारत में हरित क्रांति के जनक.....

A) के सिवन

B) एमएस. स्वामीनाथन.

C) एससोमनाथ .

D) कैप्टन गोपीनाथ 1

14 कथन)A) पालमपुर में, पारंपरिक किस्मों से उगाए गए गेहूं की उपज 1300 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी। कथन)B) HYV बीजों के साथ, उपज 3100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। गेहूँ के उत्पादन में बड़ी वृद्धि हुई।

कोड:

A) कथन A और B दोनों सत्य हैं

B) कथन A और B दोनों असत्य हैं

C) कथन A सत्य है और B असत्य है

D) कथन A असत्य है और B सत्य है

उत्तर 1. खेती

उत्तर 2. 150

उत्तर 3. बहुफसल

उत्तर 4. भूमि

उत्तर 5. जूनजुलाई-

उत्तर 6. अनाज उत्पादन

उत्तर 7. ट्यूबवेल

उत्तर 8. गांव का साहूकार

उत्तर 9. एक तिहाई

उत्तर 10. मिट्टी और भूसा

11 A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है

11. B) एक स्थानीय भूमि मापन इकाई

12. B) एमएस. स्वामीनाथन.

13. C) कथन A सत्य है और B असत्य है

14. C) कथन A सत्य है और B असत्य है

लघु उत्तरीय प्रश्न

15. मिश्रीलाल को गुड़ बनाने की इकाई स्थापित करने के लिए कितनी पूंजी की आवश्यकता थी?

उत्तर- : मिश्रीलाल को गुड़ बनाने की इकाई स्थापित करने के लिए यांत्रिक गन्ना पेराई मशीन की आवश्यकता थी

16. क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि मिश्रीलाल अपना लाभ क्यों नहीं बढ़ा पा रहा है?

उत्तर- : वह अपना लाभ नहीं बढ़ा पा रहा है क्योंकि वह बड़े पैमाने पर गन्ने की पेराई नहीं कर रहा है।

17. खेती के लिए श्रम कैसे उपलब्ध कराया जाता है? 2

उत्तर :खेती के लिए श्रम निम्नलिखित दो तरीकों से उपलब्ध कराया जाता है -:

)i.) छोटे किसान अपने परिवार के साथ मिलकर अपने खेत में खेती करते हैं।

(ii) मध्यम और बड़े किसान अपने खेत में काम करके खेतिहर मजदूर के रूप में रहते हैं।

18. बहुफसली खेती क्या है?

उत्तरएक वर्ष में एक ही जमीन पर एक से अधिक फसल उगाना बहुफसली खेती कहलाता है -:

19. गांव में मुख्य उत्पादन गतिविधि कौन सी है? खेती के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव का उल्लेख करें? इसका दुष्प्रभाव क्या है?

उत्तरगांव में खेती मुख्य उत्पादन गतिविधि है।-:

● पिछले कुछ वर्षों में खेती के प्लास्टिकीकरण के तरीके में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। इनसे किसानों को एक ही जमीन से अधिक फसलें पैदा करने की अनुमति मिली है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि जमीन निश्चित और दुर्लभ है।लेकिन इसका दुष्प्रभाव भी है। उत्पादन बढ़ाने में जमीन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर बहुत अधिक दबाव डाला गया है, जो बहुत चिंता का विषय है।

20. 1960 के दशक के मध्य तक खेती कैसे की जाती थी?

उत्तर - :1960 के दशक के मध्य तक, किसान खेती की पारंपरिक पद्धति का उपयोग करते थे।

● खेती में इस्तेमाल किए जाने वाले बीज पारंपरिक थे, जिनकी उपज अपेक्षाकृत कम थी।

● पारंपरिक बीजों को कम सिंचाई की आवश्यकता होती थी।

● किसान खाद के रूप में गोबर और अन्य प्राकृतिक खाद का उपयोग करते थे।

ये सभी चीजें किसानों के पास आसानी से उपलब्ध थीं, जिन्हें उन्हें खरीदना नहीं पड़ता था।

21. भौतिक पूंजी के अंतर्गत कौनकौन सी चीजें आती हैं-?

उत्तरउपकरण - :, मशीनें, इमारतेंउपकरण और मशीनें बहुत ही सरल उपकरणों जैसे कि किसान के हल से लेकर : परिष्कृत मशीनों जैसे कि जनरेटर, टर्बाइन, कंप्यूटर आदि तक होती हैं।कच्चा माल और हाथ में पैसाउत्पादन के : लिए विभिन्न प्रकार के कच्चे माल की आवश्यकता होती है जैसे कि बुनकर द्वारा इस्तेमाल िया जाने वाला धागा और कुम्हार द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी। साथ ही, उत्पादन के दौरान भुगतान करने और अन्य आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिए हमेशा कुछ पैसे की आवश्यकता होती है।

22. पालमपुर में सिंचाई के किन्हीं तीन स्रोतों का वर्णन करें?

उत्तर:सिंचाई के विभिन्न स्रोत इस प्रकार हैं - :

(i कुआँ, झील

(ii) पंपिंग सेट ट्यूबवेल /

(III) नहर, बाँध

23. हरित क्रांति मिट्टी की उर्वरता के नुकसान से कैसे जुड़ी है?

उत्तरहरित क्रांति मिट्टी की उर्वरता के नुकसान से जुड़ी है। - :

(I) हरित क्रांति में रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है, जो मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता को कम करते हैं।

(ii) हरित क्रांति ने निस्संदेह खाद्यान्न के उत्पादन में वृद्धि की है, लेकिन मिट्टी की उर्वरता के नुकसान की कीमत पर।इसके परिणामस्वरूप मिट्टी का क्षरण भी हुआ है।

स्रोत आधारित

24. दिए गए अंश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : 4

मिश्रीलाल ने बिजली से चलने वाली एक यांत्रिक गन्ना पेराई मशीन खरीदी है और इसे अपने खेत में स्थापित किया है। पहले गन्ने की पेराई बैलों की मदद से की जाती थी, लेकिन आजकल लोग इसे मशीनों से करना पसंद करते हैं। मिश्रीलाल दूसरे किसानों से भी गन्ना खरीदता है और उससे गुड़ बनाता है। फिर गुड़ को शाहपुर के व्यापारियों को बेचा जाता है। इस प्रक्रिया में मिश्रीलाल को थोड़ा लाभ होता है।

(i) इस मामले में मजदूर कौन उपलब्ध कराता है?

(ii) क्या आप ऐसे कोई कारण सोच सकते हैं जब उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है?

(iii) मिश्रीलाल अपना गुड़ शाहपुर के व्यापारियों को क्यों बेचता है और इस गाँव में क्यों नहीं?

उत्तर) - :I.) इस मामले में, भूमिहीन किसानों को गुड़ निर्माण के लिए मजदूर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

(ii) जब फसल खराब होने के कारण गन्ना महंगा हो जाता है तो उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसके अलावा अगर उसे नियमित बिजली की आपूर्ति नहीं मिलती है, तो वह पेराई के लिए मशीन का उपयोग नहीं कर पाएगा, जिससे नुकसान हो सकता है।

) iii) मिश्रीलाल शाहपुर में व्यापारियों को अपना गुड़ बेचता है क्योंकि व्यापारियों से उसे अच्छी कीमत मिल जाती है। इसके अलावा गांवों में भी खपत ज्यादा नहीं है।

25. दिए गए अंश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:4

भारत के सभी गाँवों में सिंचाई का इतना उच्च स्तर नहीं है। नदी के मैदानों के अलावा, हमारे देश में तटीय क्षेत्र अच्छी तरह से सिंचित हैं। इसके विपरीत, दक्कन के पठार जैसे पठारी क्षेत्रों में सिंचाई का स्तर कम है। देश में कुल खेती योग्य क्षेत्र का 40 प्रतिशत से थोड़ा कम हिस्सा आज भी सिंचित है। शेष क्षेत्रों में, खेती मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर है।

A) दक्कन के पठार में सिंचाई का स्तर कम है। कारण बताएँ

B) पालमपुर में सिंचाई के विकास में बिजली ने कैसे मदद की?

उत्तर - :A) दक्कन के पठार में सिंचाई का स्तर कम है क्योंकि दक्कन का पठार दक्षिणपश्चिम मानसून के पवन-पक्ष - में स्थित है। पश्चिमी घाट दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए एक बाधा के रूप में कार्य करते हैं जिसके परिणामस्वरूप

पश्चिमी घाट के पश्चिमी भाग में अधिकतम वर्षा होती है और पश्चिमी घाट का पूर्वी भाग हवा में नमी की कमी के कारण शुष्क रहता है जहाँ दक्कन का पठार स्थित है।

B) पहले पालमपुर के लोग कुओं और ट्यूबवेल से पानी खींचने के लिए फ़ारसी पहियों का इस्तेमाल करते थे, ताकि फ़सल उगा सकें। लेकिन बिजली आने के बाद लोगों ने देखा कि बिजली से चलने वाले ट्यूबवेल पहले की तुलना में बहुत ज़्यादा ज़मीन की सिंचाई करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

26. "मानव पूंजी के बिना, प्राकृतिक संसाधनों और भौतिक पूंजी की उपस्थिति किसी काम की नहीं है"। उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि करें।

उत्तर-: मानव पूंजी अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रूप से प्राकृतिक संसाधनों और भौतिक पूंजी से संबंधित है। किसी भी प्राकृतिक संसाधन को आवश्यक या मूल्यवान वस्तु में बदलने के लिए भौतिक पूंजी या श्रम की आवश्यकता होती है, और श्रम को प्रेरित करने या बढ़ाने के लिए मानव पूंजी या धन की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, हमें प्राकृतिक संसाधन के रूप में गेहूँ मिला और इसे रोटी में बदलने के लिए औद्योगिक संशोधन की आवश्यकता होती है, जिसे मानव द्वारा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करके बनाए गए श्रम और मशीनों द्वारा संचालित किया जाता है।

इस प्रकार, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि यह मानव का ज्ञान और कौशल ही है जो मानव पूंजी के निर्माण में मदद करता है, बाद में यह प्राकृतिक संसाधनों के आगे विकास में मदद करता है।

27. "हरित क्रांति देश के लिए वरदान के साथसाथ प्रतिबंध भी बन गई-"।उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि करें।

उत्तर-:हाँ, हरित क्रांति हमारे लिए वरदान बन गई। इसने भारत में खाद्यान्न की कमी की समस्या को हल किया। इसने जमीन के एक छोटे से टुकड़े से अधिक उपज दी और किसानों को पहले की तुलना में अधिक आय प्राप्त करने में मदद की। अच्छी सिंचाई सुविधाओं ने कई लोगों को मानसून पर निर्भर रहने के बजाय पूरे साल फसल उगाने में मदद की। लेकिन साथ ही यह प्रतिबंध भी बन गया। चूंकि HYV बीजों के लिए आधुनिक उपकरणों की आवश्यकता होती है, इसलिए छोटे किसान इसे वहन नहीं कर सकते। उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग बैक्टीरिया को मारकर मिट्टी को प्रदूषित करता है और भूजल को भी प्रदूषित करता है। गहन खेती के कारण मिट्टी अपनी उर्वरता खो देगी जिसके लिए और अधिक रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता होगी। जैसा कि हमने पंजाब और हरियाणा के मामले में देखा है।

28. रासायनिक उर्वरक मिट्टी, भूजल, झीलों और नदियों पर प्रतिकूल प्रभाव कैसे डालते हैं? पंजाब राज्य में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के क्या प्रभाव थे?

उत्तर) - :i) रासायनिक उर्वरक खनिज प्रदान करते हैं जो पानी में घुल जाते हैं और पौधों को तुरंत उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन ये लंबे समय तक मिट्टी में नहीं रह सकते हैं। वे मिट्टी से निकल सकते हैं और भूजल, नदियों और झीलों को प्रदूषित कर सकते हैं।

(i) रासायनिक उर्वरक मिट्टी में बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्म जीवों को भी मार सकते हैं। इसका मतलब है कि उपयोग के कुछ समय बाद, मिट्टी पहले से कम उपजाऊ हो जाएगी।

(ii) पंजाब में रासायनिक खादों की खपत देश में सबसे अधिक है। रासायनिक खादों के निरंतर उपयोग से मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आई है।

(iii) उत्पादन के समान स्तर को बनाए रखने के लिए, पंजाब के किसान अधिक से अधिक रासायनिक खादों और अन्य इनपुट का उपयोग करते हैं। इससे न केवल फसलों की गुणवत्ता कम हुई है, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी कम हुई है।

29. उत्पादन का उद्देश्य क्या है? वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए क्या आवश्यकताएँ हैं? उनमें से प्रत्येक का वर्णन करें।

उत्तर- : उत्पादन का उद्देश्य उन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करना है जो हम चाहते हैं। वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए चार आवश्यकताएँ हैं:

(i) भूमिकोई भी उत्पादन गतिविधि भूमि के बिना नहीं हो सकती। यह बुनियादी आवश्यकता है। अन्य : प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, जंगल, खनिज भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

(ii) श्रमश्रम का मतलब है वे लोग जो काम करेंगे। कुछ उत्पादन गतिविधियों में आवश्यक कार्यों को करने के : लिए उच्च शिक्षित श्रमिकों की आवश्यकता होती है। अन्य गतिविधियों में ऐसे श्रमिकों की आवश्यकता होती है जो शारीरिक काम कर सकें।प्रत्येक श्रमिक उत्पादन के लिए आवश्यक श्रम प्रदान कर रहा है।

(iii) भौतिक पूंजीभौतिक पूंजी का अर्थ है उत्पादन के दौरान हर चरण में आवश्यक इनपुट की विविधता। : औजार, मशीनें, इमारतें कई सालों तक उत्पादन में इस्तेमाल की जा सकती हैं और इन्हें स्थायी पूंजी कहा जाता है। कच्चा माल और हाथ में मौजूद पैसे को कार्यशील पूंजी कहा जाता है। औजारों, मशीनों और इमारतों के विपरीत, इनका इस्तेमाल उत्पादन में होता है।

अध्याय - :2

संसाधन के रूप में लोग

सारांश-:

• अवलोकन एक परिसंपत्ति के रूप में जनसंख्या -

• विलास और सकल की दो अलगअलग कहा-नियाँ

• पुरुषों और महिलाओं के आर्थिक क्रियाकलाप

• जनसंख्या की गुणवत्ता - :1. शिक्षा 2. स्वास्थ्य

• बेरोज़गारी - :1. मौसमी 2. छिपी हुई (प्रच्छन्न) 3. शिक्षित

ये गतिविधियाँ राष्ट्रीय आय में **संवर्धन** करती हैं, इन गतिविधियों को **आर्थिक गतिविधियाँ** कहा जाता है।

• आर्थिक गतिविधियों के दो भाग होते हैं -**बाज़ार गतिविधियाँ** और **गैर बाज़ार-गतिविधियाँ।**

• **बाज़ार गतिविधियों** में किसी भी व्यक्ति को पारिश्रमिक दिया जाता है, यानी वेतन या लाभ के लिए की गई गतिविधि। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन शामिल है।

• **गैरबाज़ार गतिविधियाँ-** स्वउपभोग के लिए उत्पादन हैं। ये प्राथमिक उत्पाद का- उपभोग और प्रसंस्करण और अचल संपत्तियों का स्वयं के खाते में उत्पादन हो सकते हैं।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारणों से परिवार में पुरुषों और महिलाओं के बीच कार्य का विभाजन होता है। आमतौर पर महिलाएं घर के काम संभालती हैं और पुरुष खेतों में काम करते हैं।

• सकल की माँ शीला खाना बनाती है, बर्तन साफ करती है, कपड़े धोती है, घर की सफाई करती है और अपने बच्चों की देखभाल करती है। सकल के पिता बूटा खेत जोतते हैं, उपज को बाजार में बेचते हैं और परिवार के लिए पैसे कमाते हैं।

• शीला को परिवार के पालनपोषण के लिए दी गई सेवाओं- के लिए भुगतान नहीं किया जाता है। बूटा पैसे कमाता है, जिसे वह अपने परिवार के पालनपोषण पर खर्च करता है। महिलाओं को परिवार में दी गई उनकी सेवा के लिए - भुगतान नहीं किया जाता है।**महिलाओं द्वारा किए गए घरेलू काम को राष्ट्रीय आय में मान्यता नहीं दी जाती है।**

• विलास की माँ गीता मछली बेचकर आय अर्जित करती थी। इस प्रकार **महिलाओं को श्रम बाजार में प्रवेश करने पर उनके काम के लिए भुगतान किया जाता है।उनके पुरुष समकक्षों की तरह उनकी कमाई शिक्षा और कौशल के आधार पर निर्धारित होती है**।

शिक्षा- :

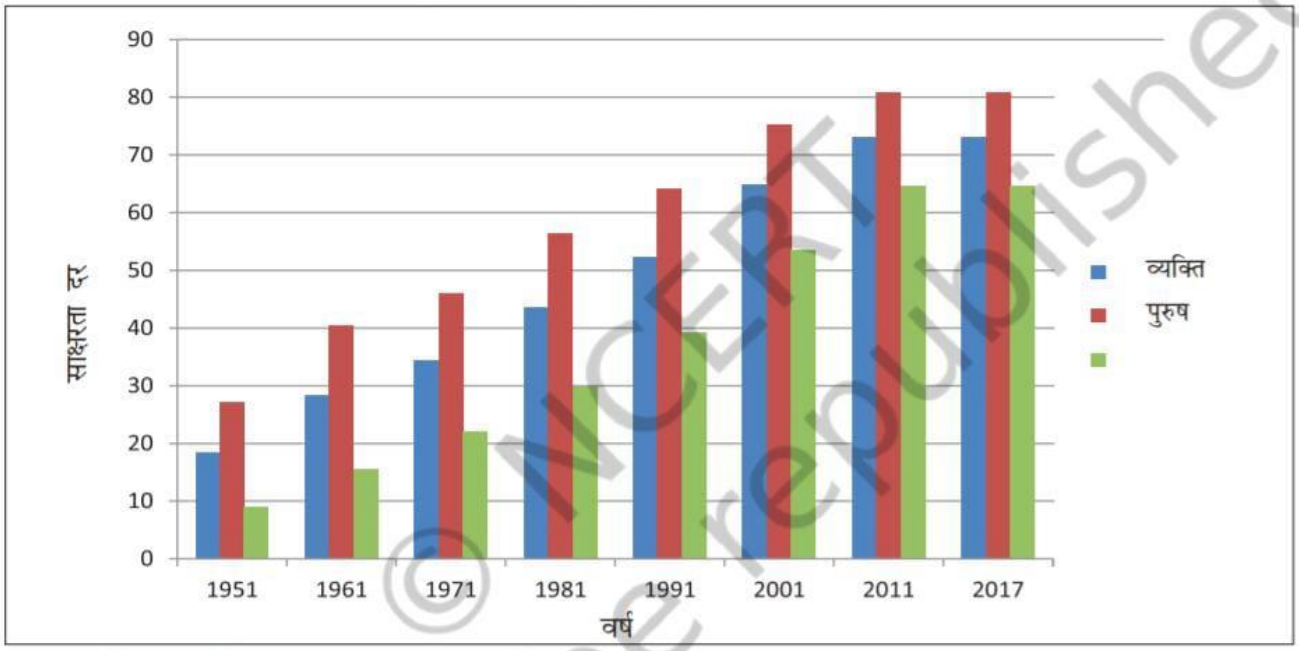
• शिक्षा मानव के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है। इसने उनके लिए नए क्षितिज खोले, नई आकांक्षाएँ प्रदान कीं और जीवन के मूल्यों को विकसित किया। न केवल मानव के लिए, बल्कि शिक्षा समाज के विकास में भी योगदान देती है।

• यह राष्ट्रीय आय, सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ाती है और **शासन की दक्षता** को बढ़ाती है।

• "सर्व शिक्षा अभियान 2010 तक 6-14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैयह प्रारंभिक ... शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्यों, स्थानीय सरकार और समुदाय के साथ साझेदारी में केंद्र सरकार की समयबद्ध पहल है।"

• बच्चों की उपस्थिति और ठहराव को प्रोत्साहित करने और उनकी पोषण स्थिति में सुधार करने के लिए **मध्याह्न भोजन योजना** लागू की गई है। ये नीतियाँ भारत की साक्षर आबादी में इज़ाफा कर सकती हैं।

आरेख 2.1 : स्वतंत्र भारत में साक्षरता दर में रुझान



स्रोत : भारत की जनगणना, महा रजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, 2021
mospi.gov.in

© NCERT not republished

18 से 23 वर्ष की आयु वर्ग में उच्च शिक्षा में **सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)**2019-20 में 27% है, जो मोटे तौर पर विश्व औसत के अनुरूप होगा। रणनीति राज्यविशिष्ट पाठ्यक्रम संशोधन-, व्यावसायिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर नेटवर्किंग की पहुंच, गुणवत्ता और अपनाने को बढ़ाने पर केंद्रित है। दूरस्थ शिक्षा, औपचारिक, अनौपचारिक, दूरस्थ और आईटी शिक्षा संस्थानों के अभिसरण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

स्वास्थ्य- : क्या आपको लगता है कि कोई भी फर्म ऐसे लोगों को काम पर रखने के लिए प्रेरित होगी जो खराब स्वास्थ्य के कारण **स्वस्थ कर्मचारी के रूप में कुशलता से काम नहीं कर सकते हैं?**

स्वास्थ्य किसी के स्वास्थ्य को महसूस करने के लिए एक अनिवार्य आधार है। इसलिए, जनसंख्या की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार देश की प्राथमिकता रही है।

पिछले पाँच दशकों में, भारत ने एक विशाल **स्वास्थ्य अवसंरचना** का निर्माण किया है और सरकारी, साथ ही निजी क्षेत्र में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र में आवश्यक जनशक्ति का भी विकास किया है।

अपनाए गए इन उपायों ने 2021 में **जीवन प्रत्याशा** को 67.2 वर्ष से अधिक तक बढ़ा दिया है। **शिशु मृत्यु दर)IMR)** 1951 में 147 से घटकर 2020 में 28 हो गई है। इसी अवधि के दौरान अशोधित जन्म दर 20.0 (2020) और मृत्यु दर 6 (2020) तक गिर गई है।

स्रोत : राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल, 2022mohfw.gov.in (जिसे देखा 29/09/2021, 6/2/भारत के 2024 (महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय

- **शिशु मृत्यु दर** से अभिप्राय एक वर्ष से कम आयु के शिशु की मृत्यु से है।
- **जन्मदर-** से अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या से है।

- **मृत्युदर-** से अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे मरने वाले लोगों की संख्या से है।

सारणी 2.2 : संबंधित वर्षों की स्वास्थ्य आधारिक संरचना

	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2021
उपकेंद्र / प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र / सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	1,82,709	1,84,359	1,85,933	1,87,505	1,89,784	1,78,548	1,94,349
औषधालय तथा अस्पताल	29,715	29,957	30,044	31,641	31,733	31,986 आयुष प्रभाग के अंतर्गत	36,068 आयुष प्रभाग के अंतर्गत
बिस्तर (सरकारी)	6,75,779	7,54,724	6,34,879	7,10,761	7,13,986	8,18,396	849 206
राज्य चिकित्सा परिषद् और भारतीय चिकित्सा परिषद् में पंजीकृत डॉक्टर	41,070	43,929	48,076	48,747	56,417 पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में	63,809 पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में	--
नर्सिंगकर्मी (ए.एन.एम + आर एन एवं आर एम + एल.एच.वी)	26,21,981	26,39,229	27,78,248	28,78,182	29,66,375	1,201 393 (2020)	3,514,373

एस.सी.– उपकेन्द्र, पी.एच.सी.– प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सी.एच.सी.– सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ए.एन.एम.– सहायक नर्स दाई, आर.एन. और आर.एम.– पंजीकृत नर्स और पंजीकृत दाई, एल.एच.वी.– महिला स्वास्थ्य आगंतुक

स्रोत : राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल 2016, 2017, 2018, 2020, 2022 केन्द्रीय स्वास्थ्य सूचना ब्यूरो, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।

बेरोजगारी- :बेरोजगारी तब होती है जब लोग जो मौजूदा वेतन पर काम करने को तैयार हैं, उन्हें नौकरी नहीं मिलती।

•**कार्यबल** की आबादी में 15 वर्ष से 59 वर्ष तक के लोग शामिल हैं।

भारत के मामले में हमारे पास ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी है। हालांकि, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की प्रकृति अलगअलग है। ग्रामीण क्षेत्रों के मामले में-, **मौसमी** और **छिपी हुई बेरोजगारी** है। शहरी क्षेत्रों में ज्यादातर **शिक्षित बेरोजगारी** है।

• **मौसमी बेरोजगारी** तब होती है जब लोग साल के कुछ महीनों के दौरान नौकरी नहीं पा पाते हैं। कृषि पर निर्भर लोगों को आमतौर पर इस तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है।

• **छिपी** (**प्रच्छन्न**) **हुई** बेरोजगारी के मामले में लोग रोजगार में लगे हुए दिखते हैं। उनके पास कृषि भूमि होती है, जहाँ उन्हें काम मिलता है। यह आमतौर पर कृषि गतिविधि में लगे परिवार के सदस्यों के बीच होता है। काम के लिए पाँच लोगों की सेवा की आवश्यकता होती है, लेकिन आठ लोग काम करते हैं। तीन लोग अतिरिक्त हैं। ये तीन लोग भी उसी भूमि पर काम करते हैं, जहाँ अन्य लोग काम करते हैं। तीन अतिरिक्त लोगों द्वारा किया गया योगदान पाँच लोगों द्वारा किए गए योगदान में नहीं जुड़ता। यदि तीन लोगों को हटा दिया जाए तो खेत की उत्पादकता में कमी नहीं आएगी। खेत को पाँच लोगों की सेवा की आवश्यकता होती है और तीन अतिरिक्त लोग छिपी हुई बेरोजगारी हैं।

• शहरी क्षेत्रों के मामले में **शिक्षित बेरोजगारी** एक आम घटना बन गई है। मैट्रिकुलेशन, ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन की डिग्री वाले कई युवा नौकरी नहीं पा पाते हैं।

बेरोजगारी से जनशक्ति संसाधन की बर्बादी होती है। **जो लोग अर्थव्यवस्था के लिए एक परिसंपत्ति हैं, वे एक दायित्व में बदल जाते हैं।**

बेरोजगारी का अर्थव्यवस्था के समग्र विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। बेरोजगारी में वृद्धि एक उदास अर्थव्यवस्था का सूचक है। यह संसाधन को भी बर्बाद करता है, जिसका लाभप्रद रूप से उपयोग किया जा सकता था। यदि लोगों को संसाधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता तो वे स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था के लिए दायित्व बन जाते हैं।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न / बहुविकल्पीय प्रश्न

1 जीडीपी का पूरा नाम क्या है?

2 शिशु मृत्यु दर क्या है?

3 विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करने के लिए आवश्यक भौतिक ढाँचे को कहा जाता है ----------

4 दिया गया चित्र किस प्रकार की गतिविधियों को दर्शाता है?



5 फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव किस क्षेत्र की गतिविधि है?

6 क्या बाजार में चाय की दुकान से चाय पीना एक गैरआर्थिक गतिविधि है-?

7 - प्रति वर्ष प्रति हजार जीवित जन्मों की संख्या को संदर्भित करता है।

8 नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं :

अभिकथन)A) और तर्क)R)। कथनों को पढ़ें और उपयुक्त विकल्प चुनें।

अभिकथन)A): शिक्षित माता पिता बच्चों की शिक्षा पर अधिक निवेश करते पाए जाते हैं।-

कारण)R): उन्होंने स्वयं के लिए शिक्षा के महत्व को महसूस किया है।

विकल्प :A) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है लेकिन R सत्य है

9 एक व्यक्ति कागज की सहायता से लिफाफे बना रहा है। उसकी गतिविधि किस क्षेत्र में शामिल है?

10आप किस पूंजी को सर्वश्रेष्ठ मानेंगे भूमि, श्रम, भौतिक पूंजी या मानव पूंजी?

11 शिक्षक ने यह संकेत देकर बेरोजगारी पर कक्षा IX में एक प्रश्न पूछा। काम के लिए पाँच लोगों की सेवा की आवश्यकता है, लेकिन आठ लोगों को काम पर लगाया जाता है। तीन लोग अतिरिक्त हैं। ये तीन लोग भी उसी प्लॉट पर काम करते हैं, जिसमें अन्य लोग काम करते हैं।तीन अतिरिक्त लोगों द्वारा किया गया योगदान पाँच लोगों द्वारा किए गए योगदान में नहीं जुड़ता है। यदि तीन लोगों को हटा दिया जाए तो क्षेत्र की उत्पादकता में गिरावट नहीं आएगी।

ऊपर दिए गए प्रश्न में पूछे गए बेरोजगारी के प्रकार का सुझाव दें।

(a) शिक्षित बेरोजगारी

(b) प्रच्छन्न बेरोजगारी

© मौसमी बेरोजगारी

(d)उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. कक्षा IX के दो छात्र अर्थव्यवस्था और रोजगार के क्षेत्रों के बारे में चर्चा कर रहे थे।छात्र 1 ने एक प्रश्न पूछा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे अधिक श्रम अवशोषित करने वाला क्षेत्र कौन सा है?

सही विकल्प चुनने में छात्र 2 की मदद करें।

A) विनिर्माण क्षेत्र

B) आईटी क्षेत्र

C) कृषि सेवा क्षेत्र

D) सेवा क्षेत्र

उत्तर : -

1 सकल घरेलू उत्पाद

2 प्रति 1000 जीवित जन्मों पर एक वर्ष से कम आयु के शिशुओं की मृत्यु की संख्या।

3 बुनियादी ढांचा

4 प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक गतिविधियाँ

5 यह कृषि की गतिविधि है, इसलिए यह प्राथमिक क्षेत्र है।

6 नहीं, हम चाय के लिए भुगतान करते हैं और इस प्रकार यह एक आर्थिक गतिविधि है।

7 जन्म दर

8 (एए और आर दोनों सत्य हैं ((, और आर ए की सही व्याख्या है

9 द्वितीयक क्षेत्र

10 मानव पूंजी

11 एछिपी हुई बेरोजगारी .

12 सीकृषि क्षेत्र .

लघु उत्तरीय प्रश्न

13. बेरोजगारी के मामले में ग्रामीण क्षेत्र शहरी क्षेत्रों से किस प्रकार भिन्न हैं?

उत्तर- : ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी और छिपी हुई बेरोजगारी है जबकि शहरी क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगारी है।

14. मनुष्यों में निवेश कैसे किया जा सकता है?

उत्तर- : शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के प्रावधान के माध्यम से मनुष्यों में निवेश किया जा सकता है।

15. गैरबाजार गतिविधियाँ क्या हैं-? दो उदाहरण दें।

उत्तर- : गैरबाजार ग-तिविधियाँ वे गतिविधियाँ हैं जो स्वयं के उपभोग के लिए की जाती हैं जैसे प्राथमिक उत्पादों का उपभोग और प्रसंस्करण और अचल संपत्तियों का स्वयं के खाते में उत्पादन। उदाहरण स्वयं के उपभोग के लिए - फसल उगाना एक शिक्षक अपने बच्चे को पढ़ा रहा है। या कोई दो प्रासंगिक उदाहरण

16. अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक दो चीजों का उल्लेख करें।

उत्तरसंतुलित और पौष्टिक आहार**:** - (ए(बी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ (

17. तृतीयक गतिविधियाँ क्या हैं?

उत्तर- : तृतीयक गतिविधियों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, बैंकिंग, व्यापार, परिवहन, पर्यटन, बीमा आदि जैसी सेवाएँ शामिल हैं। ये सेवाएँ प्राथमिक और द्वितीयक गतिविधियों के सुचारू संचालन में मदद करती हैं।

18. मानव पूंजी क्या है?

उत्तर- : किसी व्यक्ति या आबादी के पास मौजूद कौशल, ज्ञान और अनुभव व्यक्ति या आबादी की गुणवत्ता में सुधार करते हैं और इस प्रकार उन्हें एक महान संपत्ति में बदल देते हैं। इसे मानव पूंजी के रूप में जाना जाता है।

19. प्रच्छन्न बेरोजगारी और मौसमी बेरोजगारी के बीच क्या अंतर है?

उत्तर- : प्रच्छन्न बेरोजगारीमौसमी बेरोजगारी*

D) प्रच्छन्न बेरोजगारी में व्यक्ति कार्यरत दिखते हैं लेकिन कार्यरत नहीं होते हैं।

1. मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब व्यक्ति वर्ष के कुछ महीनों के दौरान नौकरी हासिल नहीं कर पाता है।
2. इसे ज्यादातर कृषि में देखा जा सकता है।
3. इसे ज्यादातर कृषि आधारित उद्योगों में देखा जा सकता है।
4. इस प्रकार की बेरोजगारी केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाती है।
5. इस प्रकार की बेरोजगारी ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पाई जाती है।

20. विलास और सकल दो दोस्तों में क्या अंतर है? वे क्या हैं?

उत्तर)- :i) सकल स्कूल जाता था, लेकिन विलास स्कूल नहीं जाता था।

(ii) सकल की पढ़ाई में रुचि थी जबकि विलास की पढ़ाई में रुचि नहीं थी।

(iii) सकल ने कंप्यूटर का कोर्स किया और नौकरी लग गई, जबकि विलास अनपढ़ रह गया और उसे नौकरी नहीं मिली।

(iv) सकल और उसके परिवार की स्थिति बेहतर हो गई जबकि विलास और उसका परिवार गरीबी में जी रहा था। (कोई तीन)

21. ग्रामीण क्षेत्रों में कौनसी दो प्रकार की बेरोजगारी है-? इसके लिए जिम्मेदार कोई तीन कारक लिखिए।

उत्तर- :1. छिपी हुई बेरोजगारी,

(ii) मौसमी बेरोजगारी। कारण:

*अधिक जनसंख्या के कारण बड़े परिवार।

*कृषि में विविधीकरण का अभाव।

*पूंजी की कमी।

22. प्रच्छन्न हुई बेरोजगारी क्या है? बेरोजगारी के दो परिणाम बताइए।

उत्तर- : यह एक ऐसी स्थिति है जब लोग रोजगार में लगे हुए दिखते हैं लेकिन वास्तव में वे होते नहीं हैं जैसे कृषि में अगर पाँच लोग काम कर रहे हैं लेकिन केवल तीन की आवश्यकता है, तो दो लोग प्रच्छन्न बेरोजगार हैं। बेरोजगारी के दो परिणाम -1. इससे जनशक्ति की बर्बादी होती है। 2. जो लोग अर्थव्यवस्था के लिए एक परिसंपत्ति हैं वे एक दायित्व में बदल जाते हैं। या कोई दो प्रासंगिक बिंदु।

23 बाज़ार और गैरबाज़ार गतिविधियों के बीच कम से कम तीन अंतर बताइए।-

उत्तर- :बाज़ार गतिविधियों में किसी भी व्यक्ति को पारिश्रमिक दिया जाता है, जो भुगतान या लाभ के लिए की गई गतिविधि करता है। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन शामिल है।गैरबाज़ार गतिविधियाँ - स्व-उपभोग के लिए उत्पादन हैं। ये प्राथमिक उत्पाद का उपभोग और प्रसंस्करण और अचल संपत्तियों का स्वयं के खाते में उत्पादन हो सकते हैं।

24. भारत में शिक्षित बेरोजगारी एक अनोखी समस्या क्यों है?

उत्तर- : भारत की आबादी बहुत बड़ी है और हर साल बड़ी संख्या में लोग स्कूल और कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन, शैक्षणिक संस्थानों से निकलने वाले शिक्षित लोगों की संख्या के साथ तालमेल नहीं रख पा रहा है। इस वजह से, शिक्षित बेरोजगारी भारत की एक अनोखी समस्या है।

स्रोत आधारित

25 स्रोत को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

आइए पहले बताए गए तीन क्षेत्रों में रोजगार परिदृश्य के बारे में चर्चा करें। कृषि, अर्थव्यवस्था का सबसे अधिक श्रम अवशोषित करने वाला क्षेत्र है। हाल के वर्षों में, पहले चर्चा की गई छिपी हुई बेरोजगारी के कारण आंशिक रूप से कृषि पर जनसंख्या की निर्भरता में गिरावट आई है। कृषि में अधिशेष श्रम का कुछ हिस्सा द्वितीयक या तृतीयक क्षेत्र में चला गया है। द्वितीयक क्षेत्र में, लघु पैमाने का विनिर्माण सबसे अधिक श्रम अवशोषित करता है। तृतीयक क्षेत्र के मामले में, अब जैव प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसी विभिन्न नई सेवाएँ दिखाई दे रही हैं।

कृषि अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र का उदाहरण है? (1)

तृतीयक क्षेत्र का दूसरा नामहै। (1)

कृषि पर जनसंख्या की निर्भरता में गिरावट का कारण क्या है? (2)

उत्तर) - :I) प्राथमिक)ii) सेवा क्षेत्र)III) यह मौसमी बेरोजगारी, छिपी हुई बेरोजगारी पैदा करता है, भारतीय किसान महंगे आधुनिक इनपुट खरीदने में असमर्थ हैं।

26 दिए गए गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जापान जैसे देशों ने मानव संसाधन में निवेश किया है। उनके पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं था। ये देश विकसितसमृद्ध हैं। वे अपने देश में आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात करते हैं। वे कैसे समृद्ध/विकसित / हुए? उन्होंने लोगों पर निवेश किया है, खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में। इन लोगों ने भूमि और पूंजी जैसे अन्य

संसाधनों का कुशल उपयोग किया है। लोगों द्वारा विकसित की गई दक्षता और प्रौद्योगिकी ने इन देशों को समृद्धविकसित बनाया है।/

(I) **शिक्षा का क्या महत्व है?** (1)

(II) **भारत में पुरुषों में साक्षरता दर अधिक और महिलाओं में कम क्यों है?** (1)

(III) **परिवार में पुरुषों और महिलाओं के बीच श्रम का विभाजन क्यों है?** (2)

उत्तर) - :I) शिक्षा व्यक्ति को उनके सामने उपलब्ध आर्थिक अवसरों का बेहतर उपयोग करने में मदद करती है।)ii) अधिकांश महिलाओं की शिक्षा कम है और कौशल विकास कम है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कम वेतन दिया जाता है।)III) ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारणों से परिवार में पुरुषों और महिलाओं के बीच श्रम का विभाजन होता है

27 स्रोत को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

भारत के मामले में हमारे पास ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी है। हालाँकि, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की प्रकृति अलगअलग है। ग्रामीण क्षेत्रों के मामले में-, मौसमी और छिपी हुई बेरोजगारी है। शहरी क्षेत्रों में ज्यादातर शिक्षित बेरोजगारी है। मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब लोग साल के कुछ महीनों के दौरान नौकरी नहीं पा पाते हैं। कृषि पर निर्भर लोगों को आमतौर पर इस तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। कुछ व्यस्त मौसम होते हैं जब बुवाई, कटाई, निराई और थ्रेसिंग का काम होता है। कुछ महीने कृषि पर निर्भर लोगों को ज्यादा काम नहीं देते हैं। छिपी हुई बेरोजगारी के मामले में लोग कार्यरत दिखते हैं। उनके पास कृषि भूखंड है जहाँ उन्हें काम मिलता है। यह आमतौर पर कृषि गतिविधि में लगे परिवार के सदस्यों के बीच होता है। काम के लिए पाँच लोगों की सेवा की आवश्यकता होती है, लेकिन आठ लोग इसमें लगे होते हैं। तीन लोग अतिरिक्त हैं। ये तीन लोग भी उसी भूखंड पर काम करते हैं जिसमें दूसरे लोग काम करते हैं। तीन अतिरिक्त लोगों द्वारा किया गया योगदान पाँच लोगों द्वारा किए गए योगदान में नहीं जुड़ता है। यदि तीन लोगों को हटा दिया जाए तो खेत की उत्पादकता में गिरावट नहीं आएगी। खेत में पाँच लोगों की सेवा की आवश्यकता होती है और तीन अतिरिक्त लोग प्रच्छन्न रूप से बेरोजगार होते हैं।

(i) मान लीजिए कि आप एक खेत मजदूर हैं। कटाई के मौसम के बाद आपके पास अपने परिवार का भरणपोषण - करने के लिए कोई काम नहीं है। आप किस प्रकार की बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं? (1)

(ii) एक व्यक्ति स्नातकोत्तर छात्र है, जो अपने पाठ्यक्रम में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के बावजूद काम पाने में असमर्थ है। वह व्यक्ति किस प्रकार की बेरोजगारी का सामना कर रहा है? (1)

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? (2)

उत्तर) - :I) मौसमी बेरोजगारी

(ii) शैक्षिक बेरोजगारी

(iv) खेत मजदूरों और छोटे किसानों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना। ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों में - कारखाने स्थापित करना

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

28**सर्व शिक्षा अभियान की पाँच मुख्य विशेषताएँ** बताइए।

उत्तर- :1. प्राथमिक विद्यालय प्रणाली को मजबूत करने के लिए, सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) की योजना2001 में शुरू की गई थी।
2. सभी 6-14 आयु वर्ग के बच्चों से 2010 तक आठ साल की स्कूली शिक्षा पूरी करने की अपेक्षा की गईथी।
3. यह प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य, स्थानीय सरकार और समुदाय के साथ साझेदारी में केंद्र सरकार की समयबद्ध पहल या कार्यक्रम के रूप में शुरू हुआ।
4. इस कार्यक्रम ने लड़कियों, एससीएसटी और अन्य बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने के साथ / पूरे देश को कवर किया है।
5. इसके साथ ही, प्रारंभिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए ब्रिज कोर्स और बैकटू-स्कूल कैंप शुरू किए गए। बच्चों -

29 मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण करें। ?

उत्तर-:1. शिक्षित लोग अशिक्षित लोगों से अधिक कमाते हैं।
2. साक्षर जनसंख्या अर्थव्यवस्था के लिए एक परिसंपत्ति है।
3. इससे उत्पादकता बढ़ती है।
4. इससे व्यक्ति के लिए नए रास्ते खुलते हैं।
5. इससे नई आकांक्षाएँ पैदा होती हैं और जीवन के मूल्यों का विकास होता है।
यदियह समाज के विकास में योगदान देता है। (
6. इससे राष्ट्रीय आय, सांस्कृतिक समृद्धि और शासन की दक्षता बढ़ती है।
30 अर्थव्यवस्था के समग्र विकास पर बेरोज़गारी के किन्हीं पाँच प्रभावों की व्याख्या करें।
उत्तर-:
1. इससे जनशक्ति संसाधन की बर्बादी होती है।
2. जो लोग परिसंपत्ति हैं, वे दायित्व बन जाते हैं।
3. इससे युवा लोगों में निराशा और हताशा की भावना पैदा होती है।'
4. इससे आर्थिक अधिभार बढ़ता है।
5. व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

3. निर्धनता एक चुनौती

परिचय

भारत में 2011-12 के आकड़े के अनुसार लगभग 270 मिलियन (या 27 करोड़) लोग गरीबी में रहते हैं । इसका मतलब ये भी है कि भारत दुनिया में गरीबों का सबसे बड़ा एकल संकेन्द्रण है । यह चुनौती की गंभीरता को दर्शाता है। गरीब होने के अलावा गरीबी के कई अन्य आयाम भी हैं जैसे भूख, आश्रय की कमी, असमर्थता ,शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुंच। सबसे बढ़कर, इसका अर्थ है असहायता की भावना के साथ जीना।

निर्धनता रेखा:

● किसी व्यक्ति को गरीब माना जाता है यदि उसकी आय या उपभोग का स्तर बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी दिए गए "न्यूनतम स्तर " से नीचे आता है। इन बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के आवश्यक साधन अलग-अलग होते हैं, इसलिए गरीबी रेखा अलग-अलग होती है ,यह समय और स्थान के अनुसार भिन्न हो सकता है।

● भारत में बुनियादी जरूरतों की भौतिक मात्रा रुपये में उनकी कीमतों से कई गुना बढ़ जाती है।

● गरीबी रेखा का आकलन करते समय भोजन की आवश्यकता का वर्तमान फार्मूला वांछित कैलोरी की आवश्यकता पर आधारित है, भारत में स्वीकृत औसत कैलोरी आवश्यकता प्रति व्यक्ति 2400 कैलोरी है,ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2100 कैलोरी और शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 2100 कैलोरी।

●इन गणनाओं के आधार पर, वर्ष 2011-12 के लिए, एक व्यक्ति के लिए गरीबी रेखा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 816 रुपये प्रति माह और शहरी क्षेत्रों के लिए 1000 रुपये निर्धारित की गई थी।

●प्रतिदर्श सर्वेक्षण आयोजित करके गरीबी रेखा का अनुमान समय-समय पर (सामान्यतः हर पांच साल में) लगाया जाता है। ये सर्वेक्षण राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) द्वारा किए जाते हैं। हालाँकि, विकासशील देशों के बीच तुलना करने के लिए, विश्व बैंक जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन गरीबी रेखा के लिए एक समान मानक का उपयोग करते हैं: प्रति व्यक्ति प्रति दिन $1.90 के बराबर की न्यूनतम उपलब्धता (2011, पीपीपी)।

वैश्विक गरीबी परिदृश्य:

विभिन्न देशों में अत्यधिक आर्थिक गरीबी में रहने वाले लोगों का अनुपात 36 प्रतिशत से गिर गया है
1990 में प्रतिशत से 2015 में 10 प्रतिशत।

गरीबी का अनुमान:

● भारत में गरीबी अनुपात में भारी गिरावट आई है, जो 1993-94 में लगभग 45 प्रतिशत से घटकर 2004-05 में 37.2 प्रतिशत हो गया है। जो 2011-12 में गिरकर लगभग 22 प्रतिशत तक हो गयी है ।

● हालाँकि पहले के दो दशकों (1973-1993) में गरीबी के नीचे रहने वाले लोगों के प्रतिशत में गिरावट आई थी, गरीबों की संख्या 2004-05 में 407 मिलियन से घटकर 2011-12 में 270 मिलियन हो गई। जिसमे 2.2 प्रतिशत अंक की औसत वार्षिक गिरावट 2004-05 से 2011-12 के दौरान हुई ।

Table 3.1: Estimates of Poverty in India (Tendulkar Methodology)

	Poverty ratio (%)			Number of poor (in millions)		
Year	Rural	Urban	Total	Rural	Urban	Combined
1993-94	507	32	45	329	75	404
2004-05	42	26	37	326	81	407
2009-10	34	21	30	278	76	355
2011-12	26	14	22	217	53	270

Source: Economic Survey 2017-18

(आंकड़ों में भारत, 2018, भारत सरकार केंद्रीय सांख्यिकी office.niti.gov.in/state-statistics (15 नवंबर, 2021 को एक्सेस किया गया)

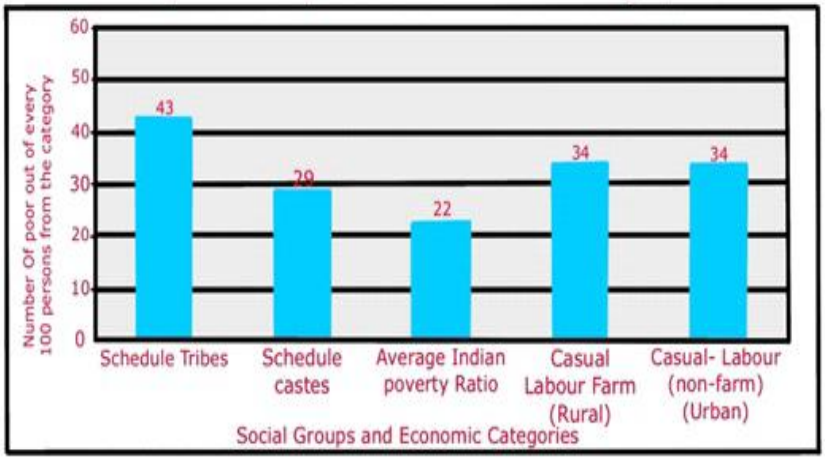
भारत में निर्धनता का वितरण

कमजोर वर्ग:

● कुछ सामाजिक समूह जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और आर्थिक समूह जैसे ग्रामीण खेतिहर मजदूर और शहरी दिहाड़ी मजदूर गरीबी के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।

● एक परिवार के भीतर आय की असमानता है। गरीब परिवारों में सभी पीड़ित होते हैं, लेकिन कुछ अन्य इससे भी अधिक पीड़ित होते हैं। कुछ मामलों में, महिलाओं, बुजुर्गों और महिला शिशुओं को परिवार के लिए उपलब्ध संसाधनों तक समान पहुंच से वंचित किया जाता है।

Graph 3.1 : Poverty In India 2011-12: Most vulnerable groups



अंतरराज्यीय असमानताएँ:

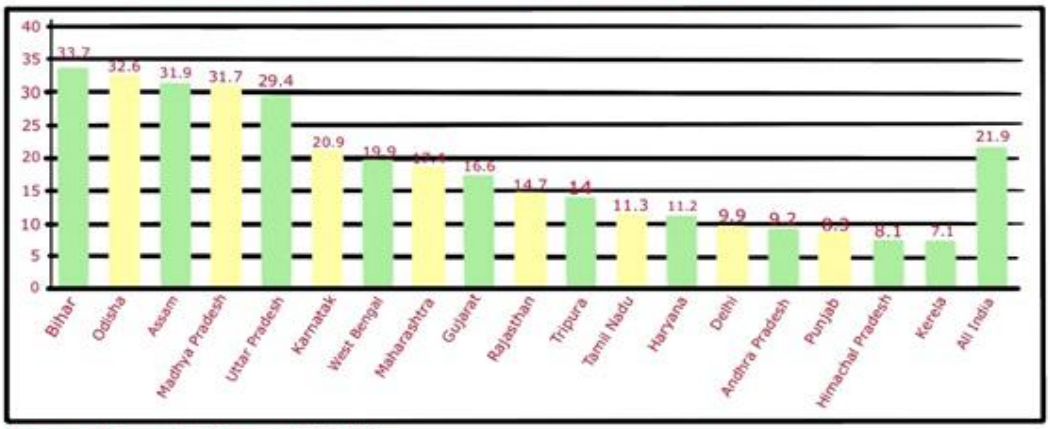
● हर राज्य में गरीब लोगों का अनुपात एक जैसा नहीं है।

● बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों में गरीबी का स्तर अखिल भारतीय स्तर से ऊपर है।

● पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य परंपरागत रूप से उच्च कृषि विकास दर की मदद से गरीबी कम करने में सफल रहे हैं

केरल ने मानव संसाधन विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है।

Graph 3.2: poverty Ratio in Selected Indian States. (As per 2011 Census)



Source: Economic Survey 2017-18.

भारत में निर्धनता के कारण:

● ब्रिटिश औपनिवेशिक प्रशासन के तहत आर्थिक विकास का निम्न स्तर (ऐतिहासिक कारण)।इसके परिणामस्वरूप रोजगार के कम अवसर और आय की कम वृद्धि दर के साथ-साथ जनसंख्या की दर में उच्च वृद्धि भी हुई ,दोनों ने मिलकर प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर को बहुत कम कर दिया।

● हरित क्रांति का भारत के कुछ भागों तक सीमित प्रभाव।

● सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के उद्योगों ने सभी नौकरी तलाशने वाले को समाहित करने के लिए पर्याप्त नौकरियाँ प्रदान नहीं कीं। अनियमित आय के कारण शहरी बेरोजगार लोग खराब जीवन स्थितियों में झुग्गियों में रहने लगे,जिसने गरीबी को भी एक शहरी घटना बना दिया।

लक्षित निर्धनता- निरोधी कार्यक्रम:

● महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक परिवार को 100 दिन मजदूरी रोजगार प्रदान करना है। इसका उद्देश्य सतत विकास में मदद करना ताकि सूखे, वनों की कटाई और मिट्टी के कटाव के कारणों का समाधान किया जा सके । इस प्रावधान के तहत एक तिहाई प्रस्तावित नौकरियाँ महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

● प्रधान मंत्री रोज़गार योजना (PMRY-1993) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्व-रोज़गार के अवसर पैदा करना है।

● ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम (आरईजीपी-1995) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है।

● स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई -1999) का उद्देश्य सहायता प्राप्त गरीब परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करके बैंक ऋण और सरकारी सब्सिडी के माध्यम से गरीबी रेखा से ऊपर लाना है।

● प्रधान मंत्री ग्रामोदय योजना (पीएमजीवाई -2000): इसके अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, ग्रामीण आश्रय, ग्रामीण पेयजल और ग्रामीण विद्युतीकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता दी जाती है।

कार्यान्वयन में समस्याएँ:

● इन उपायों में उचित कार्यान्वयन और सही लक्ष्यीकरण का अभाव कम प्रभावशीलता का प्रमुख कारण है

● इसके अलावा, योजनाओं में बहुत अधिक ओवरलैपिंग है।

● अच्छी मंशा के बावजूद इन योजनाओं का लाभ पात्र गरीबों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाता है।इसलिए, हाल के वर्षों में मुख्य जोर सभी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम की उचित निगरानी पर है।

आगे की चुनौतियाँ:

भारत में गरीबी निश्चित रूप से कम हुई है। लेकिन प्रगति के बावजूद, गरीबी में कमी भारत में सबसे अधिक है

भावी चुनौती.

● ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तथा विभिन्न राज्यों के बीच गरीबी में व्यापक असमानताएँ।

● कुछ सामाजिक और आर्थिक समूहों की गरीबी के प्रति अधिक संवेदनशीलता।

● हालाँकि, गरीबी की आधिकारिक परिभाषा वास्तव में गरीबी का केवल एक सीमित हिस्सा ही बताती है। यह लोगों के जीवन के "उचित" स्तर के बजाय जीवन के "न्यूनतम" निर्वाह स्तर के बारे में है।

● भोजन को छोड़कर, गरीबी के अन्य सुविधाओं और सामाजिक संकेतक जैसे शिक्षा स्तर, आश्रय तक पहुंच, स्वास्थ्य देखभाल , सामाजिक परिवेश में गरीबों की बुनियादी मानवीय गरिमा को पाटने की जरूरत है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1)

1.गरीबों में सबसे गरीब कौन हैं?

(a)महिलाएँ (b)बुजुर्ग (c)बच्चे (d)उपर्युक्त सभी

उत्तर:(d)उपर्युक्त सभी

2.किस राज्य में उच्च कृषि विकास ने गरीबी को कम करने में मदद की है?

(a)जम्मू और कश्मीर (b)पश्चिम बंगाल (c)पंजाब (d)गुजरात

उत्तर:(c)पंजाब

3.भारत में गरीबी का मुख्य कारण क्या है?

(a)उच्च आय असमानताएँ (b)नौकरी के कम अवसर

(c)जनसंख्या में उच्च वृद्धि (d)उपर्युक्त सभी

उत्तर:(d)उपर्युक्त सभी

4.किसने कहा कि भारत तभी सही मायने में स्वतंत्र होगा जब इसके सबसे गरीब लोग मानवीय पीड़ा से मुक्त हो जाएंगे?

(a) महात्मा गांधी (b) इंदिरा गांधी

(c) जवाहर लाल नेहरू (d) सुभाष चंद्र बोस

उत्तर: (a) महात्मा गांधी

5.निम्नलिखित में से कौन सा कार्यक्रम वर्ष 2000 में शुरू किया गया था?

(a) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (b) प्रधानमंत्री रोजगार योजना

(c) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (d) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

उत्तर: d) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

6. शहरी गरीबों की श्रेणी में कौन नहीं आते हैं?

(a) आकस्मिक श्रमिक (b) बेरोजगार

(c) दुकानदार (d) रिक्शा चालक

उत्तर: (c) दुकानदार

7. ग्रामीण क्षेत्रों में कैलोरी की आवश्यकता अधिक होती है क्योंकि:

(a) वे शहरी क्षेत्रों के लोगों जितना आनंद नहीं लेते हैं। (b) खाद्य पदार्थ महंगे हैं।

(c) वे मानसिक कार्य में लगे हुए हैं। (d) लोग शारीरिक श्रम में लगे हुए हैं।

उत्तर: (d) लोग शारीरिक श्रम में लगे हुए हैं।

8. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं: अभिकथन (A) और तर्क (R)। कथनों को पढ़ें और उचित विकल्प चुनें।

अभिकथन (A): गरीबी का अर्थ है भूख और आश्रय की कमी।

कारण (R): गरीबी निराशा की भावना के साथ जीना है।

विकल्प:

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

d) d) A असत्य है लेकिन R सत्य है

उत्तर: (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

9. औपनिवेशिक काल में किस उद्योग को सबसे अधिक नुकसान हुआ?

a) कृषि b) कपड़ा c) कच्चा माल d) विनिर्माण

उत्तर: (b) कपड़ा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2)

10. "गरीबी मानवता के लिए अभिशाप है।" दो उदाहरण देकर समझाएँ

गरीबी एक अभिशाप है क्योंकि

1. अधिकांश गरीब लोग असहायता की भावना के साथ जीते हैं।

2. गरीब लोगों को जीवन की बुनियादी ज़रूरतों, जैसे अच्छा स्वास्थ्य, पीने का पानी आदि से वंचित रखा जाता है।

11. भविष्य में भारत में गरीबी कैसे कम की जा सकती है? कोई दो बिंदु सुझाएँ।

i) बेहतर आर्थिक विकास।

ii) सार्वभौमिक मुफ़्त प्राथमिक शिक्षा पर ज़ोर ।

12. भारत में गरीबी के कोई दो कारण बताएँ।

1. जनसंख्या की उच्च वृद्धि दर।

2. द्वितीयक क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की कमी।

13. भारत में गरीबी रेखा का अनुमान लगाने के लिए किन तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है?

भारत में गरीबी रेखा का अनुमान लगाने के लिए दैनिक आय और उपभोग विधियों का उपयोग किया जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3)

14. "भारत में सभी सामाजिक समूहों और आर्थिक श्रेणियों के लिए गरीबी रेखा से नीचे के लोगों का अनुपात भी समान नहीं है।" व्याख्या करें।

सामाजिक समूह: गरीबी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील सामाजिक समूह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार हैं। यद्यपि भारत में सभी समूहों के लिए गरीबी रेखा से नीचे के लोगों का औसत 30 है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों से संबंधित 100 में से 48 लोग अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं।

आर्थिक समूह: इसी तरह आर्थिक समूहों में, सबसे कमजोर समूह ग्रामीण कृषि श्रमिक परिवार और शहरी आकस्मिक श्रमिक परिवार हैं।

परिवार के भीतर असमानता: इन सामाजिक समूहों के अलावा, एक परिवार के भीतर आय की असमानता भी है। गरीब परिवारों में सभी पीड़ित हैं, लेकिन कुछ दूसरों की तुलना में अधिक पीड़ित हैं। महिलाओं, बुजुर्गों और बालिका शिशुओं को परिवार के लिए उपलब्ध संसाधनों तक समान पहुंच से व्यवस्थित रूप से वंचित किया जाता है।

15.भारत में जनसंख्या की नियमित वृद्धि गरीबी का एक प्रमुख कारण कैसे है? व्याख्या करें।

1.बेरोजगारी बढ़ी है।

2. संसाधनों की कमी की दर में वृद्धि हुई है।

3. गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है।

16. समाज वैज्ञानिक गरीबी को किस प्रकार देखते हैं? स्पष्ट कीजिए।

सामाजिक वैज्ञानिक वस्तुओं की खपत को समझने के लिए विभिन्न प्रकार के संकेतकों का उपयोग करते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, नौकरी के अवसर, निरक्षरता स्तर और सुरक्षित पेयजल जैसे अन्य सामाजिक संकेतकों का उपयोग करके भी गरीबी देखी जाती है।अब गरीबी को अन्य संकेतकों जैसे निरक्षरता स्तर, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच की कमी, नौकरी के अवसरों की कमी, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता आदि तक पहुँच की कमी के माध्यम से देखा जाता है।

आजकल गरीबी के विश्लेषण में सामाजिक बहिष्कार की अवधारणा बहुत आम होती जा रही है।

17. "गरीब परिवारों में, सभी पीड़ित हैं, लेकिन कुछ दूसरों की तुलना में अधिक पीड़ित हैं।" कथन की व्याख्या करें।

सामाजिक बहिष्कार और भेद्यता के आधार पर गरीबी का विश्लेषण दर्शाता है कि हमारी अर्थव्यवस्था में ऐसे लोग हैं जो दूसरों की तुलना में अधिक पीड़ित हैं क्योंकि

1. जातिगत भेदभाव के कारण सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोगों को उन सुविधाओं, लाभों और अवसरों से भी वंचित रखा जाता है जिनका आनंद अन्य लोग लेते हैं।

2. भेद्यता प्राकृतिक आपदाओं या आतंकवाद आदि के समय लोगों के लिए अधिक जोखिम लाती है।

3. कमजोर समूहों में जोखिमों को संभालने की सामाजिक और आर्थिक क्षमता का अभाव होता है।

श्रोत आधारित प्रश्न (4)

18. दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

चूँकि गरीबी के कई तथ्य हैं, इसलिए सामाजिक वैज्ञानिक इसे विभिन्न संकेतकों के माध्यम से देखते हैं। आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले संकेतक आय और उपभोग के स्तर से संबंधित होते हैं। लेकिन अब गरीबी को अन्य सामाजिक संकेतकों जैसे निरक्षरता स्तर, कुपोषण के कारण सामान्य प्रतिरोध की कमी, स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच की कमी, नौकरी के अवसरों की कमी, सुरक्षित पेयजल स्वच्छता तक पहुँच की कमी आदि के माध्यम से देखा जाता है। सामाजिक बहिष्कार और भेद्यता के आधार पर गरीबी का विश्लेषण अब बहुत आम हो रहा है।

(1) सामाजिक बहिष्कार का संबंध ..... से है

(a) गरीबी रेखा से नीचे के लोग।

(b) गरीबी रेखा से ऊपर के लोग।

(c) सुविधाओं, लाभ और अवसरों से वंचित लोग।

(d) जातिगत अंतर

(2) उच्च आय, लेकिन कम उपभोग वाला व्यक्ति गरीबी के प्रति संवेदनशील कहा जा सकता है या नहीं?

(a) हाँ (b) नहीं (c) निर्धारित नहीं किया जा सकता (d) सामाजिक रूप से बहिष्कृत किया जा सकता है

(3) गरीबी के संकेतक क्या हैं?

(a) कम आय (b) कम खपत (c) निरक्षरता (d) उपरोक्त सभी

(4) कुपोषण, स्वास्थ्य सेवा की कमी गरीबी के …….. हैं।

(a) संकेतक (b) सामाजिक बहिष्कार (c) भेद्यता (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: 18.1-(c) सुविधाओं, लाभ और अवसरों से वंचित लोग।

18.2- (c) निर्धारित नहीं किया जा सकता

18.3- (d) उपरोक्त सभी

18.4- (a) संकेतक

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5)

19.भारत में व्यापक गरीबी के प्रमुख कारणों की व्याख्या करें।

1.ब्रिटिश शासन: अंग्रेजों ने भारत पर 100 से अधिक वर्षों तक शासन किया। ब्रिटिश शासन से पहले, भारत में पारंपरिक उद्योग, उदाहरण के लिए, कपड़ा उद्योग, फल-फूल रहे थे। ब्रिटिश शासन के दौरान, सरकार ने ऐसे उद्योगों को हतोत्साहित करने वाली नीतियाँ अपनाईं। इससे लाखों बुनकर गरीब हो गए। स्वतंत्र भारत के पचास वर्षों के बाद भी, हम हस्तशिल्प उद्योगों में लगे लोगों के एक बड़े हिस्से को निचले स्तर के रूप में पाते हैं।

2.औद्योगीकरण का अभाव: भारत औद्योगिक दृष्टिकोण से बहुत पिछड़ा हुआ है। कुल कार्यशील आबादी का मुश्किल से 3 प्रतिशत हिस्सा बड़े पैमाने के उद्योग में लगा हुआ है।

3.कृषि पर अत्यधिक निर्भरता: स्वतंत्रता के 60 से अधिक वर्षों के बाद भी हमारी कुल आबादी का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अभी भी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। इनपुट की कमी के कारण, हमारी कृषि पिछड़ी हुई है।

4. मुद्रास्फीति का दबाव: कीमतों में वृद्धि का समाज के गरीब वर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

20. भारत में गरीबी रेखा का आकलन कैसे किया जाता है? इसका वर्णन करें।

भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण करते समय, निर्वाह के लिए भोजन, कपड़े, जूते, ईंधन और प्रकाश, शैक्षिक और चिकित्सा आवश्यकता आदि की न्यूनतम आवश्यकता निर्धारित की जाती है।

i) आयु, लिंग, क्षेत्र और कार्य के प्रकार के आधार पर कैलोरी की आवश्यकता गरीबी का अनुमान लगाने का तरीका है। भारत में औसत कैलोरी की आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2400 और शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2100 है।

ii) प्रति व्यक्ति आवश्यक मौद्रिक व्यय भी गरीबी का अनुमान लगाने का एक तरीका है। वर्ष 2011-12 में, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक व्यक्ति के लिए गरीबी दर 816 रुपये प्रति माह और शहरी क्षेत्रों के लिए 1000 रुपये निर्धारित की गई थी।

गरीबी रेखा के लिए एक समान मानक का भी उपयोग किया जाता है, जिसे विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा गरीबी रेखा के लिए दिया गया है: प्रति व्यक्ति प्रति दिन 1.90 डॉलर के बराबर की न्यूनतम उपलब्धता (2011, पीपीपी)।

21. भारत में गरीबी की अंतर-राज्यीय असमानताओं का संक्षिप्त विवरण दें।

1. हर राज्य में गरीब लोगों का अनुपात समान नहीं है।

2. हाल के अनुमानों से पता चलता है कि 2011-12 में अखिल भारतीय जनसंख्या अनुपात (एचसीआर) 21.9 प्रतिशत था, जबकि मध्य प्रदेश, असम, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा जैसे राज्य अखिल भारतीय गरीबी स्तर से ऊपर थे।

3. बिहार और ओडिशा क्रमशः 33.7 और 32.6 प्रतिशत के गरीबी अनुपात के साथ दो सबसे गरीब राज्य बने हुए हैं। ग्रामीण गरीबी के साथ-साथ ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश में शहरी गरीबी भी अधिक है।

4. इसकी तुलना में, केरल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और पश्चिम बंगाल में गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

5.पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य पारंपरिक रूप से उच्च कृषि विकास दर की मदद से गरीबी को कम करने में सफल रहे हैं। केरल ने मानव संसाधन विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है। पश्चिम बंगाल में भूमि सुधार उपायों ने गरीबी को कम करने में मदद की है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में खाद्यान्न का सार्वजनिक वितरण सुधार के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

4.भारत में खाद्य सुरक्षा

खाद्य सुरक्षा क्या है ?जीवन जीने के लिए भोजन उतना ही आवश्यक है जितना सांस लेने के लिए हवा। लेकिन खाद्य सुरक्षा का मतलब दो वक्त की रोटी पाने से कहीं अधिक है।

खाद्य सुरक्षा के निम्नलिखित आयाम हैं:

- **खाद्य की उपलब्धता:** इसका अर्थ है देश के भीतर खाद्य उत्पादन, खाद्य आयात और पिछले वर्ष का सरकारी अन्न भण्डार में भंडारित भण्डार।
- **अभिगम्यता:** इसका मतलब है कि खाद्य हर व्यक्ति की पहुंच के भीतर है।
- **सामर्थ्य:** इसका तात्पर्य यह है कि आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति के पास पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए पर्याप्त धन है।

खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता:

● समाज के सबसे गरीब वर्ग का कल्याण सुनिश्चित करना।

● आपातकालीन या विनाशकारी स्थितियों जैसे भूकंप, बाढ़, सूखा, अकाल आदि से निपटने के लिए।

खाद्य असुरक्षा के प्रति संवेदनशील लोग:

● सबसे अधिक प्रभावित समूह भूमिहीन लोग हैं जिनके पास बहुत कम या कोई भूमि नहीं है, पारंपरिक कारीगर, पारंपरिक सेवाओं के प्रदाता, छोटे स्वरोजगार वाले श्रमिक और भिखारियों सहित निराश्रित लोग।

भूख:

भूख खाद्य असुरक्षा को इंगित करने वाला एक और पहलू है। यह केवल गरीबी की अभिव्यक्ति नहीं है; यह गरीबी लाती है।

भूख के दो आयाम हैं: दीर्घकालिक और मौसमी:

● **दीर्घकालिक भूख** मात्रा और/या गुणवत्ता के मामले में लगातार अपर्याप्त आहार का परिणाम है।

● **मौसमी भूख** खाद्य उत्पादन और कटाई के चक्र से संबंधित है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित है क्योंकि कृषि गतिविधियों की मौसमी प्रकृति है, और शहरी क्षेत्रों में मजदूरों के अनियमित श्रम के कारण होती है।

4.भारत में खाद्य सुरक्षा

1.अंत्योदय अन्न योजना के बारे में सही कथनों की पहचान करें।

I) इसे नवंबर 1998 में लॉन्च किया गया था।

II) इस योजना के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आने वाले बीपीएल परिवारों में से एक करोड़ सबसे गरीब लोगों की पहचान की गई।

A)केवल (i) B)केवल (ii) C)दोनों (i) और (ii) D)न तो (i) और न ही (ii)

उत्तर: B) केवल (ii)

2.निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है:-

A)एफसीआई द्वारा खरीदा गया भोजन समाज के गरीब वर्ग के बीच सरकारी विनियमित राशन की दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाता है।

B)राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2011 में पारित किया गया था।

C)भारत में राशनिंग की शुरुआत 1940 के दशक में बंगाल के अकाल की पृष्ठभूमि में हुई थी।

D)भोजन जीने के लिए उतना ही आवश्यक है जितना कि सांस लेने के लिए हवा।

उत्तर: B) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2011 में पारित किया गया था।

3. FCI द्वारा खरीदा गया खाद्यान्न समाज के गरीब वर्ग के बीच सरकारी विनियमित राशन की दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाता है। इसे कहा जाता है-

A) सार्वजनिक वितरण प्रणाली। B) सामान्य वितरण प्रणाली।

C) सार्वजनिक वितरण प्रणाली। D) सामान्य वितरण प्रणाली

उत्तर:C) सार्वजनिक वितरण प्रणाली।

4. बफर स्टॉक योजना का मुख्य उद्देश्य है-

A) खाद्यान्न की कमी की समस्या को हल करना। B) किसानों का समर्थन करना।

C) लाभ के लिए स्टॉक बनाना। D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: A) खाद्यान्न की कमी की समस्या को हल करना।

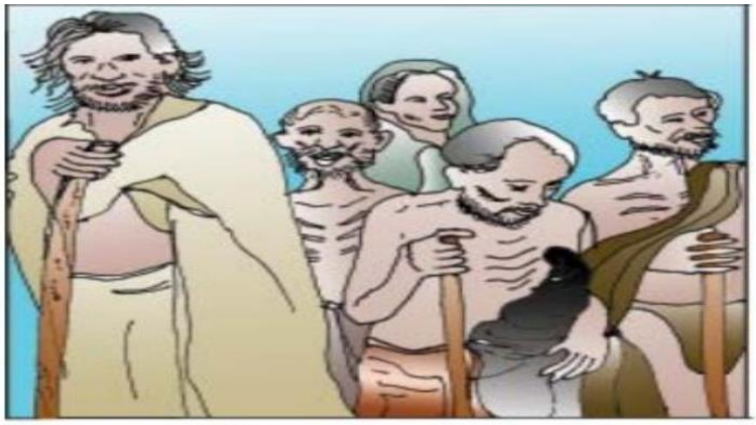
5. MSP से तात्पर्य है:

(a) न्यूनतम समर्थन मूल्य (b) अधिकतम समर्थन मूल्य

(c) सीमांत समर्थन मूल्य (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर :(a) न्यूनतम समर्थन मूल्य

6.चित्र आधारित: चित्र और नीचे दिए गए प्रश्न का विश्लेषण करें।



Picture 4.1 *Starvation victims arriving at a relief centre, 1945.*

क्या आप बता सकते हैं कि चित्र में दिखाया गया परिवार गरीब है और क्यों?

A) वे कुपोषण के कारण बहुत कमजोर और दुबले दिखते हैं।

B) वे कम से कम कपड़े पहने हुए हैं

C) वे बेहतर आजीविका के लिए दूसरी जगह जा रहे हैं

D) उपरोक्त सभी।

उत्तर: D) उपरोक्त सभी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न(2)

7..दीर्घकालिक भूख से आपका क्या अभिप्राय है?

दीर्घकालिक भूख, मात्रा या गुणवत्ता के मामले में लगातार अपर्याप्त आहार का परिणाम है।

8. अकाल से आपका क्या अभिप्राय है?

अकाल किसी क्षेत्र या देश की आबादी के एक बड़े हिस्से में गंभीर और लंबे समय तक भूख की स्थिति है, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक और तीव्र कुपोषण और भुखमरी और बीमारी से मृत्यु होती है।

9. भूख के दो आयाम बताइए।

दीर्घकालिक: यह मात्रा और/या गुणवत्ता के मामले में लगातार अपर्याप्त आहार का परिणाम है।

मौसमी: यह खाद्य उत्पादन और कटाई के चक्र से संबंधित है।

10. खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है?

खाद्य सुरक्षा आपात स्थितियों, खाद्यान्न की कमी, भुखमरी और अकाल को रोकने के लिए आवश्यक है।

11. **बफर स्टॉक बनाकर सरकार किन उद्देश्यों को पूरा करती है?**

बफर स्टॉक खाद्यान्नों का एक भंडार है जिसे सरकार खाद्यान्नों को खाद्यान्न की कमी वाले क्षेत्रों में तथा समाज के गरीब वर्ग में बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर वितरित करने के लिए बनाती है। बफर स्टॉक आपदा या प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान खाद्यान्न की कमी की समस्या को हल करने में मदद करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न(3)

12. भारत में खाद्य सुरक्षा के तीन आयामों की सूची बनाएँ?

1. खाद्य की उपलब्धता का अर्थ है देश के भीतर खाद्य उत्पादन।
2. पहुँच का अर्थ है हर व्यक्ति की पहुँच में भोजन।
3. सामर्थ्य का अर्थ है ,लोगों को अपनी भोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए धन उपलब्ध हो ।

13.भारतीय खाद्य निगम क्या करता है?

भारतीय खाद्य निगम एक सरकारी एजेंसी है जो किसानों से खाद्यान्न खरीदती है, जहाँ भी वे अधिशेष में होते हैं।

14.न्यूनतम समर्थन मूल्य और निर्गम मूल्य के बीच अंतर बताइए।

न्यूनतम समर्थन मूल्य - वह मूल्य है जिस पर सरकार किसानों से फसल खरीदती है, किसानों को उनकी फसल के लिए पहले से घोषित कीमते दी जाती है ।

निर्गम मूल्य - समाज के गरीब वर्ग की मदद करने के लिए, भारत सरकार उन्हें बफर स्टॉक से बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर खाद्यान्न उपलब्ध कराती है। इस सब्सिडी वाले मूल्य को निर्गम मूल्य के रूप में जाना जाता है।

15.सरकार द्वारा बनाई गई उचित मूल्य की दुकानों की क्या भूमिका है?

उचित मूल्य की दुकानें - सरकार द्वारा एफसीआई के माध्यम से एकत्र किए गए खाद्यान्न को राशन की दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्ग में वितरित किया जाता है। राशन की दुकानें इन दुकानों के माध्यम से गरीब लोगों को बाजार मूल्य की तुलना में उचित मूल्य पर खाद्यान्न उपलब्ध कराती हैं, जो कि बहुत अधिक है। जिन परिवारों के पास राशन कार्ड है, वे राशन की दुकान से हर महीने उचित मूल्य पर एक निश्चित मात्रा में चीनी, खाद्यान्न, केरोसिन आदि प्राप्त कर सकते हैं।

16.भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए महत्वपूर्ण खाद्य हस्तक्षेप कार्यक्रम क्या हैं?

I) सार्वजनिक वितरण प्रणाली गरीबों को रियायती मूल्य पर खाद्यान्न उपलब्ध कराती है।

II) एकीकृत बाल विकास विज्ञान, इसे 1975 में प्रायोगिक आधार पर शुरू किया गया था।

III) काम के बदले भोजन 1977-78 में शुरू किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में कई नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

स्त्रोत आधारित प्रश्न(4)

17. दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

भारत में बंगाल के अकाल जैसा कुछ फिर कभी नहीं हुआ। लेकिन यह देखना परेशान करने वाला है कि आज भी उड़ीसा में कालाहांडी और काशीपुर जैसे स्थान हैं जहाँ कई वर्षों से अकाल जैसे हालात हैं और जहाँ कुछ भूख से मौतें भी

हुई हैं। हाल के वर्षों में राजस्थान के बारां जिले, झारखंड के पलामू जिले और कई अन्य दूरदराज के इलाकों में भी भूख से मौतें हुई हैं। इसलिए, हर समय भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश में खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता है।

(a)कौन सी प्राकृतिक आपदा की विशेषता भुखमरी और महामारी के कारण व्यापक मौतें, भूख से कमज़ोर होने के कारण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता का कम होना है?

(b)शहरी क्षेत्र में खाद्य असुरक्षित कौन हैं?

(c)मौसमी भूख से आपका क्या मतलब है? यह किस क्षेत्र में प्रचलित है?

उत्तर: (a)अकाल

(b)दिहाड़ी मज़दूर

(c)मौसमी भूख खाद्य उत्पादन और कटाई के चक्र से संबंधित है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रचलित है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(5)

18.भारत में खाद्य असुरक्षित लोगों के बारे में बताएं?

(A) ग्रामीण क्षेत्रों में, खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त लोग हैं:

(i) भूमिहीन किसान

(ii) पारंपरिक कारीगर,

(iv) छोटे स्वरोजगार वाले श्रमिक

(iv) भिखारियों सहित निराश्रित लोग

(B) शहरी क्षेत्रों में, खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त लोग हैं:

(i) अस्थायी मजदूर

(ii) कम वेतन वाले व्यवसायों में कार्यरत श्रमिक

(iii) मौसमी गतिविधियों में कार्यरत श्रमिक

(C) खाद्य असुरक्षित लोगों में SC, STS और OBC (इनमें निम्न जातियाँ) के कुछ वर्ग भी शामिल हैं।

(D) वे लोग जो उच्च गरीबी वाले आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों, आदिवासी, दूरदराज के क्षेत्रों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में रह रहे हैं, वे भी खाद्य असुरक्षित के अंतर्गत आते हैं।

19.भारतीय खाद्य निगम के मुख्य कार्य क्या हैं?

भारतीय खाद्य निगम के मुख्य कार्य..

(I) खाद्यान्नों की खरीद।

(II) किसानों को उनके खाद्यान्नों के लिए लाभकारी मूल्य प्रदान करके उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी मूल्य समर्थन संचालन।

(III) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से पूरे देश में खाद्यान्नों का वितरण।

(IV) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्यान्नों के परिचालन और बफर स्टॉक का संतोषजनक स्तर बनाए रखना।

(V) मूल्य स्थिरीकरण के लिए आवश्यक होने पर खाद्यान्न बाजार में हस्तक्षेप।

20. "भारत स्वतंत्रता के बाद से खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य बना रहा है"। विस्तार से बताइए।

I) स्वतंत्रता के बाद, खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कई उपाय अपनाए गए।

II) भारत ने कृषि में एक नई रणनीति अपनाई, जिसके परिणामस्वरूप गेहूं और चावल का उत्पादन बढ़ाने के लिए 'हरित क्रांति' हुई।

III) भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने गेहूं क्रांति नामक एक विशेष डाक टिकट जारी करके हरित क्रांति की सफलता को आधिकारिक रूप से दर्ज किया।

IV) गेहूं की सफलता को बाद में चावल में दोहराया गया।

पंजाब और हरियाणा में सबसे अधिक वृद्धि दर हासिल की गई, जहाँ खाद्यान्न उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि हुई।

21. सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है? पीडीएस के उद्देश्य क्या हैं?

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पूर्व घोषित कीमतों पर खाद्यान्न खरीदता है। सरकार समाज के गरीब तबके को सरकार द्वारा निर्धारित सब्सिडी कीमतों पर राशन की दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न वितरित करती है। इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली कहा जाता है।

उद्देश्य:

I) उपभोक्ताओं को सब्सिडी कीमतों पर आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराना।

II) आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करना।

III) यह देश के अधिशेष क्षेत्रों से घाटे वाले क्षेत्रों में खाद्यान्न की आपूर्ति करके व्यापक भूख और अकाल को रोकने में मदद करता है।

.....

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
SAMPLE PAPER -1
CLASS कक्षा: IX

SUBJECT: SOCIAL SCIENCE (CODE 087)	
विषय: सामाजिक विज्ञान (कोड 087)	
Time Allowed: 3 Hours	**Maximum Marks: 80**
समय: 3 घंटे अधिकतम अंक: 80	

सामान्य निर्देश:निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

(i) प्रश्न-पत्र में कुल 37 प्रश्न है | सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |प्रश्न-पत्र में छः खंड-क, ख, ग, घ, ङ और च हैं |

(ii) खंड-क में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रश्न है | प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का हैं।

(iii) खंड-ख में प्रश्न संख्या 21 से 24 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(iv) खंड-ग में प्रश्न संख्या 25 से 29 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(v) खंड-घ में प्रश्न संख्या 30 से 33 तक दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(vi) खंड-ङ में प्रश्न संख्या 34 से 36 तक केस आधारित प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न के साथ 3-3 उपप्रश्न है | प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। उत्तर 100 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

(vii) खंड-च में प्रश्न संख्या 37 मानचित्र आधारित है | यह प्रश्न 5 अंकों का हैं, 37(a): इतिहास से (2 अंक) और 37 (b): भूगोल से (3 अंक) है।

General Instructions:

(i) The question paper comprises Six Sections – A, B, C, D, E and F. There are 37 questions in the Question paper. All questions are compulsory.

(ii) Section A – From questions 1 to 20 are MCQs of 1 mark each.

(iii) Section B – Question no. 21 to 24 are Very Short Answer Type Questions, carrying 2 marks each. Answer to each question should not exceed 40 words.

(iv) Section C contains Q.25to Q.29 are Short Answer Type Questions, carrying 3 marks each. Answer to each question should not exceed 60 words

(v) Section D – Question no. 30 to 33 are long answer type questions, carrying 5 marks each. Answer to each question should not exceed 120 words.

(vi) Section-E - Questions no from 34 to 36 are case/source based questions with three sub questions and are of 4 marks each. Answer to each question should not exceed 100 words.

(vii) Section F – Question no. 37 is map based, carrying 5 marks with two parts, 37a from History (2 marks) and 37b from Geography (3 marks).

<table>
<tr><td colspan="3">(खंड-क)SECTION A(20×1=20)</td></tr>
<tr><td>S.N.</td><td>Multiple Choice Questions(बहुविकल्पीय प्रश्न)</td><td>Allotted marks</td></tr>
<tr><td>Q.01.</td><td>अक्षांश का कौन सा समांतर भारत को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करता है?
(अ) भूमध्य रेखा (ब) कर्क रेखा (स) मकर रेखा (द) आर्कटिक वृत्त
Which parallel of latitude divides India into almost two equal parts ?
(a)Equator(b)Tropic of cancer
(c)Tropic of Capricorn(d)Arctic circle</td><td>1</td></tr>
<tr><td>Q.02.</td><td>भारत के पूर्वी भाग में पर्वत श्रृंखलाए म्यांमार से अपनी सीमा बनाती है उसको सामूहिक रूप से कहा जाता है :-
(अ) हिमाचल (ब) उत्तराखंड (ग)पूर्वांचल (घ)उपर्युक्त में से कोई नहीं
Mountain ranges in the eastern part of India forming its boundary with Myanmar are collectively called
(a)Himachal (b)Uttarakhand
(c)Purvachal(d)None of the above</td><td>1</td></tr>
<tr><td>Q.03.</td><td>निम्नलिखित में से कौन सी नदी भ्रंश घाटी से होकर बहती है?
(अ)महानदी (ब)तुंगभद्रा (स)कृष्णा (द)तापी
Which one amongst the following rivers flows through a rift valley ?
(a)Mahanadi (b)Tungabhadra (c)Krishna (d)Tapi</td><td>1</td></tr>
<tr><td>Q.04.</td><td>Match the coulm A with the column B.कॉलम A को कॉलम B से मिलाएँ।
<table>
<tr><td>Coulmn A कॉलम A</td><td>Coulmn Bकॉलम B</td></tr>
<tr><td>(i) Non-market activities
गैर-बाजार गतिविधियाँ</td><td>A. transport,health,education
परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा</td></tr>
<tr><td>(ii) Literacy rate
साक्षरता दर</td><td>B. average number of years that a person is expected to live एक व्यक्ति द्वारा औसतन कितने वर्ष जीवित रहने की आशा की जाती है</td></tr>
</table></td><td>1</td></tr>
</table>

	(iii) Tertiary sector तृतीयक क्षेत्रक	C. production for self-consumtionस्वयं उपभोग के लिए उत्पादन	
	(iv) Life Expectancy जीवन प्रत्याशा	D. percentage of people who can can read and writeउन लोगों का प्रतिशत जो पढ़ और लिख सकते हैं	
	(a) (i)A,(ii)B,(iii)C, (iv) D (b) (i)C,(ii)D,(iii)A, (iv) B (c) (i)D,(ii)C,(iii)B, (iv) A (d) (i)A,(ii)D,(iii)B, (iv) C		
Q.05.	निम्नलिखित में से कौन सी एक प्राथमिक गतिविधि नहीं है? (अ)शिक्षण (ब)मुर्गीपालन (स)पशुपालन (द) पहले के सभी Which one of the following is not a primary activity? (a)Teaching (b)Poultry Farming (c)Animal Husbandry (d)All of these		1
Q.06.	NSSO किस मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है? (A) भारत सरकार का सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (बी) शिक्षा मंत्रालय (सी) वित्त मंत्रालय (डी) सामाजिक न्याय और अधिकारिता Under what ministry does NSSO function? (a)Ministry of Statistics and Programme Implementation of the Government of India (b) Education Ministry (c) Finance Ministry (d) Social Justice and Empowerment		1
Q.07.	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कब पारित किया गया था? (अ) 2005(ब) 2006(स) 2007(द) 2008 When was the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) passed? (a) 2005(b) 2006(c) 2007(d) 2008		1
Q.08.	भारत में शहरी क्षेत्रों में स्वीकृत औसत कैलोरी कितनी है? (अ) 2100(ब) 2200(स) 2300(द)2400 What are accepted average calories required in India in Urban areas?		1

	(a) 2100(b) 2200(c) 2300(d) 2400	
Q.09.	खाद्य सुरक्षा का अर्थ है .....के साथ सभी लोगों को हर समय भोजन उपलब्ध कराना। (अ) उपलब्धता (ब) पहुंच (स) सामर्थ्य (द) तीनो सभी Food security means ..... of food to all people at all times. (a)availability(b) accessibility (c) affordability (d) all of above	1
Q.10.	निम्नलिखित में से कौन सा सरकारी संगठन किसानो से अधिशेष खाद्यान्न खरीदता है (अ)भारतीय खाद्य परिषद (ब)भारत का खाद्य नियंत्रण (स)खाद्य नियंत्रण संस्थान (द)भारतीय खाद्य निगम Which of the following government organization by the surplus food grains from the farmers? (a)Food Council of India (b)Food Control of India (c)Food Control of Institution (d) Food Corporation of India	1
Q.11.	तृतीय स्टेट्स पर लगाए जाने वाले प्रत्यक्ष कर का नाम बताइए (अ) टाइल(ब) टाईद(स) कस्टम ड्यूटी (द) लिब्रे Name the direct tax levied on the third estate (a) Taille (b) Tithes (c) Custom Duty (d) Livre	1
Q.12.	चित्र का अवलोकन करें और निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें: Observe the picture and answer the question that follow:  उपरोक्त चित्र को देखें और नेता/शासक को पहचानें। Look at the above picture and identify the leader/ruler. (a) लेनिनLenin (b) नेपोलियन बोनापार्टNapoleon Bonaparte (c) स्टालिन Stalin (d) ज़ार निकोलस II Tsar NicholasII	1
Q.13.	यूरोप में 18वीं सदी से पहले का समाज निम्नलिखित में विभाजित था: (अ) जाति और वर्ग (ब) उदारवादी, रैडिकल और रूढ़िवादी (स) धार्मिक और व्यवस्था	1

	(द) एस्टेट और श्रेणियों Society before the 18th century in Europe was divided into: (a) caste and classes (b) liberals, radicals and conservatives (c) religious and order (d) estates and orders	
Q.14.	किस नाजी युवा संगठन में 14 से 18 वर्ष की आयु के सभी जर्मन लडके शामिल थे ? (अ) हिटलर यूथ (ब) जुन्गवोल्क (स) श्रम सेवा (द) यूथ ली Which Nazi Youth Organization consisted of all German boys of 14 to 18 years of age? (a) Hitler Youth (b) Jung Volk (c) Labour Service (d) Youth League	1
Q.15.	इनमें से कौन सा लोकतंत्र के पक्ष में अच्छा तर्क नहीं है? (अ) लोकतंत्र में लोग स्वतंत्र और समान महसूस करते हैं। (ब) लोकतंत्र दूसरों की तुलना में संघर्ष को बेहतर तरीके से हल करते हैं (स) लोकतांत्रिक सरकार लोगों के प्रति अधिक जवाबदेह है। (द) लोकतंत्र दूसरों की तुलना में अधिक समृद्ध हैं। Which of these is not a good argument in favour of democracy? (a) People feel free and equal in a democracy. (b) Democracies resolve conflict in a better way than others (c) Democratic government is more accountable to the people. (d) Democracies are more prosperous than others.	1
Q.16.	नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, अभिकथन (A) और कारण (R) है | कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए| अभिकथन (A): लोकतंत्र परामर्श और चर्चा पर आधारित है। कारण (R): एक लोकतांत्रिक निर्णय में हमेशा, कई व्यक्ति, चर्चा और बैठक शामिल होती है। विकल्प (अ) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है। (ब) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) सही स्पष्टीकरण नहीं है। (स) (A) सत्य है लेकिन (R) गलत है। (द) (A) गलत है लेकिन (R) सही है। The following questions consist of two statements — Assertion (A) and	1

	Reason (R). Read the statements and choose the correct option. Assertion (A): Democracies is based on consultation and discussion. Reason (R): A democratic decision always involves many persons, discussion and meeting. (a) Both A and R are true and R is the correct explanation of A. (b) Both A and R are true but R is not the correct explanation of A. (c) A is true but R is false. (d) A is false but R is true.	
Q.17.	प्रस्तावना में कहा गया है कि संविधान अपना अधिकार ..... से प्राप्त करता है। (अ) भारत सरकार (ब) भारतीय संस्कृति (स) भारत के लोग (द) रियासतें The Preamble states that the constitution derives its authority from ……. (a) Government of India (b) Indian culture (c) The people of India (d) Princely states	1
Q.18.	'गरीबी हटाओ' का नारा किसने दिया था: - (अ) इंदिरा गांधी (ब) राजीव गांधी (स) राहुल गांधी (द) इनमें से कोई नहीं Who had given the slogan 'GaribiHatao'(Removepoverty) (a) Indira Gandhi (b) Rajiv Gandhi (c) Rahul Gandhi (d) None of these	1
Q.19.	निम्नलिखित में से कौन सी संस्था देश के मौजूदा कानून में बदलाव कर सकती है? (अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) राष्ट्रपति (स) प्रधानमंत्री (द) संसद Which of the following institutions can make changes to an existing law of	1

	the country? (a) The Supreme Court (b) The President (c) The Prime Minister (d) The Parliament	
Q.20.	किस मौलिक अधिकार को 'हमारे संविधान का हृदय और आत्मा' कहा जाता है (अ) समानता का अधिकार(ब) स्वतंत्रता का अधिकार (स) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार(द) संवैधानिक उपचारो का अधिकार Which Fundamental Right is known as 'The heart and soul of our Constitution' (a) Right to Equality(b) Right to Freedom (c) Right to Freedom of Religion (d) Right to Constitutional Remedies	1
	(खंड-ख) SECTION- B **(अति लघुत्तरीय प्रश्न VERY SHORT ANSWER QUESTIONS) (2x4=8)**	
Q.21.	उन राज्यों के नाम जिनसे जिनसे होकर कर्क रेखा गुजरती है। Name the states through which the Tropic of Cancer passes.	2
Q.22.	मानव पूंजी अन्य संसाधनों से किस प्रकार श्रेष्ठ है? How is human Capital superior to other resources?	2
Q.23.	फ्रांस में किस काल को 'आतंक का शासनकाल' कहा जाता है? Which period is known as 'Reign of terror' in France?	2
Q.24.	निम्नलिखित को परिभाषित करे: (अ) समानता(ब) भाईचारा Define the followings: (a) Equality(b) Fraternity	2
	(खंड-ग)SECTION- C (3×5=15) लघुत्तरीय प्रश्न SHORT ANSWER QUESTIONS	
Q.25.	पश्चिमी तटीय मैदान और पूर्वी तटीय मैदान के बीच अंतर बताइये| Differentiate between western coastal plains and eastern coastal plains.	3
Q.26.	मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा की क्या भूमिका है? What is the role of education in human capital formation?	3
Q.27.	भारत में गरीबी के तीन प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए | Discuss the major reasons of poverty in India. Any three.	3
Q.28.	1917 में जारशाही की निरंकुशता का पतन क्यों हो गया?	3

	Why did the Tsarist autocracy collapse in 1917?	
Q.29.	'स्वतंत्रता का अधिकार' को कई अधिकारों का समूह क्यों कहा जाता है? Why is the 'The Right to Freedom' called a cluster of several rights?	3
	(खंड-घ) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Types Question) (5×4=20)	
Q.30.	कारण बताइए कि राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी घाट के निचले के हिस्से सूखाग्रस्त क्यों हैं? Give reasons why parts of Rajasthan, Gujarat and the leeward side of the Western Ghats are drought prone. अथवा (OR) उत्तर भारत में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा क्यों घटती जाती है ? Why does the rainfall decrease from the east to the west in northern India?	5
Q.31.	खाद्य सुरक्षा को परिभाषित करें। हमारी सरकार ने गरीबों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए क्या किया है? Define food security. What has our government done to provide food security to the poor?	5
Q.32.	वाइमर गणराज्य के सामने आने वाली समस्याओं का वर्णन करें | Describe the problems faced by the Weimar Republic. अथवा(OR) वर्णन करें कि 1930 तक जर्मनी में नाज़ीवाद लोकप्रिय क्यों हो गया। Discuss why the Nazism became popular in Germany by 1930.	5
Q.33.	"सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों का वर्णन करें"। "Describe the powers of the Supreme Court". अथवा(OR) भारत के प्रधानमंत्री की शक्तियों और कार्यों का वर्णन करें | Describe the powers and functions of the Prime Minister of India.	5
	(खंड -ङ) SECTION- E **(केस-आधारित प्रश्न)CASE-BASED QUESTIONS (3X4=12)**	
Q.34.	**नीचे दिए गए अनुछेद को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दे:** जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि जन्म दर और मृत्यु दर के बीच का अंतर है। जन्म दर एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों पर जीवित जन्मों की संख्या है। यह विकास का एक प्रमुख घटक है क्योंकि भारत में जन्म दर हमेशा मृत्यु दर से अधिक रही है। मृत्यु दर एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों पर होने वाली मौतों की संख्या है। भारतीय जनसंख्या की वृद्धि दर का मुख्य कारण मृत्यु दर में तेजी से गिरावट रही है। 1980 तक, उच्च जन्म दर और गिरती मृत्यु दर के कारण	1+1+2

	जन्म दर और मृत्यु दर के बीच बड़ा अंतर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या वृद्धि की दर अधिक हो गई। 1981 के बाद से जन्म दर में भी धीरे-धीरे गिरावट आनी शुरू हो गई, जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या वृद्धि दर में धीरे-धीरे गिरावट आई। इस प्रवृत्ति के क्या कारण हैं? जनसंख्या वृद्धि का तीसरा घटक प्रवास है। प्रवास एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में लोगों का आवागमन है। प्रवासन आंतरिक (देश के भीतर) या अंतर्राष्ट्रीय (देशों के बीच) हो सकता है। आंतरिक प्रवास से जनसंख्या का आकार नहीं बदलता है, बल्कि राष्ट्र के भीतर जनसंख्या के वितरण पर प्रभाव पड़ता है। जनसंख्या की संरचना और वितरण को बदलने में प्रवासन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। **(i)**एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों पर जीवित जन्मों की संख्या क्या कहलाती है? **(ii)**एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों पर होने वाली मृत्यु की संख्या को क्या कहा जाता है? **(iii)**जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि से आपका क्या तात्पर्य है? **Read the passage given below and answer the following questions:** The natural increase of population is the difference between birth rates and death rates. Birth rate is the number of the live births per thousand persons in a year. It is a major component of growth because in India, birth rates have always been higher than death rates. Death rate is the number of deaths per thousand persons in a year. The main cause of the rate of growth of the Indian population has been the rapid decline in death rates. Till 1980, high birth rates and declining death rates led to a large difference between birth rates and death rates resulting in higher rates of population growth. Since 1981, birth rates have also started declining gradually, resulting in a gradual decline in the rate of population growth. What are the reasons for this trend? The third component of population growth is migration. Migration is the movement of people across regions in territories. Migration can be internal (within the country) or international (between de countries). Internal migration does not change the size of the population, but influences the distribution of population within the nation. Migration plays a very significant role in changing the composition and distribution of population. **(I)**What is the number of live births per thousand persons in a year called? **(II)**What is the number of deaths per thousand persons in a year called as…….?. **(III)**What do you mean by the natural increase of population?	
Q.35.	**नीचे दिए गए अनुछेद को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दे:** लुई सोलहवें को कई कारणों से कर बढ़ाना पड़ा। आपको क्या लगता है कि वह ऐसा कैसे कर	1+1+2

सका होगा? प्राचीन राजतंत्र के तहत फ्रांसीसी सम्राट अपनी मर्जी से कर नहीं लग सकता था |इसके लिए उसे स्टेटस जेनराल (प्रतिनिधि सभा) की बैठक बुलाकर नए करो के अपने प्रस्ताव पर मंजूरी लेनी पड़ती थी| स्टेट जनरल एक राजनीतिक संस्था थी जिसमें तीनों एस्टेट अपने-अपने प्रतिनिधि भेजते थे| लेकिन सम्राट की यह निर्णय करता था कि इस संस्था की बैठक कब बुलाई जाए| इसकी अंतिम बैठक सन 1614 में बुलाई गई थी| फ्रांसीसी सम्राट लुईXVI ने 5 मई1789 को नए करो के प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए एस्टेट्स जेनराल की बैठक बुलाई|एस्टेट्स जेनराल के नियमों के अनुसार प्रत्येक वर्ग को एक मत देने का अधिकार था| इस बार भी लुईXVIने इसी प्रथा का पालन करने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ था| परंतु तीसरे वर्ग के प्रतिनिधियों से मांग रखी कि अबकी बार पूरी सभा द्वारा मतदान कराया जाना चाहिए, जिसमें प्रत्येक सदस्य को एक मत देने का अधिकार होगा| यह एक लोकतांत्रिक सिद्धांत था जिसे मिसाल के तौर पर रूसो ने अपनी पुस्तक **द सोशल कॉन्ट्रैक्ट** में प्रस्तुत किया था| जब सम्राट ने इस प्रस्ताव कोअस्वीकार कर दिया तो तीसरे स्टेटस के प्रतिनिधि विरोध जताते हुए सभा से बाहर चले गए|

(i) 'एस्टेट जनरल' क्या था?

(ii) सामाजिक अनुबंध(**द सोशल कॉन्ट्रैक्ट**) क्या था?

(iii) लुई XVI ने कई कारणों से करों में वृद्धि की थी।कारणों की सूची बनाए |

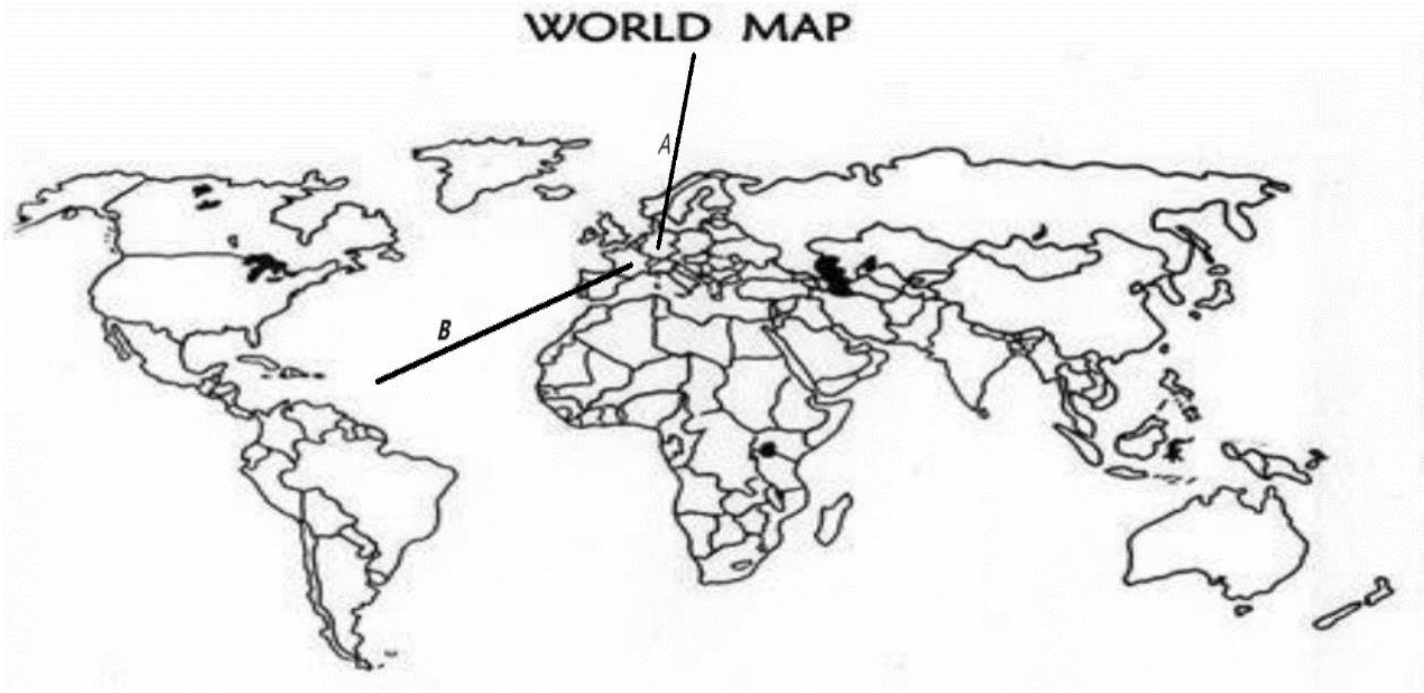
Read the passage given below and answer the following questions:

Louis XVIhad to increase taxes for many reasons. How do you think he could have gone about doing this?In France of the Old Regime the monarch didn't have the power to impose taxes according to his will alone.Rather he had to call a meeting of the Estates General which would then pass his proposals for new taxes.The Estates General was a political body to which the three states sent their representatives.However, the monarch alone could decide when to call a meeting of this body.The last time it was done was in 1614. On 5 may 1789 Louis XVIcalled together an assembly of the Estates General to pass proposals for new taxes.Voting in the Estates General in the past had been conducted according to the principle that each estate had one vote. This time too Louis XVIwas determined to continue the same practice.But members of the third estate demanded that voting now be conducted by the assembly as a whole, where each member would have one vote. This was one of the democratic principles put forward by philosophers like Rousseau in his book **The Social Contract**.When the king rejected this proposal, members of the third estate walked out of the assembly in protest.

(i) What was `Estates General`?

	(ii) What was the, Social Contract`? (iii) Louis XVIhad increase taxes for many reasons. List the reasons?	
Q.36.	**नीचे दिए गए अनुछेद को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दे:** हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को अपना प्रतिनिधि चुनने और जनप्रतिनिधि के तौर पर चुने जाने का अधिकार देता है|लेकिन हमारे संविधान निर्माताओं को इस बात की चिंताथी कि संभव है कि खुले चुनावी मुकाबले में कुछ कमजोर समूहों के लोग लोकसभा और विधानसभाओ में पहुच नहीं पाएगे | उनके पास दूसरों के खिलाफ चुनाव लड़ने और जीतने के लिए आवश्यक संसाधन, शिक्षा और संपर्क नहीं हो सकते हैं |संसाधनों वाले प्रभावशाली लोग वे उन्हें चुनाव जीतने से रोक सकते हैं| यदि ऐसा होता है तो हमारी संसद और विधानसभाओ में हमारी आबादी के एक बड़े हिस्से की आवाज ही नहीं पहुच जाएंगी।इससे हमारे लोकतांत्रिक प्रतिनिधितव का चरित्र कमजोर होगा और यह व्यस्था कम लोकतांत्रिक होगी|, इसलिए हमारे संविधान के निर्माताओं ने अनुसूचितजाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की एक विशेष प्रणाली के बारे में सोचा|कुछ निर्वाचन क्षेत्र में केवल अनुसूचित जाति से संबंधित व्यक्ति ही खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार कुछ निर्वाचन क्षेत्र में केवल अनुसूचित जनजातियाँ ही चुनाव लड़ सकती हैं |इस तरह से हमारे लोकतंत्र का प्रतिनिधितित्व मजबूत होगा | **(i)**कौनप्रत्येक नागरिक को अपना प्रतिनिधि चुनने और प्रतिनिधि के रूप में चुने जाने का अधिकार देता है? **(ii)**कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की विशेष व्यवस्था के बारे में किसने सोचा था? **(iii)**किसी भी सरकार को लोकतंत्र कहलाने के लिए किन-किन प्रतिनिधियों को चुना जाना चाहिए? Our constitution entities every citizen to elect her/his representative and to be elected as a representative.The constitution makers however were worried that in an open electoral competition, certain weaker sections may not stand a good chance to get elected to the Lok Sabha and the State Legislative assembly.They may not have the required resources education and contacts to contest and win elections against others.Those who are influential and resourceful may prevent them from winning elections.If that happens our Parliament and Assemblies would be deprived of the voice of significant section of our population.That would make our democracy less representative and less democratic.So, the makers of our constitution thought of a special system of reserved constituencies for the weaker section.Some constituencies are reserved for people who belong to the	1+1+2

	ScheduledCast and ScheduledTribes.In a SC reserved constituency only someone who belongs to the Scheduled Castes can stand for election.Similarly, only those belonging to the Schedule Tribes can contest and an election from a constituency reserved for ST. **(i)**Who gives entitles every citizen to elect his /her representative and to be elected as a representative? **(ii)** Who thought of the special system of reserved constituencies for the weaker sections? **(iii)**Which officials must be elected for any government to be called a democracy?	
Q.37.	**(खंड-च)SECTION -F** **MAP SKILL BASED QUESTION मानचित्र आधारित प्रश्न (2+3=5)** **(37.1)**संसार के दिए गए रेखा मानचित्र पर AऔरB स्थानों को चिन्हित किया गया है |उन्हें पहचाने और उसके पास खीची गयी रेखा पर उनके सही नाम लिखे| Two places A and B have been marked on the given outline map of World. Identify them and write their correct name on the lines drawn near them. **(A)**द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल एक मुख्य देशMajor country of second World War (B)मित्र राष्ट्र का एक देश A country of Allied Powers **(37.2)**भारत के रूप रेखा मानचित्र पर उपयुक्त प्रतीकों के साथ निम्नलिखित को अंकित कर नाम लिखे On an outline political map of India locate and label the following with suitable Symbols Do any three (कोई तीन) **(i)**Standard Meridian of India भारत की मानक यामोत्तर रेखा **(ii)** Northern Circar Coast उत्तरी सरकार तट **(iii)**Chilika Lake चिलिका झील (iv)Gir National Park गिर नेशनल पार्क **END OF PAPER**	2+3



KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

SESSION ENDING EXAMINATION

SOCIAL SCIENCE

CLASS-IX

SAMPLE PAPER -2

Time Allowed: 3 Hours. **Maximum Marks: 80**

सामान्य निर्देश:

1. प्रश्न पत्र में छह खंड ए, बी, सी, डी, ई और एफ शामिल हैं। प्रश्न पत्र में **37** प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.**I**

2. खंड ए- प्रश्न संख्या. **1** से **20** प्रत्येक **1** अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।

3. खंड बी- प्रश्न संख्या. **21** से **24** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक **2** अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **40** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

4. खंड सी- में **Q25** से **Q29** तक लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए **3** अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **60** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

5. खंड डी- प्रश्न संख्या. **30** से **33** तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक **5** अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **120** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

6. खंड ई- प्रश्न संख्या. **34** से **36** तक तीन उप प्रश्नों के साथ केस आधारित प्रश्न हैं और प्रत्येक **4** अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

7. खंड एफ- प्रश्न संख्या. **37** मानचित्र आधारित है, जिसमें दो भागों के साथ **5** अंक हैं, **37**ए इतिहास से (**2** अंक) और **37**बी भूगोल से (**3** अंक) **I**

8. प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं है। हालाँकि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है, ऐसे प्रश्नों में से केवल एक विकल्प करना होगा।

9. इसके अतिरिक्त, जहां भी आवश्यक है, प्रत्येक अनुभाग और प्रश्न के साथ अलग-अलग निर्देश दिए गए हैं**I**

General Instructions:

1. The Question paper comprises Six Sections **A, B, C, D, E and F**. There are **37**questions in the question paper. All Questions are compulsory.
2. **Section A-** Question no**. 1 to 20 are MCQs** of 1 mark each.
3. **Section B-** Question no**. 21 to 24 are Very Short Answer Type Questions**, carrying 2 marks each. Answer to each question should not exceed 40 words.
4. **Section C-** contains **Q25 to Q29 are short answer type Questions**, carrying 3 marks each. Answer to each question should not exceed 60 words.
5. **Section D**- Question no. **30 to 33 are long answer type questions**, carrying 5 marks each. Answer to each Question should not exceed 120 words.
6. **Section E**- Question no. from **34 to 36 are case based** questions with three sub questions and are of 4 marks each. Answer to each question should not exceed 100 words.
7. **Section F-** Question no. **37 is map based, carrying 5 marks** with two parts, 37a from History (2 marks) and 37b from Geography (3marks)
8. There is no overall choice in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions, only one of the choices in such questions have to be attempted.
9. In addition to this, separate instructions are given with each section and question, wherever necessary.

खंड-ए /SECTION A **MCQs (1x20=20)**		
1.	मेरा मित्र एक ऐसे देश से है, जिसकी जमीनी सीमा भारत के साथ नहीं लगती। देश को पहचानो. (ए) भूटान (बी) ताजिकिस्तान (सी) बांग्लादेश(डी) नेपाल My friend hails from a country which does not share land boundary with India. Identify the country.	1

	(a) Bhutan (b) Tajikistan (c) Bangladesh (d) Nepal	
2	पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी है---------- (ए)अनाईमुड़ी (बी) महेंद्रगिरी (सी) कंचनजगा (डी)खासी The highest peak in the Eastern Ghats is--------. (a)Anai Mudi (b) Mahendragiri. (c) Kanchenjunga (d) Khasi	1
3	नीचे दिए गए कथनों पर विचार करें और सही उत्तर चुनें: कथन (i) झीलें मानव के लिए अत्यधिक लाभदायक होती हैं । कथन (ii) झीलें बाढ़ का कारण बनती हैं । (ए) कथन (i) सही है और (ii) गलत है। (बी) कथन (i) गलत है और (ii) सही है। (सी) दोनों (i) और (ii) गलत हैं। (डी) दोनों (i) और (ii) सही हैं। Consider the statements given below and choose the correct answer: Statement (i) Lakes are of great value to human beings. Statement (ii) lakes causes floods (a) Statement (i) is correct and (ii) is incorrect. (b) Statement (i) is incorrect and (ii) is correct (c) Both (i) & (ii) are incorrect (d) Both (i) & (ii) are correct	1
4 .	दिए गए आंकड़ों को पढ़ें और पता लगाएं कि किस वर्ष अस्पतालों और औषधालयों की संख्या सबसे अधिक थी	1

वर्ष ⟹	2011	2012	2013	2014
उपकेन्द्र /प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र /सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	176820	177248	181139	182709

	बिस्तर	784940	622628	628708	675779
	औषधालय तथा अस्पताल	27339	27586	29774	29715
	नरसिगकर्मि	1894968	2124667	2344241	2621981

(ए)2011 (बी) 2012

(सी)2013 (डी) 2014

Read the given data and find out in which year the number of hospitals and dispensaries were maximum

YEAR ⟹	2011	2012	2013	2014
SC/HC/PHC	176820	177248	181139	182709
BEDS	784940	622628	628708	675779
DISPENSARIES & HOSPITALS	27339	275866	29274	29715
NURSING PERSONNEL	1894968	2124667	2344241	2621981

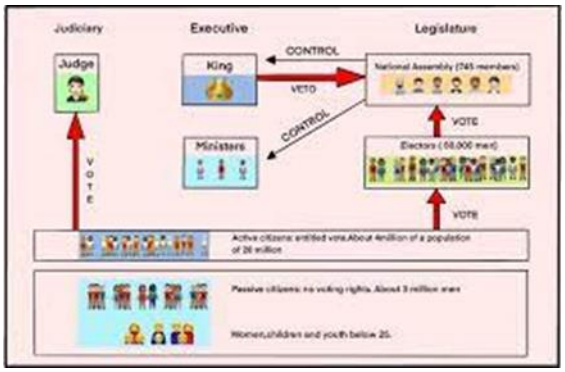
(a) 2011(b) 2012

(c) 2013 (d) 2014

5 .	नीचे दिए गए कथनों पर विचार करें और सही उत्तर चुनें: कथन (i) ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर शिक्षित बेरोजगारी है । कथन (ii) शहरी क्षेत्रों में अधिकतर प्रच्छन्न बेरोजगारी है । (ए) कथन (i) सही है और (ii) गलत है। (बी) कथन (i) गलत है और (ii) सही है। (सी) दोनों (i) और (ii) गलत हैं। (डी) दोनों (i) और (ii) सही हैं। Consider the statements given below and choose the correct answer: Statement (i) Rural areas have mostly Educated Unemployment Statement (ii) Urban areas have mostly Disguised Unemployment (a) Statement (i) is correct and (ii) is incorrect. (b) Statement (i) is incorrect and (ii) is correct (c) Both (i) & (ii) are incorrect (d) Both (i) & (ii) are correct	1

6 .	निम्नलिखित में से कौन सा गरीबी का कारण और प्रभाव दोनों है? (ए)आर्थिकविकास (बी) रोजगार (सी)ऋणग्रस्तता (डी) उपरोक्त सभी Which of the following is both cause and effect of poverty (a) Economic growth(b) Employment (c) Indebtedness(d) All of the above	1
7 .	गरीबी रेखा का आकलन करते समय भोजन की आवश्यकता का वर्तमान फॉर्मूला वांछित कैलोरी आवश्यकता पर आधारित है। गरीबी रेखा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा गलत है (ए) । भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन स्वीकृत औसत कैलोरी आवश्यकता शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रोंके लिए अधिक है (बी) भारत में प्रति व्यक्ति प्रति दिन स्वीकृत औसत कैलोरी आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों के लिए अधिक है (सी) गरीबी रेखा समय और स्थान के अनुसार भिन्न हो सकती है (डी) गरीबी को मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सामान्य विधि आय या उपभोग स्तर पर आधारित है। **The present formula for food requirement while estimating the poverty line is based on the desired calorie requirement .** **Which of the following is incorrect with respect to the poverty line** **(a) The accepted average calorie requirement in India per person per day is high for rural areas than urban areas** **(b) The accepted average calorie requirement in India per person per day is high for urban areas than rural areas** **(c) Poverty line may vary from time and place** **(d)A common method used to measure poverty is based on the Income or consumption level.**	1
8.	दो कथनों को अभिकथन (ए) और कारण (आर) के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें: दावा (ए): गरीबी आर्थिक विकास के लिए एक बड़ी चुनौती है। कारण (आर): गरीबी मानव विकास के निम्न स्तर, खराब स्वास्थ्य और उत्पादकता के निम्न स्तर से जुड़ी है, जो आर्थिक विकास में बाधा डालती है। (ए) दोनों (ए) और (आर) सही हैं और (आर) (ए)का सही स्पष्टीकरण है। (बी) दोनों (ए) और (आर) सही हैं लेकिन (आर) (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।	1

	(सी) (ए) सही है लेकिन (आर) गलत है। (डी) (आर) सही है लेकिन (ए) गलत है। There are two statements marked as assertion (A) and Reason (R). Mark your answer as per the codes provided below: Assertion(A):Poverty is a major challenge for economic development. Reason(R): Poverty is associated with low levels of human development, poor health, and low levels of productivity, which hinder economic growth (a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A). (b) Both (A) and (R) are correct but (R) is not correct explanation of (A). (c) (A) is correct but (R) is wrong. (d) (R) is correct but (A) is wrong.	
9.	एफ. सी. आई द्वारा खरीदा गया भोजन समाज के गरीब वर्ग के बीच सरकारी विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाता है उपरोक्त कथन के आधार पर सही विकल्प चुनें: राशन की दुकानों को ____दुकानों के रूप में भी जाना जाता है, जो खाद्यान्न, चीनी आदि का भंडार रखती हैं। (ए)न्यूनतमसमर्थनमूल्य (बी) निर्गम मूल्य (सी)समान (डी) उचित मूल्य The food procured by the FCI is distributed through government regulated ration shops among the poorer section of the society On the basis of the above statement choose the correct option: Ration shops also known as ____shops keep stock of foodgrain ,sugar etc. (a) Minimum support price(b) Issue price (c) Equal price (d) Fair price	1
10.	निम्नलिखित में से कौन साभारत में हरित क्रांति के संबंध में सत्य नहीं है (ए) इसे स्वतंत्रता के बाद भारतीय नीति निर्माताओं द्वारा खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए अपनाया गया था। (बी) उत्तर प्रदेश और पंजाब में गेहूं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उत्पादन दर्ज किया गया। (सी) खाद्यान्न में वृद्धि पूरे देश में आनुपातिक थी। (डी) पश्चिम बंगाल और यूपी में चावल का महत्वपूर्ण उत्पादन दर्ज किया गया। Which is **not** true regarding Green Revolution in India (a) It was adopted after independence by Indian policy makers to achieve self-sufficiency in food grains (b) Uttar Pradesh and Punjab recorded a significant production in the field of Wheat	1

	(c) The increase in foodgrains was proportionate all over the country. (d) West Bengal and UP ,recorded significant production of Rice	
11.	नीचे दी गई छवि के माध्यम से निम्नलिखित में से क्या वर्णित या दिखाया है- (ए) शाही शक्ति का प्रतीक। (बी) निर्वाह संकट का क्रम (सी) संगठित क्षेत्रव्यवस्था (डी) 1791 के संविधान के तहत राजनीतिक व्यवस्था What is being shown through the image given below-  (a)Symbol of royal power. (b)The course of subsistence crisis (c)System of organised sector(d)political system in constitution of 1791 ***For visually impaired candidates** Who wrote the book 'The social contract'? (a)Mirabeau (b) Danton (c)Rousseau (d) Montesquieu **दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए-** 'द सोशल कॉन्ट्रैक्ट' पुस्तक किसने लिखी? (ए) मीराब्यू (बी) डेंटन (सी) रूसो (डी) मोंटेस्क्यू	1
12.	उदारवादियों के संदर्भ में दिए गए कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें: (ए)वे सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में विश्वास करते हैं। (बी)वे केवल महिलाओं को वोट देने का अधिकार देने में विश्वास रखते हैं। (सी)वे निर्वाचित संसदीय सरकार में विश्वास करते हैं। (डी)उन्होंने महान जमींदारों और फैक्ट्री मालिकों केविशेषाधिकारों का विरोध किया Read the given statements in context of Liberals and choose the correct option: a- They believe in universal adult franchise. b- They believe in giving right to vote to women only. c- They believe in elected parliamentary government.	1

	d- They opposed the privileges of great landowners and factory owners.	
13.	समाजवादी निजी संपत्ति के ख़िलाफ़ थे और इसे उस समय की सभी सामाजिक बुराइयों की जड़ मानते थे। उपरोक्त कथन के आधार पर हम परिभाषित कर सकते हैं कि समाजवाद एक प्रकार का समाज है जिसमें- (ए)समाज समग्र रूप से एक नियंत्रित संपत्ति है, सामूहिक सामाजिक हितों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा । (बी)निवेश की गई पूंजी पर पूंजीपतियों का स्वामित्व था और पूंजीपतियों का लाभ श्रमिकों द्वारा उत्पादित किया जाता था (सी)यदि निजी संपत्ति व्यक्तियों के हाथ में नहीं होगी तो श्रमिकों की स्थिति में सुधार नहीं किया जा सकता है (डी)राज्य ने अर्थव्यवस्था, मीडिया, सेना और न्यायपालिका पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया Socialists were against private property and saw it as the root of all social ills of the time. On the basis of above statement, we can define socialism is a type of society in which- a) society as a whole a controlled property ,more attention would be paid to collective social interests b) Capitalists owned the capital invested and profit of capitalists was produced by workers c) condition of workers cannot be improved if private property is not in the hands of individuals d) The state established complete control over the economy ,media ,army and judiciary.	1
14.	नीचे दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुएनिम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक सही विकल्प का चुनाव करें जर्मन हार ने हिटलर को भयभीत कर दिया और वर्साय संधि ने उसे क्रोधित कर दिया, 1919 में वह जर्मन वर्कर्स पार्टी नामक एक छोटे समूह में शामिल हो गया। बाद में उन्होंने संगठन पर कब्ज़ा कर लिया और इसका नाम बदलकर नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी रख दिया। इस पार्टी को कहा जाने लगा - (ए)नाज़ीपार्टी (बी)वाइमर गणराज्य (सी) जंग वोल्क(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं Analyse the information given below, then chose any one of the following correct options given-	1

	The German defeat horrified Hitler and the Versailles Treaty made him furious, in 1919 he joined a small group called the German Workers Party. He subsequently took over the organisation and renamed it The National Socialist German Workers Party . This party came to be known as the - (a)Nazi Party(b)Weimer Republic (c) Jung Volk(d) None of the above	
15.	निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम चुनें: (i) जिम्बाब्वे ने श्वेत अल्पसंख्यक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की। (ii) मेक्सिको को स्वतंत्रता मिल गयी (iii)सऊदी अरब में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला (iv) जनरल परवेज़ मुशर्रफ ने पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट का नेतृत्व किया। विकल्प: (ए) (iii),(iv), (i),(ii) (बी) (iii),(i), (iv),(ii) (सी) (ii),(i),(iii),(iv) (डी) (ii),(i), (iv),(iii) Choose the correct sequence of events from the following: (i) Zimbabwe attained independence from white minority rule. (ii) Mexico got independence (iii)In Saudi Arabia women got the right to vote (iv) General Parvez Musharraf led a military coup in Pakistan. Options: (a) (iii),(iv), (i),(ii)(b) (iii),(i), (iv),(ii) (c) (ii), (i),(iii),(iv) (d) (ii),(i), (iv),(iii)	1
16.	निम्नलिखितका मिलान कीजिए - ए) ज़ेनू पीएफ ----- (i) चीन बी) नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ------ (ii) जिम्बाब्वे सी) पीआरआई ------ (iii) मेक्सिको डी) भाजपा ------ (iv) भारत (ए) ए(iii), बी(iv), सी(i), डी(ii) (बी) ए(iii), बी(ii), सी(iv), डी(i) (सी) ए(ii), बी(i), सी(iii), डी(iv) (डी) ए(ii), बी(i), सी(iv), डी(iii) Match the following: a)ZANU PF ------- (i) CHINA	1

	b)NATIONAL PEOPLES CONGRESS ------- (ii) ZIMMBABWE c) PRI ------- (iii) MEXICO d) BJP ------- (iv) INDIA (A) a(iii), b(iv), c(i),d(ii)(B) a(iii), b(ii), c(iv),d(i) (C) a(ii), b(i), c (iii), d(iv)(D) a(ii), b(i), c(iv), d(iii)	
17.	रिक्त स्थान को भरने के लिए सही विकल्प का चयन करें- संविधान में एक परिचयात्मक वक्तव्य जो संविधान के कारणों और मार्गदर्शक मूल्यों को बताता है, उसे ..... कहा जाताहै। (ए)संप्रभु (बी)प्रस्तावना (ग)धर्मनिरपेक्ष (घ) भाईचारा Choose the right option to fill in the blanks- An introductory statement in a constitution which states the reason s and guiding values of the constitution is called ……. (a) Sovereign (b) Preamble (c) Secular (d) Fraternity	1
18.	भारत में चुनाव एक स्वतंत्र और बहुत शक्तिशाली ..... द्वारा आयोजित किये जाते हैं। (क)राष्ट्रपति (बी) चुनाव आयोग (ग)प्रधानमंत्री (घ) मुख्यमंत्री In India elections are conducted by an independent and very powerful……. (a) President (b) Election Commission (c) Prime Minister (d) Chief Minister	1
19.	न्यायपालिका के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है? **कथन i**: यदि किसी भी नागरिक के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो वह अदालतों का दरवाजा खटखटा सकता है। **कथन ii**: न्यायपालिका कार्यपालिका से स्वतंत्र है। **कथन III**: यदि कोई कानून संविधान की भावना के विरुद्ध जाता है तो न्यायपालिका उसे रद्द कर सकती है। **कथन iv**: संसद द्वारा पारित प्रत्येक कानून को सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी की आवश्यकता होती है विकल्प: (ए) कथन (i) और (ii) सही हैं (बी) कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं (सी) कथन (i) सही है (डी) केवल कथन (iv) सही है Which of the following statements about judiciary are correct **Statement i**: Any citizen can approach the courts if his or her rights are violated.	1

	Statement ii: Judiciary is independent of the executive. **Statement iii:** Judiciary can strike down a law if it goes against the spirit of the constitution. **Statement iv**: Every law passed by the Parliament needs approval of the supreme court Options: (a)Statement(i)and(ii) are correct (b) Statement(i),(ii) and (iii) are correct (c) Statement (i) is correct (d) Only statement (iv) is correct	
20.	निम्नलिखित में से कौन सा कथन शोषण के विरुद्ध अधिकार के अंतर्गत नहीं आता है? a) संविधान मानव तस्करी पर रोक लगाता है ख) हमारा संविधान किसी भी रूप में जबरन श्रम या बेगार पर प्रतिबंध लगाता है। ग) हमारा संविधान सभाएँ और रैलियाँ आयोजित करने की स्वतंत्रता पर रोक लगाता है। घ) हमारा संविधान बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाता है Which one of the following statements does not come under right against exploitation a) The constitution prohibits traffic in human beings b) Our constitution prohibits forced labour or Begar in any form. c) Our constitution prohibits freedom to hold meetings and rallies. d) Our constitution prohibits child labour	1
	SECTION B **VERY SHORT ANSWER QUESTIONS (2X4=8)**	
21	नीचे दिए गए भारत के मानचित्र का गहनता से अध्ययन करें और मानचित्र के आधार पर भारत के किन्हीं चार राज्यों के नाम बताएं जिनसे होकर कर्क रेखा गुजरती है। Study the map of India given below thoroughly and on the basis of map name any four states of India Tropic of Cancer pass through. 	2

	उपरोक्त प्रश्न के स्थान पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए- प्रश्न: भारत के किन्हीं चार राज्यों के नाम बताएं जिनसे होकर कर्क रेखा गुजरती है ? **For visually impaired students in lieu of the above question.** Q: Name any four states of India Tropic of Cancer pass through?	
22'	(ए)आर्थिक क्रियाओं से आप क्या समझते है? प्राथमिक क्षेत्रक की किन्हीं दो गतिविधियों के नाम बताइए? या (बी) "मानव पूंजी में निवेश द्वारा एक बड़ी आबादी को उत्पादक परिसंपत्ति में बदला जा सकता हैं" दो उदाहरणों की सहायता से समझाएं। (A)What is an economic activity? Name any two activities undertaken in the Primary sector? **OR** (B) "We can turn a large population into productive asset by investment in human capital" Explain with the help of two examples.	2
23	सुश्री मैरी अठारहवीं शताब्दी के फ्रांस से हैं और उन्हें राज्य को टाइल नामक प्रत्यक्ष कर का भुगतान करना पड़ता था। टाइल नामक कर के बारे में एक वाक्य में लिखिए और साथ ही यह भी बताइए कि सुश्री मैरी कौन से एस्टेट से रही होंगी । Ms. Marie is from eighteenth-century France and had to pay a direct tax called the Taille to the state. Write one statement about the tax called Taille and also tell which estate Ms. Mary might have belonged to.	2
24	किन्हीं दो भारतीय नेताओं के नाम तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका लिखिए। Write names of any two Indian leaders and their role in the making of the Indian Constitution.	2
	SECTION C **SHORT ANSWER -BASED QUESTIONS (3X5=15)**	
25	**हिमालय के तीन प्रमुख विभागों के नाम उत्तर से दक्षिण के क्रम में बताइए तथा प्रत्येक की कोई एक विशेषता बताइए** । Name the three major divisions of the Himalayas from North to South and write one characteristic feature of each.	3
26	आर्थिक और गैर आर्थिक क्रियाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए । **या** मानव पूंजी निर्माण में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है ? What is the difference between economic activities and non- economic activities? **OR**	3

	What is the role of health in human capital formation?	
27	"ऐसी अनेक योजनाएं हैं जिनको प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निर्धनता कम करने के लिए बनाया गया है "। उपरोक्त कथन का अवलोकन करते हुए किन्हीं तीन प्रासंगिक बिंदुओं के साथ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 की पुष्टि करें। "There are so many schemes which are formulated to affect poverty directly or indirectly". In the light of the above statement write any three relevant points of Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act 2005	3
28	उन घटनाओं का वर्णन करें जिनके कारण 1905 में रूस की क्रांति हुई Describe the events that led to 1905 revolution of Russia.	3
29	प्रत्येक के लिए उस मौलिक अधिकार का नाम बताइए जिसके अंतर्गत निम्नलिखित स्वतंत्रताएं आती हैं : क) अस्पृश्यता का उन्मूलन। बी) संघ और यूनियन बनाने की स्वतंत्रता । ग) बाल श्रम पर रोक। घ) अपने धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता। ई) नागरिकों को अपनी भाषा या संस्कृति को संरक्षित करने की स्वतंत्रता च) यदि हमारे किसी भी अधिकार का उल्लंघन होता है तो हम अदालतों के माध्यम से उसे रोक सकते हैं। Name the Fundamental Right under which each of the following right falls: a) Abolition of Untouchability. b) Form associations and unions. c) Prohibition on child labour. d) Freedom to propagate one's religion. e) Citizens have right to conserve their distinct language or culture f) If any of our rights are violated, we can seek remedy through courts.	3
	SECTION D **LONG ANSWER -BASED QUESTIONS (5X4=20)**	
30	"भारत में विविध जलवायु परिस्थितियाँ हैं"। तापमान और वर्षा का उदाहरण देकर इस कथन का समर्थन करें।" India has diverse climatic conditions". Support this statement by giving an example of temperature and precipitation.	**5**
31	उन कारकों का वर्णन करें जिनके कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में गिरावट आई है। या सार्वजनिक वितरण प्रणाली की आलोचना क्यों की गई है? कारण बताइये। Describe various factors that have led to the decline of thePublic Distribution	5

	System (PDS). OR Why has the public distribution system been criticised ?Give reasons.	
32	"मित्र राष्ट्रों के साथ वर्साय की शांति संधि एक कठोर और अपमानजनक शांति थी।" उदाहरण सहित कथन का विश्लेषण करें। या “नाजी सोच की विशिष्ट विशेषताएं क्या थीं? किन्हीं पाँचकी व्याख्या कीजिए “The Peace Treaty at Versailles with the Allies was a harsh and humiliating peace.” Analyse the statement with examples. **OR** “What were the peculiar features of Nazi thinking ? Explain any five	5
33	न्यायपालिका की स्वतंत्रता से क्या तात्पर्य है? व्याख्या कीजिए । या प्रधानमंत्री की प्रमुख शक्तियों एवं कार्यों का वर्णन कीजिये। What is meant by the independence of thejudiciary ? Explain. **OR** Explain the major powers and functions of the Prime Minister.	5
	SECTION E **CASE-BASED QUESTIONS (4X3=12)**	
34	गद्यांश को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: आंतरिक प्रवास से जनसंख्या के आकार में कोई परिवर्तन नहीं लाता है, लेकिन यह एक देश के भीतर जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करता है। जनसंख्या वितरण ऍवं उसके घटकों को परिवर्तित करने में प्रवास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में, अधिकतर प्रवास ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों की ओर होता है। क्यूंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अपकर्षण (push) कारक प्रभावी होते हैं ये ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और बेरोजगारी की प्रतिकूल अवस्थाएं हैं तथा नगर का कर्षण(pull) प्रभाव रोजगार में वृद्धि ऍवं अच्छे जीवन स्तर को दर्शाता है प्रवास जनसंख्या परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण घटक है। यह केवल जनसंख्या के आकार को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उम्र और लिंग के दृष्टिकोण से नगरीय ऍवं ग्रामीण जनसंख्या की संरचना को भी परिवर्तित करता है। भारत में, ग्रामीण-नगरीय प्रवास के परिणामस्वरूप शहरों तथा नगरों की जनसंख्या में नियमित वृद्धि हुई है। 34.1-आंतरिक प्रवाससे क्या परिवर्तन आता है? 34.2-भारत में, अधिकतर प्रवास ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों कीओरक्यों होताहै? 34.3- प्रवास के अपकर्षण (push) एवम कर्षण(pull) कारक बताइए	

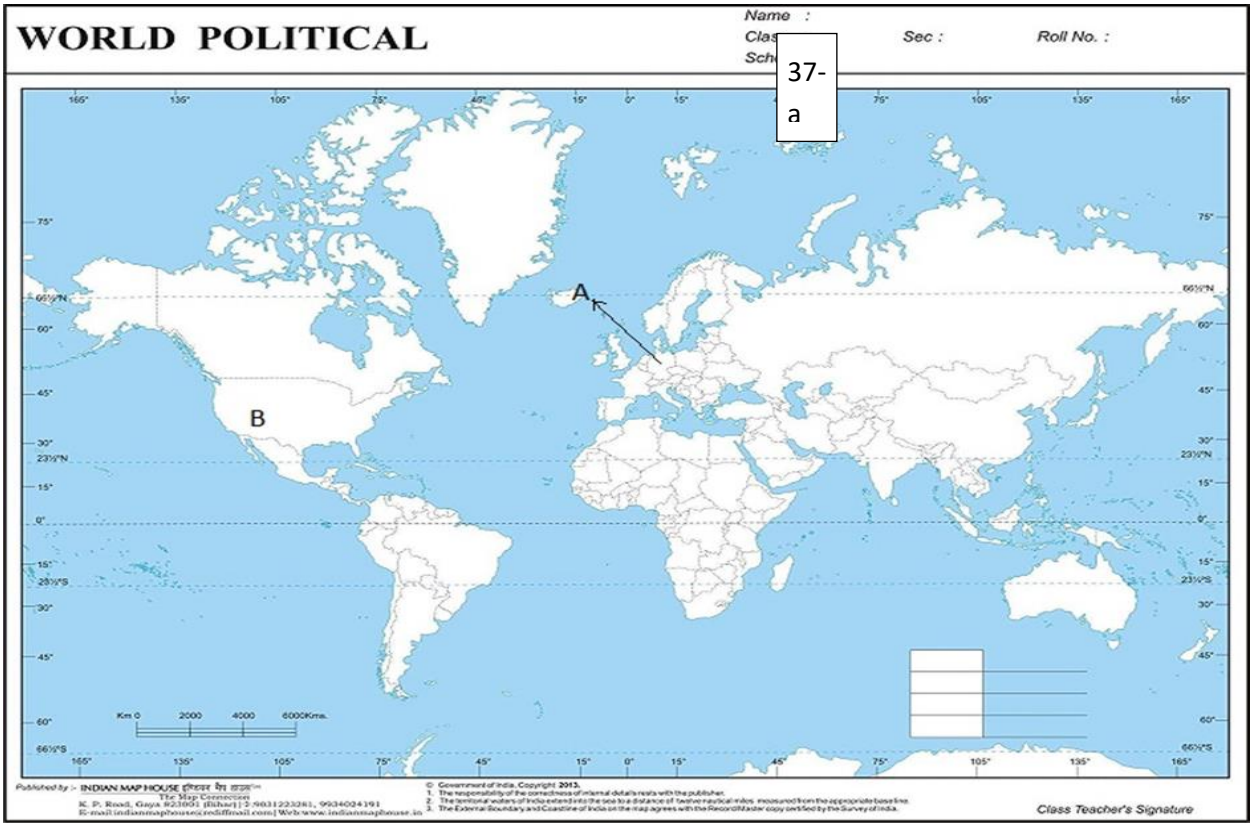
	Read the following passage and answer the questions that follows: Internal migration does not change the size of the population, but influences the distribution of population within the nation. Migration plays a very significant role in changing the composition and distribution of population. In India, most migrations have been from rural to urban areas because of the 'push' factor in rural areas. These are adverse conditions of poverty and unemployment in the rural areas and the 'pull' of the city in terms of increased employment opportunities and better living conditions. Migration is an important determinant of population change. It changes not only the population size but also the population composition of urban and rural populations in terms of age and sex composition. In India, the rural-urban migration has resulted in a steady increase in the percentage of population in cities and towns. 34.1-What change is brought about by internal migration? 34.2-Why do permanent migration occur from the rural areas to the urban areas? 34.3- What are push and pull factors of migration?	1 1 2
35	नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: वर्गों में विभाजित फ़्रांसीसी समाज मध्यकालीन सामंती व्यवस्था का अंग था।"प्राचीन राजतन्त्र" पद का प्रयोग सामान्यतः सन **1789** से पहले के फ़्रांसीसी समाज और संस्थाओं के लिए होता है। फ्रांसीसी समाज वर्ग व्यवस्था को दर्शाता है । पूरी आबादी में लगभग **90** प्रतिशत किसान थे। लेकिन , ज़मीन के मालिक किसानों की संख्या बहुत कम थी। लगभग **60** प्रतिशत जमीन पर कुलीनों , चर्च और तीसरे एस्टेटस के अमीरों का अधिकार था। प्रथम दो एस्टेटस कुलीन वर्ग एवम पादरी वर्ग के लोगों को कुछ विशेषाधिकार जन्मना प्राप्त थे। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण विशेषाधिकार था -राज्य को दिए जाने वाले करों से छूट। कुलीन वर्ग को कुछ अन्य सामंती विशेषाधिकार भी हासिल थे। वह किसानों से सामंती कर वसूल करता था। किसान अपने स्वामी की सेवा-स्वामी के घर और खेतों में काम करना- सैन्य सेवाएं देना अथवा सड़कों के निर्माण में सहयोग आदि - करने के लिएबाध्य थे (35.1)"प्राचीन राजतन्त्र" पद का प्रयोग किसलिए किया जाता है ? (35.2) पूरी आबादी में किसानों का अनुपात क्या था? कितने प्रतिशत जमीन पर कुलीनों, चर्च और तीसरे एस्टेटस के अमीरों का अधिकार था? (35.3) प्रथम दो एस्टेटस कुलीन वर्ग एवम पादरी वर्ग के लोगों को कौन से विशेषाधिकार जन्मना प्राप्त थे। **Read the passage given below and answer the questions that follows:** The society of estates was part of the feudal system that dated back to the Middle Ages. The term Old Regime is usually used to describe the society and institutions of France before 1789.	1 1 2

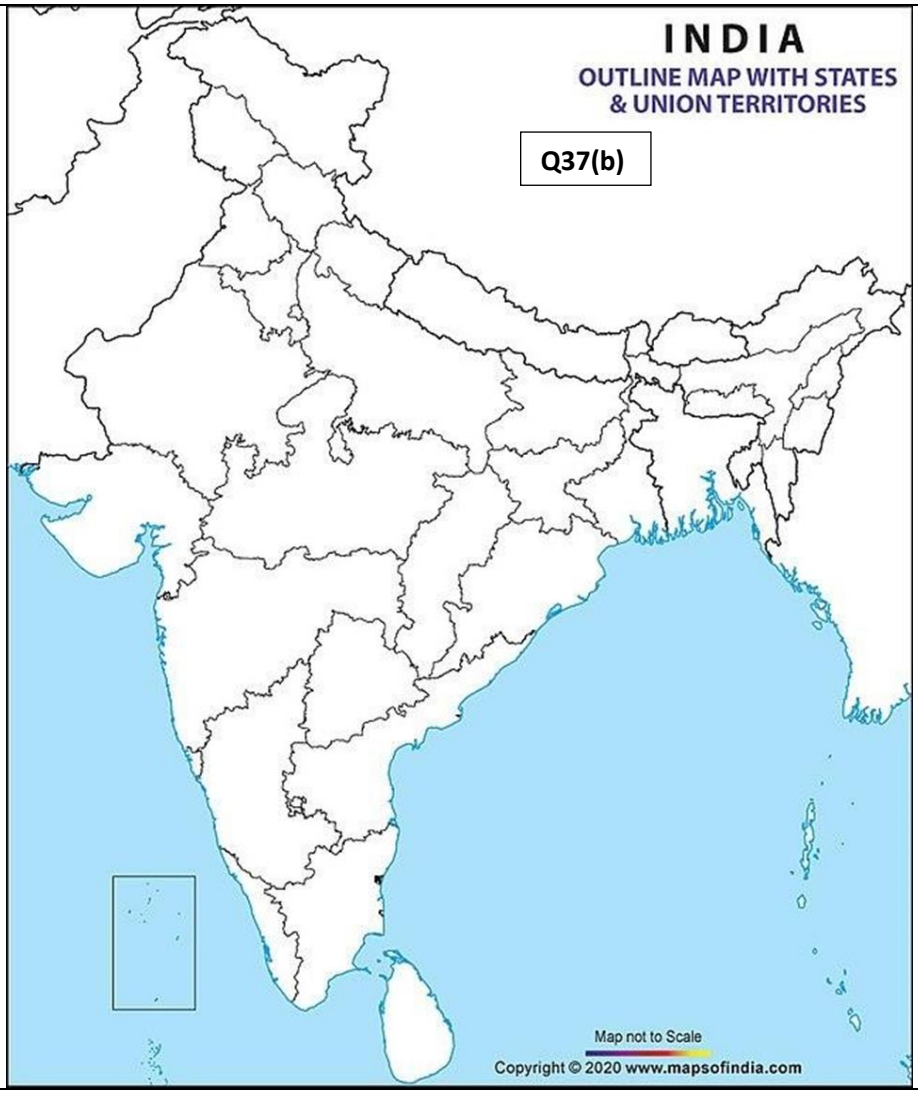
	French society was organised in system of estates. Peasants made up about 90 per cent of the population. However, only a small number of them owned the land they cultivated. About 60 per cent of the land was owned by nobles, the Church and other richer members of the third estate. The members of the first two estates, that is, the clergy and the nobility, enjoyed certain privileges by birth. The most important of these was exemption from paying taxes to the state. The nobles further enjoyed feudal privileges. These included feudal dues, which they extracted from the peasants. Peasants were obliged to render services to the lord – to work in his house and fields – to serve in the army or to participate in building roads. (35.1)What is meant by the term Old Regime? (35.2) What was the ratio of the Peasants? How much of the land was owned by nobles, the church and other richer members of the third estate.? (35.3) what were the privileges based on birth enjoyed by the members of the first two estates?	
36	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को अपना प्रतिनिधि चुनने और जनप्रतिनिधि के तौर पर चुने जाने का अधिकार देता है। लेकिन , हमारे संविधान निर्माताओं को चिंता थी कि संभव है खुले चुनावी मुकाबले में, कुछ कमजोर समूहों के लोग लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में पहुँच नहीं पाएं। संभव है कि चुनाव लड़ने और जीतने लायक जरूरी संसाधन, शिक्षा और संपर्क उनके पास हों ही नहीं। संसाधनों वाले प्रभावशाली लोग उनको चुनाव जीतने से रोक भी सकते हैं । अगर ऐसा होता है तो हमारी आबादी के एक बड़े हिस्से को आवाज ही नहीं पहुँच पाएगी । इससे हमारे लोकतान्त्रिक प्रतिनिधित्व का चरित्र कमजोर होगा और यह व्यवस्था कम लोकतांत्रिक होगी । **(36.1)** चुनावी निर्वाचन क्षेत्र क्या हैं**?** **(36.2)** वह क्या बात है जो हमारे लोकतान्त्रिक प्रतिनिधित्व का चरित्र कमजोर और व्यवस्था को कम लोकतांत्रिक बनाती है**?** **(36.3)** चुनाव को लोकतांत्रिक बनाने में सहायक कोईदो बिंदु लिखिए **Read the following passage and answer the questions that follows:** **Our Constitution entitles every citizen to elect her/his representative and to be elected as a representative. The Constitution makers, however, were worried that in an open electoral competition, certain weaker sections may not stand a good chance to get elected to the Lok Sabha and the State Legislative Assemblies. They may not have the required resources, education and contacts to contest and win elections against others. Those who are influential and resourceful may prevent them from winning elections. If that happens, our**	1 1 2

	Parliament and Assemblies would be deprived of the voice of a significant section of our population. That would make our democracy less representative and less democratic. **(36.1) What are electoral constituencies?** **(36.2) What makes the democracy less representative and less democratic?** **(36.3) What makes an election democratic, Write any two points**	
	SECTION F **MAP SKILL-BASED QUESTIONS (2+3=5)**	
37	**(अ) विश्व मानचित्र पर एक स्थान** 'A' **और एक स्थान** B **अंकित किया गया है।** **जगह की पहचान कर मानचित्र पर नाम लिखें। .** (**A**) प्रथम विश्व युद्ध में शामिल एक प्रमुख देश(**B**) सहयोगी शक्तियां में से एक देश 37**(ब)भारत के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित में से कोई तीन को चिह्नित करें** **i**) भारतीय मुख्य भूमि का सबसे दक्षिणी बिंदु। **ii**) भारत में सबसे बड़ी ताजे पानी की झील **iii**)दक्षिण भारत का एक राज्य जहाँ उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन हैं। **iv**) अरावली पहाड़ **37a-On the outline world map of the world a place "A" and B have been marked.Identify the place and write the name on the map. .** (A)A major country which participated in the First World War (B) A country part of Allied power in the Second world war. **37b-On the given political map of India locate any three of following:** i)The southernmost point of the Indian mainland. ii)Largest fresh water lake in India iii)A state in South India where there are tropical evergreen forests. iv) Aravalli hills **ध्यान दें: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या** 37**(अ)एवम 37 (ब) के स्थान पर हैं।** **1.** एक देश का नाम बताइए जो प्रथम विश्व युद्ध में शामिल था। **2.** उस देश का नाम बताइए जिसने **1917** में प्रथम विश्व युद्ध में प्रवेश किया था**?** **3.** उन राज्यों के नाम बताइए जिनसे होकर मानक याम्योत्तर गुजरती है**?** **4.** हिमालयसे निकलने वाली एक नदी का नाम बताइए। **5.** उस राज्य का नाम बताइए जिसमें सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान स्थित है। **Note: The following questions are for Visually Impaired Candidates only in lieu**	2 3

of Q. No.37(a) and 37(b)

1. Name one country which was involved in First world war.
2. Name the country who entered in world war I in 1917?
3. Name the states through which standard meridian passes?
4. Name one Himalayan River.
5. Name the state in which Simlipal National Park is Located.





----------END OF THE PAPER----------

SUBJECT-SOCIAL SCIENCE (087) /विषय - सामाजिक विज्ञानं (087)

TIME ALLOWED -3 HOURS **MAXIMUM MARKS-80**

समय की अनुमति -3 घंटे अधिकतम अंक -80

General Instructions:

i. Question Paper comprises Six Sections-A, B, C, D, E and F. There are 37 questions in the Question Paper. All questions are compulsory.

ii. **Section A**- Questions from 1 **to 20** are MCQs of **1 mark.**

iii. **Section B**- Questions from **21 to 24** are Very Short Answer Type Questions, carrying **2 marks** each. Answer to each question should not exceed **40 words.**

iv. **Section C**- Questions from **25 to 29** are Short Answer Type Questions, carrying **3 marks** each. Answer to each question should not exceed **60 words**.

v. **Section D**- Questions from **30 to 33** are Long Answer Type Questions, carrying **5 marks** each. Answer to each question should not exceed **120 words**.

vi. **Section E** - Questions from **34 to 36** are Case Based Questions, with three sub questions and are of 4 **marks** each.

vii. **Section F-** Question No. **37** is Map Based, carrying 5 marks with two parts, **37 (a)** from **History(2 marks)**and **37 (b)** from **Geography(3 marks)**

viii. There is no overall choice in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions. Only one of the choices in such questions has to be attempted.

ix. In addition to this, separate instructions are given with each section and question, wherever necessary.

सामान्य निर्देश :

प्रश्न पत्र में छह खंड शामिल हैं – ए, बी ,सी, डी, ई और एफ। प्रश्न पत्र में 37प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड ए-प्रश्न 1 से 20तक। प्रत्येक **1 अंक** के **बहुवैकल्पिक** प्रश्न हैं।

i. **खंड बी** - **प्रश्न 21 से 24 तक** अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के **2 अंक** हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **40 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

ii. **खंड सी** - **प्रश्न 25 से 29 तक** लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक के **3 अंक** हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **60 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

iii. **खंड डी -** प्रश्न 30 से 33 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए **5 अंक** हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **120 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

iv. **खंड ई - प्रश्न 34 से 36 तक** तीन उप प्रश्नों के साथ **केस आधारित** प्रश्न हैं और प्रत्येक के लिए **4 अंक** हैं ।

v. **खंड एफ - प्रश्न संख्या 37मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न** है, जिसमें दो भागों के साथ **5 अंक** हैं, इतिहास से **37 (ए) 2** अंक और भूगोल से **37 (बी) 3 अंक** के हैं ।

vi. प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं है, आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है। कुछ प्रश्नों में, ऐसे प्रश्नों में से केवल एक विकल्प का प्रयाश करना है ।

इसके अलावा, जहाँ आवश्यकता है, प्रत्येक अनुभाग और प्रश्न के साथ अलग – अलग निर्देश दिये गये हैं ।

Section A - MCQs (1X20=20)

Q No	Question	Marks
1	What was Tithes? (a) Atax levied by the church. (b) A tax levied by the king. (c) Unit of currency in France. (d) None of these. टाइद क्या था ? (ए) चर्च द्वारा लगाया जाने वाला कर (बी) राजा द्वारा लगाया जाने वाला कर (सी) फ्रांस की मुद्रा की इकाई (डी) इनमें से कोई नहीं	1
2	Why is the period from 1793 to 1794 referred to as the 'Reign of Terror'? (a) Louis XVI's successor became a tyrant (b) Robespierre followed a policy of severe control and punishment (c) Jacobins opted for loot and plunder (d) None of the above 1793 से 1794 तक की अवधिको 'आतंक का शासन' क्यों कहा जाताहै? (ए) लुई सोलहवें का उत्तराधिकारी अत्याचारी बन गया (बी) रोबेस्पिएरे ने गंभीर नियंत्रण और दंड की नीति का पालन किया (सी) जैकोबिन्स ने लूट और लूट का विकल्प चुना (डी) उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
3	Which of the following was not a factor in the revolution of Europe? a) October manifesto	1

	b) Bloody Sunday c) Condition of workers d) Russo- Japanese war Q.1रूस की क्रांति में निम्नलिखित में से कौन एक कारक नहीं था? a) अक्टूबर घोषणा पत्र b) खूनी रविवार c) श्रमिकों की स्थिति d) रूस-जापान युद्ध	
4	IdentifythecorrectstatementsaboutLiberals- - Tolerancetoreligious - Opposedwomenrights - Not democratic Options- (a) Notdemocratic (b) Opposedwomenrights (c)Tolerancetoreligious (d) Allofthese विकल्प- उदारवादियों के बारे में सही कथन को पहचाने। a) अलोकतांत्रिक b) महिला अधिकार के विरोधी c) धर्म के प्रति सहिष्णु d) उपरोक्त सभी	**1**
5	In context of Germany what was 'Holocaust'? (a) Nazi propaganda (b) Nazi Honour Crosses (c) Nazi killing operations (d) A Nazi School जर्मनी के संदर्भ में 'प्रलय' क्या था? (ए) नाजी प्रचार (बी) नाज़ी ऑनर क्रॉस (सी) नाजी हत्या संचालन (डी) एक नाज़ी स्कूल	**1**
6	TheTropicofCancerdoes notpass through (a) Rajasthan(b) Orissa(Now Odisha) (c)Chhattisgarh(d) Tripura कर्क रेखा निम्नलिखित में से किस राज्य से होकर नहीं गुजरती। (a) राजस्थान (b) ओडिशा (c) छत्तीसगढ़ (d) त्रिपुरा	**1**
7	The Highest Peak in the Eastern Ghat is…..	**1**

	(a) AnaiMudi (b) MahendraGiri (c) Kanchanjunga (d) Khasi पूर्वी घाट का सर्वोच्च शिखर है ..... (ए) अनाई मुड़ी (बी) महेंद्र गिरि (सी) कंचनजंगा (डी)खासी	
8	The River Narmada has its source at…. (a) Satpura b . Amarkantak (b) Brahmagiri d . Slopes of the Western Ghat नर्मदा नदी का उद्गम कहाँ से है ? (ए) सतपुड़ा (बी) अमर कंटक (सी) ब्रह्मगिरि (डी) पश्चिमी घाट के ढाल	**1**
9	Who was the president of the constituent assembly? (a) Dr Rajender Prasad (b) Dr Bhim Rao Ambedkar (c) Jaipal Singh (d) HC Mukherje संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे? (ए) डॉराजेंद्र प्रसाद (b) डॉ भीमराव अंबेडकर (सी) जयपाल सिंह (d) एच सी मुखर्जी	**1**
10	10- The …… was the umbrella organization that led the struggle against the policies of segregatio**n** A. African People's Congress B. African National Congress C. Congress of Africa D. None अलगाव की नीतियों के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व करने वाला छत्र संगठन …… था (a)अफ्रीकी पीपुल्स कांग्रेस (b)अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (c)अफ्रीका की कांग्रेस (d)कोई नहीं	**1**
11	A) Assertion:- The parliament cannot pass a law reducing the power of the judiciary. (R) Reason:-The country is a Democratic country and there is an independent judiciary system.	**1**

	a) A is correct and R is the true explanation of A b) A is correct but R is not a true explanation of A c) A is not correct d) Both A and R is not correct (A)अभीकथन - संसद न्यायपालिका की शक्ति को कम करने वाला कानून पारित नहीं कर सकती है। (R) कारण:- यह देश एक लोकतांत्रिक देश है और एक स्वतंत्र न्यायपालिका प्रणाली है। a)A सही है औरR,A का सही स्पष्टीकरण है b)A सही है लेकिनR,A का सही विवरण नहीं है। c)R सही नहीं है। d)A औरR दोनों सही नहीं है।	
12	Catching fish is a ……. (a) Primary activity (b) Secondary activity (c) Tertiary activity (d) Trade activity मछली पकड़ना है ..... (ए) प्राथमिक क्रिया (बी) द्वितीय क्रिया (सी) तृतीय क्रिया (डी) व्यापार क्रिया	**1**
13	**'SarvaShikshaAbhiyan'** provides elementary education to all children in the age group of……. (a) 5-10 years (b) 6-10 years (c) 10-15 years (d) 6-14 years 'सर्व शिक्षा अभियान 'किस आयु वर्ग के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करता है (ए) 5-10 वर्ष (बी) 6-10वर्ष (सी) 10-15 वर्ष (डी)6-14 वर्ष	**1**
14	Which anti-poverty program provides 100 days of assured employment to the rural poor? A. Mid Day Meal B. MGNREGA 2005 C. AAY D. SSA कौन सा निर्धनता विरोधी कार्यक्रम ग्रामीण गरीबों को 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार प्रदान	**1**

	करता है? (a) मध्यान्ह भोजन (b) मनरेगा 2005 (c) अंत्योदय अन्न योजना (d) सर्व शिक्षा अभियान	
15	Which body is responsible for conducting sample survey for estimation of poverty line? a) sample survey organization b) the state government c) national sample survey organization d)none of them गरीबी रेखा के आकलन के लिए नमूना सर्वेक्षण करने के लिए कौन सा निकाय जिम्मेदार है। a) नमूना सर्वेक्षण संगठन b) राज्य सरकार c) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन d) इनमें से कोई नहीं	**1**
16	Whichofthefollowingis notananti-poverty programme? (a) MNREGA (b) AAY (c)PMGY (d) NSSO इनमे से कौन गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है? (a) MNREGA (b) AAY (c)PMGY (d) NSSO	**1**
17	Whatis Foodsecuritymeans: (a) availability of food (b) accessibility (c) affordability (d) all of theabove खाद्य सुरक्षा का अर्थ है- (a) भोजन की उपलब्धता (c) भोजन तक पहुँच (c) भोजन प्राप्त करने की क्षमता (d) उपरोक्त सभी	**1**
18	Farmers are paid a pre-announced price for their crops by FCI which is known as: (a) Market price (b)Minimumsupportprice (c)Cost price (d)IssuePrice एफ. सी. आई. किसानो को फसलों की पूर्व घोषित कीमत देता है, जिसे कहते हैं	**1**

	(a) बाजार मूल्य (b) न्यूनतम समर्थन मूल्य (c) लागत मूल्य (d) निर्गत मूल्य	
19	The most devastating famine of 1943 occurred in which state of India? (a) Odisha (b) Bengal. (c) Bihar (d) Rajasthan 1943 का सबसे विनाशकारीअकाल भारत के किस राज्य में पड़ा। (ए) ओडिसा (बी) बंगाल (सी) बिहार (डी) राजस्थान	**1**
20	The accepted average calories requirement in India is_____ calories per person per day in urban areas. भारत में स्वीकृत औसत कैलोरी की आवश्यकता शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन ---------- कैलोरी है।	**1**

Section B - VERY SHORT ANSWER QUESTION (2x4=8)

21	Discuss whydid Nazism become popular in Germany by 1930? 1930 तक जर्मनी मे नाजीवाद क्यो प्रसिद्ध हो गया?	**2**
22	Namethelargestcountryintheworld in respect of area,andwhatisIndia'spositionin terms ofsize? क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश कौन सा है?क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?	**2**
23	What do you understand by 'People as a resource '? संसाधन के रूप में लोग ' से आप क्या समझते हैं?	**2**
24	Why Buffer stock is created by the government? सरकार बफर स्टॉक को क्यों बनाती है?	**2**

Section C - SHORT ANSWER-BASED QUESTIONS (3x5-15)

25	What is collectivisation? Discuss any four main features of Stalin's collectivisation programme. सामूहिकीकरण क्या है? स्टालिन के सामूहिकीकरण कार्यक्रम की कोई भी चार मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें। **OR**	**3**

	Examine the main events and effects of October revolution. अक्टूबर क्रांति की मुख्य घटनाओं और प्रभावो की जांच करें।	
26	What werethepeculiar featuresofNazi thinking? नाज़ीसोच के अहम पहलू क्या थे?	**3**
27	"The land of India displays great physical variations" Justify the statement by giving suitable examples. भारत की भूमि महान भौतिक विविधताओं को प्रदर्शित करती है। उपयुक्त उदाहरण देकर कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए। OR "The diverse physical features of India are of immense value". Justify the statement by giving suitable examples. "भारत की विविध भौतिक विशेषताओं का मूल्य अपार है"। उपयुक्त उदाहरण देकर कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।	**3**
28	Why do we need a Parliament? हमें संसद की आवश्यकता क्यों है?	**3**
29	What are the main reasons of poverty in India? भारत में गरीबी के मुख्य कारण क्या हैं ? **OR / अथवा** Describe current government strategy of poverty alleviation. निर्धनता उन्मूलन की वर्तमान सरकारी रणनीति को लिखें।	**3**

Section D LONG ANSWER-BASED QUESTIONS (5X4=20)

30	Make a lists of two democratic rights we enjoy today whose origins could be traced to the French Revolution. उन दो जनवादी अधिकारों की सूची बनायें जो आज हमें मिले हुए हैं और जिनका उद्गम फ्रांसीसी क्रांति में है।	**5**
31	What do you mean by population growth and population change? What are the main causes of population change? जनसंख्या वृद्धि एवं जनसँख्या परिवर्तन से आप क्या समझते हैं? जनसँख्या परिवर्तन के मुख्या कारण क्याहै?	**5**
32	Explain any five points in favor of democracy? लोकतंत्र के पक्ष में कोई पांच बिंदुओं की व्याख्या करें?	**5**
33	You are an officer-in-charge for ensuring free and fair elections in assembly	**5**

	constituency in a state. So as an officer-in charge which two things will you focus for free and fair election campaign? आप एक राज्य विधानसभा क्षेत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने वाले अधिकारी है|चुनाव प्रचार के समय आपको किन दो बातों का ध्यान रखना चाहिए?	

Section E CASE-BASED QUESTIONS (4X3=12)

34	**-Read the source given below and answer the the question that follows:** In summer, the mercury occasionally touches 50° C in some parts of the Rajasthan desert, whereas it may be around 20° C in Pahalgam in Jammu and Kashmir. On a winter night, temperature at Drass in Jammu and Kashmir may be as low as minus 45° C. Thiruvananthapuram, on the other hand, may have a temperature of 22° C. There are variations not only in the form and types of precipitation but also in its amount and the seasonal distribution. While precipitation is mostly in the form of snowfall in the upper parts of Himalayas, it rains over the rest of the country. The annual precipitation varies from over 400 cm in Meghalaya to less than 10 cm in Ladakh and western Rajasthan. Most parts of the country receive rainfall from June to September due to south west monsoon. But some parts like the Tamil Nadu Coast gets a large portion of its rain during October and November. In general, coastal areas experience less contrasts in temperature conditions. Seasonal contrasts are more in the interior of the country. There is a decrease in rainfall generally from east to west in the Northern Plains. These variations have given rise to variety in the lives of people – in terms of the food they eat, the clothes they wear and also the kind of houses they live in. 34.1 In which part of India the temperature rises up to 50° C during summer? 34.2Which wind is responsible for rainfall in India? 34.3 What is the impact of weather variation in different part of India? गर्मियों में, पारा कभी-कभी राजस्थान के रेगिस्तान के कुछ हिस्सों में 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में यह 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास हो	**1+1+2**

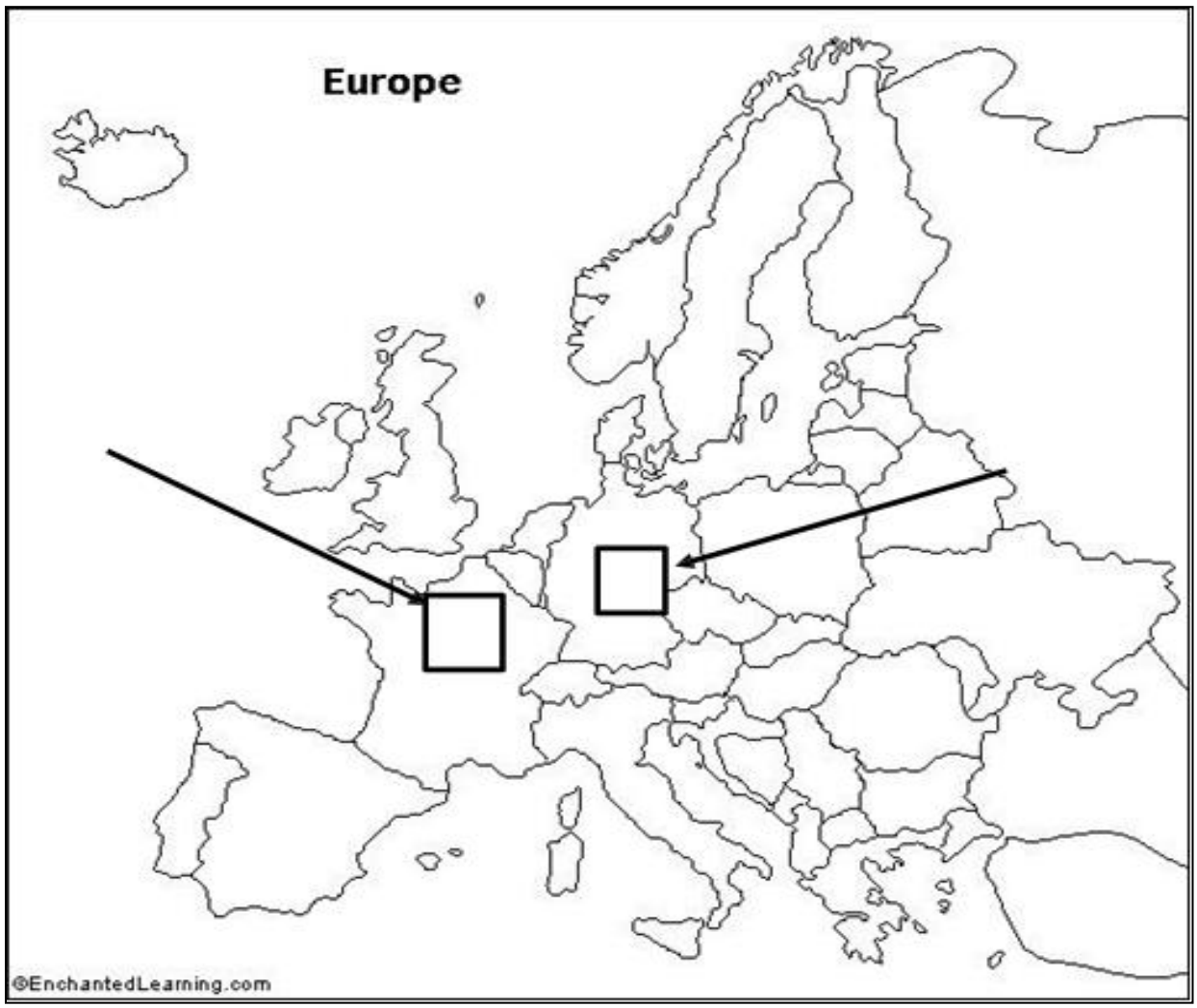
	सकता है।सर्दियों की रात में, जम्मू और कश्मीर के द्रास में तापमान शून्य से 45 डिग्री सेल्सियस कम हो सकता है।दूसरी ओर, तिरुवनंतपुरम में तापमान 22 डिग्री सेल्सियस हो सकता है।वर्षा के रूप और प्रकार में ही नहीं, बल्कि इसकी मात्रा और मौसमी वितरण में भी भिन्नता है।हिमालय के ऊपरी भागों में अधिकांशतः वर्षा हिमपात के रूप में होती है, जबकि देश के शेष भागों में वर्षा होती है।वार्षिक वर्षा मेघालय में 400 सेमी से अधिक और लद्दाख और पश्चिमी राजस्थान में 10 सेमी से कम होती है।देश के अधिकांश भागों में जून से सितम्बर तक वर्षा दक्षिण पश्चिम मानसून पवन के कारण होती है। लेकिन तमिलनाडु तट जैसे कुछ हिस्सों में अक्टूबर और नवंबर के दौरान बारिश का एक बड़ा हिस्सा मिलता है।सामान्य तौर पर, तटीय क्षेत्रों में तापमान की स्थिति में कम विपरीतता का अनुभव होता है। देश के आंतरिक भाग में मौसमी विषमताएँ अधिक होती हैं। उत्तरी मैदानों में सामान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा में कमी होती है।इन विविधताओं ने लोगों के जीवन में विविधता को जन्म दिया है – उनके द्वारा खाए जाने वाले भोजन, उनके द्वारा पहने जाने वाले कपड़े और उनके रहने के प्रकार के संदर्भ में। 34.1 भारत के किस भाग में ग्रीष्म ऋतु में तापमान 50° C तक बढ़ जाता है? 34.2 भारत में वर्षा के लिए कौन-सी पवन उत्तरदायी है? 34.3 भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मौसमी दशाओं में अंतर का क्या प्रभाव पड़ता है?	
35	**Read the given text and answer the following questions.** The NHRC cannot by itself punish the guilty. That is the responsibility of courts. The NHRC is there o make independent and credible inquiry into any case of violation of human rights. It also inquires into any case of abetment of such violation or negligence in controlling it by any government officer and takes other general steps to promote human rights in the country. National Human Rights Commission stepped in. This is an independent commission set up by law in 1993. Like judiciary, the Commission is independent of the government. The Commission is appointed by the President and includes retired judges, officers and eminent citizens. Yet it does not have the burden of deciding court cases. So it can focus on helping the victim secure their human rights. These include all the rights granted to the citizens by the Constitution. For NHRC human rights also include the rights mentioned in the UN sponsored international treaties that India has signed.	**1+1+2**

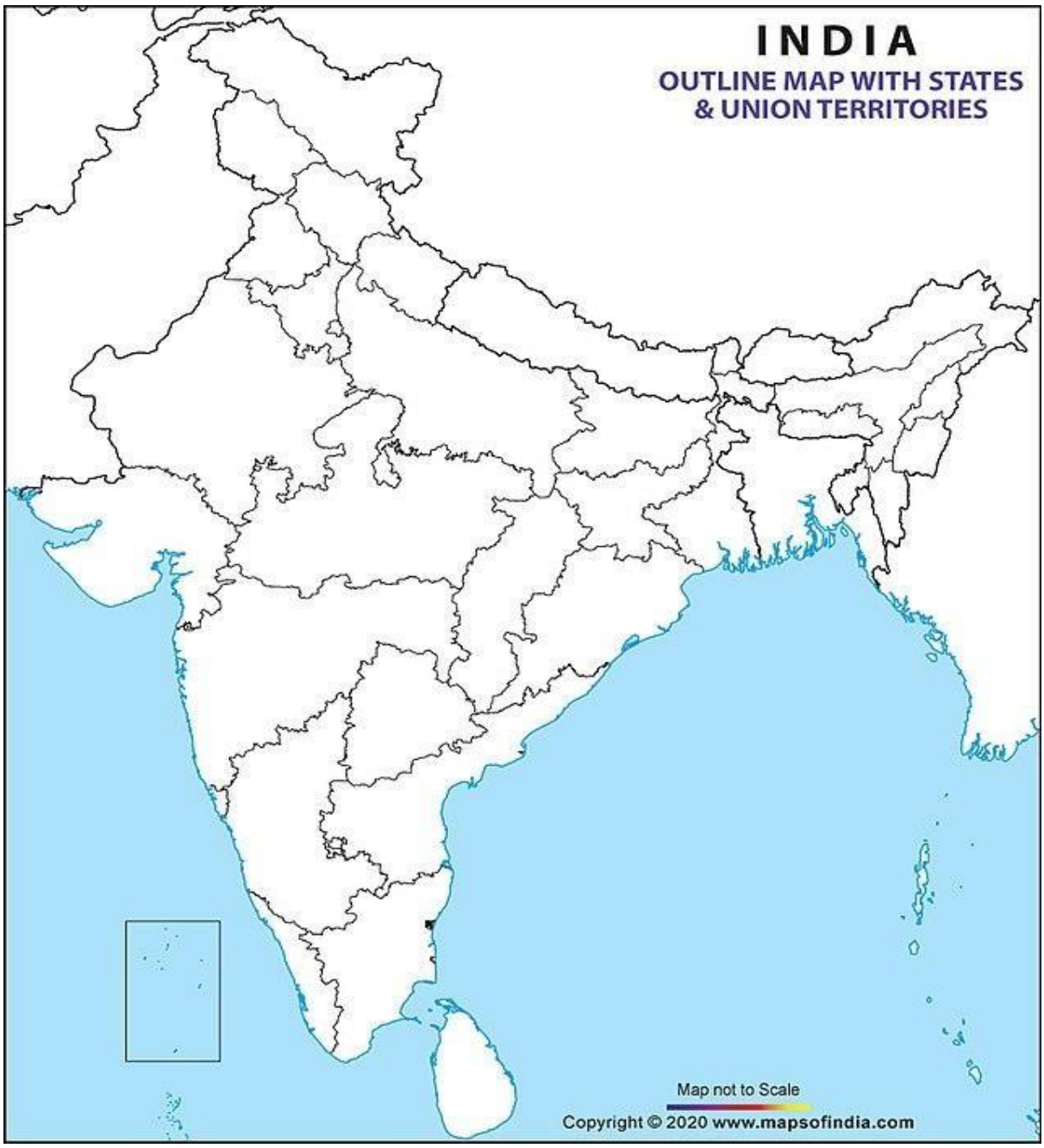
	(i) When was NHRC set up? (1) (ii) How are the members of NHRC appointed? (1) **(iii)** In what type of activities in NHRC involved? (2) **दिये गये मूल पाठ को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।** राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग खुद किसी को सजा नहीं दे सकता। यह जिम्मेदारी अदालतों की है। आयोग का काम मानवाधिकार के उल्लंघन के किसी मामले में स्वतंत्र और विश्वसनीय जांच करना है।यह उन मामलों की भी जाँच करता है जहाँ ऐसे उल्लंघन में या इन्हें रोकने में सरकारी अधिकारियों पर उपेक्षा बरतने का आरोप हो। यह देश में मानवाधिकारों को बढ़ाने और उनके प्रति चेतना जगाने का काम भी करता है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने इस मामले में पहल की। यह 1993 में कानून के द्वारा बनाया गया एक स्वतंत्र आयोग है। न्याय पालिका की तरह आयोग भी सरकार से स्वतंत्र होतें हैं। आयोग की नियुक्ति राष्ट्र पति करते हैं और इसमें आमतौर पर सेवानिवृत्त जज, अधिकारी या प्रमुख नागरिकों को ही नियुक्त किया जाता है। किन्तु इस पर अदालती मामलों में फैसले देने का दायित्व या बोझ नहीं होता। सो यह पीड़ितों को उनके मानवादिकार दिलाने में मादा करने पर ही सारा ध्यान दे सकता है। इनमें संविधान प्रदत्त अधिकार भी शामिल हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के लिए अधिकारों की परिभाषा में संयुक्त राष्ट्र द्वारा कराई गई वे संधियाँ और अंतर्राष्ट्रीय घोषणाएँ भी शामिल हैं जिन पर भारत ने दस्तखत किये हैं। (i) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की स्थापना कब हुई? (1) (ii) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कैसे होती है? (1) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग किस प्रकार के कार्यक्रमोंमें संलग्न है? (2)	
36	Read the source given below and answer the questions that follows: Like Vilas and Sakal, people have been engaged in various activities. We saw that Vilas sold fish and Sakal got a job in the firm. The various activities have been classified into three main sectors i.e., primary, secondary and tertiary. Primary sector includes agriculture, forestry, animal husbandry, fishing, poultry farming, mining and quarrying. Manufacturing is included in the secondary sector. Trade, transport, communication, banking, education, health, tourism, services, insurance, etc. are included in the tertiary sector. The activities in this sector result in the production of goods and services. These activities add value to the national income. These activities are called economic activities.	**1+1+2**

	Economic activities have two parts — market activities and non-market activities. Market activities involve remuneration to anyone who performs i.e., activity performed for pay or profit. These include production of goods or services, including government service. Non-market activities are the production for self-consumption. I. In which sector manufacturing is included II. Which activities are called economic activities III. Give an example of primary sector IV. Define market activities **नीचे दिए गए स्रोत को पढ़ें और निम्न प्रश्नों के उत्तर दें** **विलास और शक्ल की तरह, लोग विभिन्न गतिविधियों में लगे हुए हैं। हमने देखा कि विलास ने मछली बेची और शक्ल को फ़र्म में नौकरी मिल गई। विभिन्न गतिविधियों को तीन मुख्य क्षेत्रों अर्थात प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक में वर्गीकृत किया गया है। प्राथमिक क्षेत्र में कृषि, वानिकी, पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, खनन और उत्खनन शामिल हैं। विनिर्माण द्वितीय क्षेत्र में शामिल है। व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन सेवाएं, बीमा आदि तृतीय क्षेत्र में शामिल हैं। इस क्षेत्र की गतिविधियों के परिणाम स्वरूप वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है। यह गतिविधियां राष्ट्रीय आय में मूल्य जोड़ती हैं। इन गतिविधियों को आर्थिक गतिविधियां कहा जाता है। आर्थिक गतिविधियों के दो भाग हैं। बाजार गतिविधियां और गैर बाजार गतिविधियां। बाजार की गतिविधियों में किसी के लिए पारिश्रमिक शामिल होता है जो कार्य करता है, यानी वेतन या लाभ के लिए की जाने वाली गतिविधि। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन शामिल है। गैर बाजार गतिविधियां आत्म उपभोग के लिए उत्पादन है।** 1. **किस क्षेत्र में विनिर्माण शामिल है?** 2. **किन गतिविधियों को आर्थिक गतिविधियां कहा जाता है?** 3. **प्राथमिक क्षेत्र का एक उदाहरण दें।** **बाजार की गतिविधियों को परिभाषित करें।**	

37	A. On the given outline Political Map of Europe, identify the countrymarked as boxwith the help of following information and write its correct name on the line	**3+2=5**

	marked near it. **दिए गए रूपरेखा पर यूरोप के राजनीतिक मानचित्र पर, निम्नलिखित जानकारी की सहायता से बॉक्स के रूप में चिन्हित देश की पहचान करें और उसके पास चिह्नित रेखा पर उसका सही नाम लिखें** B. On the given map of India, locate the following: 1-Chilka lake 2- Sariska wildlife sanctuary 3-Wular lake **दिए गए भारत के नक्शे पर, निम्नलिखित का पता लगाएं:** 1- **चिल्का झील** 2- **सरिस्का वन्य जीव** 3-**वुलर झील** नेत्रहीन छात्रों के लिए 37.1. A).Name the place from where the French revolution was started. B).Name one country which was with allied powers during the first world war. क).उस स्थान का नाम बताइये जहाँ से फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत हुई थी। ख).एक ऐसे देश का नाम बताइए जो प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मित्र शक्तियों के साथ था। 37.2 A. Name the island group situated in Arabian sea B. Name the states from where River Ganga flows. C. Name the areas where evergreen forests are found क. अरब सागर में स्थित द्वीप समूह का नाम बताइये ख. उन राज्यों के नाम बताएं जहां से गंगा नदी बहती है। ग. उन क्षेत्रों के नाम बताइए जहाँ सदाबहार वन पाए जाते हैं	


Europe
©EnchantedLearning.com


INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
Map not to Scale
Copyright © 2020 www.mapsofindia.com



केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan